RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 12 अंक 45
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 2 दिसंबर, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

विनम्रता से परिपूर्ण
विविध-12

www.dailypioneer.com

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर जारी रहेगी रोक

● ओमीक्रोन वैरिएंट से पैदा हुए वैश्विक हालात के मद्देनजर बदला फैसला, 15 दिसंबर से शुरू होने वाली थीं उड़ानें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमीक्रोन से फैली दहशत के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर रोक जारी रहेगी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बुधवार को कोविड-19 के नए वैरिएंट ओमीक्रोन के सामने आने के बाद वैश्विक परिदृश्य का हवाला देते हुए अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को बहाल नहीं करने का निर्णय लिया है। भारत में अभी तक ओमिक्रॉन का कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के कारण हवाई यात्रा लंबी और महंगी होती जा रही है।

डीजीसीए ने बुधवार को जारी सर्कुलर में कहा कि नए वैरिएंट के सामने आने से पैदा हुए वैश्विक हालात के मद्देनजर, सभी हितधारकों के परामर्श के साथ ही हालात पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। इसके साथ ही वाणिज्यिक अंतरराष्ट्रीय यात्री सेवाओं को फिर से शुरू करने पर उचित समय पर निर्णय लेने के बाद प्रभावी तिथि के संबंध में अधिसूचित किया जाएगा। डीजीसीए ने 26 नवंबर को जारी अपने सर्कुलर का भी हवाला दिया, जिसमें यह तय किया गया था कि निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें 15 दिसंबर से फिर से शुरू होंगी। पायनियर ने पहले बताया था कि पहले से निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को फिर से शुरू करने में 15 दिसंबर से देरी होने की संभावना है। संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूरोपीय संघ, इज़राइल, चीन ने पहले ही दक्षिण अफ्रीका, बोत्सवाना, जिम्बाब्वे, नामीबिया, लेसोथो, इस्वातिनी, मोज़ाम्बिक और मलावी के यात्रियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। जापान ने भी अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा को पूरी तरह से बंद करने का फैसला किया है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को फिर से शुरू करने पर निर्णय संभवत: तभी लिया जाएगा जब सरकार मौजूदा महामारी की स्थिति के बीच ऐसा करने के लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित पाएगी।

दिल्ली, कर्नाटक और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से वर्तमान हालात में प्रभावित देशों से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को फिर से नहीं खोलने का आग्रह किया है। यह निर्णय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अधिकारियों से ओमीक्रोन के नए मामले को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंधों को कम करने की योजना की समीक्षा करने के लिए कहने के कुछ दिनों बाद आया है। प्रधानमंत्री की समीक्षा बैठक के बाद, गृह मंत्रालय (शेष पेज 9)

लंबी और महंगी हुई हवाई यात्रा

नई दिल्ली। सरकार के नए दिशानिर्देशों के कारण हवाई यात्रा अधिक लंबी और महंगी हो गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि उन देशों से आने वाले यात्रियों में से केवल दो फीसदी जो जोखिम की सूची में नहीं हैं, कोरोनोवायरस के लिए रैंडम नमूने लिए जाएंगे और ऐसे यात्रियों के नमूने लेने के बाद हवाई अड्डे से बाहर जाने की अनुमति दी जाएगी। यात्रियों से आरटी-पीसीआर जांच के लिए 500 रुपये लिए जा रहे हैं, जिसकी रिपोर्ट 5-6 घंटे में मिल जाएगी। जो यात्री रैपिड पीसीआर परीक्षण का विकल्प चुनते हैं, उन्हें हवाई अड्डे पर 3,900 रुपये खर्च करने होंगे और ये एक घंटे में इसकी रिपोर्ट हासिल कर सकते हैं। जोखिम वाले देशों से चेन्नई जाने वाले हवाई यात्रियों को रैपिड टेस्ट के लिए 4,000 रुपये का भुगतान करना होगा, जबकि नियमित आरटी-पीसीआर का चयन करने वालों को 900 रुपये चुकाने होंगे।

जोखिम वाले देशों से आई 11 उड़ानों में छह यात्री संक्रमित मिले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप को लेकर चिंता के बीच जोखिम वाले देशों से बुधवार को भारत पहुंची 11 उड़ानों के 3476 यात्रियों की जांच की गई जिनमें से कोविड-19 के छह मामले मिले। अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए केंद्र सरकार के संशोधित दिशा-निर्देश बुधवार से अमल में आ गए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सार्स-कोव-2 (कोरोना वायरस) के नए स्वरूप को चिंता का स्वरूप घोषित किया है। इस वजह से नए दिशा-निर्देश जारी करने पड़े हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि केंद्र की ओर से अंतरराष्ट्रीय मुसाफिरों के लिए जारी जारी दिशा-निर्देश के लागू होने के पहले दिन कोविड से छह यात्री संक्रमित पाए गए हैं। जोखिम वाले देशों से बुधवार शाम तक लखनऊ को छोड़कर देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर 11 उड़ाने पहुंची जिनमें 3476 यात्री सवार थे।

मंत्रालय के मुताबिक, सभी 3476 मुसाफिरों की आरटी-पीसीआर पद्धति से जांच की गई और सिर्फ छह यात्री संक्रमित पाए गए। उसने बताया कि संक्रमित पाए गए यात्रियों के नमूनों को संपूर्ण जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए आईएनएसएसीओजी प्रयोगशालाओं में भेजा गया है। 30 नवंबर को अपडेट सूची के अनुसार, जोखिम वाले देशों में यूरोपीय देश, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, बोत्सवाना, चीन, मॉरीशस, न्यूजीलैंड, जिम्बाब्वे, सिंगापुर, हांगकांग और इज़राइल हैं। इन देशों के यात्रियों (शेष पेज 9)

निलंबित परीक्षा नियंत्रक प्राधिकारी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी टीईटी) 2021 पेपर लीक मामले में एसटीएफ ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार को निलंबित किए गए वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी और सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी (पीएनपी) संजय उपाध्याय को लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया। उन्हें अहम कार्य में गोपनीयता न बरतने और परीक्षा की शुचिता बरकरार न रख पाने में प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया है। संजय उपाध्याय को लखनऊ से गिरफ्तार कर नोएडा ले जाया गया है। इसके पहले यूपी एसटीएफ ने प्रश्नपत्र छापने वाली एजेंसी के निदेशक राय अनूप प्रसाद को नोएडा से गिरफ्तार किया था।

इस एजेंसी को प्रश्न पत्र छापने का वर्क आर्डर संजय उपाध्याय ने जारी किया था। 28.11.2021 को उत्तर प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर आयेजित होने वाली सहायक अध्यापक पात्रता परीक्षा 2021 के प्रश्न पत्र को अवैध तरीके से अभ्यर्थियो को लाभ पहुंचाने के लिए भारी मात्रा में धन लेकर प्रश्न पत्र आउट कराने के इस मामले में एसटीएफ अब तक अलग-अलग जनपदों में कुल 10 मुकदमे दर्ज कराकर 32 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें प्रयागराज से 18, शामली से 4, लखनऊ से 4, अयोध्या से 3, कौशाम्बी, बागपत और नोएडा एक एक गिरफ्तारी हुई है। अभियुक्तों के पास से भारी मात्रा में प्रश्नपत्र की छायाप्रति, मोबाइल के व्हाटसएप पर प्रश्नपत्रों की फोटो, पेन ड्राइव आदि बरामद कर उनको जेल भेजा गया।

एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि एसटीएफ फील्ड यूनिट नोएडा द्वारा की जा रही जांच के दौरान एवं गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ एवं साक्ष्यों के आधार पर 30.11.21 को सहायक अध्यापक पात्रता परीक्षा (शेष पेज 9)

टीईटी पर्चा लीक

संजय उपाध्याय

अनिल भूषण चतुर्वेदी फिर बने पीएनपी के सचिव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी टीईटी पेपर लीक प्रकरण में परीक्षा नियामक प्राधिकारी सचिव संजय उपाध्याय पर कार्यवाही के बाद शासन स्तर पर इसकी जिम्मेदारी फिर से अनिल भूषण चतुर्वेदी को दे दी गई है। अनिल भूषण चतुर्वेदी का तबादला इसी साल जून में सचिव के पद से स्थानांतरित कर निदेशक एससीईआरटी पद पर लखनऊ भेजा गया था। इसके अलावा मनोज कुमार अहिरवार रजिस्ट्रार होंगे।

अलीगढ़ से वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पर्चा लीक मामले में शामली में दर्ज हुए मुकदमे में वांछित एक अभियुक्त गौरव को एसटीएफ ने अलीगढ़ से गिरफ्तार किया है। जिसने पांच लाख में टीईटी का पेपर कुछ लोगों के माध्यम से मथुरा से अपने व्हाट्सएप पर मंगाकर उसे दो-दो लाख में बेचा था। गौरव ने पूछताछ पर बताया कि मैंने व मेरे साथियों द्वारा कुछ दिन पहले यूपी टीईटी की परीक्षा का प्रश्नपत्र आउट कराया था। जिनमें से मेरे कुछ साथी 28.11.2021 को जनपद शामली में पुलिस द्वारा पकड़ लिये गए, जिसकी भनक हम लोगों को लग गयी थी। सख्ती से की गयी पूछताछ में उसके द्वारा बताया गया कि मैंने यूपीटीईटी का यह पेपर निर्दोश पुत्र केहरी सिंह निवासी गोडा जनपद अलीगढ़ व विष्णु पुत्र राजू निवासी ढाटौली जनपद अलीगढ़ से 5 लाख रुपए में अपने साथी धर्मेन्द्र मलिक, रवि पवॉर उर्फ बन्टी मनीष मलिक उर्फ मोनू व अजय उर्फ बबलू को मथुरा में दिलवाया (शेष पेज 9)

दो दिन हंगामे के बाद लोस में सक्रिय दिखा विपक्ष

● एमएसपी को कानूनी गारंटी और मारे गए किसानों के परिजनों को पांच करोड़ मुआवजे की मांग उठाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा में दो दिनों के हंगामे के बाद बुधवार को सदन की कार्यवाही में अधिकांश विपक्षी सदस्य पूरी सक्रियता के साथ शामिल हुए और कांग्रेस सांसदों ने एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी और कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे आंदोलन के दौरान मारे गए प्रत्येक किसान के परिजन को 5 करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मांग उठाई।

केंद्र द्वारा धान खरीद के मुद्दे पर तेलंगाना राष्ट्रीय समिति के सदस्यों द्वारा वेल में आकर हंगामा करने को छोड़ दें तो सदन की लगभग पूरी कार्यवाही काफी हद तक सुचारू रूप से चली। रेल मंत्री अश्विनी वैश्य और उपभोक्ता मामलों की राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने रेलवे पटरियों के विद्युतीकरण और एलपीजी की कीमतों पर सवालों के जवाब देने के साथ प्रश्नकाल 28 मिनट तक चला। जब एक सदस्य ने सवाल उठाया कि एलपीजी सिलेंडर की कीमतें बढ़कर 1400 रुपये तक पहुंच गई हैं, तो उपभोक्ता मामलों के कैबिनेट मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि एलपीजी पर सवाल उनके मंत्रालय से संबंधित नहीं हैं।

एलपीजी की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार के हिसाब से प्रभावित होती हैं। टीआरएस सदस्यों ने किसानों को दंडित न करें, एमएसपी के लिए बिल लाएं और राज्यों के बीच कोई भेदभाव नहीं जैसे नारे लिखीं तख्तियों के साथ सदन में हंगामा किया। सदन में नारे लगाने और हंगामा करने के लिए सदस्यों की आलोचना करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि उनका व्यवहार उचित नहीं है और यदि कुछ सदस्य पूरे सदन को परेशान करते (शेष पेज 9)

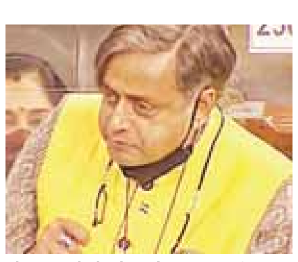

लोकसभा में बोलते कांग्रेस सांसद शशि थरूर

रास में विपक्ष का शोरगुल, नहीं हो सका कामकाज

नई दिल्ली। राज्यसभा के 12 सदस्यों का निलंबन वापस लेने की मांग कर रहे विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे की वजह से उच्च सदन की बैठक बुधवार को तीन बार बाधित होने के बाद दोपहर तीन बज कर पांच मिनट पर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी दलों के सदस्य कांग्रेस की फूलों देवी नेताम, छाया वर्मा, रिपुन बोरा, राजमणि पटेल, सैयद नासिर हुसैन, अखिलेश प्रताप सिंह, तृणमूल कांग्रेस की डोला सेन और शांता छेत्री, शिव सेना की प्रियंका चतुर्वेदी और अनिल देसाई, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के इलामारम करीम तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विनय विस्वम का (शेष पेज 9)

नवंबर में जीएसटी संग्रह 1.31 लाख करोड़ के पार

भाषा। नई दिल्ली

माल और सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह नवंबर में 25 प्रतिशत बढ़कर 1.31 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया, जो जुलाई 2017 में इस कर व्यवस्था के लागू होने के बाद से दूसरा सबसे अधिक संग्रह है। इससे व्यावसायिक गतिविधियों के सामान्य होने और अनुपालन में वृद्धि का संकेत मिलता है। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह लगातार पांचवां महीना है जब जीएसटी से राजस्व एक लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नवंबर महीने में एकत्रित कुल जीएसटी राजस्व 1,31,526 करोड़ रुपए है, जिसमें सीजीएसटी 23,978 करोड़ रुपए, एसजीएसटी 31,127 करोड़ रुपए, आईजीएसटी 66,815 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्रित 32,165 करोड़ रुपए सहित) और उपकर 9,606 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्रित 653 करोड़ रुपए सहित) है। सीजीएसटी का मतलब केंद्रीय माल और सेवा कर है।

ममता ने कहा- यूपीए अब कहीं नहीं

● मुम्बई में शरद पवार से मिलने के बाद समान विचारधारा वाले दलों से साथ आने की अपील

● नया गठजोड़ तैयार करने में जुटीं बनर्जी, बोलीं- कांग्रेस में भाजपा से लड़ने की इच्छाशक्ति नहीं

टीएन रघुनाथ। मुंबई

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुद को कांग्रेस नेतृत्व से दिखाते हुए बुधवार को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के अस्तित्व पर सवाल उठा दिया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने सपाट लहजे में उल्टा पूछ लिया कि यूपीए क्या है? अब यूपीए का कोई अस्तित्व नहीं है। साथ ही उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ मोर्चाबंदी के लिए समान विचारधारा वाले विपक्षी दलों से साथ आने की आवश्यकता पर बल दिया। एनसीपी प्रमुख शरद पवार से उनके मुंबई आवास (शेष पेज 9)

मुंबई में राकांपा अध्यक्ष शरद पवार के साथ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

कांग्रेस बिना भाजपा से मुकाबला सिर्फ सपनाः वेणु

नई दिल्ली। कांग्रेस ने टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के इस दावे पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है कि अब संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) का कोई अस्तित्व नहीं है। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बुधवार को उनकी टिप्पणियों का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस के बिना भाजपा को हराना महज एक सपना है। पिछले दिनों कई कांग्रेसी नेताओं को अपने पाले में करने वाली ममता बनर्जी महाराष्ट्र के दौरे पर हैं, जहां उन्होंने मुंबई में एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार, शिवसेना नेताओं आदित्य ठाकरे और संजय राउत से मुलाकात की है।

पुलवामा में जैश ए-मोहम्मद के दो आतंकवादी ढेर

भाषा। श्रीनगर

सेना ने बुधवार को दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में हुई मुठभेड़ में आईईडी बनाने में माहिर जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के आतंकवादी कमांडर यासिर पें और एक विदेशी आतंकी को ढेर कर बड़ी सफलता हासिल की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सेना ने पें के गृह ग्राम कसबयार में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में पुलिस से सूचना मिलने के बाद मंगलवार रात 11 बजे इलाके में अभियान शुरू किया था। अधिकारियों ने कहा कि 44 राष्ट्रीय राइफल्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल ए.के. सिंह ने अभियान का नेतृत्व किया और सुनिश्चित किया कि सुरक्षा कर्मियों को कोई नुकसान न हो। उन्होंने बताया कि तड़के तीन बजे दो आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि हुई क्योंकि वे ऊपरी मंजिल और छत के बीच बने मचान में छिपे थे। जून, 2019 में अरिहाल-पुलवामा मार्ग से गुजर रहे (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	57,684	↑	619	
निफ्टी	17,166	↑	183	
सोना	46,848	↓	302	/10g
चांदी	61,031	↓	81	/kg

क्विक न्यूज

किसान आंदोलन से एनएचएआई को 2,731 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में किसानों के विरोध के कारण सरकारी स्वामित्व वाले भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को 2,731.32 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ है। यह जानकारी संसद को दी गई। राज्यसभा में एक लिखित प्रश्न का उत्तर देते हुए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि इस विरोध प्रदर्शन ने अक्टूबर 2020 से पथकर वसूली संग्रह को प्रभावित करना शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा कि शुरू में पंजाब में अक्टूबर 2020 में आंदोलनकारी किसानों द्वारा टोल प्लाजा के परिचालन को ठप्प कर दिया गया था। मंत्री ने कहा, यह अंततः पूरे हरियाणा के पड़ोसी राज्यों और राजस्थान के कुछ हिस्सों में फैल गया।

लोकसभा में उठी समान नागरिक संहिता लागू करने की मांग

भाषा। नई दिल्ली

लोकसभा में बुधवार को भाजपा के एक सदस्य ने समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए कानून लाने की मांग की। शून्यकाल में इस विषय को उठाते हुए भाजपा के निशिकांत दुबे ने कहा कि 1947 में धर्म के आधार पर देश का बंटवारा होने के बाद भी भारत धर्मनिरपेक्ष देश रहा है। उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एक व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि हम देश में आजादी के 75 साल बाद भी समान नागरिक संहिता लागू नहीं कर सके हैं और इसमें अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए संसद में कानून बनाया जाना चाहिए। कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि आज देश में किसान बड़ी परेशानी में हैं और पूरे देश में किसानों का ऋण माफ किया जाना चाहिए।

शिरोमणि अकाली दल नेता मनजिंदर सिरसा भाजपा में

भाषा। नई दिल्ली

पंजाब में विधानसभा चुनाव के पहले शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता और दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के प्रमुख मनजिंदर सिंह सिरसा बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। सिरसा यहां केंद्रीय मंत्रियों धर्मेंद्र प्रधान और गजेंद्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए। भाजपा मुख्यालय में पार्टी में शामिल होने के बाद सिरसा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा से मुलाकात की।

सिरसा के बारे में नड्डा ने कहा, मुझे यकीन है कि उनका अनुभव और कड़ी मेहनत भाजपा को और मजबूत करेगी। पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा के प्रभारी शेखावत ने कहा कि सिरसा को पार्टी में शामिल करने से निश्चित रूप से राज्य में अगले साल की शुरुआत में होने वाले चुनाव में मदद मिलेगी। सिरसा राष्ट्रीय राजधानी में शिरोमणि अकाली दल का एक प्रमुख चेहरा रहे हैं और तीनों विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के विरोध प्रदर्शन का मजबूती से समर्थन कर रहे थे। संसद ने हाल ही में तीन कानूनों को रद्द करने के लिए एक (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलते मनजिंद सिंह सिरसा

नई युद्धक वर्दी में दिखेंगे सेना के जवान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● आर्मी डे परेड में किया जाएगा नई वर्दी का प्रदर्शन, होगी ज्यादा आरामदायक

● रंग में भी हो सकता है बदलाव, गर्मियों और सर्दियों दोनों मौसम के लिए होगी उपयुक्त

सेना के जवान अब नई वर्दी में दिखेंगे। आधुनिक युद्ध के बदलते स्वरूप को ध्यान में रखते हुए भारतीय सेना अपनी लड़ाकू वर्दी में बदलाव करने जा रही है। सेना के जवानों के लिए तैयार लड़ाकू वर्दी वाली नई किट का प्रदर्शन अगले साल 15 जनवरी को दिल्ली में होने वाले सेना दिवस परेड (आर्मी डे परेड) में किया जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि अगले साल गणतंत्र दिवस परेड में मार्चिंग दल में शामिल जवान 100 साल से भी पहले की अलग-अलग युग की वर्दी पहनेंगे।

सूत्रों ने बुधवार को यहां बताया कि पिछले वर्षों के विपरीत सेना की टुकड़ियों ने अपने रेजिमेंट की पोशाक पहनी थी, अगले साल गणतंत्र दिवस पर सैनिकों को प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध और अन्य अभियानों के दौरान पहनी जाने वाली वर्दी में सलामी मंच से आगे बढ़ते हुए देखा जाएगा। उन्होंने कहा कि जहां तक कि नई लड़ाकू वर्दी का संबंध है, यह एक डिजिटल पैटर्न है जो जवानों के लिए आराम के अलावा युद्ध के मैदान में बेहतर छलावरण (स्थानीय परिस्थितियों में छिपने) में मदद करेगा। सूत्रों ने कहा कि अतीत के विपरीत, अधिकारी और पुरुष अपनी पतलून के अंदर शर्ट नहीं बांधेंगे ताकि उन्हें ऑपरेशन के दौरान अधिक आराम और सहूलियत मिल सके।

सेना के अगले साल के मध्य से नई लड़ाकू वर्दी में आने की संभावना है। वर्दी में जैतून और मिट्टी सहित रंगों का मिश्रण होगा। वर्दी को औपचारिक रूप से युद्ध पोशाक वर्दी (बीडीयू) के रूप में जाना जाता है। अमेरिका और यूरोपीय सेनाओं सहित कई देशों ने डिजिटल पैटर्न की वर्दी में बदलाव किया है। अधिकारियों ने कहा कि भारतीय सेना ने इन देशों की पोशाक का अध्ययन करने के बाद अपनी लड़ाकू वर्दी बदलने का फैसला किया। परिचालन क्षेत्रों में सुरक्षा और आराम को सुनिश्चित करने के लिए, वर्दी को छलावरण किया जाता है, जिसमें सिर्फ एक रंग हरे या भूरे रंग की पृष्ठभूमि के साथ मिश्रित किया जाता है। नई लड़ाकू वर्दी हल्की और टिकाऊ सामग्री से तैयार की गई है, जो गर्मियों और सर्दियों दोनों के लिए उपयुक्त है क्योंकि सेना सियाचिन ग्लेशियर में माइनस 40 डिग्री से लेकर थार रेगिस्तान में 50 डिग्री से अधिक के सभी प्रकार के इलाकों में काम करती है।

इस बीच, सेना कर्मियों के रैंक को चिह्नित करने वाले कंधे या कॉलर टैग लगाने के मुद्दे पर काम कर रही थी। दुनिया भर की कुछ सेनाओं में उनकी लड़ाकू वर्दी के बटन पर ऐसे रैंक चिह्न होते हैं। हालांकि, कुछ अन्य लोग युद्ध के मैदान में गोपनीयता बनाए रखने के लिए कंधों पर कोई रैंक या टैग नहीं रखना पसंद करते हैं। सूत्रों ने बताया कि 13 लाख से अधिक सैनिकों के साथ पूरी सेना को नई लड़ाकू वर्दी से लैस होने में कुछ महीने लगेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारी अधिकारियों और सैनिकों द्वारा पहनी जाने वाली वर्तमान जैतून के हरे रंग की नियमित वर्दी में बदलाव पर विचार कर रहे हैं।

बस यात्रियों की सुविधाओं की समय-समय पर करें मॉनीटरिंग

● सीएम ने बसों में सुविधा बढ़ाने, सुरक्षा, सफाई और सेनिटाइजेशन करने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की जनता को बसों में सफर के दौरान और बेहतर सुविधा मिल सके इसके लिए परिवहन निगम को चाक-चौबंद व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिये गये हैं। दूसरे देशों में कोविड के नए वेरिएंट की बढ़ती रफ्तार को देखते हुए सीएम योगी ने बस स्टेशनों पर भी इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। कोहरे की स्थिति से निपटने के लिए रात में सफर के दौरान बसों में हैडलाइट्स की उचित व्यवस्था हो, बसों में बैठने की सीटें फटी या टूटी न हों। अधिकारी समय-समय पर यात्रियों को मिल रही सुविधाओं की मॉनीटरिंग भी करते रहें। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अधिकारियों के साथ बैठक में कई आवश्यक निर्देश जारी किये हैं। उन्होंने कहा है कि परिवहन निगम की बसों में सफर करने के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार से असुविधा नहीं होनी चाहिए। अधिकारी इसका हर हाल में ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि सफर के दौरान यात्रियों को बेहतर सुविधा दिये जाने के साथ उनके सफर को आरामदायक बनाने के हर संभव प्रयास किये जाएं। प्रदेश में परिवहन निगम की बसों में सफर करने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधा दिए जाने पर हमेशा उनका जोर रहा है। उनके निर्देश पर प्रदेश में बस स्टेशनों का विस्तार भी तेजी से किया जा रहा है। सरकार पर्यटकों और यात्रियों के लिए अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय बस अड्डा भी बनाने जा रही है।

प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में पात्र 100 दिव्यांगों को मिलेगी मुफ्त मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में 100 पात्र दिव्यांगों को मुफ्त मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल उपलब्ध कराएगा। इसके लिए अपर मुख्य सचिव दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग हेमन्त राव ने निशुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल उपलब्ध कराने के लिए नियमावली.2021 को वर्तमान वित्तीय वर्ष हेतु संशोधित कर दिया गया। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के आदेशानुसार चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए पात्र लाभार्थियों को मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल से लाभान्वित किये जाने हेतु शत प्रतिशत वित्त पोषण राज्य सरकार द्वारा किया जायेगा। इस योजना के अन्तर्गत अनुदान की अधिकतम धनराशि मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल का वास्तविक मूल अथवा पूर्व में दी गयी व्यवस्थानुसार 25,000 रुपये जो भी न्यूनतम हो, प्रति दिव्यांगजन अनुमन्य होगा।

संवासित बच्चों की मूलभूत जरूरतों का ध्यान रखें

● उत्तर प्रदेश बाल कल्याण परिषद की कार्यकारिणी समिति एवं वार्षिक आम सभा की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में बुधवार को राजभवन के गांधी सभागार में उत्तर प्रदेश बाल कल्याण परिषद की कार्यकारिणी समिति एवं वार्षिक आम सभा की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्यपाल ने परिषद द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2019-20 की बैठक की कार्यवाही, वार्षिक प्रगति आख्या 2020-21, आडिटेड लेखे आय-व्यय विवरण 2020-21 तथा 2021-22 पर चर्चा की और अनुमोदन दिया।

बैठक में राज्यपाल ने परिषद की जनरल सेक्रेटरी रीता सिंह द्वारा आर्थिक अनुदान प्राप्त करने में आ रही दिक्कतों तथा कोविड.19 काल में अन्य संस्थाओं और व्यक्तिगत दान दाताओं से प्राप्त आर्थिक सहायता में आई कमी की चर्चा को गम्भीरता से लेते हुए कहा कि बाल कल्याण परिषद बच्चों के कल्याण के लिए ही बना है और अभिभावकों के आश्रय से छूटे, किन्हीं कारणों से घर से भागे बच्चों को यहाँ आश्रय मिलता है। सामाजिक सहयोग इन बच्चों के संरक्षण की समुचित व्यवस्थाओं का बहुत बड़ा आधार होता है। उन्होंने परिषद को निर्देश दिया कि वे अपनी आवश्यकताओं का प्रस्ताव बनाकर सहायता समूहों, सामाजिक सहायता हेतु दान देने वाले लोगों से सम्पर्क करके प्रस्ताव के आधार पर पूर्ति के लिए आग्रह करें। उन्होंने परिषद द्वारा लघु गृह उद्योग लगाकर आवासित महिलाओं के सहयोग से आर्थिक उपार्जन के प्रयासों की प्रगति की समीक्षा भी की। राज्यपाल ने बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की निदेशक सारिका मोहन को केन्द्र सरकार से प्राप्त बजट से बाल कल्याण परिषद के अनुदान अंश को शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्रावासों, बाल गृहों, महिलाओं हेतु संरक्षण गृहों में आवासित संवासियों की मूलभूत आवश्यकताओं और उचित भोजन व्यवस्थाओं में कमी न हो इसके लिए अधिकारी सहृदयता पूर्वक कार्य करें। बैठक में परिषद को वन विभाग के प्राप्त भूमि की लीज नवीनीकरण के बिन्दु पर भी चर्चा की गई। राज्यपाल ने बैठक में उपस्थित वन अधिकारी रवि सिंह को बाल कल्याण परिषद के पदाधिकारणों के साथ बैठक करके सभी कागजी कार्यवाही पूर्ण कराने तथा लीज नवीनीकरण की कार्यवाही कराने के निर्देश दिए।

अपराधियों-माफियाओं को अब बेल नहीं जेल आ रही पसंदः पाठक

● भाजपा सरकार ने किया भूमाफियाओं, अपराधियों का सफाया

● धर्म परिवर्तन कानून ने तोड़ी धर्मांतरण व लव जिहाद की कमर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी मुख्यालय में बुधवार को कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक ने पत्रकारों से वार्ता करते हुये कहा कि उत्तर प्रदेश में सपा सरकार के शासनकाल में पूरे प्रदेश में अपराध चरम पर था। माफिया अपराधी जेल में नहीं बेल पर रहते थे और कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बनते थे। यह केवल सत्ता द्वारा मिले संरक्षण की वजह से था, माफिया सरकारी गाड़ियों में मंत्रियों के साथ घूमते थे। आज परिदृश्य बदला है अपराधियों और माफियाओं को उप्र में बेल नहीं पसंद है वह अपनी बेल खारिज कराकर जेल जा रहे हैं, पुलिस के आगे आत्म समर्पण कर रहे हैं।

ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश की जनता भूली नहीं है की कैसे थानों पर सपा के गुंडे, माफिया और अराजक तत्व कब्जा करके बैठते थे, प्रदेश के लगभग 1550 थानों में लगभग 600 से ज्यादा में एक ही जाति व समुदाय विशेष के लोग काबिज थे। श्री पाठक ने कहा कि सपा सरकार में कानून व्यवस्था को चौपट करके रख दिया गया था। वह यह भी नहीं भूली है की किस तरह से सत्ता का संरक्षण पा कर कासगंज और मथुरा में कई-कई दिनों तक उपद्रव होते रहे हैं और सपा मुखिया के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी, जिसका दुष्परिणाम रहा कि उपद्रवियों का हौसला इतना बुलंद हो चुका था कि एसपी सिटी मुकुल द्विवेदी की हत्या तक कर दी गई। आज प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कानून व्यवस्था पर जीरो टालरेंस की नीति पर काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि जो अवैध संपत्ति अपराधियों ने अपनी गुंडागर्दी की बदौलत कमाई, उसमें आज योगी सरकार में 1866 करोड़ से अधिक की संपत्ति को कब्जा मुक्त कराने का काम किया है साथ ही पिछली सरकारों में संरक्षित संगठित माफिया गिरोह के नेटवर्क को हमारी सरकार ने ध्वस्त किया है। ब्रजेश पाठक ने कहा कि योगी सरकार ने पिछले साढ़े चार सालों में गैंगेस्टर एक्ट के तहत 36990 अपराधियों को गिरफ्तार किया है, 523 लोगों पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। वहीं पिछली सरकार में सपा नेताओं के नेतृत्व में थाने चलाये जाते थे, थानों में बैठकर वसूली होती थी, आज पूरे प्रदेश में कानून का राज है। प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हमने 214 नये थानों की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि सपा मुखिया ने तुष्टीकरण की नीति अपनाकर अपराधियों के मनोबल को बढ़ाया था और पूरा प्रदेश उनके चंगुल में कर दिया था, आज फर्क साफ है कि भाजपा सरकार में आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए, स्पेशल फोर्स का गठन किया गया है और इसमें तत्काल गिरफ्तारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने तय किया है कि हम उनके खिलाफ नहीं है जो अपनी मर्जी से धर्म परिवर्तन करके शादी करना चाहते हैं। छद्म नाम रखकर के, प्रलोभन देकर कोई भी व्यक्ति किसी भी बहन-बेटी के साथ खिलवाड़ नहीं कर पाये इसके लिए हमने यूपी में विधि विरुद्ध धर्म-परिवर्तन कानून बनाकर ऐसे लोग जो लवजिहाद करके हमारी बहनों को प्रताड़ित करते थे उनके जीवन के साथ खिलवाड़ करते थे उनके खिलाफकड़ी कार्रवाई करने का काम किया है।

पशु रोग नियंत्रण योजना के लिए 451 लाख रुपए से अधिक स्वीकृत

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने पशुपालन विभाग की पशु रोग नियंत्रण योजना के लिए 451.476 लाख रूपये (चार करोड़ इक्यावन लाख सैंतालिस हजार छह सौ रूपये) की धनराशि वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्वीकृत की है। स्वीकृत धनराशि का व्यय अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना के अन्तर्गत किया जायेगा। यह योजना 60 प्रतिशत केन्द्र पोषित तथा 40 प्रतिशत राज्य पोषित है। पशुधन विभाग द्वारा इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया है। योजना के सुनियोजित क्रियान्वयन के लिए निदेशक रोग नियंत्रण प्रक्षेत्र पशुपालन विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। शासनादेश में कहा गया है कि स्वीकृत धनराशि का आहरण एवं व्यय भारत सरकार के दिशा निर्देशों एवं निर्धारित मानकों व कार्य योजना का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जाएगा।

कृषक हित में जैविक खेती ज्यादा बेहतर: लाखन सिंह

● कृषि राज्य मंत्री ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सप्ताह का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारत सरकार द्वारा भारत के 75 वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मनाये जा रहे भारत का अमृत महोत्सव के अंतर्गत बुधवार को कृषि भवन में कृषि राज्य मंत्री लाखन सिंह राजपूत ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सप्ताह का उद्घाटन किया। कृषि राज्यमंत्री ने कार्यक्रम में आए किसानों को जैविक खेती और रासायनिक खेती में अन्तर को समझाते बताया कि जैविक खेती कृषक हित में रासायनिक खेती की अपेक्षा ज्यादा बेहतर है। इस मौके पर अपर मुख्य सचिव द्वारा कृषकों को बीमा होने की सूचना दिये जाने पर जोर देते हुए कृषि विभाग के अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारी का बोध कराया गया। कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बीमा कम्पनियों द्वारा फसल कटाई प्रयोगों के आधार पर जो क्षतिपूर्ति भुगतान की जाती है ए उसका मिलान कृषि विभाग द्वारा आंकलित की गयी क्षतिपूर्ति से प्रत्येक मौसम में कराया जाय। यदि किसी बीमा कम्पनी द्वारा विभाग द्वारा आंकलित क्षतिपूर्ति से कम क्षतिपूर्ति का भुगतान किया जाय तो उसे सम्पूर्ण क्षतिपूर्ति का भुगतान करने हेतु निर्देशित किया जाय। कृषि निदेशक ने किसानों से अपील की कि वे अपनी फसलों का बीमा करायें और क्षति की दशा में बीमा लाभ प्राप्त करें। कृषि राज्यमंत्री एवं अपर मुख्य सचिव द्वारा राज्य स्तर के सर्वाधिक क्षतिपूर्ति पाने वाले 5 किसानों को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार लखनऊ जनपद के सर्वाधिक क्षतिपूर्ति पाने वाले 5 किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

प्रदेश में अब तक हुई 12.70 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार ने किसानों को उनकी उपज की कीमत मूल्य समर्थन योजना के अनुरूप या उससे अधिक दिलाने के उद्देश्य से किसानों से सीधे धान की खरीद करते हुए खरीफ क्रय वर्ष 2021-22 में अब तक विभिन्न क्रय केन्द्रों के माध्यम सेए 1270277.03 मीट्रिक टन धान किसानों से क्रय किया है। खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार आज 54823.22 मीट्रिक टन खरीद हुई है। अब तक 181195 किसानों के खातों में 1471.971 करोड़ रूपये का भुगतान किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा इस खरीफक्रय वर्ष के तहत 70 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य रखा गया है।

आंगनवाड़ी कार्यकत्री व सहायिकाओं को मिलेगी मासिक प्रोत्साहन राशि

लखनऊ। प्रदेश सरकार द्वारा पोषण अभियान के अन्तर्गत आंगनवाड़ी कार्यकत्री एवं आंगनवाड़ी सहायिकाओं हेतु मासिक प्रोत्साहन प्रदान करने के सम्बन्ध में दिशा-निर्देश जारी किये गये है। इस संबंध में बाल विकास एवं पुष्टाहार द्वारा शासनादेश जारी कर दिया गया है। शासनादेश के अनुसार निदेशक सीपीएमयू, पोषण अभियान, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों-सहायिकाओं को मासिक प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के सम्बन्ध में दिशानिर्देश निर्गत किए गये हैं, जिसके अन्तर्गत मासिक प्रोत्साहन मापदंड निर्धारित किये गए है। जिसमें आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा मानदण्डों को पूरा करने पर 500 रुपये की धनराशि प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार आंगनवाड़ी सहायिका द्वारा उपर्युक्त मानदंडों को पूरा करने पर रूपये 250 की धनराशि प्रदान की जाएगी।

नगर निगम कानपुर
निविदा सूचना
निविदा संख्या–34/मु03अ0/2021–22

नगर निगम कानपुर के समस्त वर्ष 2021–22 में पंजीकृत/नवीनीकृत ठेकेदारों से उनकी पंजीकरण सीमा के अंतर्गत तथा उ0प्र0 सरकार के अधीन किसी सरकारी संस्था में निर्माण कार्य हेतु वर्ष 2021–22 में पंजीकृत ठेकेदारों से विभिन्न अभियन्त्रण खण्डों के अन्तर्गत आवश्यक कार्यो हेतु निम्नानुसार निविदायें आमन्त्रित की जाती हैं :–
1. ई–टेण्डरिंग पद्धति से अमन्त्रित निविदाओं की संख्या :–352 दिनांक 14–12–2021

उपरोक्तानुसार आमंत्रित निविदाओं के कार्यो का पृथक–पृथक विवरण एवं निविदा से सम्बन्धित नियम एवं शर्तें कानपुर नगर निगम की वेबसाइट kmc.up.nic.in पर एवं मुख्य अभियन्ता कार्यालय के नोटिस बोर्ड व सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता के कार्यालय में देखी सकती हैं।

मुख्य अभियन्ता
नगर निगम, कानपुर

डॉ. प्रभात कुमार इटावा आयुर्विज्ञान संस्थान के कुलपति बने

लखनऊ। उत्तरप्रदेश आयुर्विज्ञान संस्थान सैफई इटावा के नए कुलपति के रूप में एम्स पटना के निदेशक डॉ प्रभात कुमार सिंह को नियुक्त किया गया है। अपर मुख्य सचिव डॉ रजनीश दुबे की तरफसे जारी आदेश में कहा गया है कि कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से डॉ सिंह का कार्यकाल तीन वर्ष के लिए होगा।

कार्यालय : अधिशासी अभियन्ता, जोन–8, जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

पत्रांक : 594/EE-8/2021-22 दिनांक : 30.11.2021

(अति–अल्पकालीन निविदा–सूचना)

जलकल विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु अल्पकालिक निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्यदिवस में दिनांक 7.12.2021 को अपराह्न 03:00 बजे तक अधिशासी अभियन्ता, जोन–8 के कार्यालय से क्रय/प्राप्त किये जा सकते हैं। सील्ड निविदाएं दिनांक 07.12.2021 तक अधिशासी अभियन्ता, जोन–8 के कार्यालय में अपराह्न 3:30 बजे तक सील्ड टेन्डर बॉक्स में प्राप्त की जायेंगी। प्राप्त सभी निविदाएं दिनांक 7.12.2021 को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष 4:00 बजे जोन–8 के कार्यालय में खोली जायेंगी।

1. कानपुर रोड स्थित मानसरोवर योजना व एल0डी0ए0 कालोनी में विभिन्न 09 स्थानों पर नलकूपों में 150 एमएम डाया के स्लूस वाल्व/एन.आर.वी. आदि की आपूर्ति व अधिष्ठापन सम्बन्धी कार्य, धरोहर राशि रु0 8500/– एवं निविदा मूल्य रु0 400/–

अधिशासी अभियन्ता, जोन–8
जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

जनता को भाजपा ने झूठे सपने दिखाए: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में बहुत अन्याय है। जनता को भाजपा ने झूठे सपने दिखाए। यहां तक कि विज्ञापन भी झूठे दिखा रहे हैं। भाजपा के लोग दमदार झूठ बोलने वाले हैं। लेकिन इनके झूठ के फूल में खुशबू नहीं है। बुन्देलखंड को भाजपा राज में कुछ नहीं मिला है। किसान को धोखा दिया है। नौजवान बेरोजगारी से जूझ रहा है। अब यह लोगों को ही तय करना है कि उन्हें योगी सरकार चाहिए या योग्य सरकार चाहिए।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों की आय दुगनी करने का झूठ बोला। भाजपा सरकार में जानबूझकर पेपर लीक किया जाता है। यह लीक सरकार है। सरकार इसलिए पेपर लीक कराती है जिससे नौजवानों को नौकरी न देना पड़े। टीईटी पेपर लीक हुआ। लाखों नौजवान परेशान हुए। इससे पहले भी इस सरकार में कई बार पेपर लीक हुए हैं। श्री यादव ने कहा कि भाजपा के वादे जुमले निकले। इनकी बातें झूठी हैं। भाजपा सरकार ने डीजल.पेट्रोल के दाम बढ़ाकर हर चीज को महंगा कर दिया है। गरीब की गाड़ी नहीं चल पा रही है। खाद महंगी हो गयी। किसानों को खाद नहीं मिल रही। सरकार ने खाद का समय पर इंतजाम नहीं किया। भाजपा सरकार ने अन्ना पशुओं के लिए कुछ नहीं किया। किसान रात-रात भर जागकर अपनी फसल को नहीं बचा पा रहा है।

मुरादाबाद में आज प्रतिज्ञा रैली कर कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगी प्रियंका गांधी

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा 2 दिसंबर को मुरादाबाद में प्रतिज्ञा रैली कर पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगी। प्रतिज्ञा रैली की तैयारियां जोरों पर हैं। तैयारियों के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी पहले से ही पहुंच चुके हैं। कांग्रेस प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने रैली स्थल पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। प्रियंका गांधी इस प्रतिज्ञा रैली में कई प्रतिज्ञाओं की घोषणा भी कर सकती हैं। मुरादाबाद की प्रतिज्ञा रैली स्थल बुद्ध विहार ग्राउंड पर होगी। प्रियंका गांधी लगातार उत्तर प्रदेश में संगठन की मजबूती को लेकर दिन रात काम कर रहीं हैं। मुरादाबाद से पहले वह बनारस, गोरखपुर और महोबा में भी प्रतिज्ञा रैली कर चुकी हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे
शुद्धि पत्र

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.)/वाराणसी द्वारा खुली ई–निविदा सूचना सं. एनईआर-बीएसबी-2021-192 दिनांक 22-11-2021 के अन्तर्गत कार्य की निविदा जो दिनांक 17-12-2021 को बन्द होनी है, नक्शे में बदलाव के कारण निरस्त किया जा रहा है:–
उपरोक्त शुद्धि पत्र भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी.),
मुजाधि/डब्लू–289 वाराणसी

यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मो.नं.: 09794845955 पर एसएमएस करें।
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें।

कार्यालय नगर पालिका परिषद –सीतापुर

पत्रांक :– 159/टी0सी0–04/2020–21 दिनॉक–01–12–2021

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है, कि नगर पालिका परिषद सीतापुर सीमान्तर्गत विभिन्न निर्माण, अधिष्ठापन इत्यादि कार्य 14वाँ वित्त आयोग के अधीन कार्य कराये जाने हेतु ई–टेण्डर के माध्यम से अतिअल्पकालीन ई–निविदाएं दिनांक 02.12.2021 से दिनांक 08.12.2021 को समय 05.00 PM तक आनलाइन डाउनलोड एवं अपलोड की जायेगी, वेबसाइड पर ई–निविदा प्रकाशन दिनांक 02.12.2021 को समय 11.00 AM एवं निकाय कार्यालय में मूलरूप से दिनांक 08.12.2021 को समय 05.00 PM तक प्राप्त की जायेगी। उक्त निविदाएं दिनांक 09.12.2021 को समय 11.00 AM बजे खोली जायेगी। सम्बन्धित निविदाएं वेबसाइट http//etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है, निविदा प्रपत्र शुल्क आर०टी०जी०एस० के माध्यम से नगर पालिका परिषद, सीतापुर के पंजाब नेशनल बैंक सीतापुर के खाता संख्या 01591010000660 आई0एफ0एस0सी कोड PUNB0015910 में ऑनलाइन जमा किया जा सकेगा अथवा डी0डी0आर० जमा की जा सकेगी तथा प्रत्येक निविदा के साथ धरोहर धनराशि राष्ट्रीय बचत पत्र/किसान विकास पत्र/एफ0डी0आर0/टी0डी0आर0 जो अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, सीतापुर के नाम बन्धक हो, स्वीकार किया जायेगा। किसी भी निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अध्यक्ष महोदय नगर पालि. का परिषद, सीतापुर में निहित होगा। अन्य शर्ते/जानकारी किसी भी कार्य दिवस में पालिका कार्यालय के सम्बन्धित अनुभाग से की जा सकती है, किसी भी कार्य दिवस में अवकाश होने की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया अगले कार्य दिवस में पूर्ण की जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा मूल्य+टैक्स	कार्य अवधि
1	2	3	4	5	7
	14वॉं वित्त आयोग				
1	कब्रिस्तान और शमशानो का रख–रखाव – भगवानपुर में शमशान घाट में शेड का निर्माण एवं चबूतरा का कार्य।	500000.00	10000.00	1200.00+ जी0एस0टी0।	01

नियम व शर्तें
नोट :– नियम व शर्तें पूर्व कार्यालय पत्र संख्या 155/टी0सी0–04/2021–22 दिनांक 11.11.2021 के अन्तर्गत रहेगी।

(वैभव त्रिपाठी)
अधिशासी अधिकारी श्रेणी–1
नगर पालिका परिषद, सीतापुर

(राधेश्याम जायसवाल)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, सीतापुर

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री को बर्खास्त करने की मांग को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखीमपुर में किसानों को गाड़ी से कुचलकर मारने के आरोपी आशीष मिश्रा के पिता और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को पद से बर्खास्त करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। माल एवेन्यू प्रदेश कार्यालय से निकले कांग्रेसजनों को पुलिस ने जब आगे बढ़ने नहीं दिया कार्यकर्ता वहीं चौराहे पर धरने पर बैठ गए। कांग्रेस प्रवक्ता पंकज तिवारी ने पुलिस प्रशासन के इस रवैये की कड़ी निन्दा की है। उन्होंने कहा कि अपनी उचित मांगों के लिए शांतिप्रिय तरीके से आन्दोलनरत लखीमपुर के किसानों के ऊपर निर्दयतापूर्वक गाड़ी से रौंद कर मार देने की घटना में भारत सरकार के गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी के विरुद्ध आज तक कोई भी कार्यवाह नहीं हुई है। ये लखीमपुर में शहीद हुए किसानों के परिजनों का अपमान है।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जबरन रोकने के लिए लाठीचार्ज किया। जिसमें कांग्रेस पार्टी के तमाम नेता एवं कार्यकर्ता घायल हो गये। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष सतीश आजमानी, उपाध्यक्ष एवं प्रशासन प्रभारी योगेश दीक्षित, संगठन महासचिव दिनेश सिंह, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन पंकज श्रीवास्तव प्रदेश प्रवक्ता उमाशंकर पाण्डेय जिला कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी आदि ने धरना दिया।

अब गन्ना किसान 10 दिसम्बर तक भर सकते हैं घोषणा पत्र

● अन्तिम तिथि तक घोषणा पत्र न भरने वाले कई सुविधाओं से हो जाएंगे वंचित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के ऐसे गन्ना किसान जो इण्टरनेट-सर्वर की गति धीमी होने अथवा मोबाइल या इण्टरनेट की अच्छी जानकारी के आभाव में एवं अन्य तकनीकी कारणों से घोषणा.पत्र भरने से अभी भी वंचित रह गये हैं उनकी सुविधा के दृष्टिगत ईआरपी की वेबसाइट पर ऑनलाइन घोषणा पत्र भरने की अन्तिम तिथि को 30 नवम्बर से बढ़ाकर 10 दिसम्बर 2021 करते हुए अन्तिम अवसर प्रदान किया जा रहा है। यह जानकारी आयुक्त गन्ना एवं चीनी संजय आर भूसरेड्डी ने दी। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन घोषणा पत्र भरने की अन्तिम तिथि को पूर्व में 4 बार बढ़ाया जा चुका है परन्तु कुछ गन्ना कृषक कतिपय तकनीकी कारणों जैसे इण्टरनेट की स्लो स्पीड, बिजी सर्वर आदि समस्याओं के कारण अभी भी घोषणा पत्र भरने से वंचित रह गये हैं। गन्ना आयुक्त ने प्रदेश के गन्ना किसानों से अपील की है कि प्रत्येक दशा में इस अवसर का लाभ लेते हुए पेराई सत्र 2021-22 हेतु 10 दिसम्बर तक अपना ऑनलाइन घोषणा पत्र भर दें। अन्तिम तिथि तक घोषणा पत्र न भरने वाले गन्ना किसानों को सामान्य बढ़ोत्तरी, उपज बढ़ोत्तरी, अतिरिक्त सट्टा आदि की सुविधा नहीं मिलेगी तथा सट्टा भी बंद किया जाएगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 2 दिसंबर, 2021

बस अड्डों, रेलवे स्टेशन पर भी होगी आरटीपीसीआर जांच

● बिना जांच कराए किसी यात्री का यूपी में प्रवेश नहीं, जीनोम सीक्वेंसिंग की बढ़ाएं रफ्तार: सीएम

पायनियर समाचार सेवा । लखनऊ

बेहतरीन कोविड प्रबंधन से दूसरे देशों को अपना मुरीद बनाने वाली प्रदेश सरकार अब कोरोना के नए वैरिएंट ओमीक्रान को लेकर सर्तकता बरत रही है। कई देशों में ओमीक्रान के बढ़ते मामलों के बीच सर्वाधिक आबादी वाले प्रदेश के सभी बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन व एयरपोर्ट पर अतिरिक्त सर्तकता बरतने के निर्देश बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को दिए हैं। सीएम ने उच्चस्तरीय बैठक में मास्क को अनिवार्य करने और कोविड प्रोटोकाल का कड़ाई से पालन कराने के आदेश जारी किए हैं।

सीएम ने बैठक में कहा कि दूसरे देशों और प्रदेशों से उत्तर प्रदेश आ रहे हर व्यक्ति की आरटीपीसीआर जांच की जाए। बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन व एयरपोर्ट पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने के साथ ही बिना जांच किए किसी यात्री को बाहर न आने दिया जाए। पहले चरण में इंटरस्टेट कनेक्टिविटी वाले बस स्टेशन पर जांच को तेज़ी से बढ़ाते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरतें। सीएम ने केंद्र सरकार की तरफ से जारी गाइडलाइंस को प्रभावी रूप से लागू किए जाने के आदेश दिए। सीएम ने कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमीक्रान को लेकर प्रदेश में जीनोम सीक्वेसिंग की रफ्तार को बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। लखनऊ के केजीएमयू, पीजीआई में जीनोम सीक्वसिंग की रफ्तार को बढ़ाने के निर्देश देते हुए सीएम ने गोरखपुर, झांसी, मेरठ में तेज़ी से जीनोम सीक्वेंसिंग की व्यवस्था करने के आदेश दिए हैं। सीएम ने नगर विकास और ग्राम्य विकास विभाग को स्वच्छता और सेनिटाइजेशन की कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश में अब पब्लिक एड्रेस सिस्टम की मदद से जागरूक करने की कवायद को शुरु किया जाएगा। वहीं, दिव्यांग, अक्षम, निराश्रित, वृद्धजनों से संपर्क कर प्राथमिकता पर उनका टीकाकरण कराया जाएगा।

वहीं कोविड टीके की दोनों खुराक पाने वालों की संख्या सबसे अधिक उत्तर प्रदेश में है। यूपी में 5 करोड़ 6 लाख अधिक लोगों को टीके की दोनों डोज देकर कोविड का सुरक्षा कवर प्रदान कर दिया गया है। 11 करोड़ 25 लाख लोगों ने टीके की पहली डोज प्राप्त कर ली है। यह संख्या टीकाकरण के लिए पात्र प्रदेश की कुल आबादी की लगभग 76.20 फीसदी से अधिक है। इस प्रकार प्रदेश में अब तक 16 करोड़ 31 लाख से अधिक कोविड वैक्सीन डोज लगाए जा चुके हैं। कोविड टेस्टिंग और टीकाकरण में उत्तर प्रदेश देश में शीर्ष स्थान पर है। प्रदेश में बीते 24 घंटों में 1 लाख 53 हजार 569 टेस्ट किए गए जिसमें 7 नए संक्रमण के मामलों की पुष्टि हुई। प्रदेश में अब तक 525 ऑक्सीजन प्लांट क्रियाशील किए जा चुके हैं।

ओमीक्रान को लेकर लखनऊ में फोकस सैम्पलिंग शुरू

● सभी चिकित्सा विश्वविद्यालय, संस्थानों एवं मेडिकल कालेज में 1700 सैम्पल लिए गए

लखनऊ। कोरोना वायरस के डेल्टा स्वरूप के बाद दक्षिण अफ्रीका में पाए गए ओमीक्रान को लेकर केंद्र सरकार के एलर्ट के बाद शुक्रवार से फोकस सैम्पलिंग की शुरूआत की गयी। जिसके अन्तर्गत जनपद के सभी चिकित्सा विश्वविद्यालय, संस्थानों एवं मेडिकल कालेज में लगभग 1700 छात्राओं, प्रोफेसर, प्रशिक्षक, कार्यालय स्टाफ मेस एवं कैनटीन स्टाफए हास्टल रेजीडेन्ट व स्टाफ की सैम्पलिंग करायी गयी।

इसके अतिरिक्त सीएमओ कार्यालय की तरफ से अमौसी एयरपोर्ट, लखनऊ पर आने वाली समस्त अन्तर्राष्ट्रीय उडानों के सभी यात्रियों की आरटीपीसीआर सैम्पलिंग करायी जा रही है। साथ सम्बन्धित यात्रियों को 8 दिवस सख्त होम क्वारंटीन में रहने तथा 8वे दिन पुनः आरटीपीसीआर टेस्ट कराने के निर्देश दिये जा रहे है। इन यात्रियों की कोविड.19 इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एवं कन्ट्रोल सेन्टर लखनऊ से 7 दिनों तक फोन के माध्यम से स्वास्थ्य की जानकारी ली जायेगी।

कैंसर संस्थान में गरीबों को निशुल्क इलाज मुहैया कराने की तैयारी

लखनऊ। कैंसर जैसी बीमारी का आने वाले दिनों में चकगंजरिया स्थित कल्याण सिंह सुपर स्पेशयलिटी कैंसर संस्थान में गरीब मरीजों को निशुल्क इलाज उपलब्ध होगा। इसके लिए संस्थान की तरफ से यूपी एनएचएम को प्रस्ताव भेज कर बजट की मांग की गई है।

कैंसर संस्थान में अभी 40 बेड पर मरीज भर्ती किए जा रहे हैं। नए साल से 210 बेड पर मरीजों की भर्ती शुरू होना प्रस्तावित है। वहीं आठ ऑपरेशन थिएटर भी संचालित होंगे। डॉक्टरों ने इलाज को रफ्तार मिलने की उम्मीद जाहिर की है। संस्थान के सीएमएस डॉ अनुपम वर्मा ने बताया कि गरीब कैंसर के मरीजों को मुफ्त इलाज मुहैया कराने की योजना है। इसके लिए एनएचएम को प्रस्ताव भेजा है। करीब तीन करोड़ रुपये का बजट मांगा गया है। उन्होंने जल्द ही प्रस्ताव को मंजूरी मिलने की उम्मीद जाहिर की है। उन्होंने बताया कि कैंसर का इलाज महंगा होता है। दवाएं व रेडियोथेरेपी का खर्च गरीब मरीज वहन कर पाने में सक्षम नहीं होते हैं।

क्विक न्यूज

डेंगू के सात नए रोगी मिले, चार घरों को नोटिस

लखनऊ। जनपद में डेंगू रोग के प्रभावी नियन्त्रण हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी लखनऊ के निर्देशानुसार नगर मलेरिया इकाई एवं जिला मलेरिया अधिकारी की टीम द्वारा त्रिवेणीनगर, अलीगंज, बालागंज, आचार्य नरेन्द्र देव, राजा बाजार, इब्राहिमपुर, शारदानगर, बाबू कुंज बिहारी वार्ड के आस पास के क्षेत्रों का भ्रमण किया गया। वहीं आज इन्दिरानगर, अलीगंज, सिल्वर जुबली, एनके रोड, गोसाईगंज, सरोजनीनगर क्षेत्र में 7 डेंगू धनात्मक रोगी पाये गये। आज कुल 2348 घरों तथा विभिन्न मच्छरजनित स्थितियों का सर्वेक्षण किया गया और कुल 4 घर में मच्छरजनित स्थितियां पाये जाने पर नोटिस जारी किया गया।

लविवि के पूर्व महामंत्री राकेश सिंह राना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट निरस्त

लखनऊ (विधि सं.)। सीजेएम रवि प्रकाश गुप्ता ने विजय जुलुस के दौरान हिंसा फैलाने के एक मामले में लविवि के तत्कालीन महामंत्री राकेश सिंह राना के खिलाफजारी वारंट निरस्त कर दिया है। बुधवार को मुल्जिम राना ने अदालत में आत्मसमर्पण कर इस मामले में अपने खिलाफजारी गिरफ्तारी वारंट निरस्त करने की मांग की थी। उन्होंने मुल्जिम राना को 30 हजार का निजी मुचलका के साथ ही इस बात की अंडरटेकिंग भी दाखिल करने का आदेश दिया कि वह प्रत्येक तारीख पर उपस्थित होकर अदालत की कार्यवाही में सहयोग करेगा। 22 दिसंबर 1987 को एसआई राजवीर सिंह त्यागी ने इस मामले की एफआईआर थाना हजरतगंज में दर्ज कराई थी।

डॉक्टर दंपति के खिलाफ परिवाद दाखिल

लखनऊ (विधि सं.)। सीजेएम रवि प्रकाश गुप्ता ने शेखर अस्पताल के एमडी डॉ. आमोद कुमार सचान व डायरेक्टर डॉ. रिचा मिश्रा के खिलाफ दाखिल परिवाद को दर्ज करने का आदेश दिया है। साथ ही परिवादी पुष्पेंद्र कुमार तिवारी का बयान दर्ज करने के लिए नौ दिसंबर की तारीख मुकर्रर की है। पुष्पेंद्र अपोलो अस्पताल आलमबाग में सीनियर एक्जीक्यूटिव टीपीए के पद पर तैनात है। पुष्पेंद्र ने परिवाद में डॉक्टर दंपित पर उसका बकाया वेतन नहीं देने व मारपीट के साथ ही अन्य गंभीर आरोप भी लगाया है। वह पहले शेखर अस्पताल में टीपीए बीलिंग के पद पर कार्यरत था। परिवाद में डॉक्टर दंपति को इस मामले में तलब कर दंडित करने की मांग की गई है।

शाइन सिटी के एमडी व सीएमडी समेत 15 के खिलाफ मुकदमे की अर्जी दाखिल

लखनऊ (विधि सं.)। सीजेएम रवि प्रकाश गुप्ता ने लाखों की धोखाधड़ी के एक मामले में शाइन सिटी इन्फ्राप्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के एमडी मो. आसिफ नसीम व सीएमडी मो. राशिद के खिलाफ दाखिल मुकदमे की अर्जी पर थाना गोमतीनगर से आख्या तलब करने का आदेश दिया है। उन्होंने यह आदेश श्याम सुंदर सिंह की अर्जी पर दिया है। इस अर्जी में कम्पनी के सीनियर बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर कुलदीप केशरी व 12 अन्य को भी विपक्षी पक्षकार बनाया गया है। अर्जीकर्ता का आरोप है कि कम्पनी के विभिन्न प्रोजेक्ट में प्लाट व जेवर आदि देने के एवज में उससे 40 लाख रुपए लेकर हड़प लिए गए। अर्जी में सभी विपक्षीगणों के खिलाफमुकदमा दर्ज करने का आदेश देने की मांग की गई है। मामले की अगली सुनवाई 24 दिसंबर को होगी।

बीबीएयू ने दी पहली डीएससी की उपाधि

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेड़कर केंद्रीय विश्वविद्यालय के भौतिक विभाग के प्रोफेसर देवेश कुमार को विश्वविद्यालय की प्रथम डीएससी उपाधि प्रदान की गयी। प्रो आरसी सोबती इस उपाधि के सलाहकार थे। शोध कार्य का शीर्षक क्वांटम मैकेनिकल विधियों का उपयोग करते हुए एंजाइमों में उच्च वैलेंट आयरन. ऑक्सो इंटरमीडिएट्स के तंत्र और रासायनिक गुणों को समझना रहा। शोध कार्य के दौरान प्रो कुमार ने एंजाइम साइटोक्रोम के प्रतिक्रिया तंत्र से संबंधित कई विरोधाभासों को सुलझाया। कई हीम और गैर हीम प्रकार के एंजाइमों के रासायनिक क्रिया पद्धति भी सुझाए। ये एंजाइम जीवित जीवों में दवाओं के उपापचय के लिए उपयोगी होते हैं। उनका अनुसंधान कार्य दवा उद्योगों के लिए बहुत मददगार है।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। मड़ियांव पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। इंस्पेक्टर मड़ियांव वीर सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र निवासी एक युवती के अनुसार उसकी श्याम विहार कॉलोनी निवासी शैलेंद्र चौहान से जान पहचान थी। शैलेंद्र ने शादी का झांसा देकर उसका यौन शोषण किया। 30 नवम्बर को बहाने से अपने घर ले गया और वहां दोस्त के साथ मिलकर उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध पर उसके साथ मारपीट की गई। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी को नौबस्ता मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया गया।

टप्पेबाज महिलाएं गिरफ्तार, माल बरामद

लखनऊ। मड़ियांव पुलिस ने एक ऐसी शातिर महिला टप्पेबाज को गिरफ्तार किया है जो ज्वेलरी की दुकानों से सोने व चांदी के जेवरात खरीदने के बहाने से चोरी कर लेती थी। इंस्पेक्टर मड़ियांव वीर सिंह ने बताया कि शिवनगर निवासी अमित मिश्रा की सर्राफा की दुकान है। अमित के अनुसार 28 नवम्बर को एक महिला दुकान पर आई। इस दौरान उसने कई सोने के जेवरात देखे। पसन्द नहीं आने के बात करके बिना ख़रीददारी के वापस चली गई। महिला के जाने के बात उन्होंने सामन का मिलान किया। जिसमें कुछ सोने के लॉकेट व सुई धागा गायब मिला। इंस्पेक्टर वीर सिंह ने बताया कि दुकान में लगे सीसीटीवी में महिला की तस्वीर के आधार पुलिस टीम उसकी तलाश कर रही थी। टीम ने आरोपी महिला को सीतापुर हाइवे के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं नाका पुलिस ने गैर राज्य से आकर भीड़भाड़ वाले स्थानो पर टप्पेबाज़ी करने वाली दो महिला टप्पेबाज़ों पलवल हरियाणा की रहने वाली गीता और लक्ष्मी को गिरफ्तार किया है। इन्स्पेक्टर नाका ने बताया कि 26 नवम्बर को इन्ही टप्पेबाज़ महिलाओ के द्वारा मूल रूप से बहराईच के रहने वाले राज कुमार सिंह की पत्नी सुनीता सिंह के पर्स से उस समय कीमती ज़ेवरात चुरा लिए थे जब राज कुमार अपनी पत्नी और दो बच्चो के साथ एक आटो मे सवार हो कर नादरगंज से कैरबाग जा रहे थे।

इस बार दीक्षान्त समारोह में दो नए कोर्स में गोल्ड मेडल देगा एकेटीयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज में पहली बार एमटेक लेवल पर दिया जाएगा मेडल

इस बार डॉ एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी की तरफ से 16 दिसम्बर को प्रस्तावित दीक्षान्त समारोह में दो नए कोर्स में गोल्ड मेडल दिए जाएंगे। यह मेडल सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज की तरफ से मिलेगा।

समारोह के दौरान सेंटर्स फॉर एडवांस स्टडीज की तरफ से यह मेडल रिसर्च स्टूडेंट्स के रूप में एमटेक के छात्र तुषार सिंह, मनोज कौशिक, समरपीत, वर्मा और अविनाश भास्कर को दिया जाएगा। यह स्टूडेंट्स यूनिवर्सिटी के पहले एमटेक स्टूडेंट्स है। जिन्होंने अनुसंधान के नए क्षेत्रों को अपनाया है। जिसमें समुद्र में तेल की समस्या को हल करना और विकास के लिए परिवहन का समय शामिल है।

मेडल धारकों से बातचीत: मनोज कौशिक ने बताया कि मेरा रिसर्च कार्य मुख्य रूप से चिकित्सा सूचना विज्ञान के क्षेत्रों में केंद्रित है। बच्चों में विशिष्ट भाषा हानि की समस्या को हल करने के लिए गहन शिक्षण दृष्टिकोण पर रिसर्च किया है। आटोमेटिकए एनॉलिसिस और वायरल डिसिज की पहचान कर उनको कैसे ठीक किया जा सकता है, इस पर पूरा रिसर्च है। वहीं अविनाश भास्कर का कहना है कि मै मोबाइल लेग्ड रोबोटिक्स और मॉड्यूलर रोबोट पर रिसर्च कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि वाई रिसर्च का काम लेग्ड रोबोट पर है। लेग्ड रोबोट एक प्रकार का मोबाइल रोबोट है जो आर्टिकुलेटेड अंगों का उपयोग करता हैए जैसे कि लेग मैकेनिज्म होता है पैरों को हरकत प्रदान करने के लिए। उन्होंने कहा कि वे पहिएदार रोबोट की तुलना में अधिक बहुमुखी हैं और कई अलग.अलग इलाकों को पार कर सकते हैं। हालांकि इन लाभों के लिए बिजली की खपत की आवश्यकता होती है। वही समर्पित वर्मा का कहना है कि मैं एक विशेष स्पंज विकसित करने पर शोध कर रहा हूं जो समुद्र में मालवाहक जहाजों के यात्रा के दौरान निकलने वाले निष्कर्षण और उनके द्वारा समुद्र में फैलाए गए तेल को अवशोषित करने में मदद कर सकता है और समुद्री प्रदूषण को बचा सकता है। मैं पर्यावरण के लिए काम करना चाहता हूं और उन प्रौद्योगिकियों पर शोध करूंगा जो प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद कर सकती हैं।

एलयू से लॉ करने वाले छात्रों को उनके जिलों में मिलेगा इंटर्नशिप का मौका

सतीश सिंह। लखनऊ

छात्रों की परेशानी को देखते हुए नई राष्ट्रीय शिक्षा शिक्षा नीति के तहत लविवि की पहल

नई राष्ट्रीय शिक्षा शिक्षा नीति 2020 के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय से एलएलबी करने वाले छात्रों के लिए काम की खबर है। विवि से ला करने वाले स्टूडेंट्स को अब उनके जिले में ही इंटर्नशिप करने का मौका मिलेगा। इसके लिए विवि स्तर पर तैयारी शुरू हो गई है। एलएलबी की पढ़ाई करने वाले छात्रों को पढ़ाई पूरी करने के बाद एक माह की इंटर्नशिप करनी होती है। ऐसे में इंटर्नशिप के लिए छात्रों को भटकना पड़ता है। छात्रों की दिक्कतों को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के लॉ संकाय ने एलएलबी की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स को इंटर्नशिप का अवसर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। यह इंटर्नशिप एक माह का होगा और इसे स्टूडेंट्स अपने जिले में ही प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए लॉ फैकल्टी की तरफ से बार काउंसिल को लेटर भेजा जाएगा। जिससे बार काउंसिल की तरफ से जिलों में पैनल उपलब्ध हो सके।

● नई शिक्षा नीति के तहत स्टूडेंट्स को उनके जिलो में इंटर्नशिप उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए बार काउंसिल को लेटर भेजा जा रहा है।

प्रो. सीपी सिंह, डीन लॉ फैकल्टी।

छेड़छाड़ का विरोध करने पर शोहदों ने छात्रा समेत परिजनों को पीटा

● पुलिस तीन शोहदों को हिरासत में लेकर मामले की जांच में जुटी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पुलिस की लाख सख्ती के बाद भी महिलाओं और बेटियों के साथ हो रही छेड़छाड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं ताजा मामला आशियाना थाना क्षेत्र का है जहां मंगलवार को परिवार संग रिसेप्शन पार्टी में शामिल होने गई बीटेक छात्रा संग रिसेप्शन पार्टी में शामिल पड़ोस में रहने वाले शोहदों ने छेड़छाड़ शुरू कर दी। परिजनों द्वारा छेड़छाड़ का विरोध करने पर शोहदों ने छात्रा समेत छात्रा के परिजनों पर लात घूंसा, ईंट पत्थर से हमला बोल लहुलुहान कर दिया, लोगों के जुटने पर मौके से फरार हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस घायलों को लोकबंधु अस्पताल ले गई, जहां दो की हालत नाजुक देखते हुए इलाज के लिए ट्रामा भेज दिया। छात्रा ने आरोपी शोहदों के खिलाफनामजद लिखित शिकायत की है। स्थानीय पुलिस तीन शोहदों को हिरासत में लेकर मामले की जांच में जुटी है। आशियाना थाना क्षेत्र के मकान संख्या 588क/187 देवी खेड़ा में रहने वाले परिवहन विभाग में परिचालक पद पर कार्यरत राजेश रावत अपनी पत्नी संगीता व एक पुत्री व दो बेटों संग रहते हैं। पीड़ित छात्रा के मुताबिक वह अपने परिवार संग मंगलवार देर शाम घर के करीब एक रिसेप्शन पार्टी में शामिल होने गई थी। पार्टी में ही पडोस में रहने वाला शानू पुत्र तिवारी लाल प्रजापति ने छेड़छाड़ शुरू कर दी। जिसका विरोध छात्रा के परिजनों ने किया तो शोहदे संग आए उसके भाइयों ने मिलकर छात्रा सहित उनके परिजनों को ईंट गुम्मो पत्थरों से लहुलुहान कर दिया और फरार हो गए। वहीं आरोपी ने बताया कि मंगलवार रात करीब 11 बजे राजेश रावत, मुकेश रावत, अमरदीप रावत, कल्लन रावत ने संगठित होकर घर पर हमला कर दिया और मारपीट की और पीडबल्यूडी कालोनी चौराहे पर उसकी दुकान फूंक दी जिसमें रखा साढ़े तीन लाख रुपए का सामान जल गया। अब पुलिस ने हम पर ही एससीएसटी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कोतवाली प्रभारी धीरज शुक्ला ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर एससी एसटी एक्ट समेत छेड़छाड़ व मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर घटना में शामिल तीन नामजद आरोपियों में शानू, बल्लू व बब्लू पुत्र गण तिवारी लाल प्रजापति को गिरफ्तार किया गया है।

दिल्ली से घर आ रहे युवक को जहरखुरानों ने बनाया शिकार

● दो जिलों की पुलिस के बीच दिन भर झूलता रहा पीड़ित

संवाददाता। निगोहां

दिल्ली से नौकरी कर घर लौट रहे निगोहां के कांटा करौंदी गांव का एक युवक जहरखुरानी का शिकार हो गया। निगोहां आते समय रास्ते में जहरखुरानी कर पैसे मोबाइल फोन समेत कपड़ो से भरा बैग बदमाश लूट ले गए। वही पीड़ित युवक के घर न पहुंचने पर परिजन उसकी तलाश में जुट थे। बुधवार को निगोहां टोल प्लाजा के पास बदहवास हालत में युवक पड़ा मिला जिसके बाद परिजनों न उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वही दो जिलों की पुलिस के चक्कर में पीड़ित परिजन झूलते रहे।

कांटा करौंदी गांव निवासी वीरेंद्र चौरसिया ने बताया की उनका बेटा विकास चौरसिया दिल्ली में नौकरी करता है जो 30 नवंबर को ट्रेन के माध्यम से अपने घर आ रहा था। बीते मंगलवार की रात करीब 11 बजे विकास की बात फोन के माध्यम से अपने चाचा सूरज से हुई तब उसने बताया कि वह मोहनलालगंज पहुंच रहा है। लेकिन उसके बाद देर रात तक उनका बेटा विकास घर नही पहुंचा तो परिजन उसकी तलाश करने लगे। बुधवार को जब बेटा नही मिला तो पिता बेटे की गुमशुदगी लिखाने के लिए निगोहां थाने पहुंचा जहां निगोहां थाना प्रभारी द्वारा उनके क्षेत्र का मामला न होने का हवाला देकर उसे लौटा दिया गया। जिसके कुछ देर बाद निगोहां टोल प्लाजा से कुछ दूर पर बेटा विकास बदहवास हालत में पास के गांव में मौजूद रिश्तेदारों को मिला। विकास ने बताया की उसको दो युवक चारबाग बस स्टाप के पास मिले थे और उन लोगो ने चाय पिलाई थी जिसके बाद से ही उसकी तबियत बिगड़ने लगी थी और वह बेहोश हो गया। जब थोड़ा होश आया तो देखा कि उसका बैग गायब है बैग में 16 हजार रुपए और कपड़े आदि थे उसका मोबाइल फोन भी गायब था। पीड़ित के परिजनों ने बताया जब बुधवार तक उनका बेटा घर नही पहुचा तो वो लोग आपबीती लेकर अपने थाना क्षेत्र निगोहा पंहुचकर पूरा घटनाक्रम बताया तो थाना प्रभारी निगोहा ने सुनते ही पल्ला झाड़ते हुए बैरंग लौटा दिया।

गुडम्बा में बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

लखनऊ। गुडम्बा थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने एक बंद मकान का ताला तोड़ कर लाखों का माल पार कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

इंस्पेक्टर गुडम्बा मुहम्मद अशरफ ने बताया कि सेक्टर एच जानकीपुरम निवासी रामजी गुप्ता ने बताया की उनके मकान में एफएम सीजी का डिस्ट्रीब्यूशन का कार्य किया जाता है। मंगलवार रात मकान बंद था। सुबह जाने पर दरवाजे के ताले टूटे मिले। अंदर अलमारी में रखें दो लाख रुपये व चांदी के सिक्के समेत सीसीटीवी की डीवीआर गायब थी।

बाजारों से अतिक्रमण हटाएं एलडीए व नगर निगम

● व्यापारियों ने डीएम से अतिक्रमण, यातायात, टायलेट की परेशानियां गिनाईं, बनी कमेटी

● गड्ढों पर सख्त हुए जिलाधिकारी ,ठेकेदारों को नोटिस देकर मांगा स्पष्टीकरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जिलाधिकारी और पुलिस आयुक्त द्वारा जिला स्तरीय व्यापार बंधुओं की बैठक में व्यापारी द्वारा उठाए गए समस्याओं पर समीक्षा की गयी। बाजारों से नगर निगम, एलडीए को अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया गया। खुदे गड्ढों में पानी भरने पर सख्त जिलाधिकारी द्वारा स्मार्ट सिटी, लोक निर्माण विभाग के ठेकेदारों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया। बाजारों की निगरानी के लिए डीसीपी ट्रैफिक, सचिव एलडीए और अपर जिलाधिकारी प्रशासन की अध्यक्षता में कमेटी बनायी गयी।

बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश और पुलिस आयुक्त डीके ठाकुर ने ज़िला स्तरीय व्यापार बंधुओं की बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने व्यापार मंडलो के उठाए गए बिंदुओं पर चर्चा करते हुए उनके निस्तारण के आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने व्यापारी बन्धुओ की अतिक्रमण और दूसरी समस्याओं के निस्तारण के लिए एक कमेटी का गठन किया गया। इस कमेटी में डीसीपी ट्रैफिक, सचिव एलडीए और अपर जिलाधिकारी प्रशासन को नामित किया गया। साथ ही निर्देश दिया कि इस कमेटी में एक-एक व्यापार मंडलों के सदस्य भी शामिल किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि उक्त गठित की गई कमेटी बाज़ारो आदि में अतिक्रमण व अन्य व्यवस्थाओ की निगरानी करेगी और आवश्यकता पड़ने पर कार्रवाई भी करेगी। बैठक में व्यापारी बन्धुओं ने शहरी बाज़ारो में अतिक्रमण से संबंधित मुद्दों को उठाया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि नगर निगम, एलडीए अपने अपने क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाया जाए। साथ ही दुबारा अतिक्रमण करने वालो के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही निर्देश दिया कि रेहड़ी व पट्टी दुकानदारों द्वारा रोड पर अतिक्रमण किया जाता है, तो उनको नगर निगम वेंडिग ज़ोन में विस्थापित कराए। नक्खास व्यापार मंडल ने जिलाधिकारी को बताया कि अकबरी गेट लाइओवर के नीचे लाइट की कोई व्यवस्था नहीं है और न ही किसी चौराहे पर ट्रैफिक लाइट की व्यवस्था है, जिसके कारण अत्यधिक जाम लगता है। साथ ही इन स्थान पर मूत्रालय की भी कोई व्यवस्था नहीं है। जिलाधिकारी ने नगर निगम को निर्देश दिया कि प्रकाश मार्ग और मूत्रालय की व्यवस्था कराया जाए, नगर निगम व एलडीए द्वारा पार्किंग की व्यवस्था व ट्रैफिक पुलिस के द्वारा ट्रैफिक सिग्नल की व्यवस्था को दिखाया जाए। जाम की समस्या पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि ट्रैफिक पुलिस, नगर निगम व परिवहन विभाग ट्रैफिक व्यवस्था को कराए।

व्यापारियों ने प्रमुख बाजारों की इन समस्याओं को रखा सामने

1. कोनेश्वर चौराहे से ठाकुर गंज होकर बाला गंज जाने वाले रोड पर जो डिवाइडर बना है, उस पर कई स्थानों पर अनावश्यक कट है जिससे कि यातायात व्यवस्था में अवरोध उत्पन्न होता है। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि अनावश्यक कट की सूची देते हुए लोक निर्माण विभाग को अनावश्यक कट का सर्वे करते हुए उनकों बंद करने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

2. झंडेवाला पार्क के पास नगर निगम द्वारा रेहड़ी व पट्टी दुकानदारों को करीब 450 दुकाने आवंटित की गई थी और 300 दुकानों का आवंटन होना बाकी है। लेकिन जिन 450 दुकानदारों को दुकाने आवंटित की गई थी उन्होंने वह दुकाने छोड़ कर रोड पर अतिक्रमण कर लिया, जिससे जाम की समस्या होती है। जिलाधिकारी द्वारा नगर निगम को निर्देश दिया कि सभी 750 दुकानदारों को फिर से दुकाने आवंटित करते हुए रोड को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए। न मानने पर अतिक्रमणकरियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

3. लाटूश रोड अमीनाबाद की रोड पर साफ सफाई की कोई व्यवस्था नही है और नाही नालियों की सिल्ट साफ की जाती है। साथ ही लाटूश रोड डिवाइडर भी जर्जर अवस्था में है जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाए होती रहती है। रोड पर स्थित मूत्रालय भी जर्जर अवस्था में है। डीएम ने नगर निगम को मूत्रालय की मरम्मत, नालियों की सिल्ट की सफाई और रोड की साफ सफाई कराने के निर्देश दिए। साथ ही लोक निर्माण विभाग को तत्काल डिवाइडर की मरमत कराने के निर्देश दिए।

4. शिवजी रोड पर स्मार्ट सिटी द्वारा खोदे गए गड्ढो में पानी भरा रहता है, जिससे उसमें मच्छर पैदा होनें और दुर्घटना होने की संभावना रहती है। जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई और जीएम स्मार्ट सिटी व लोक निर्माण विभाग के ठेकेदार का स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए।

5. भूतनाथ मार्किट में मुख्य रूप से महिलाओं का ज़्यादा आवागमन रहता है लेकिन मार्किट में एक भी महिला शौचालय नहीं है। जिलाधिकारी ने नगर निगम को स्थान चिन्हित कर के पिंक टॉयलेट की व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

कर्नाटक बैंक लिमिटेड
आपका पारिवारिक बैंक। सम्पूर्ण भारत में

प्रधान कार्यालय, मंगलुरू-575 002 | सीआईएन : एल85110केए1924पीएलसी001128

आस्ति वसूली प्रबंधन शाखा,
8-बी, प्रथम तल, राजेन्द्र पार्क, पूसा रोड,
नई दिल्ली-110060,

फोन/फैक्स : 011-40591567 (एक्सटेंशन 240)
मोबाइल : 9319891680
वेबसाइट : www.karnatakabank.com
ई-मेल : delhiarm@ktkbank.com

कब्जा सूचना
(अचल सम्पत्ति हेतु)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी ने कर्नाटक बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनरनिर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का 54) के अधीन और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के (नियम 3) के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक मांग सूचना दिनांकित 06-08-2021 जारी की थी, जिसमें कर्जदार/बंधकदाता/गारंटरों : (1) मैसर्स शालीमार ट्रेडर्स, इसके स्वामी : मोहम्मद अब्दुलाह फैजी द्वारा प्रतिनिधित्वकृत, (2) श्री मोहम्मद अब्दुलाह फैजी, (3) श्रीमती उजरा फैजी, पत्नी मोहम्मद अब्दुलाह फैजी सभी (1) (2) एवं (3) का पता : 290-बी, आजाद नगर, एलडीए कालोनी, कैम्पबेल रोड, बालागंज चौक, लखनऊ-226003, उत्तर प्रदेश राज्य से सूचना में वर्णितानुसार कुल बकाया राशि रू. 15,35,344.25 (रूपए पंद्रह लाख पैंतीस हजार तीन सौ चौवालीस तथा पैसे पच्चीस मात्र) अर्थात (1) पीएस - ओवरड्राफ्ट खाता नंबर 4537000600003301 के तहत रू. 10,04,167.59 (रूपए दस लाख चार हजार एक सौ सड़सठ तथा पैसे उनसठ मात्र) 01-08-2021 से भावी ब्याज के साथ तथा (2) पीएस - डीपीएन खाता नंबर 4537001400001501 के तहत रू. 5,31,176.66 (रूपए पांच लाख इकतीस हजार एक सौ छहत्तर तथा पैसे छियासठ मात्र) 25-07-2021 से भावी ब्याज के साथ उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर चुकाने की मांग की गई थी।

चूंकि कर्जदार, बंधकदाता तथा गारंटर बकाया राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतः कर्जदार, बंधककर्ताओं तथा गारंटरों तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली, 2002 के नियम 8 एवं 9 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के अधीन उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा 29 नवम्बर, 2021 को प्राप्त कर लिया है।

एतद्द्वारा, विशेष रूप से कर्जदार, बंधककर्ताओं तथा गारंटरों को और जनसाधारण को सावधान किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करें तथा उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार कर्नाटक बैंक लिमिटेड, लखनऊ शाखा की कुल बकाया राशि रू. 15,96,561.25 (रूपए पंद्रह लाख छियानवे हजार पांच सौ इकसठ तथा पैसे पच्चीस मात्र) अर्थात (1) पीएस - ओवरड्राफ्ट खाता नंबर 4537000600003301 के तहत रू. 10,42,485.59 दिनांक 01-11-2021 से भावी ब्याज + लागतों तथा (2) पीएस - डीपीएन खाता नंबर 4537001400001501 के तहत रू. 5,54,075.66 दिनांक 25-11-2021 से भावी ब्याज + लागतों का भुगतान करने के बाद ही किया जा सकता है।

[कर्जदार का ध्यान, प्रत्याभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।]

अचल सम्पत्ति का वर्णन :

सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : श्रीमती उजरा फैजी के साथ संबंधित प्लॉट नंबर 70, परिमाप 139.405 वर्ग मीटर, खसरा नंबर 62, महीपतमऊ, परगना तहसील एवं जिला लखनऊ।

चौहद्दी :

पूरब : 25 फीट चौड़ा रास्ता | पश्चिम : अराजी दीगर
उत्तर : प्लॉट नंबर 71 | दक्षिण : प्लॉट नंबर 69

स्थान : लखनऊ
तिथि : 29-11-2021

मुख्य प्रबंधक एवं प्राधिकृत अधिकारी
कर्नाटक बैंक लिमिटेड

कार्यालय : अधिशासी अभियन्ता, जोन–6, जलकल विभाग, नगर निगम लखनऊ

पत्रांक : 120/EE-6/LJS/2021-22 दिनांक : 01.12.2021

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

जलकल विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु अल्पकालिक निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्यदिवस में दिनांक 07.12.2021 को अपराह्न 03:00 बजे तक अधिशासी अभियन्ता, जोन–6 के कार्यालय के कैश काउन्टर से प्राप्त किये जा सकते हैं। सील्ड निविदाएँ दिनांक 07.12.2021 तक अधिशासी अभियन्ता, जोन–6 के कार्यालय में अपराह्न 3:30 बजे तक सील्ड टेन्डर बॉक्स में प्राप्त की जायेगी। प्राप्त समी निविदाएं दिनांक 07.12.2021 को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष 4:00 बजे जोन–6 के कार्यालय में खोली जायेगी।

1. आलमनगर वार्ड के लक्ष्मण विहार मोहल्ले में 900 मीटर दूर रेलवे क्रासिंग के पास लगे मिनी नलकूप की बोरिंग के उपरान्त नलकूप का पुनर्विकास, पी–ग्रेविल व सबमरसिबुल मोटर पम्पसेट की आपूर्ति व अधिष्ठान का कार्य, धरोहर राशि रु0 8300/– एवं निविदा मूल्य रु0 400/–

अधिशासी अभियन्ता, जोन–6
जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड **निविदा सूचना**

इस कार्यालय के द्वारा निम्नलिखित कार्य सम्पादन हेतु अनुभवी, दक्ष एवं जी0एस0टी0 में पंजीकृत ठेकेदारों से ई– निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विस्तृत विवरण टेण्डर बेवसाइट www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। **निविदा संख्या – 66/2021–22** विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम के अन्तर्गत लीलो 220 के0वी0 उरई भौती डबल सर्किट लाइन का 220 के0वी0 उपसंस्थान जैनपुर पर सिकन्दरा पर अनुरक्षण का कार्य। **निविदा संख्या – 67/2021–22** विद्युत 400 के0वी0 उपसंस्थान खण्ड पनकी पर 315 एम0वी0ए0 परिवर्तक बे पर 220 के0वी0 मेन बस ए एण्ड बी की स्ट्रेन्थनिंग का कार्य। **निविदा संख्या – 68/2021–22** विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम के अन्तर्गत 220 के0वी0 बिदूर पर पी0जी0 कलैम्प एवं सी0टी0 लैम्प कलैम्प एवं एच0पी0एस0वी0 लैम्प एवं ब्लास्ट की आपूर्ति। **निविदा संख्या – 69/2021–22** विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम के अन्तर्गत 400 के0वी0 पनकी–उन्नाव लाइन की पेट्रोलिंग एवं अनुरक्षण का कार्य। **निविदा संख्या – 70/2021–22** विद्युत 400 के0वी0 उपसंस्थान खण्ड पनकी पर आयल सर्ज रिले, बकोल्ज रिले एवं प्रेशर रिलीफ वाल्व की आपूर्ति। **निविदा संख्या – 71/2021–22** विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम कानपुर के अन्तर्गत 132 के0वी0 पुखरायां पर 63 एम0वी0ए0 परिवर्तक की स्थापना सम्बन्धी समस्त कार्य। **निविदा संख्या – 72/2021–22** विद्युत प्रेषण खण्ड 220 के0वी0 उपसंस्थान खण्ड पनकी पर मल्टीफायर सिस्टम एवं फायर हाईड्रेन्ट सिस्टम की वार्षिक अनुरक्षण एवं मरम्मत सम्बन्धी समस्त कार्य। **निविदा संख्या – 73/2021–22** विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम के अन्तर्गत 220 के0वी0 रनियां पर लीलो 220 के0वी0 पनकी भौती लाइन की वार्षिक पेट्रोलिंग एवं अनुरक्षण सम्बन्धी समस्त कार्य। **निविदा संख्या – 74/2021–22** विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम कानपुर के अन्तर्गत 220 के0वी0 बिदूर पर डाई कास्टेड हैवी सी0टी0, पी0टी0 –कलैम्प एवं सी0टी0 पी0टी0 व टर्मिनल कनेक्टर एवं टेंशन फिटिंग की आपूर्ति। **निविदा संख्या – 75/2021–22** विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम कानपुर के अन्तर्गत 152 के0वी0 उपसंस्थान जैनपुर पर ए0सी0 क्यूबिकल बाक्स को उपलब्ध कर लगवाने का कार्य। **निविदा संख्या – 76/2021–22** विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम कानपुर के अन्तर्गत 132 के0वी0 पुखरायां पर 63 एम0वी0ए0 परिवर्तक की स्थापना के उपरान्त 132 के0वी0 एवं 33 के0वी0 'बे' के निर्माण सम्बन्धी समस्त कार्य। **निविदा संख्या – 77/2021–22** विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम कानपुर के अन्तर्गत 220 के0वी0 उपकेन्द्र बिदूर पर 132 के0वी0 सर्किट ब्रेकर की ओवर हालिंग सम्बन्धी समस्त कार्य। **निविदा संख्या–78/2021–22** विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम कानपुर के अन्तर्गत 220 के0वी0 उपसंस्थान सिकन्दरा पर 3 पैस ए0सी0 क्यूबिकल बाक्स को उपलब्ध कर लगवाने का कार्य। **निविदा संख्या–66 से 69 तक दिनांक 28.12.2021 एवं निविदा सं0 70 से 72 तक दिनांक 29.12.2021 व निविदा सं0 73 से 75 तक दिनांक 02.01.2022 दिनांक 03.01.2022 व निविदा सं0 76 से 78 तक दिनांक 04.01.2022 को खोली जायेगी। अधीक्षण अभियन्ता विद्युत पारेषण मण्डल, प्रथम पनकी, कानपुर** पत्रांक–1443/वि0प्र0म0प0 (का0)/टी0–1 दिनांक 01.12.2021 "राष्ट्रहित में बिजली बचायें" उपभोक्ता सेवा हेतु सम्पर्क करें – www.uppcl.org

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल, मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लि0, सुदामापुरी, सीतापुर –: अल्पकालीन ई–निविदा सूचना :– अधोहस्ताक्षरी द्वारा विद्युत वितरण मण्डल, सीतापुर के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य को कराने हेतु प्रतिष्ठित एवं अनुभवी निविदाकारों से निविदाएं ई–टेण्डरिंग के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण एवं प्रपत्र UP Government की वेबसाइट www.etender.up.in पर डाउनलोड/देखे जा सकते है। निविदा से सम्बन्धित अन्य सूचना यथा तिथि विस्तारण/संशोधित तिथि/निरस्तीकरण केवल ई–टेण्डर पोर्टल पर ही प्रकाशित की जायेगी। **1– अल्पकालीन निविदा संख्या 219/विविमंसी/2021–22** विद्युत वितरण खण्ड–बिसवाँ, सीतापुर के कार्यक्षेत्र में विद्युत वितरण उपखण्ड–हरगाँव, सीतापुर के कार्यक्षेत्र में आई0पी0डी0एस0/ आर0ए0पी0डी0 आर0पी0 टाउनों में 25/63/100/160/250/400/630 केवी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 160/250/400/ 630 केवीए के परिवर्तकों की ढुलाई का कार्य। धरोहर धनराशि रू0 05,000.00 मात्र। निविदा शुल्क रु0 1180.00 मात्र। निविदा आन लाइन भरने की तिथि:–17.12.2021 निविदा खुलने की तिथि:–18.12.2021। **2– अल्पकालीन निविदा संख्या 220/विविमंसी/2021–22** विद्युत वितरण खण्ड–महमूदाबाद, सीतापुर के कार्यक्षेत्र में विद्युत वितरण उपखण्ड–रामपुर मथुरा, सीतापुर के कार्यक्षेत्र में आई0पी0डी0एस0/आर0ए0पी0डी0आर0पी0 टाउनों में 25/63/100/ 160/250/400/ 630 केवी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 160/250/400/630 केवीए के परिवर्तकों की ढुलाई का कार्य। धरोहर धनराशि रू0 05,000.00 मात्र। निविदा शुल्क रु0 1180.00 मात्र। निविदा आन लाइन भरने की तिथि:–17.12.2021 निविदा खुलने की तिथि:–18.12.2021। **3– अल्पकालीन निविदा संख्या 221/विविमंसी/2021–22** विद्युत वितरण खण्ड–द्वितीय, सीतापुर के कार्यक्षेत्र में विद्युत वितरण उपखण्ड–सिधौली ग्रामीण, सीतापुर के कार्यक्षेत्र में आई0पी0डी0एस0/आर0ए0पी0डी0आर0पी0 टाउनों में 25/63/100/160/250/400/630 केवी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 160/250/400/630 केवीए के परिवर्तकों की ढुलाई का कार्य। धरोहर धनराशि रू0 5,000.00 मात्र। निविदा शुल्क रू0 1180.00 मात्र। निविदा आन लाइन भरने की तिथि:–17.12.2021 निविदा खुलने की तिथि:–18.12.2021। **4– अल्पकालीन निविदा संख्या 222/विविमंसी/2021–22** विद्युत वितरण खण्ड–महमूदाबाद, सीतापुर के कार्यक्षेत्र में पूर्व जमा योजना के अन्तर्गत नार्थ ईस्ट रेलवे स्टेशन, महमूदाबाद, सीतापुर में 100 केवीए के परिवर्तक की प्लिन्थ निर्माण एवं फेन्सिंग कार्य व अन्य कार्य तथा राजकीय नलकूप संख्या–68, ग्राम दुलारपुर, विकास खण्ड–कसमण्डा, सीतापुर के ऊर्जीकरण का कार्य। धरोहर धनराशि रू0 2,000.00 मात्र। निविदा शुल्क रु0 1180.00 मात्र। निविदा आन लाइन भरने की तिथि:–17.12.2021 निविदा खुलने की तिथि:–18.12.2021। **5– अल्पकालीन निविदा संख्या 223/विविमंसी/2021–22** विद्युत वितरण खण्ड–प्रथम, सीतापुर के कार्यालय उपयोग एवं खण्ड के अन्तर्गत विभिन्न विद्युत वितरण उपखण्डीय कार्यालयों के उपयोग हेतु ए–4 साइज पेपर की आपूर्ति का कार्य। धरोहर धनराशि रू0 2,000.00 मात्र। निविदा शुल्क रु0 1180.00 मात्र। निविदा आन लाइन भरने की तिथि:–17.12.2021 निविदा खुलने की तिथि:–18.12.2021। **6– अल्पकालीन निविदा संख्या 224/विविमंसी/2021–22** विद्युत वितरण खण्ड–प्रथम, सीतापुर के कार्यक्षेत्र में कार्यालय एवं विभिन्न उपखण्डों कार्यालय तथा बिलिंग सेन्टरों में लगे प्रिन्टरों की कार्टेज रिफलिंग एवं प्रिन्टर मेन्टीनेन्स का कार्य। धरोहर धनराशि रू0 2,000.00 मात्र। निविदा शुल्क रु0 1180.00 मात्र। निविदा आन लाइन भरने की तिथि:–17.12.2021 निविदा खुलने की तिथि:–18.12.2021। **अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण मण्डल मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लि0 सीतापुर** पत्रांक 5155 दिनांक 30.11.2021 राष्ट्रहित में बिजली बचायें

दूसरों के जीवन की रक्षा के लिए करें रक्तदान व अंगदान: राज्यपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बुधवार को विश्व एड्स दिवस पर किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रक्तदान एवं एड्स जागरूकता रैली को झण्डी दिखाकर राजभवन से शुभारम्भ किया। इस अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदान पर विश्वविद्यालय द्वारा बहुत ही प्रभावी तथा सारगर्भित नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया।

राज्यपाल ने प्रस्तुत किये गये नुक्कड़ नाटक के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज में जागृति आती है तथा लोगों को रक्तदान, अंगदान तथा समाजसेवा के लिए प्रेरणा प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि आज के परिवेश में हमारे युवा बहुत ही जागरूक हो गये हैं तथा हर क्षेत्र में अपना योगदान दे रहे हैं। जिस देश के युवा इतने सजग और कर्तव्यनिष्ठ हैं, वह सशक्त तथा समृद्ध देश के रूप में विकास के रास्ते पर सदैव आगे बढ़ता रहेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी रोग से समाज को मुक्ति दिलाने के लिए यह जरूरी है कि समय रहते बीमारी से संबंधित जांच करवाकर उचित दिशा में इलाज की शुरूआत की जाये। इसके लिए जरूरी है कि चिकित्सालय के सभी विभाग रोगियों के उपचार हेतु एक दूसरे का सहयोग करेंए तभी सार्थक परिणाम सामने आयेंगे। सहयोग, काउंसलिंग, जांच के साथ ही बीमार व्यक्ति के साथ खड़े होकर उसे यह आश्वासन देना और एहसास दिलाना कि अपनी बीमारी के समय में वह अकेला नहीं है, यह सर्वाधिक जरूरी तथा मानवीय इलाज है।

राज्यपाल ने युवाओं से किसी भी प्रकार का नशा न करने की अपील करते हुए कहा कि उनको इस बात पर विचार करना चाहिए कि उन्हें किसी भी ऐसे पदार्थ का सेवन नहीं करना चाहिए, जिससे उनके या उनके परिवार के स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़े। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष लाखों लोंगो की मृत्यु एड्स और अनेक प्रकार के संक्रामक रोगों से हो जाती है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। इस दिशा में एक साथ मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि किसी भी बीमारी से समाज को बचाने के लिए उससे बचाव का महत्व इलाज से ज्यादा है। एड्स जैसी भयावह बीमारी के संक्रमण को जागरूकता के माध्यम से ही कम करने पर हमें सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि अपने परिवार से मिले संस्कारों का हमें पालन करना चाहिए और उसी के अनुरूप व्यवहार भी करना चाहिए। केजीएमयू के कुलपति डॉ बिपिन पुरी ने राज्यपाल तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों को समृति चिन्ह के रूप में पौधा देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर केजीएमयू के प्रयासों से एड्स संक्रमण से बचाये गये बच्चों को राज्यपाल ने उपहार दिया। रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु पुलिस कमिश्नर लखनऊ डीके ठाकुर को राज्यपाल ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विशेष सचिव चिकित्सा शिक्षा जीएस प्रियदर्शी, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो तुलिका चन्द्रा सहित अन्य चिकित्सक एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राज्यपाल ने सुल्तानपुर के प्रगतिशील किसान का किया उत्साहवर्धन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बुधवार को राजभवन में जनपद सुल्तानपुर के प्रगतिशील किसान जमील अहमद से भेंट की तथा उनके उत्पादों का अवलोकन किया। किसान जमील अहमद ने राज्यपाल के समक्ष अपने उत्पादों में विशेष काले गेंहू का आटाए मल्टीग्रीन आटाए काला नमक चावलए मसाला बेसन तथा देसी गुड़ को प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने उत्पादो की विशेषताओं और उसके ऑर्गेनिक गुणों से भी अवगत कराया। राज्यपाल ने जमील अहमद को अच्छी व बेहतर खेती के लिए उत्साहवर्धन किया।

प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों के हाथों में हो ड्रोन कैमरे का संचालन: डीजीपी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी मुकुल गोयल ने निर्देश दिए हैं कि यातायात नियंत्रण त्यौहार एवं कानून व्यवस्था आदि की ड्यूटी के अवसरों पर ड्रोन कैमरा संचालन कार्य में प्रशिक्षित पुलिस कर्मियों को ही लगाया जाए। डीजीपी बुधवार को पुलिस मुख्यालय स्थित सभागार में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे।

बैठक में पुलिस महानिदेशक लॉजिस्टिक, अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था, अपर पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिदेशक के जीएसओ, पुलिस आयुक्त लखनऊ, अपर पुलिस महानिदेशक यातायात सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था व यातायात आदि अवसरों पर बॉडीवार्न कैमरा, पिंक बूथ एवं ड्रोन कैमरा के उपयोग, उपयोगिता आदि महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की गयी। इस दौरान डीजीपी ने निर्देशित किया है कि बॉडीवार्न कैमरा के उपयोग के सम्बन्ध में निर्गत एसओपी का पूर्ण पालन कराया जाए तथा बॉडीवार्न कैमरा की उपयोगिता व उपयोग के सम्बन्ध में सभी को भली भांति ब्रीफ किया जाए । महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए स्थापित पिंक बूथ में नियुक्त महिला पुलिस कर्मियों को महिला सम्बन्धी शिकायतों के निराकरण आदि के सम्बन्ध में कार्यवाही के लिए प्रशिक्षित कराया जाए।

ग्राहकों की सुविधाओं के लिए डिजिटलीकरण पर जोर दे रहा यूनियन बैंक

लखनऊ। यूनियन बैंक अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक है तथा देश और विदेश भर में 9200 से अधिक शाखाओं और 11600 एटीएम का नेटवर्क रखता है । केवल उत्तर प्रदेश राज्य में बैंक की 1000 से अधिक शाखाएँ एवं राज्य की राजधानी लखनऊ में 90 से अधिक शाखाएँ हैं। यूनियन बैंक अपने ग्राहकों के लिए बैंकिंग सेवाओं की पहुँच बढ़ाने हेतु अपनी सेवाओं के डिजिटलीकरण पर ज़ोर दे रहा है। बैंक ने सरकारी स्व.निगरानी क्षेत्र को बढ़ावा देने हेतु विभिन नए एमएसएमई उत्पादों जैसे यूनियन सुविधा, यूनियन जीएसटी गेन,यूनियन संजीवनी, यूनियन आरोग्यम एवं अन्य को शुरू किया है। यह जानकारी देते हुए बैंक के चीफ जनरल मैनेजर सेंट्रल आफिस अभिजीत बसक ने बताया कि एमएसएमई क्षेत्र को विशेष प्रोत्साहन देने हेतु यूनियन बैंक ने एमएसएमई फ़ेस्टिव बोनांजा स्कीम की शुरुआत की है जो की बैंकिंग क्षेत्र में सबसे कम ब्याज़ दरों पर उपलब्ध कराई जा रही है। भारतीय उद्योग संग के साथ मिल कर यूनियन बैंक ने विशेष एमएसएमई ऋण कैंप-एमएसएमई बोनांजा का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन ग्राहकों को लगभग 150 करोड़ के ऋणों की सैद्धांतिक मंजूरी बहुत ही कम शुरुआती ब्याज दर (6.80 प्रतिशत) एवं रियायती सेवा दरों पर प्रदान की गयी।

आशी ने जीता पर्यावरण प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, स्टेशन रोड कैम्पस की कक्षा-5 की छात्रा आशी ने वन्य जीवन एवं पर्यावरण पर आधारित अन्तर-विद्यालयी फेस पेन्टिंग प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार अर्जित कर लखनऊ का नाम गौरवान्वित किया गया है। यह प्रतियोगिता नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ के तत्वावधान में आयोजित की गई। सीएमएस के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में लखनऊ के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया तथापि कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सीएमएस की इस प्रतिभाशाली छात्रा ने न सिर्फअपनी रचनात्मकता व कलात्मक क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया अपितु पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल ने सीएमएस छात्रा की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सीएमएस संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने इस प्रतिभाशाली छात्रा के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

बंद मकानों को निशाना बनाने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी की चिनहट पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस इनके कब्जे से चोरी किए हुए सोने के जेवरात बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार शहर में बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के क्रम में चिनहट इंस्पेक्टर को मुखबिर से सूचना मिली कि दो शातिर चोर चोरी का सामान लेकर बेचने के फ़िराक में मौजूद हैं। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर तत्काल मौके पर पहुँच कर दोनों को दबोच लिया। पुलिस पूछताछ में उन्होंने अपना नाम बहराइच निवासी पप्पू और चिनहट निवासी मुल्हे बताया। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए अभियुक्त बंद मकानों की रैकी करते हैं और देर रात चोरी की घटना को अंजाम देते हैं।

सात सूत्रीय मांगों को लेकर एनएचएम कर्मियों ने किया धरना प्रदर्शन

मोहनलालगंज। समान कार्य का समान वेतन व रिक्त पदों के सापेक्ष प्रदेशभर में ट्रांसफर पालिसी बनाने और बीमा सुरक्षा योजना का लाभ देने समेत सात सूत्रीय मांगों को लेकर बुधवार को एनएचएम कर्मी संघ के बैनर तले मोहनलालगंज सीएचसी के एनएचएम कर्मियों ने धरना प्रदर्शन कर अधीक्षिका डॉ ज्योति कामले को ज्ञापन सौंपा। बीपीएम कृष्ण कुमार ने बताया कोरोना का जोखिम उठाकर एनएचएम कर्मी काम करते आए हैं लेकिन सरकार ने उनके लिए बीमा कवर की सुविधा नहीं दे रखी है। देवेन्द्र कुमार ने बताया आउटसोर्सिंग कर्मियों की भी एनएचएम के तहत ही भर्ती की जानी चाहिए। बीसीपीएम आनन्द कुमार त्रिपाठी ने एनएचएम कर्मियों के म्युचुअल ट्रांसफर सिस्टम को तुरन्त वापस लेने का मुद्दा उठाया। तकरीबन पांच दर्जन एनएचएम कर्मियों ने कार्य बहिष्कार कर दिनभर सीएचसी गेट पर धरना दिया। जिसकी वजह से स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं। खासतौर पर फाइलेरिया की दवा खिलाने और कोविड वैक्सीनेशन के कार्य में काफी बाधा पहुंची।

मवैया में एलडीए ने अवैध निर्माण को सील किया

लखनऊ। चारबाग में एलडीए द्वारा बिना स्वीकृत कराए अवैध निर्माण करने पर सीलिंग कार्रवाई की गयी। विहित प्राधिकारी के आदेश पर अधिशाषी अभियंता ने बताया कि प्लाट पर अवैधनिर्माण करने पर अभियंता द्वारा सीलिंग की कार्रवाई की गयी। बुधवार को एलडीए उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने शहर में अवैध निर्माणों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिये हैं। विहित प्राधिकारी प्रवर्तन के अधिशाषी अभियंता कमल जीत सिंह ने बताया कि थाना-नाका के तहत कृष्ण खरे, मुस्तफा अन्य द्वारा प्लाट संख्या-91 पार्ट मवैया योजना चारबाग में निर्माण कराया गया, जो कि बिना मानचित्र स्वीकृत कराये किया गया। अनाधिकृत निर्माण करने पर सहायक अभियंता एस.एन. प्रसाद के नेतृत्व में अवर अभियंता अजय महेन्द्र, सुशील वर्मा व कुलदीप कुमार त्यागी द्वारा अवैध निर्माण को पुलिस बल की सहायता से सील किया गया।

एलडीए में लगेगा दो दिवसीय चबूतरों का निबन्धन शिविर

लखनऊ। एलडीए द्वारा किसानों की सुविधा के लिए 3 एवं 4 दिसंबर को कैंप आयोजित कर चबूतरों का निबंधन किया जाएगा। किसानों को लाटरी से गोमतीनगर योजना, सीतापुर रोड योजना, कानपुर रोड योजना के सेक्टरों और शारदानगर योजना के रजनी खण्ड में चबूतरों का आवंटन किया जाएगा। बुधवार को एलडीए वीसी अक्षय त्रिपाठी के आदेश पर किसानों के आवंटित चबूतरों का निबन्धन कराये जाने के लिए प्राधिकरण भवन के कमेटी हॉल में 3 एवं 4 दिसंबर को आयोजित कराने पर रूपरेखा बनी। यह कैंप 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा। दो दिवसीय निबन्धन कैंप का आयोजन किया जाएगा। उप सचिव अतुल कृष्ण ने बताया कि लखनऊ विकास प्राधिकरण के तहत भू-अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को लाटरी से गोमतीनगर योजना, सीतापुर रोड योजना, कानपुर रोड योजना के विभिन्नों सेक्टरों और शारदानगर योजना के रजनी खण्ड में चबूतरों का आवंटन किया गया है।

ट्यूशन टीचर के खिलाफ पॉक्सो एक्ट का मुकदमा दर्ज

लखनऊ । सआदतगंज थाना क्षेत्र में एक ऐसे शिक्षक के खिलाफएक बच्चे के पिता ने पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया है जिसने ट्यूशन पढ़ाने के दौरान अपने शिष्य को अपने मोबाइल पर अश्लील वीडियो दिखाकर उसका यौन शोषण करने का प्रयास किया था। इंस्पेक्टर सआदतगंज बृजेश कुमार यादव ने बताया कि बच्चे के पिता के द्वारा उनके बच्चे को पढ़ाने के लिए उनके घर आने वाले अशफाक अहमद सिद्दीकी के खिलाफमुकदमा दर्ज कराया है बच्चे के पिता का आरोप है कि अशफाक अहमद सिद्दीकी ने उनके बच्चे को ट्यूशन पढ़ाने के दौरान अपने मोबाइल पर अश्लील वीडियो दिखाई और उसके साथ अश्लील हरकतें करने का प्रयास किया। बच्चे की शिकायत पर जब बच्चे के पिता ने विरोध किया तो उसने उनसे भी बदसलूकी की । इस्पेक्टर बृजेश कुमार यादव ने बताया कि आरोपी के खिलाफपॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है । उसके मोबाइल को भी कब्जे में ले कर जांच की जाएगी।

फार्मासिस्टों ने मांगा प्राथमिक उपचार का अधिकार

लखनऊ। प्रदेश में डॉक्टरों की कमी को देखते हुए फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने सर्काररबसे प्राथमिक इलाज उपलब्ध कराने की मांग की है। जिससे समय पर दूर दराज क्षेत्रों में ग्रामीणों को इलाज उपलब्ध कराया जा सके। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन की लखनऊ शाखा के अध्यक्ष अरुण अवस्थी ने कहा कि फार्मासिस्टों के कैडर का पुर्नगठन लंबे समय से नहीं हुआ है। सरकारी अस्पतालों में बड़ी संख्या में फार्मासिस्टों के पद खाली पड़े हैं। नए अस्पताल भी बन रहे हैं। नए पदों का सृजन भी नहीं हो पा रहा है। इससे फार्मासिस्टों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा हैए जबकि हजारों की संख्या में प्रशिक्षित फार्मासिस्ट बेरोजगार हैं। एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष कपिल वर्मा ने कहा कि फार्मासिस्ट लंबे समय से जायज मांगों को लेकर संघर्ष कर रहा है। फार्मासिस्ट कोरोना काल में अपनी जान की बाजी लगाकर मरीजों की सेवा में जुटे रहे। मरीजों को दवा बांटी। अस्पताल में भर्ती मरीजों की सेवा की। कान्ट्रेक्ट ट्रेसिंग में अहम भूमिका अदा की। इसके बावजूद हमारी मेहनत का फल नहीं मिल रहा है। जायज मांगों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

सहारा हॉस्पिटल में की गयी 150 किलो के युवक की सफल बेरियाट्रिक सर्जरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गोमती नगर स्थित सहारा हॉस्पिटल ने बढ़ते वजन से परेशान 150 किलोग्राम वजन वाले एक युवक की बेरियाट्रिक (मोटापा कम करने की) सर्जरी कर मोटापे की समस्या से निजात दिलाया है। सर्जरी के बाद मरीज स्वस्थ है।

अलीगंज निवासी 37 वर्षीय युवक का वजन कुछ ही समय में 100 किलोग्राम से बढ़कर 150 किलोग्राम तक पहुंच गया था। परिजनों के अनुसार बढ़ते मोटापे से युवक कई बीमारियों से ग्रसित हो गया था। उसका उठना बैठना और चंद कदम चलना भी मुश्किल हो गया था। रात में खर्राटे आने की समस्या, कम उम्र में डायबिटीज, बीपी, सांस फूलने की बीमारियों ने घेर लिया था। इसके साथ ही साथ नींद में कमी से उसकी परेशानियाँ और बढ़ने लगी थी। जिसको देखते हुए युवक ने सहारा हॉस्पिटल में बेरिएट्रिक एवं गैस्ट्रो सर्जन डॉ पुनीत गुप्ता से परामर्श लिया। डॉ गुप्ता ने युवक को भर्ती होकर सर्जरी करवाने की सलाह दी। साथ ही मरीज के परिजनों को सर्जरी से होने वाले फायदे के बारे में बताया गया। मरीज 19 नवंबर को भर्ती हुआ और अगले ही दिन 20 तारीख को दूरबीन विधि से सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया।

डा. पुनीत गुप्ता ने बताया कि इस तरह की सर्जरी में एनेस्थीसिया और सहायक स्टाफकी अहम भूमिका होती है। इस सर्जरी के बाद युवक का वजन धीरे-धीरे कम होने लगेगा। इस सर्जरी को करवाकर मरीज और उसके परिजन बेहद संतुष्ट थे। उन्होंने डॉक्टर, समस्त टीम एवं मैनेजमेंट को धन्यवाद दिया। सहारा इंडिया परिवार के वरिष्ठ सलाहकार अनिल विक्रम सिंह ने बताया कि हमारे अभिभावक सहाराश्री ने लखनऊ में हर प्रकार के इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त अस्पताल दिया है जहां पर नित नये आयाम स्थापित हो रहे हैं।

विभागीय कर्मचारी संगठनों ने धूमधाम से किया विदाई समारोह

● स्वेच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर राजनीतिक पार्टी से जुड़े सुरेन्द्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लगभग चैतीस साल की सेवा के उपरान्त विद्युत सुरक्षा निदेशालय मिनिस्टीरियल एसोसिएशन के लगभग बीस साल से प्रदेश अध्यक्ष और पच्चीस वर्ष तक कर्मचारी राजनीति, राज्य कर्मचारी महासंघ के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष पद तक दायित्व सम्हालने वाले सुरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने सराकारी सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बाद सक्रिय राजनीति में कदम रख लिया है। आज उनके विभागीय संगठनों ने उनका विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस बिदाई समारोह में कई अन्य कर्मचारी महासंघ, संगठन और एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भागीदारी करते हुए इसें एक सुअवसर बताया। सुरेन्द्र श्रीवास्तव ने इस दौरान अपने सम्बोधन में अपने शुभचिन्तक को स्पष्ट किया की उन्होंने सरकारी सेवा से त्यागपत्र दिया है लेकिन उनके दिल में अपने सहयोगियों के लिए वही सम्मान हमेशा बरकरार रहेगा।

असलहा लगाकर मारपीट करने का आरोप

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम एक पीएसी में तैनात हेड कांस्टेबल के बेटे ने तमंचा लगाकर पैसा न देने पर कुछ लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया है। पीड़ित ने सरोजनीनगर पुलिस को नामजद तहरीर दी है। पुलिस बुधवार को रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल कर रही है। सरोजनीनगर इलाके की 32 वाहिनी पीएसी कॉलोनी परिसर निवासी पीएससी के हेड कांस्टेबल का बेटा आदित्य पांडेय के मुताबिक मंगलवार रात करीब नौ बजे इलाके के बदालीखेड़ा स्थित एक दुकान पर सब्जी खरीदने गया था। आदित्य का आरोप है कि मार्केट में मिले यही के सूरज, अर्जुन, सुरेंद्र, कल्लू, महेश कुमार, विजय यादव, आफताब और उनके तीन अन्य साथियों ने रोक लिया। उसका आरोप है कि रोकने के साथ ही उसके ऊपर असलहा तान दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए रुपयों की मांग की। जब उसने इसका विरोध किया तो उन लोगों ने बेल्ट और लोहे की राड से उसके ऊपर हमला बोल दिया। उनकी पिटाई आदित्य की पीठ में गंभीर चोटों के अलावा शरीर में कई जगह गंभीर चोटें आई है। आदित्य की पिटाई होते देख आसपास के लोग दौड़ पड़े जबतक आस पड़ोस के लोग दौड़े उनको आता देख आरोपित सभी लोग मौके से भाग निकले। उधर सरोजनीनगर इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपित लोगों की तलाश की जा रही है असलहा तानने का आरोप गलत है।

विश्व एड्स दिवस पर हुए जागरूकता कार्यक्रम

यूपी एनसीसी गर्ल्स बटालियन के कैडेटों ने विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली नकाली

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप्र राज्य एड्स नियन्त्रण सोसाइटी द्वारा बुधवार को विश्व एड्स दिवस पर राज्य स्तर असमानता, एड्स और महामारियों का अन्त थीम पर आधारित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। आम जनमानस को एचआईवी के विषय में जागरूकता प्रदान किये जाने हेतु शहर के प्रमुख स्थलों पर होर्डिंग बैनर डिस्प्ले के माध्यम से प्रचार प्रसार किया गया। इसके अतिरिक्त आम जन मानस को एचआईवीध्एड्स विषयों पर जानकारी प्रदान किये जाने हेतु प्रदेश के विभिन्न एफएम चैनलों के माध्यम से जागरूक किया गया। उप्र राज्य एड्स नियन्त्रण सोसाइटी द्वारा आज लोक कला दलों के माध्यम सें लखनऊ जनपद के प्रमख स्थलों पर नुक्कड़ नाटक तथा जादू के माध्यम से लोगों को एचआईवी एड्स के प्रति जागरूक किया गया। परियोजना निदेशक अनीता सी मेश्राम ने बताया कि एचआईवी संक्रमण के साथ जी रहे लोगो को मुख्य धारा में लाने के लिए उन्हें शिक्षाए रोजगारए कार्यक्षेत्र आदि क्षेत्र में हर जगह सम्मान दिया जाये।

मेश्राम ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के संचालित 50 एआरटी केन्द्रों में 93238 एचआईवी से ग्रसित व्यक्तियों की एआरटी की मुफ्त औषधि प्रदान की जा रही है। 93238 एचआईवी से ग्रसित व्यक्तियों में से 46315 पुरूषए 40230 महिलाएं 245 ट्रांन्स कम्यूनिटी तथा 6448 बच्चे सम्मिलित हैं।

देश का सौभाग्य है राममंदिर निर्माण: योगी

●प्रधानमंत्री मोदी के सक्षम नेतृत्व में संभव हो पाया है यह अति शुभ कार्य

पायनियर समाचार सेवा। अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अयोध्या भ्रमण पर महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ द्वारा आयोजित परिक्रमा मार्ग पर आयोजित चल रहे राष्ट्र की संवृद्धि शांति एवं विकास हेतु श्री विष्णु सर अद्भुत शांति महायज्ञ के समापन कार्यक्रम में भाग लिया। यह यज्ञ विगत नवम्बर माह में शुरू किया गया था। आज इसका समापन मुख्यमंत्री द्वारा पूर्णाहुति के साथ किया गया। इसके मुख्य आयोजक महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ एवं महर्षि रामायण सेवा न्यास के मुख्य ट्रस्टी श्री अजय प्रकाश श्रीवास्तव आदि द्वारा किया गया था।

मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम में पधारे हुये अयोध्या के संतोंए श्रद्धालुओं आदि को भी नमन करते हुये कहा कि यह बड़े सौभाग्य का विषय है कि हमारे प्रधानमंत्री के सक्षम नेतृत्व में श्रीराम मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हो गया है इसको लोग असम्भव मानते थे। अयोध्या में हमने 2017 में दीपोत्सव शुरू किया था उस दीपोत्सव में लगातार इस वर्ष पांचवे दीपोत्सव के आयोजन में वृद्धि हुई तथा अपने आप में एक रिकार्ड बना है इस आयोजन में विभिन्न देशों की राम लीला करने वाली टोलियां आती है। थाईलैंड इंडोनेशिया श्रीलंका आदि महत्वपूर्ण ऐशियाई देश है। टोलियों को मेरे द्वारा इनको सम्मान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री आवास पर आमंत्रित किया गया था। इण्डोनेशिया की रामलीला में ज्यादातर मुस्लिम कलाकार थे पर सभी कलाकार राम सीता लक्ष्मण हनुमान आदि की भूमिका निभाते थे इनसे वार्ता के क्रम में हमने पूछा कि आप लोग खाली रामायण के पात्रों की भूमिका निभाते है कि उनके प्रति आपका कोई भाव है उन सभी ने कहा कि हम सभी का भूमिका के साथ साथ गहरा भाव है और हमारे राम पूर्वज है और हिन्दू भी हमारी संस्कृति के मुख्य हिस्सा हैए केवल पूजा पद्धति बदल जाने से आदमी का भाव नही बदल जाता है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि विदेशों में अनेक देशों ने पक्षीराज गरूण के नाम पर विमान सेवायें है। यह हमारी संस्कृति की व्यापकता को इंगित करती है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि महर्षि जी के नाम पर जो संस्थायें बनेगी उसमें सरकार आपेक्षित सहयोग करेगी तथा महर्षि ने विपरीत समय में भारत के वैदिक गौरव को विदेशों में संस्थापित करने का अद्वितीय कार्य किया है। आज उनकी संस्था के माध्यम से इस भव्य विष्णु यज्ञ का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आयोजन में आने का मुझे सौभाग्य मिला इसके लिए भी मैं सभी आयोजकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। कार्यक्रम के आयोजक श्री अजय प्रकाश श्रीवास्तव ने प्रकाश डालते हुये कहा कि महर्षि महेश योगी जी की संस्था से हम 50 वर्षो से जुड़े है उनका वैदिक और आध्यात्मिक सोच अनोखा था आज से लगभग 30 साल पूर्व उन्होंने भगवान राम के आदर्श पर आधारित विश्वविद्यालय की स्थापना तथा अयोध्या के विकास का संकल्प लिया था। राम मंदिर बनने की किसी को आशा नही थी पर यह मेरा सौभाग्य है योगी जी के नेतृत्व में राम मंदिर बनना शुरू हो गया है राष्ट्र की सुख शांति के लिए इस यज्ञ का आयोजन किया गया था उसमें मुख्यमंत्री जी द्वारा पूर्णाहुति दिया जाना हम सबके लिए सौभाग्य का विषय है। महर्षि महेश योगी जी ने राम के चरित्र पर आधारित विवि के लिए एक परिकल्पना की थी उस पर आधारित लगभग 30.35 वर्ष पूर्व एक किताब लिखी थी उसी किताब पर आधारित यहां विवि बनाया जायेगा संस्कृति के साथ साथ अयोध्या का विकास का भी मार्ग बतायेगा। मुख्यमंत्री के आगमन के लिए अपने संस्था की तरफ से हार्दिक स्वागत करता हूं तथा आभार व्यक्त करता हूं। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद एवं प्रवक्ता डा. सुधांशू द्विवेदी ने अपने सम्बोधन में कहा कि अयोध्या का विकास ऐतिहासिक होने जा रहा है जो राम राज्य की परिकल्पना को साकार करेगा। सप्त मोक्षदायिनी पुरियों में अयोध्या प्रथम है उसी मानक के अनुसार इसका विकास हमारे लोकप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हो रहा है जहां देश में ही नही विदेश में भी चर्चा है। उक्त अवसर पर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, जिलाध्यक्ष भाजपा संजीव सिंह, महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, मेयर ऋषिकेश उपाध्याय, सहित सत्ताधारी पार्टी के पदाधिकारी मौजूद थे।

अंतिम तबके को बैंकिंग सुविधायें उपलब्ध कराने पर है पूरा जोर

जौनपुर। व्यवसाय क्षेत्र तथा कार्मिक जनबल में भारत वर्ष के सबसे बड़े 34 जनपदों में अपनी सेवाये प्रदान कर रहे क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक बड़ौदा यूपी बैंक के अध्यक्ष श्री दविन्दर पाल ग्रोवर के प्रथम जौनपुर आगमन के अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय अन्तर्गत कार्यरत सभी 72 शाखाओं के शाखा प्रबंधकों की एक व्यवसाय संवर्द्धन बैठक उत्सव मोटल जौनपुर में संपन्न हुई। बैठक में आये गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए बड़ौदा यूपी बैंक क्षेत्रीय कार्यालय जौनपुर के क्षेत्र प्रमुख शैलेन्द्र सिंह ने वर्तमान वित्तीय वर्ष के अब तक के बैंक व्यवसाय प्रगति से अवगत कराया गया क्षेत्र प्रमुख श्री सिंह ने जौनपुर जनपद के विकास में बड़ौदा यूपी बैंक के योगदान से अवगत कराते हुए कहा कि बैंक ऋण योजनाओं विशेषकर शासकीय योजनाओं के साथ ही साथ रिटेल बैंकिंग में भी सभी बैंकों से आगे बढ़ कर ऋणों का स्वीकरण वितरण कर रहा है। शासकीय योजनाओं में प्राप्त लगभग सभी आवेदनों का स्वीकरण वितरण बैंक द्वारा कर दिया गया है। समाज के अंतिम तबके को बैंकिंग सुविधायें उपलब्ध कराने पर बैंक का पूरा जोर है। इस परिप्रेक्ष्य में बैंक द्वारा जनपद में 872 स्वयं सहायता समूहों के खाते खोले गये हैं तथा 95 समूहों को ऋण सुविधा प्रदान कर दी गयी है। बैठक के विशिष्ट अतिथि एम0के0 हालदार महाप्रबंधक एवं प्रशासनिक प्रमुख बड़ौदा यूपी बैंक वाराणसी ने बैंक की लाभप्रदता में वृद्धि के उद्देश्य से अधिकाधिक गुणवत्तापरक ऋण प्रस्तावों के संग्रहण तथा उनके बैंक नियमानुसार स्वीकरण एवं वितरण पर बल दिया।

छात्र संघ बहाली की मांग को लेकर प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

मऊ। समाजवादी छात्र सभा ने बुधवार को छात्र संघ बहाली और छात्र.छात्राओं की समस्याओ के सम्बंध में प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा। समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष एडण्दिलीप कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में डीसीएसकेपीजी कालेज के प्राचार्य को महाविद्यालय की प्रमुख समस्याएं एवं छात्र संघ बहाली की मांग को लेकर ज्ञापन दिया गया।ज्ञापन देने के पश्चात छात्र सभा जिलाध्यक्ष एडण्दिलीप कुमार पाण्डेय ने कहा कि जनपद के समस्त महाविद्यालयों में छात्र.छात्राओ के हो रही समस्याओं को समाजवादी छात्र सभा पूरी जोर शोर से कॉलेज प्रबंधन को समस्याओं को अवगत कराएगी। छात्रों को हर समस्याओं के समाधान के लिए समाजवादी छात्र सभा सदैव तत्पर है छात्र.छात्राओ के समस्याओं का समाधान अगर महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा नही किया जाता है तो समाजवादी छात्र सभा आंदोलन को बाध्य होगी। जिसकी पूरी जिम्मेदारी महाविद्यालय प्रबंधन की होगी। ज्ञापन में मोण्आसिफ इकाई अध्यक्षए जिला उपाध्यक्ष शिवम सिंहए अभय यादवए कृष्णा यादवए जिला सचिव फ़ैयाज़ अहमद ;पुस्तकालय मंत्रीद्धए आज़म अंसारीए कार्तिक श्रीवास्तवए सूर्यमणि भारतीए राकेश यादवए अभिषेक कुमारए सोहराब सैकड़ो छात्र.छात्राएं उपस्थित रहीं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार वाहन को विधायक ने झण्डी दिखाकर किया रवाना

मऊ। भारत आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इसी क्रम में प्रदेश सरकार की ओर से 1 दिसम्बर से 7 दिसम्बर तक प्रधानमंत्री फ़सल बीमा योजना सप्ताह मनाने का फैसला किया है। बुधवार को विकास भवन के परिसर से प्रधानमंत्री फ़सल बीमा योजना के प्रचार वाहन को विधायक मुहम्मदाबाद गोहना श्रीराम सोनकर द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। यह वाहन पूरे जिले में 31 दिसंबर तक जिलें में जगह.जगह जाकर लोगो को फ़सल बीमा के लाभ के बारें में अवगत करायेगी। विधायक श्रीराम सोनकर ने कहा कि प्रदेश सरकार ने भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस के उपलब्ध में इस कार्यक्रम को आयोजित करने का फैसला लिया है। अधिक से अधिक किसान इस योजना से जुडकर इससे लाभान्वित हो। जिला कृषि अधिकारी उमेश कुमार ने बताया कि 1 दिसम्बर से 7 दिसम्बर तक फ़सल बीमा सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसके उपलक्ष्य में किसानों को जागरूक कर इसके लाभ के प्रति प्रेरित करेगा।

मथुरा के जीएलए विवि के प्रोफेसर के खिलाफ छात्र से दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज, आरोपी गिरफ्तार

मथुरा। जनपद में दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित जीएलए विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के प्रभारी प्रोफेसर को अपने ही छात्र के साथ कथित रूप से दुष्कर्म करने और विरोध करने पर परीक्षा में पास न करने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया और अदालत में पेश कर जेल भेज दिया।शिकायत एवं पैरवीकर्ता अधिवक्ता एल के गौतम के अनुसार उनके परिचित दुष्यंत गौतम ने विवि में लगभग 15 दिन पूर्व ही अपने 18 वर्षीय भतीजे का नामांकन सिविल इंजीनियरिंग (प्रथम वर्ष) की कक्षा में कराया था। शिकाय में कहा गया है कि उसे मंगलवार को भौतिकी विभाग के प्रभारी अमितांशु पटनायक की कक्षा में जब विषय से संबंधित कोई प्रकरण समझ न आया तो प्रोफेसर ने उसे क्लास समाप्त होने के बाद अपने यहां बुला लिया। इसके अनुसार, साढ़े पांच बजे जब वह वहां पहुंवर तो अमितांशु पटनायक उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास करने लगे ओर उसने विरोध किया तो उसे परीक्षा में फेल करने की धमकी देने लगे। इसके बाद भी वह वहां से भाग आया और तुरंत इस घटना की जानकारी अपने साथी योग्य गुप्ता एवं अपने मामा को दी। उन्होंने देर रात वृन्दावन थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया। वृन्दावन पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी प्रोफेसर अमितांशु पटनायक को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

मथुरा : शाही ईदगाह पर कार्यक्रम का ऐलान करने वाले संगठन हटे पीछे

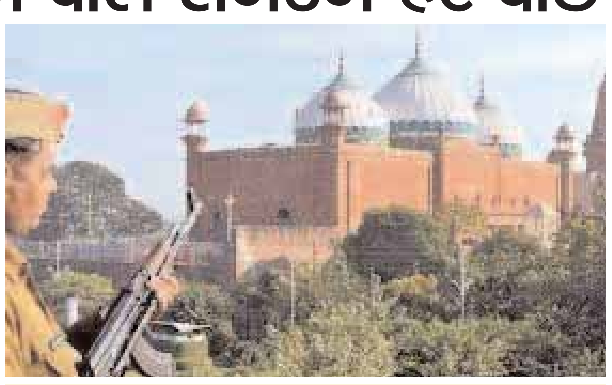

मथुरा। मथुरा में छह दिसंबर को श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर स्थित शाही ईदगाह पर बालकृष्ण का जलाभिषेक, संकल्प यात्रा और रामलीला मैदान में सभा आयोजित करने जैसे कार्यक्रमों की घोषणा करने वाले संगठन जिला प्रशासन के रुख के बाद अपने घोषित कार्यक्रमों से पीछे हट गए हैं। प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए श्रीकृष्ण जन्मभूमि के रेड जोन की सुरक्षा में अतिरिक्त बल की तैनाती की है, जो छह दिसंबर तक वहां मौजूद रहेंगे। कुछ दिन पहले अखिल भारत हिन्दू महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष राज्यश्री चौधरी ने छह दिसंबर को शाही ईदगाह में कथित रूप से पूर्व में स्थित मूल केशवदेव मंदिर के स्थान पर भगवान बालकृष्ण स्वरूप का जलाभिषेक किए जाने की घोषणा की थी। इसके बाद एक-एक कर कई अन्य संगठन भी अपने नए-नए कार्यक्रमों की घोषणा करने लगे। किसी अप्रिय स्थिति की आशंका के मद्देनजर जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल ने जिले में 24 नवंबर से 21 जनवरी 2022 तक निषेधाज्ञा लागू कर दी। इसके तहत पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों के जमावड़े पर रोक है। हिन्दू महासभा, नारायणी सेना, श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति दल जैसे संगठनों ने इस संबंध में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की थी। अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष देवकीनन्दन शर्मा ने बताया है कि प्रस्तावित लड्डू गोपाल के जलाभिषेक की अनुमति जिला प्रशासन से नहीं मिलने के बाद संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी ने महासभा के सदस्यों, समर्थकों से अपील की है कि अब लोग अपने घरों में ही जलाभिषेक करें। जिलाधिकारी चहल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि छह दिसंबर के कार्यक्रमों को लेकर शहर को सुरक्षा की दृष्टि से दो सुपर जोन, चार जोन और आठ सेक्टरों में बांटा गया है।

काशी विश्वनाथ मंदिर में सुगम दर्शन व्यवस्था को चुनौती देने वाली याचिका हो गई खारिज

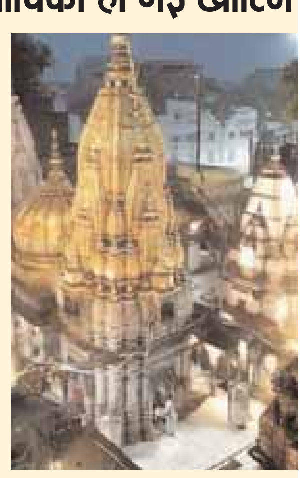

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने काशी विश्वनाथ मंदिर में सुगम दर्शन प्रणाली को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है।न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति समीर जैन की पीठ ने कहा, संवैधानिक प्रावधानों पर गौर करने पर हमारा मत है कि न्यासी बोर्ड के पास किसी भी प्रकार की पूजा, सेवा आदि का निष्पादन करने के लिए शुल्क तय करने का अधिकार है। पीठ ने कहा, इस अधिकार का प्रयोग करते हुए उन्होंने ऐसे लोगों के लिए जो चलने फिरने में असमर्थ हैं और लंबी कतार में खड़े नहीं रह सकते, उन्हें सुगम दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराने का निर्णय किया और ऐसा निर्णय करते समय उन्होंने आम वर्ग को पूजा करने के अधिकार से वंचित नहीं किया। पीठ ने कहा, हमारे विचार से न्यासी बोर्ड का यह निर्णय न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आता। पेशे से अधिवक्ता गजेंद्र सिंह यादव ने न्यासी बोर्ड के इस निर्णय को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी जिसमें उन्होंने कहा था कि सुगम दर्शन की व्यवस्था से भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 25 और 26 के तहत मौलिक अधिकारों का हनन होता है।

हाईकोर्ट बार का चुनाव संपन्न

●एल्डर कमेटी ने अधिवक्ताओं का जताया आभार

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के 28 सदस्यीय कार्यकारिणी का चुनाव बुधवार को शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। इसके लिए एल्डर कमेटी ने मतदान कार्य में लगे अधिवक्ताओं का आभार जताया है। बार एसोसिएशन का चुनाव एल्डर कमेटी के चेयरमैन वरिष्ठ अधिवक्ता शशि प्रकाश सिंह एडीशनल सॉलिसिटर जनरल सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता नरेश चन्द्र राजवंशी टी पी सिंह ओम प्रकाश सिंह और अनिल तिवारी के निर्देशन और मार्ग दर्शन में निर्वाचन अधिकारी की टीम ने शान्ति पूर्वक चुनाव सम्पन्न कराया। चुनाव प्रबंधन में मुख्य स्थाई अधिवक्ता छह मनोज कुमार सिंह महेन्द्र बहादुर सिंह अधिवक्ता मिलन शाखा के प्रमुख देश दीपक श्रीवास्तव रंजन श्रीवास्तव जी पी सिंह नरेन्द्र सिंह हरीश प्रताप सिंह बृजेश कुमार श्रीवास्तव एवं अंजू श्रीवास्तव आदि की सराहनीय भूमिका रही।

अदालतों में कम रही उपस्थिति

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव के कारण बुधवार को अदालतों में अधिवक्ताओं की उपस्थिति काफी कम रही और जिनके मुकदमे लगे थे। वहीं अधिवक्ता न्यायकक्षों में नजर आए। हाईकोर्ट के गलियारों में भी वकीलों की चलह पहल कम दिखी। जबकि अधिवक्ताओं का जमघट मतदान स्थल हाईकोर्ट मैदान में अच्छा खासा रहा। चुनाव के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मतदान स्थल पर पुलिस व सीआरपीएफ के जवान तैनात थे। हाईकोर्ट की ओर से आने वाले रास्तों पर भी पुलिस तैनात की गई थी और रूट डायवर्जन लागू किया गया था ताकि मतदान स्थल की ओर से भीड़ न होने पाए। चुनाव के बाद मतपेटियो को सीआरपीएफ की निगरानी में सीलबंद करके रखवा दिया गया है।

बारह अधिकारियों को मिली प्रोन्नति

प्रयागराज। हाईकोर्ट प्रशासन ने 12 अधिकारियों की प्रोन्नति सूची जारी की है। महानिबंधक आशीष गर्ग की अधिसूचना के अनुसार महेश चन्द्र द्वितीय को संयुक्त निबंधक के पद से निबंधक के पद पर कृष्ण चंद्र शिव शरन लाल श्रीवास्तव को उप निबंधक के पद संयुक्त निबंधक के पद पर राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल जगदीश प्रसाद मौर्य राजकुमार को सहायक निबंधक के पद से उप निबंधक के पद पर राकेश कुमार सिंह राहुल श्रीवास्तव योगेश कुमार को अनुभाग अधिकारी के पद से सहायक निबंधक के पद पर और अभिषेक श्रीवास्तव पवन कुमार शुक्ल फ़रीदा को समीक्षा अधिकारी के पद से अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है। उच्च न्यायालय कर्मचारी अधिकारी संघ के महासचिव बृजेश कुमार शुक्ल और वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलेश कुमार सिंह ने पदोन्नति प्राप्त करने वाले अधिकारियों को बधाई देते हुए मुख्य न्यायाधीश राजेश विंदल संघ के अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुनीत कुमार और महानिबंधक आशीष गर्ग के प्रति आभार व्यक्त किया है। बधाई देने वालों में संघ के आलोक कुमार निरंजन विजयानन्द द्विवेदी गवेन्द्र सिंह बृजेश कुमार यादव पंकज कुशवाहा और कार्यकारिणी सदस्य भूपेश कुमार गौतम आकांक्षा पाण्डेय वक़ार आलम सिद्धांत साहू आकांक्षा श्रीवास्तव राजकुमार मिश्रा मोहम्मद आज़म सचिन्द्र नाथ आदिल शमीम मिठाई लाल सोनकर अशोक कुमार भास्कर और अखिलेश कुमार प्रमुख थे।

जल्द आवेदन करें मृतक आश्रित: डीएम

गोंडा। शासन के निर्देशानुसार जनपद में कोविड-19 संक्रमण के कारण मृत हुए व्यक्तियों के आश्रितों को एकमुश्त 50 हजार रूपए की आर्थिक सहायता का देने का कार्य तेजी से प्रगति पर है। जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के अध्यक्ष/जिलाधिकारी मार्कण्डेय शाही ने बताया कि जनपद में कोविड-19 संक्रमण से 266 लोगों की मृत्यु हुई है जिनमें से अब तक 17 मृतकों के आश्रितों को 50-50 हजार रूपए की आर्थिक मदद मुहैया कराई जा चुकी है। जिलाधिकारी श्री शाही ने कोरोना संक्रमण से मृतक हुए व्यक्तियों के आश्रितों से अपील की है कि वे शासन द्वारा दी जा रही आर्थिक सहायता का लाभ प्राप्त करने के लिए शीघ्र ही आवदेन कर दें जिससे उन्हें मदद दी जा सके। उन्होंने बताया कि ऐसे व्यक्ति जिनके परिजनों की मृत्यु कोरोना संक्रमण से हुई है वे जिला आपदा प्रबन्धन कार्यालय संग्रह अनुभाग कलेक्ट्रेट में आपदा लिपिक या जिला आपदा प्रबन्धक के पास, सभी तहसीलों में उपजिलाधिकारियों अथवा तहसीलदारों के कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

डीएम ने 15 प्रधानों को थमाया नोटिस

गोंडा। डीएम मार्कण्डेय शाही ने गो आश्रय स्थलों पर क्षमता के अनुरूप गौवंशों का संरक्षण न करने तथा वहां पर निर्देशानुसार व्यवस्थाएं दुरूस्त न कराने पर जिले के 15 ग्राम प्रधानों को नोटिस दी है। जिलाधिकारी ने विकासखण्ड बेलसर, तरबगंज व वजीरगंज के ग्राम प्रधानों को नोटिस थमाई है जिनमें बेलसर ब्लाक की ग्राम पंचायत आदमपुर की प्रधान, श्रीमती वन्दना, बदलेपुर शिवकुमार, जफ़रापुर गनी मोहम्मद, ताराडीह भागीरथ, डिक्सिर श्रीमती विनय सिंह, गंगरौली चन्द्र गोपाल सिंह, सेमरी कलां श्रीमती साधना सिंह तथा विकासखण्ड वजीरगंज अनभुला श्रीमती मालती देवी, मझारा श्रीमती ननकुना, गेडसर खुशीराम, हजरतपुर श्रीमती सुमतताजी, तरबगंज चन्दीपुर श्रीमती सुन्दरपति, बनगांव मंजीत सिंह, विशुनपुर मदन मोहन दूबे तथा परासपट्टी मझवार के ग्राम प्रधान नेबकू शामिल हैं। जिलाधिकारी श्री शाही ने बताया कि उत्तर प्रदेश के समस्त ग्रामीण व शहरी स्थानीय निकायों जैसे ग्राम पंचायत क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम में अस्थायी गोवंश आश्रय स्थल की स्थापना व संचालन नीति प्रख्यापित की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में अस्थायी गोवंश आश्रय स्थलों की स्थापना, क्रियान्वयन, संचालन व प्रबन्धन के अनुश्रवणार्थ प्रशासकीय व्यवस्था हेतु विकास खण्ड स्तरीय अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति का गठन किया गया है, जिसमें ग्राम प्रधान सदस्य नामित हैं।

वृन्दावन के आश्रम में आए 10 विदेशी संक्रमित, तीन बिना बताए स्वदेश लौटे

मथुरा। जिले में वृन्दावन के एक आश्रम में आए 10 विदेशी भक्त कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं, जिनमें से तीन विदेशी प्रशासन को बिना बताए स्वदेश भी चले गए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।अधिकारियों के मुताबिक ए तीन विदेशी नागरिक बिना स्वास्थ्य विभाग अथवा प्रशासनिक अधिकारियों को सूचित किए कोविड दिशा निर्देशों को धता बताते हुए रविवार को ही आश्रम से गायब हो गए।

बिना परिवार वाले क्या जानें जनता का दर्द: अखिलेश

●परिवारवाद के आरोपों को लेकर सपा अध्यक्ष का पलटवार

संवाददाता। बांदा

परिवारवाद के आरोप को लेकर अक्सर भारतीय जनता पार्टी के निशाने पर रहने वाले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को जमकर पलटवार किया। बोले बिना परिवार वाले क्या जानें जनता का दर्द। अखिलेश यादव यहां जनसभा में उन्होंने आरोप लगाया कि बांदा में शराब के नशे में एक गरीब को मार दिया गया, लेकिन राज्य सरकार ने पीड़ित के परिवार की कोई मदद नहीं की। सिर्फ समाजवादी पार्टी के लोगों ने ही उनकी सहायता की। किसानों की आत्महत्या की घटनाओं का जिक्र करते हुए पूर्व सीएम बोले, इन किसानों के परिवार की सिर्फ सपा ने ही मदद की है। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा, हम सब परिवार वाले लोग हैं, इसलिए जानते हैं कि अगर किसी मजदूर या किसान की जान चली गई तो उसके परिवार का क्या हाल होगा? अगर किसी परिवार के सामने संकट आया, तो हम खड़े हुए। परिवार वाले ही परिवार वालों का दुख दर्द समझ सकते हैं। जिनके पास परिवार नहीं है, वे आपकी परवाह नहीं करेंगे।

अखिलेश ने राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि दमदार सरकार चलाने का दावा करने वाले लोग झूठ बहुत दमदार बोलते हैं। भाजपा ने शिक्षामित्रों से नौकरी का वादा किया था, लेकिन अपने साढ़े चार साल के कार्यकाल में इस पार्टी ने नौजवानों के नौकरी के सपने को ही खत्म कर दिया।उन्होंने कहा, अब सुनने में आया है कि मुख्यमंत्री नौजवानों को स्मार्टफोन और टैबलेट देंगे। जो लैपटॉप नहीं चला सकता, वह आपको लैपटॉप नहीं दे सकता। क्या मुख्यमंत्री योगी लैपटॉप चला सकते हैं? अब तो सुनने में आया है कि वह स्मार्ट फोन भी नहीं चला सकते। अगर चला सकते होते तो हमारे नौजवानों के हाथ में अब तक राज्य सरकार ने स्मार्ट फोन दे दिया होता। आपको योगी योगी सरकार चाहिए, या योग्य सरकार चाहिए? हाल में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) का पर्चा लीक होने की घटना का जिक्र करते हुए सपा अध्यक्ष ने राज्य सरकार पर जानबूझकर पर्चा लीक कराने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, यह सरकार जानबूझकर पेपर लीक कराती है। वह ऐसा इसलिए करती है क्योंकि वह हमारे नौजवानों को रोजगार नहीं देना चाहती। बीटीसी और बीएड पास नौजवान रोजगार के लिए भटक रहे हैं। हम आपको भरोसा दिला रहे हैं कि समाजवादी पार्टी की सरकार लाइए और नौकरी तथा रोजगार पाइए। अखिलेश ने कहा कि बुंदेलखंड के लोगों ने पिछले कई चुनावों में भाजपा को पूरा समर्थन दिया, लेकिन बुंदेलखंड को कुछ नहीं मिला। इस डबल इंजन की सरकार का इंजन बुंदेलखंड आते-आते फेल हो गया है। सरकार यहां के विकास का कोई इंतजाम नहीं कर पाई, आखिर यह किस बात की डबल इंजन की सरकार है। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार ने महामारी के समय जनता को अनाथ छोड़ दिया। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने प्रदेश को पीछे कर दिया। राज्य सरकार का विकास तो सिर्फ तस्वीरों में दिख रहा है और इस विकास की कलई तस्वीरों और विज्ञापनों ने ही खोल दी। भाजपा के लोग विज्ञापन में भी झूठ दिखाते हैं। नीति आयोग के मुताबिक बुंदेलखंड में 32 लाख से ज्यादा लोगों के गरीबी रेखा के नीचे होने का जिक्र करते हुए अखिलेश ने वादा किया कि विधानसभा चुनाव के बाद समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर सरकारी बजट से इन गरीबों की मदद की जाएगी, समाजवादी पेंशन योजना से भी अच्छी योजना चलाई जाएगी।

परिवार नियोजन
पुरुषों की भूमिका

भारत में दस पुरुषों में से एक भी कंडोम का प्रयोग नहीं करता है। मुश्किल से ही कोई पुरुष वंध्याकरण के लिए तैयार होता है। इसके उलट महिलाओं में वंध्याकरण गर्भनिरोध का वरीयता प्राप्त साधन है। 10 में से लगभग चार महिलायें वंध्याकरण कराती हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 से ऐसे कुछ नतीजे सामने आए हैं जिनसे भारत में सुरक्षित सेक्स तथा गर्भनिरोध के बारे में पुरुषों व महिलाओं का दृष्टिकोण स्पष्ट होता है। महिलायें गर्भनिरोध के अन्य साधनों, जैसे गर्भनिरोधक गोलियों, इंजेक्शनों व इंटरायूटरीन उपकरणों के बजाय वंध्याकरण को पसंद करती हैं। देश के 23 राज्यों व संघशासित क्षेत्रों में कंडोम प्रयोग 10 प्रतिशत से भी कम है। उत्तराखंड में कंडोम का सर्वाधिक प्रयोग 25.6 प्रतिशत है। कंडोम प्रयोग के बारे में एकमात्र सुखद समाचार यह है कि पिछले स्वास्थ्य सर्वेक्षण की तुलना में इसमें 4 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इस प्रकार भारत में गर्भनिरोध की जिम्मेदारी अब भी महिलाओं पर है। वे गर्भधारण व प्रसव की जैविक प्रक्रिया से गुजरती हैं और इसी कारण उनकी 'परिवार नियोजन' के प्रति ज्यादा जिम्मेदारी दिखती है। परिवार नियोजन में पुरुषों की सहभागिता अत्यधिक सीमित और निराशाजनक है। कंडोम के कम प्रयोग तथा नसबंदी की नगण्य संख्या से परिवार नियोजन के प्रति परिवार नियोजन में पुरुषों की जिम्मेदारी से अनिच्छा प्रगट होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां शिक्षा की कमी अब भी बहुत अधिक है तथा महिलायें बेरोजगार हैं, वे अक्सर यह तर्क देकर

वंध्याकरण के लिए मजबूर की जाती हैं कि नसबंदी से पुरुष कमजोर हो सकते हैं जो परिवार में एकमात्र कमाने वाले होते हैं। दुर्भाग्य से परिवार नियोजन पर सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियानों में पुरुषों की तुलना में ज्यादा से ज्यादा महिलायें भागीदारी करती हैं। ग्रामीण तथा शहरी भारत में पुरुष नसबंदी से इनकार कर देते हैं, जबकि यह तुलनात्मक रूप से सुरक्षित और सरल है। इसके पीछे पौरुष प्रभावित होने की गलत धारणा है। इसी प्रकार पितृसत्ता तथा आनन्द की भावना से पुरुष कंडोम का प्रयोग नहीं करते हैं। आज भी पुरुष व महिलायें, दोनों गर्भनिरोधकों के प्रयोग की आवश्यकता के प्रति अनजान हैं। वे इसे शिशु जन्म में विलम्ब तथा बच्चों के बीच अंतर रखने के बजाय केवल गर्भावस्था से बचने का साधन मानते हैं। इन दृष्टिकोणों में परिवर्तन का एकमात्र तरीका संवाद के राष्ट्रीय अभियान हैं जिनसे वे अपने दृष्टिकोणों का पुनः आंकलन कर सकते हैं। सरकार को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए ताकि पुरुष गर्भनिरोध संवाद में शामिल हों। स्मृतियां आसानी से पीछा नहीं छोड़ती हैं और लोग आज भ्री 1976 में आपातकाल के अंधकारमय दिनों को याद करते हैं, जब लगभग 6.2 मिलियन लोगों की जबरन नसबंदी की गई थी, लगभग 2,000 आपरेशनों के कारण मर गए थे तथा विरोध करने वालों के खिलाफ पुलिसिया कार्रवाई में भी बहुत से लोग मारे गए थे। परिवार नियोजन कार्यक्रम कभी समावेशी नहीं रहा, बल्कि यह वंध्याकरण और गर्भनिरोध, जन्म नियंत्रण व जनसंख्या नियंत्रण, पुरुष वंध्याकरण या महिला वंध्याकरण या बड़े परिवारों को राष्ट्रीय अस्थिरता से जोड़ने के बीच चरणों में झूलता रहा। इक्कीसवीं शताब्दी के भारत में स्थाई वंध्याकरण परिवार नियोजन कार्यक्रम को स्वरूप नहीं दे सकता है। इसका संबंध जनसंख्या विस्फोट से नहीं है क्योंकि 2019-2021 में कुल प्रजनन दर गिर कर 2.0 रह गई, जबकि यह 2015-16 में 2.2 थी। इसका संबंध जनसंख्या नियंत्रण के नौकरशाही एजेंडे को लागू करने के बजाय पुरुषों व महिलाओं को राष्ट्रीय संवाद में शामिल करना है ताकि वे अपने परिवारों के नियोजन में सहभागी बन सकें।

पंजाब में 'आम आदमी' हेतु संघर्ष

तथाकथित 'दिल्ली माडल' को अस्वीकार कर पंजाब के मुख्यमंत्री कहते हैं कि राज्य में सबको समान अवसर देने वाला 'चन्नी माडल' लागू हो रहा है।

अमिताभ शुक्ला
(लेखक दि पायनियर चंडीगढ़ के स्थानीय संपादक हैं)

पंजाब में कौन सी पार्टी 'आम आदमी' की सच्ची हितैषी है? लाख रुपये का यह सवाल चुनाव अभियान में सत्तारूढ़ कांग्रेस तथा उसे चुनौती देने वाली आम आदमी पार्टी-आप के बीच महत्वपूर्ण हो गया है। ये दोनों स्वयं को आम आदमी के सच्चे प्रतिनिधि की तरह पेश कर रही हैं। वे जन-कल्याणकारी उपायों पर जोर देते हुए इनको योजनाओं में सर्वाधिक महत्व दे रही हैं। स्वयं को आम आदमी घोषित करने वाले चरणजीत सिंह चन्नी निम्न मध्यवर्गीय परिवार से आते हैं जिन्होंने एक समय अपने टेंट हाउस के सामने चारपाई पर रख कर दीपावली में पटाखे बेचे थे और पूरे समय अपने पिता के टेंट बिजनेस में काम करते थे। राजनीतिक क्षेत्रों में महाराजा के नाम से विख्यात पटियाला शाही परिवार के अमरिंदर सिंह से सत्ता छीन कर वे मुख्यमंत्री बने हैं। इस प्रकार राजनीति ने राज्य में 360 डिग्री मुड़ी है और वह मूल रूप से आम आदमी की घोषित पार्टी-आम आदमी पार्टी-आप से मुकाबला कर रही है। आश्चर्य नहीं कि राज्य में अपने चुनाव अभियान के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उनका विश्वास है कि पंजाब में उनकी नकल हो रही है तथा एक 'फर्जी केजरीवाल' चारों ओर घूम रहा है और वह उनके जैसे ही वादे कर रहा है। उन्होंने जनता से फर्जी के बजाय असली के पहचानने का अनुरोध किया है। केजरीवाल का इशारा चन्नी की ओर है जो उनकी नकल करते हैं, हालांकि केजरीवाल अपने भाषण में किसी का नाम नहीं लेते हैं।

मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही चन्नी पूरे जोश के साथ अपनी आम आदमी वाली छवि बना रहे हैं। वे नियमित रूप से सड़क के किनारे 'ढाबों' पर आम लोगों के साथ चाय पीने पहुंच जाते हैं, आयोजनों में मंच पर भांगड़ा नृत्य में हिस्सा लेते हैं, शादी समारोहों में शामिल होते हैं और युगलों को 'शगुन' देते हैं, आटोरिक्शा ड्राइवरों के साथ फोटो खिंचवाते हैं तथा मजदूरों व किसानों आदि से मिलते हैं। इस कारण आप वास्तव में इस सीमा तक परेशान हो गई है कि चन्नी की छवि को राज्य में अपनी चुनावी संभावनाओं के लिए खतरनाक मानने लगी है। इससे उसका सत्ता में आने का सपना टूट सकता है। केजरीवाल के इन शब्दों पर गौर करें, 'इन दिनों पंजाब में एक नकली केजरीवाल घूम रहा है। मैं जो वादे करता हूं उनको वह अगले दिन दुहराता है, पर लागू नहीं करता है। उससे सावधान रहें। केवल असली केजरीवाल ही अपने वादे पूरे कर सकता है।' आप के राष्ट्रीय संयोजक चन्नी की ओर इशारा करते हुए कहते हैं, 'पूरे देश में केवल एक आदमी, केजरीवाल बिजली बिलों को जीरो पर ला सकता है।

इसलिए फर्जी केजरीवाल से सतर्क रहें।' चन्नी ने सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए बिजली दरें 3 रुपये करने का वादा किया है। मजेदार बात है कि केजरीवाल और चन्नी एक ही दिन लुधियाना के औद्योगिक शहर में आम आदमी की अपनी यूएसपी प्रचारित करने के लिए पहुंच गए। आटो व टैक्सी ड्राइवरों से केजरीवाल की निर्धारित बैठक के कुछ ही घंटे पहले चन्नी अचानक एक आटोरिक्शा स्टैंड पर रुके और उन्होंने ड्राइवरों की समस्यायें सुनने के साथ ही उनके साथ चाय पीते हुए अपनी फोटो खिंचवाई। यह केजरीवाल के लिए अत्यधिक परेशानी वाली बात थी। उन्होंने फौरन जवाब देते हुए कहा कि उनकी मुलाकात पहले से निर्धारित थी, लेकिन जब 'नकली केजरीवाल' को इसका पता चला तो वे फौरन आटोरिक्शा मालिकों के कार्यालय पहुंच गए। केजरीवाल ने कहा, 'लेकिन मैं सोचता हूं कि डरना अच्छी बात है। वे असली केजरीवाल के भय से भले ही कुछ कर सकते हों, पर वे ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि वे नकली हैं।' असली-नकली की यह बयानबाजी जारी है और केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री पर अपनी नकल करने का आरोप लगाते हैं जो बिजली दरों पर वादे कर रहे हैं। केजरीवाल यह भी याद दिलाते हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने भी दिल्ली सरकार की नकल करते हुए महिलाओं के लिए बस सर्विस की घोषणा की थी। लेकिन यह अधूरी रही क्योंकि कैप्टेन अमरिंदर ने केवल सरकारी बसों में ही महिलाओं को मुफ्त यात्रा की अनुमति दी। चन्नी ने फौरन इसका जवाब देते हुए आप सुप्रीमो पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल का दिल्ली माडल 'झूठों के पुलंदे' के सिवा और कुछ नहीं है। पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा, 'पंजाब सरकार ने आम जनता को लाभ पहुंचाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं, जबकि केजरीवाल और उनके साथी अभी केवल जनता से वादे कर रहे हैं। में कभी दूसरा केजरीवाल नहीं बन सकता क्योंकि मैं उनकी तरह धोखेबाज और चालाक नहीं हूं।' इससे आप नेता काफी नाराज हुए और अगले दिन बयानों में उन्होंने इसी भाषा में चन्नी को जवाब दिया। तथाकथित 'दिल्ली माडल' या केजरीवाल माडल को अस्वीकार कर पंजाब के मुख्यमंत्री कहते हैं कि राज्य में सबको समान अवसर देने वाला 'चन्नी माडल' लागू हो रहा है। उन्होंने कहा, 'चन्नी माडल महान सिख गुरुओं की शिक्षाओं के अनुरूप है जिन्होंने समानता और भाईचारे का रास्ता दिखाया था। यह माडल राज्य में यहां की प्रगति तथा राज्य की जनता की समृद्धि के लिए लागू किया जा रहा है। यह माडल उस समय तक लागू रहेगा, जब तक मैं इस पद पर हूं।' राज्य के पहले दलित मुख्यमंत्री अपनी चुनाव सभाओं में इस पर जोर देते हैं।

आम आदमी की अपनी छवि और मजबूत करने के लिए चन्नी ने चांदपुरा मोगा गांव के उसी गुरुद्वारे शहीद बाबा तेगा सिंह में रात गुजारी जहां वे 2016 में अपनी साइकिल यात्रा के दौरान ठहरे थे। उनके प्रचारकों ने फौरन इसे मुद्दा बना लिया। उन्होंने बताया, 'परंपराओं से अलग हट कर मुख्यमंत्री ने किसी होटल, रेस्ट हाउस या पार्टी के नेता के बहुमंजिले बंगले के बजाय गुरुद्वारा साहेब में रात में ठहरने का फैसला किया।' आम आदमी के तौर पर छवि बनाने की इस दौड़ में पीछे रहे शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने भी 'आम आदमी' प्रतिद्वंद्वियों केजरीवाल और चन्नी से मुकाबले का फैसला किया। वे सेल्फी लेने वाले नौजवानों को आकर्षित कर उनके साथ फोटो खिंचवाते हैं तथा सोशल मीडिया से अपनी छवि बनाने का प्रयास करते हैं। बादल परिवार के लिए आम आदमी की छवि बनाना आसान नहीं है क्योंकि उनको बहुत अमीर माना जाता है। उनका बिजनेस कई क्षेत्रों में फैला है जिसमें अतिथि सत्कार, परिवहन, केबल व मनोरंजन, आदि शामिल हैं। लेकिन राजनीतिक हवा के साथ उड़ने में कोई नुकसान नहीं है। शिअद के एक समर्थक ने बताया कि इसी कारण पार्टी प्रमुख भी आम आदमी की छवि बना रहे हैं।

जहां अमरिंदर सिंह अपने दूसरे कार्यकाल में अधिकांशतः अपने आवास और फार्म हाउस तक केन्द्रित तथा आम लोगों से कटे रहे, वहीं चन्नी इसका ठीक उल्टा कर रहे हैं। वे मेहनत से बनाई अपनी आम आदमी की छवि मजबूत करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। उनके राजनीतिक सलाहकारों का मानना है कि मतदाताओं में उनकी पसंद बढ़ रही है क्योंकि उनको पिछले दो दशकों से अधिक समय में राज्य के प्रमुख का एकदम अलग राजनीतिक व्यक्तित्व देखने को मिल रहा है। प्रकाश सिंह बादल पांच कार्यकाल मुख्यमंत्री रहे, जबकि अमरिंदर सिंह इस पद पर साढ़े नौ साल रहे। इस प्रकार लगभग 25 साल तक वे शिखर पर रहे। जहां बादल का विश्वास अपनी संगत दर्शन योजना से खैरात बांटना था, वहीं अमरिंदर सिंह अधिकांशतः जमीन से कटे रहे तथा जनता के बजाय अपने सलाहकारों के समर्थन पर निर्भर रहे। इस प्रकार चन्नी और केजरीवाल की छवि इस चुनावी राज्य में बहुत से लोगों के लिए ताजा हवा की तरह है।

आश्चर्य नहीं कि आम आदमी का असली चैम्पियन बनने के लिए कठिन प्रतियोगिता हो रही है और यह अब तक चुनाव अभियान का यूएसपी बन गया है।

सदैव फलता-फूलता रहेगा लोकतंत्र

प्रफुल्ल गोराड़िया
(लेखक पूर्व राज्यसभा सदस्य हैं)

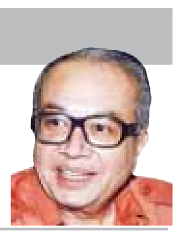

मीडिया में यह आरोप लगाया जा रहा है कि लोकतंत्र का पतन हो रहा है। ऐसा इतिहास से अनजान लोग ही कह सकते हैं। आज, यूरोप प्रथम दृष्टया लोकतांत्रिक है, कम से कम चुनाव कराने की हद तक। द्वितीय विश्व युद्ध से पहले, ज्यादातर निरंकुशताएं थीं, उदाहरण के लिए, जर्मनी, इटली और स्पेन। उन्नीसवीं शताब्दी और उससे पहले के अधिकांश समय के लिए, लोकतंत्र एक एंग्लो-सैक्सन एकाधिकार था। इसका उद्घाटन इंग्लैंड द्वारा 1215 में सरे के रननीमेड में किंग जॉन द्वारा मैग्ना कार्टा या ग्रेट चार्टर पर हस्ताक्षर के साथ किया गया था। सभी नागरिकों को रियायतें मिलीं और यह कानून के शासन की शुरुआत थी। सरे काउंटी में रननीमेड में हस्ताक्षर करने के दौरान अधिकांश रईस मौजूद थे। इसने कानून के शासन को लागू करने की परंपरा शुरू की, जो लोकतंत्र का एक बड़ा स्तंभ बन गया। कानून के समक्ष सभी समान हैं और सभी के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार किया जाना चाहिए।

अंग्रेज रईसों ने किंग जॉन के हस्ताक्षर के लिए मैग्ना कार्टा को वस्तुतः मजबूर कर दिया था अन्यथा उनके प्रयास को उनके हस्ताक्षर से बचना होगा। आम तौर पर कौन सत्ता छोड़ने को तैयार है? यदि रईस धीरे-धीरे और चतुर नहीं होते, तो राजा शायद कार्टे पर हस्ताक्षर नहीं करते और गृहयुद्ध हो सकता था। चर्च जैसे सरल उपायों को पूर्ण स्वतंत्रता होगी, लंदन शहर उन करों को लगाने के लिए स्वतंत्र होगा जो पहले हुआ करता था। सभी व्यापारी बिना किसी उत्पीड़न या कराधान के इंग्लैंड छोड़ सकते थे और लौट सकते थे। हल्के और स्वीकार्य उपाय आधुनिक लोकतंत्र की शुरुआत थे।

प्रारंभिक शताब्दियों से द्वितीय विश्व युद्ध के अंत तक ब्रह्मांड के अधिकांश हिस्सों में निरंकुशता का एक लंबा युग था। यूरोप में, धर्म ने आमतौर पर विचारधारा प्रदान की और सम्राट आए और गए। चीन 22 शताब्दियों तक निर्बाध रूप से एक केंद्रीकृत साम्राज्य था। भारत में मुस्लिम सम्राट, सम्राट थे या अन्यथा, वेटिकन में स्थित रोमन कैथोलिक चर्च द्वारा समर्थित पवित्र रोमन सम्राट का यूरोप पर प्रभुत्व था; पूर्वी चर्च रूसी जार के पीछे था। अफ्रीका जाग रहा था जबकि दक्षिण अमेरिका एक स्थानीय राजा के साथ एक द्वीप था जब तक कि स्पेन और पुर्तगाल ने उन्हें जीत नहीं लिया। लोकतंत्र कहाँ था? इंग्लैंड और बाद में ग्रेट ब्रिटेन में कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और अन्य उपनिवेशों के साथ जब वे स्वतंत्र हुए तो उनका अनुसरण

किया। 1776 के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका ने भी ऐसा ही किया।

इंग्लैंड, इसकी संस्कृति और नेताओं ने आमतौर पर सोचा कि क्या उचित है। जबकि अन्य अच्छी संस्कृतियों को उनके धर्म द्वारा निर्धारित सही के द्वारा निर्देशित किया गया था। फिर भी दूसरों को आसानी से निर्देशित किया गया कि क्या संभव है, शक्ति या अधिकार से। अगर यह अन्यथा होता, तो किंग हेनरी अष्टम वेटिकन चर्च छोड़ने के बाद केवल एरागॉन के कैथरीन से अपनी शादी को रद्द करने और ऐनी बोलिन से शादी करने के लिए सिंहासन पर नहीं टिकते। इसके बाद इंग्लैंड के स्वतंत्र चर्च ने वही किया जो इंग्लैंड के हितों के अनुकूल था न कि ईश्वर की कल्पित इच्छा के अनुसार।

जर्मनी ने 1920 और 1931 के बीच वीमर गणराज्य नामक लोकतंत्र की कोशिश की लेकिन असफल रहा। मई 1945 तक, एडॉल्फ हिटलर का शासन पूरी तरह से हार गया था। इसके बाद, कोनराड एडेनॉयर अपनी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ सत्ता में आए; उसके बाद एक लोकतांत्रिक सरकार ने शासन किया है। 1870 तक फ्रांस पर नेपोलियन द्धद्धद्ध का शासन था, जब वह चांसलर ओटो वॉन बिस्मार्क के नेतृत्व में जर्मनी से हार गया था। 1945 के बाद तक इटली एक लोकतांत्रिक देश नहीं था। पूर्व की ओर से, निरंकुशता की एक किस्म थी।

भारत ने सराहनीय प्रदर्शन किया है, खासकर इसलिए कि हमने 1947 में साक्षरता की कम दर के साथ शुरुआत की थी। संयोग से, नेहरू एक लोकतांत्रिक थे, इसके अलावा, वे जीवित रहने तक सभी चुनाव जीतते रहे। 1972 और 1980 में इंदिरा गांधी और 1985 में राजीव गांधी ने भी ऐसा ही किया। 1977 और 1979 के बीच दो वर्षों को छोड़कर, राजवंश ने भारत पर शासन किया। लोकतंत्र का सबसे बड़ा फायदा वह तालमेल है जो वह पैदा करता है। स्वतंत्रता भूमि लोगों में उत्साह और काम के इच्छुक हैं। मजबूरी, जो अक्सर निरंकुशता, अर्ध-पक्षाघात से उत्पन्न होती है। जैसा कि प्रधान मंत्री मोदी ने कहा कि भारत कुछ महीनों के भीतर 100 करोड़ टीकाकरण हासिल करने में सक्षम था क्योंकि यह सबका प्रयास था, तालमेल के परिणाम आश्चर्यजनक हैं।

लोकतंत्र की सफलता का एक अन्य कारण देश का बहुत बड़ा आकार है जहां नागरिकों या सैनिकों द्वारा कब्जा करने के लिए सत्ता पर कब्जा करना और उसे पकड़ना बेहद मुश्किल होगा। इसके अतिरिक्त, देश लोगों की भाषा और संस्कृति में इतना विविध है कि सत्ता पर कब्जा करने और बनाए रखने के लिए लोगों के बीच एकता मुश्किल है। कोई विकल्प नहीं होने पर एक निरंकुशता आमतौर पर जीवित रहती है। एक उचित रूप से अच्छी तरह से काम कर रहे लोकतंत्र में, यह आमतौर पर कोई समस्या नहीं होती है क्योंकि एक वैक्यूम शायद ही कभी होता है। लोगों का स्वभाव और स्वभाव महत्वपूर्ण है। यहां, श्रेय हिंदू धर्म को जाना चाहिए जो लोगों को उनके कर्म में विश्वास दिलाता है। एक हद तक, यह लोगों को व्यक्तिवादी बनाता है जो शायद ही कभी किसी अन्य समूह को खदेड़ने के लिए एकजुट होना चाहते हैं। यह इस्लाम के विपरीत है जो जम्हूरियत या एक सम्राट के अधीन सर्वसम्मति से शासन करना पसंद करता है। भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच का अंतर अलग-अलग मिजाज की कहानी बयां करता है। इस्लामी देशों और बाकी दुनिया के बीच का अंतर दिलचस्प है।

जहां भी राजशाही होती है, लोग मुसलमान होने पर खुश होते हैं। अवधारणा खलीफा से शुरू होती है जिसे सुन्नी इस्लाम का आध्यात्मिक और अस्थायी प्रमुख माना जाता है। मुसलमानों की दुनिया एक या अखिल इस्लामी होने के लिए है।

आप की बात

देश-दुनिया के लिए नया खतरा

कोरोना महामारी पिछले 2 साल से देश और दुनिया के लिए चिंता का विषय बन चुकी है। कोरोना की दूसरी लहर ने जिस तरह से देश और दुनिया में अपना भयावह रुप दिखाया था, वह आज भी कई लोगों के जहन में शामिल है और कई लोग आज तक उस सदमे से नहीं उभरे है। ऐसे में कोरोना का नया वैरिएंट 'ओमिक्रॉन' देश और दुनिया के लिए फिर से खतरे का सबब बन गया है। विश्व स्वास्थ्य संघठन पहले ही इस वैरिएंट को वैरिएंट ऑफ़ कंसर्न घोषित कर चुका है, यानी कि ज़्यादा जोखिम वाला,देश और दुनिया में भले ही टीकाकरण की दर तेजी से बढ़ी हो और ज़्यादातर लोगों को उनकी पहली और दूसरी डोज भी लग चुकी है मगर ऐसे में कई ग़रीब देश है जहां पर टीकाकरण की रफ़्तार अभी केवल उनकी आबादी का आधा भी पूरा नहीं हुआ है। दक्षिण अफ़्रीका से निकला कोरोना का यह नया 'ओमिक्रॉन' वेरिएंट इसी बात का प्रमाण है,कि कोविड महामारी अभी पूर्णतः समाप्त नहीं हुई है। चूंकि, दक्षिण अफ्रीका जैसे देश में अभी भी आधे से ज्यादा जनसंख्या का टीकाकरण नहीं हुआ है,जो कि अब धीरे -धीरे बाकी देशों में भी पहुंच रहा है। भारत को इस वैरिएंट से बचाव के कड़े कदम उठाने होंगे।

– **संदीप रावत**, चंडीगढ़

मोदी सरकार की दूसरी पारी

मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने जब अपनी दूसरी पारी का आधा सफर पूरा कर लिया है, तब इस पड़ताल का यह बिल्कुल मुफीद वक्त है कि देश की उम्मीदों पर यह सरकार कितनी खरी उतरी और शेष बचे समय में इससे क्या अपेक्षाएं रहेंगी! इसमें कोई दोराय नहीं कि प्रचंड बहुमत के साथ मई 2019 में सत्ता में वापसी करने वाली मोदी सरकार का आत्मविश्वास शुरुआती महीनों में चरम पर था और उसने कई ऐसे काम किए, जो इतिहास में दर्ज किए जाएंगे। खासकर, जम्मू कश्मीर के सांविधानिक दर्जे में तब्दीली और अनुच्छेद-370 की समाप्ति का साहसिक फैसला! इसी तरह, दशकों से लटके राम जन्मभूमि विवाद में भी नई सरकार ने अतिरिक्त सक्रियता दिखाई और अंततः इसका न्यायिक निपटारा संभव हुआ। सांप्रदायिक सौहार्द के माहौल में भव्य राममंदिर का शिलान्यास भी इस सरकार की उपलब्धियों में दर्ज हुआ। एक सर्वे 'व्हाट वरीज द वर्ल्ड' ने इस वक्त देश की सबसे बड़ी चिंता बेरोजगारी बताई है। लगभग 44 प्रतिशत भारतीयों ने इसे सबसे बड़ी समस्या के रूप में दर्ज किया है। इसलिए सरकार को इस मोर्चे पर गंभीर प्रयास करने पड़ेंगे, क्योंकि उसके पास अब कम वक्त है।

– **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

प्यार की दौड़ में

अमरीकी शोधकर्ताओं कि टीम 'साइंस ऑफ़ लव ' ने अध्ययन के दौरान यह पाया कि जिन लोगों पर वे अध्ययन कर रहे थे ,उनके दिमाग का एक विशेष क्षेत्र अचानक सक्रिय हो गया। यह क्षेत्र किसी विशेष इच्छा या चाहत से जुड़ा हुआ है। वेंट्रल तेंगमेंटल नामक इस भाग से न्यूरोट्रांसमीटर डोपोमाइन निकलता है ,जो आनंद और उत्साह को नियंत्रित करता है। जब किसी को प्यार होता है तो दिमाग मे डोपोमाइन नामक पदार्थ की मांग उठने लगती है। विज्ञान कहता है कि प्यार दिमाग की बायोकेमिकल गतिविधियों का ही परिणाम है । देखा जाए तो शरीर मे दिल ही तो प्रेम कि अभिव्यक्ति का आधार व संकेत होता है। प्यार होता है तो दिल जोरों से धड़कता है न कि दिमाग। विज्ञान अपने स्तर से भले ही खरा उतरता हो पर लोगों कि आस्था दिल से बनी हुई है। कई बार दिल जीत जाता है दिमाग से। कृत्रिम श्वास के जरिए दिल कि धड़कन जीवित की जाती है ,उसी के आधार पर दिमाग सक्रिय हो जाता है। वर्तमान दिल और दिमाग की बहस प्यार के दौड़ में लोगों की जारी है।

– **संजय वर्मा**, मनावर, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

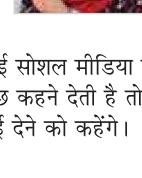

नरेंद्र मोदी जी, आप किसानों से सहानुभूति नहीं रखते। आपकी दिलचस्पी मात्र वोटो में है।

– **प्रियंका गांधी**
कांग्रेस नेता

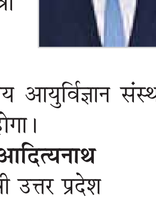

यदि कोई सोशल मीडिया कम्पनी आपको मास्क के साथ कुछ कहने देती है तो हम उसे सार्वजनिक रूप से सफाई देने को कहेंगे।

– **स्कॉट मॉरीसन**
आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री

गोरखपुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान का उद्घाटन अगले महीने होगा।

– **योगी आदित्यनाथ**
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

अन्नाद्रमुक ने शशिकला के लिए दरवाजे बंद किए

● अपनी नियमावली में किया बदलाव

भाषा। चेन्नई

तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी और वीके शशिकला की चुनौती से निपटने की कोशिश कर रही अन्नाद्रमुक ने बुधवार को अपनी नियमावली में बदलाव किया ताकि मौजूदा शीर्ष दो पदों के ढांचे को बरकरार रखा जा सके और उन्हें मजबूती प्रदान की जा सके। इन पदों पर अभी ओ. पनीरसेलवम और के. पलानीस्वामी पदस्थ हैं।

नियमावली में बदलाव का फैसला अन्नाद्रमुक की कार्यकारी समिति की यहां हुई बैठक में लिया गया जिससे शशिकला के लिए रास्ते प्रभावी तौर पर बंद हो गए जो खुद के पार्टी महासचिव होने का दावा कर रही हैं।

अन्नाद्रमुक की स्वर्ण शताब्दी वर्ष के चलते साल भर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के दौरान 17 अक्टूबर को हुए पार्टी समारोह में दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता की करीबी समझी जाने वाली शशिकला ने अन्नाद्रमुक पर अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास करते हुए खुद को पार्टी का महासचिव घोषित किया था, जिसका पार्टी नेतृत्व ने कड़ा विरोध जताया था।

गौरतलब है कि वर्ष 2017 में पार्टी नियमों में किए गए बदलाव के तहत महासचिव के पद में निहित सभी शक्तियां नव सृजित पदों, पार्टी समन्वयक (पनीरसेलवम) और संयुक्त समन्वयक (पलानीस्वामी) में निहित कर दी गई थीं और इस नए बदलाव से शीर्ष पार्टी ढांचे को मजबूती मिलेगी। ऑल इण्डिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम ने पार्टी की नियमावली में परिवर्तन कर शीर्ष नेतृत्व के चुनाव के लिए प्राथमिक सदस्यों के लिए एक मत की व्यवस्था की है। यह शीर्ष नेतृत्व दो पदों समन्वयक और संयुक्त समन्वयक को मिलाकर बना है। वहीं, दो पदों के लिए अलग मत नहीं होंगे क्योंकि दोनों पद एक साथ पार्टी का शीर्ष नेतृत्व का निर्माण करते हैं। शशिकला पार्टी की सदस्य नहीं हैं, हालांकि वह महासचिव होने का दावा करती हैं। वरिष्ठ नेता डी जयकुमार ने संवाददाताओं से कहा कि जो पांच साल या इससे अधिक समय से सदस्य हैं, वे ही पार्टी नेतृत्व का चुनाव करने के लिए मतदान की अर्हता रखते हैं। दूसरा संशोधन उस मौलिक नियम को स्पष्ट करता है कि पार्टी नेतृत्व का चयन केवल प्राथमिक अन्नाद्रमुक सदस्यों द्वारा किया जा सकता है।

बैतूल में बस और ट्रक की टक्कर में छह की मौत, 25 घायल

बैतूल। मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में बुधवार को एक यात्री बस और ट्रक के बीच टक्कर में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है जबकि 25 अन्य घायल हो गए। घायलों में पांच की हालत गंभीर है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी।

मुलताई थाना प्रभारी सुनील लता ने कहा कि हादसा जिला मुख्यालय से लगभग 65 किलोमीटर दूर मुलताई-प्रभातपट्टन मार्ग पर नरखेड़ा गांव के पास दोपहर को हुआ। प्रभातपट्टन से मुलताई जा रही एक निजी यात्री बस विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से टकरा गई। टक्कर के बाद दोनों वाहन पलट गए। उन्होंने कहा कि बस चालक सहित छह लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि 25 यात्री घायल हो गए। घायलों में पांच की हालत गंभीर है। उन्होंने बताया कि गंभीर रुप से घायलों को इलाज के लिस पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के वरुद शहर ले जाया गया है।

उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान बस चालक शेख राशिद (65), छाया पाटिल (40), सुनील पिपर्डे (45), भीमराव धोटे (60), देवराज पंडोले (60) और तेजस्वी (19) के तौर पर हुई है।

उच्च न्यायालय ने भारद्वाज को जमानत दी, आठ अन्य की अर्जी खारिज की

एल्गार परिषद मामला

भाषा। मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने एल्गार परिषद माओवादी संबंध मामले में गैर कानूनी गतिविधि रोकथाम कानून (यूएपीए) के प्रावधानों के तहत अगस्त 2018 में गिरफ्तार वकील-कार्यकर्ता सुधा भारद्वाज को बुधवार को तकनीकी खामी के आधार पर जमानत दे दी। हालांकि, अदालत ने वरवर राव, सुधीर धावले और वर्नोन गोंजाल्विस सहित आठ अन्य आरोपियों की इसी आधार पर जमानत की अर्जी खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति एसएस शिंदे और न्यायमूर्ति एनजे जामदार की पीठ ने अपने आदेश में कहा है कि भारद्वाज इस तरह की जमानत की हकदार हैं और इससे इनकार करना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन होगा। भारद्वाज पर केंद्र सरकार को उखाड़ फेंकने की साजिश का हिस्सा होने का आरोप है। इसके साथ ही पीठ ने निर्देश दिया कि भायकला महिला कारावास में इस समय कैद भारद्वाज को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की विशेष अदालत में आठ दिसंबर को पेश किया जाए, जो उनकी जमानत की शर्तें तय करेगी और कारागार से रिहाई को अंतिम रूप देगी।

भारद्वाज इस मामले में गिरफ्तार 16 कार्यकर्ताओं और शिक्षाविदों में पहली आरोपी हैं जिन्हें तकनीकी खामी की वजह से जमानत दी गई है। कवि और कार्यकर्ता वरवर राव इस समय चिकित्सा के आधार पर जमानत पर हैं। पादरी स्टेन स्वामी की इस साल पांच जुलाई को अस्पताल में उस समय मौत हो गई थी, जब वह चिकित्सा के आधार पर जमानत का इंतजार कर रहे थे। अन्य आरोपी विचाराधीन कैदी के तौर पर जेल में बंद हैं। उच्च न्यायालय ने अन्य आठ आरोपियों- सुधीर धावले, वरवर राव, रोना विल्सन, सुरेंद्र गाडलिंग, शोमा सेन, महेश राउत, वर्नोन गोंजाल्विस और अरुण फरेरा की तकनीकी खामी के आधार पर जमानत देने की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी। भारद्वाज, धावले और अन्य की जमानत याचिकाओं में एक समान दलील दी गई थीं कि जिन न्यायाधीशों ने 2018 में पुणे में उनके खिलाफ दायर पुलिस के मामले का संज्ञान लिया था, उनके पास ऐसा करने का कानूनी अधिकार क्षेत्र नहीं था। याचिकाओं के अनुसार पुणे सत्र न्यायालय के दो अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, के डी वदने, जिन्होंने भारद्वाज को हिरासत में भेज दिया, और आरएम पांडे, जिन्होंने 2018 में धावले और सात अन्य याचिकाकर्ताओं को हिरासत में भेज दिया, उन्हें विशेष न्यायाधीश के रूप में नामित नहीं किया गया था और इसलिए वे यूएपीए के तहत अपराधों के लिए दर्ज उनके मामले का संज्ञान नहीं ले सकते थे। उच्च न्यायालय की पीठ ने एनआईए की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल अनिल सिंह का जमानत के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध अस्वीकार कर दिया। भारद्वाज ने अपने वकील युग चौधरी के माध्यम से एक और दलील दी कि न्यायाधीश ने मामले में पुणे पुलिस को आरोपपत्र दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय देने का आदेश भी पारित किया था।

मध्य प्रदेश की महिला आरक्षक को लिंग परिवर्तन की मिली अनुमति

भोपाल। मध्य प्रदेश में एक महिला आरक्षक को लिंग बदलकर पुरुष बनने की अनुमति बुधवार को प्रदेश के गृह विभाग से मिल गई है। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्रदेश के गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजोरा ने दावा किया कि मध्य प्रदेश में यह पहला ऐसा मामला है, जहां प्रदेश के किसी भी सरकारी विभाग में महिला से पुरुष में लिंग परिवर्तन की अनुमति दी गई है।

अधिकारी ने कहा कि वह किसी भी अन्य पुरुष आरक्षक की तरह अपने सभी कर्तव्यों का निर्वहन करती हैं। प्रमुख मनोवैज्ञानिकों ने पुष्टि की है कि उन्हें बचपन से ही लिंग पहचान का विकार था। उन्होंने कहा, गृह विभाग ने प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को महिला कांस्टेबल को अपना लिंग बदलने की अनुमति देने की सहमति दे दी है क्योंकि वह बचपन से ही लिंग पहचान के विकार से ग्रसित हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में आरक्षक ने औपचारिक तौर पर पुलिस मुख्यालय में एक हलफनामे देकर अपना लिंग बदलने के लिए आवेदन जमा किया था।

अंतरराष्ट्रीय यात्रियों पर महाराष्ट्र के आदेश केन्द्र के दिशानिर्देशों के अनुकूल नहीं

भाषा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप पर चिंताओं के मद्देनजर महाराष्ट्र सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के पृथक-वास पर संशोधित दिशानिर्देश के बाद केंद्र ने बुधवार को राज्य सरकार से कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी एसओपी के मुताबिक अपने आदेश जारी करे।

महाराष्ट्र के राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की तरफ से मंगलवार रात जारी दिशानिर्देशों के तहत राज्य सरकार ने खतरे वाले देशों से आने वाले यात्रियों के लिए सात दिनों तक संस्थागत पृथक-वास आवश्यक बनाया है। इस तरह के यात्रियों को पहुंचने के दूसरे, चौथे और सातवें दिन पीसीआर जांच भी करानी होगी। अगर वे कोविड-19 से संक्रमित पाए जाते हैं तो यात्री को अस्पताल भेज दिया जाएगा। अगर यात्री नेगेटिव पाया जाता है फिर भी उसे सात दिनों तक गृह पृथक-वास में रहना होगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने एक पत्र में कहा कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जारी आदेश केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा विदेशी यात्रियों के लिए जारी कोविड-19 एसओपी और दिशानिर्देशों के अनुसार नहीं है। उन्होंने राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रदीप कुमार व्यास को लिखे पत्र में कहा, इसलिए मैं आपसे आग्रह करता हूं कि भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार आदेश पारित करें ताकि सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में दिशानिर्देशों को समान रूप से लागू किया जा सके।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 28 नवंबर को जारी नए दिशानिर्देशों के अनुसार खतरे वाले देशों से गुजरने या आने वाले यात्रियों को पहुंचने के बाद पीसीआर जांच करानी होगी और हवाई अड्डे पर परिणाम के लिए इंतजार करना होगा और उसके बाद ही वह हवाई अड्डे से बाहर जा सकेंगे या दूसरे विमान से यात्रा कर सकेंगे। केंद्र सरकार ने खतरे वाले देशों की सूची जारी की है।

खतरे वाले देशों की सूची में यूरोपीय संघ के देश, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, बोत्सवाना, चीन, मॉरिशस, न्यूजीलैंड, जिंबाब्वे, सिंगापुर, हांगकांग और इजराइल हैं।

चेन्नई में भारी बारिश के बाद सड़कों में भरे पानी के बीच नौका पर बैठकर बाहर निकलते निवासी

जयपुर के आभूषण निर्यातक समूह की 500 करोड़ की अघोषित आय का पता लगा

भाषा। नई दिल्ली

आयकर विभाग ने आभूषण एवं रंगीन रत्न का निर्यात और विनिर्माण करने वाले जयपुर के एक समूह पर हाल में की गई छापेमारी के बाद 500 करोड़ रुपए से अधिक की अघोषित आय का पता लगाया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने बुधवार को यह जानकारी दी।

विभाग द्वारा 23 नवंबर को शुरू की गई छापेमारी के दौरान करीब 50 परिसरों में तलाशी ली गई। आयकर विभाग ने अज्ञात समूह के खिलाफ कार्वाई के दौरान चार करोड़ रुपए नकद और नौ करोड़ रुपए मूल्य के आभूषण भी जब्त किए।

कोलकाता में कोविड-19 के प्रकोप को देखते हुए मशीन से सड़कों पर सैनिटाइजेशन करते हुए नगर निगम के कर्मी

बोर्ड परीक्षाओं के लेकर 8,000 से अधिक अभिभावकों ने शिक्षा मंत्री को पत्र लिखा

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को 8,000 से अधिक अभिभावकों ने पत्र लिख कर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) को कोविड-19 के नए स्वरूप ओमीक्रोन के चलते पैदा हुई चिंता के मद्देनजर बोर्ड परीक्षाओं के लिए हाईब्रिड विकल्प मुहैया करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। पत्र में कहा गया है, यह जिक्र करना जरूरी है कि कोविड के ओमीक्रोन स्वरूप ने देशभर में दहशत फैला दी है, खासतौर पर अभिभावकों और छात्रों के बीच। भारत सरकार, विश्व स्वास्थ्य संगठन और विभिन्न अन्य सक्षम प्राधिकारों ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए परामर्श जारी किए हैं। पत्र में कहा गया है कि इन परिस्थितियों में ऑफलाइन परीक्षाएं आयोजित करने से मेडिकल त्रासदी को न्योता मिल सकता है। इसमें कहा गया है कि देशभर में लाखों छात्रों को ऑफलाइन माध्यम से परीक्षा देने के लिए बुलाना जोखिम भरा है। पत्र में कहा गया है, छात्रों को अभी तक टीका नहीं लगा है ।

सरकारी कार्यक्रमों में निर्वाचित प्रतिनिधियों को आमंत्रित करना अनिवार्य है: नीतीश

भाषा। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार द्वारा आयोजित सरकारी कार्यक्रमों, शिलान्यास और अन्य समारोहों में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करना अनिवार्य है।

बिहार विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक नीतीश मिश्रा के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री ने बुधवार को कहा, सभी जिला प्रशासन और राज्य सरकार के विभागों को पहले ही निर्देश दिया जा चुका है कि राज्य सरकार के किसी भी शिलान्यास समारोह या उद्घाटन समारोह में संबंधित क्षेत्रों के विधायकों, विधान परिषद सदस्यों , सांसदों सहित जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाना चाहिए। यह अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि शिलान्यास और उद्घाटन पट्टिकाओं पर मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और एमएलसी सहित सरकारी अधिकारियों के नाम शामिल करना भी अनिवार्य है बिहार विधानसभा में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पेश करते हुए झंझारपुर से भाजपा विधायक नीतीश मिश्रा ने कहा कि स्थानीय निर्वाचित प्रतिनिधियों को आमंत्रित किए बिना प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना से जुड़ी कई परियोजनाओं का हाल में उद्घाटन किया गया।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा ग्रामीण विकास विभाग द्वारा हाल में राज्य के कई क्षेत्रों में निर्वाचित प्रतिनिधियों को सूचित किए बिना कई नई परियोजनाएं शुरू की गईं।

इसी तरह की राय व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) विधायक अवध बिहारी चौधरी ने कहा, इन दो योजनाओं के तहत कई परियोजनाओं का उद्घाटन हाल में राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा स्थानीय निर्वाचित प्रतिनिधियों को सूचित किए बिना किया गया था।

उन्होंने कहा कि सीवान में मेरे निर्वाचन क्षेत्र में मेरी जानकारी के बिना मुख्यमंत्री द्वारा परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। हालांकि आरोपों को खारिज करते हुए बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री जयंत राज ने कहा, विभाग सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को ऐसे कार्यों में आमंत्रित करता है। सदस्यों द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं।

इस बीच सदन ने बुधवार को बिहार भूमि दाखिल खारिज संशोधन विधेयक 2021 पारित किया जिससे राज्य में भूमि संबंधी विवादों को कम करने में मदद मिलेगी।

विदेश जाकर उच्च शिक्षा लेने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में भारी कमी आयी

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को राज्यसभा में बताया कि वर्ष 2019 की तुलना में 2020 में विदेश जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में तीन लाख 27 हजार से अधिक की कमी आई है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्य सभा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार 2019 में उच्च शिक्षा के लिए विदेश गए भारतीय छात्रों की संख्या 5,88,931 थी और 2020 में ऐसे छात्रों की संख्या घटकर 2,61,406 रह गई। प्रधान ने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में बताया कि 2019-20 के अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण के अनुसार 1043 विश्वविद्यालय, 42,343 कॉलेज और 11,779 एकल संस्थानों के साथ भारत की शिक्षा प्रणाली विश्व में तीसरी सबसे बड़ी शिक्षा प्रणाली है।

तटरक्षक के 10 नए उन्नत हल्के हेलीकॉप्टरों को बेड़े में शामिल करने की संभावना

जाखौ **(कच्छ, गुजरात)**। भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) के मई 2022 तक हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से खरीदे गए 10 नए उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर को बेड़े में शामिल करने की संभावना है। आईसीजी के प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने कहा कि इसके अलावा आईसीजी 2021 में एक तटवर्ती गश्ती पोत (ओपीवी) और 2025 तक दो प्रदूषण नियंत्रण जहाजों (पीसीवी) को बेड़े में शामिल करने की योजना बना रहा है। उन्होंने बताया कि आत्मानिर्भर भारत अभियान के अनुरूप आईसीजी ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, बेंगलुरु से 16 उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) एमके-तीन की खरीद के लिए अनुबंध किया है। प्रवक्ता ने कहा कि 16 एएलएच में से छह को पहले ही आईसीजी में शामिल किया जा चुका है। उन्होंने कहा, शेष 10 हेलीकॉप्टर को मई 2022 तक शामिल किए जाने की संभावना है। आईसीजी के बेड़े में वर्तमान में डोर्नियर और एएलएच जैसे कुल 68 विमान हैं। बेड़े में अभी अलग-अलग श्रेणी के 158 जहाज हैं।

देश में इस साल नवंबर में पांच वर्षों में सर्वाधिक बारिश हुई : मौसम विभाग

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को बताया कि देश में नवंबर महीने में 645 बार भारी बारिश हुई और 168 बार बहुत भारी बारिश हुई, जो पिछले पांच वर्षों में इस महीने में सर्वाधिक है। इस महीने में 11 बार अत्यधिक भारी बारिश (204.4 मिमी से अधिक) हुई, जो पिछले साल के आंकड़े के बराबर है। देश में 2019, 2018 और 2017 में क्रमश: शून्य, चार और एक बार अत्यधिक भारी बारिश हुई। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार देश में नवंबर महीने में 645 बार भारी बारिश (64.5 मिमी से 115.5 मिमी) और 168 बार भारी बारिश (115.6 मिमी से 204.5 मिमी) बारिश हुई, जो पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक है। प्रायद्वीपीय भारत में अत्यंत भारी बारिश से लेकर बहुत भारी बारिश हुई, जिसकी वजह से आंध्र प्रदेश में 44, तमिलनाडु में 16 और कर्नाटक में 15 और केरल में तीन लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने बताया कि नवंबर में सामान्य बारिश 30.5 मिमी की तुलना में 56.5 मिमी बारिश हुई, यानी 85.4 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई। प्रायद्वीपीय भारत में 160 प्रतिशत ज्यादा बारिश (232.7 मिमी) हुई।

देश में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी : केन्द्र सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि देश में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आई है और इसके भौगोलिक विस्तार में भी गिरावट की प्रवृत्ति जारी है। सरकार के मुताबिक नक्सली घटनाओं में मारे जाने वाले सैन्यकर्मियों व आम नागरिकों की संख्या में भी 80 प्रतिशत गिरावट आई है। राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि वामपंथी उग्रवादी सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमले करते हैं और आम नागरिकों तथा सार्वजनिक संपत्ति को भी निशाना बनाते हैं। उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद संबंधी हिंसा की घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आई है। वर्ष 2009 में अब तक की सर्वाधिक 2258 घटनाएं हुई थी जो कम होकर वर्ष 2020 में 665 हो गई है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाओं में जान गंवाने वाले आम नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की संख्या में भी 80 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा, वामपंथी उग्रवाद की घटनाओं में वर्ष 2010 में अब तक सर्वाधिक 1005 आम नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान गई थी जो कम होकर वर्ष 2020 में 183 हो गई है। राय ने दावा किया कि नक्सली हिंसा का भौगोलिक विस्तार भी सीमित हो गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 में 10 राज्यों के 76 जिलों की तुलना में नौ राज्यों के केवल 53 जिलों ने वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसा की सूचना दी है।

केवी में ऑनलाइन कक्षाओं में प्रयुक्त कैमरों के अच्छी गुणवत्ता के नहीं होने से सरकार का इनकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को इस बात से इनकार किया कि केंद्रीय विद्यालयों (केवी) में ऑनलाइन कक्षाओं के लिए उपयोग किए जाने वाले वेब कैमरे अच्छी गुणवत्ता के नहीं हैं। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उनसे सवाल किया गया था कि क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि केंद्रीय विद्यालयों में 10वीं और 12वीं कक्षाओं के शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन कक्षाएं लेने के लिए उपयोग किए जाने वाले वेब कैमरे अच्छी गुणवत्ता के नहीं हैं।

लोकसभा में सहायता प्राप्त जननीय प्रौद्योगिकी विनियमन विधेयक को मिली मंजूरी

भाषा। नई दिल्ली

लोकसभा में बुधवार को सहायता प्राप्त जननीय प्रौद्योगिकी (विनियमन) विधेयक, 2021 को मंजूरी दी गई, जिसमें अंतर गर्भाशई गर्भाधान से जुड़े विषयों पर दिशानिर्देशों एवं व्यवस्था का मानकीकरण करने तथा महिलाओं एवं बच्चों को शोषण से संरक्षण प्रदान करने का प्रावधान किया गया है।

लोकसभा में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि यह विधेयक पहले सितंबर 2020 में सदन में आया था और इसे स्थाई समिति को भेज दिया गया था। इस पर संसदीय स्थाई समिति की रिपोर्ट आई और इसके 46 सुझावों में से 22 सुझाव पर संशोधन के रूप में विधेयक लाया गया है। उन्होंने कहा कि इनमें से शेष कई सुझावों को नियम बनाते समय शामिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि देश में काफी क्लीनिक ऐसे चल रहे हैं जो कृत्रिम गर्भाधान (आईवीएफ) सहित सहायक प्रजनन तकनीक का उपयोग कर रहे हैं और इनके लिए कोई नियमन नहीं है और अगर इसका नियमन नहीं किया गया तब यह उद्योग का रूप ले सकता है। मांडविया ने कहा कि यह विधेयक इनका नियमन करने के लिए लाया गया है।

मंत्री ने कहा कि इस तकनीक के जरिए लोग लिंग का चयन करते हैं और बहु भ्रूण हस्तांतरण भी किया जा सकता है, ऐसे में इसका नियमन जरूरी था।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने कहा कि कोई भी अगर अनैतिक काम करता है तब उसे बख्शा नहीं जा सकता है और इस संबंध में सजा का प्रावधान होना ही चाहिए। मंत्री के जवाब के बाद सदन ने कुछ सदस्यों के संशोधनों को खारिज करते हुए विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी।

इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस विधेयक को निचले सदन में पेश किए जाने के संबंध में कुछ सदस्यों के व्यवस्था का प्रश्न उठाए जाने को खारिज कर दिया।

विधेयक पेश करते समय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मांडविया ने कहा कि ऐसी तकनीक में इंजेक्शन देना पड़ता है जिससे महिलाओं के स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है।

इसके अलावा भ्रूण हस्तांतरण और भ्रूण बैंकिंग के लिए भी व्यवस्था बनाने की जरूरत थी, ऐसे में यह विधेयक लाया गया है। चर्चा में कांग्रेस के कार्ति चिदंबरम, भाजपा की हीना गावित, जनता दल (यू) के आलोक कुमार सुमन, बसपा की संगीता आजाद, तृणमूल कांग्रेस की काकोली घोष, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की सुप्रिया सुले, आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन, बीजू जनता दल के अभिनव मोहंती, माकपा के एएम आरिफ, तृणमूल कांग्रेस की प्रतिमा मंडल और निर्दलीय नवनीत कौर राणा आदि ने हिस्सा लिया।

विधेयक के प्रस्ताव में कहा गया है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान सहायक प्रजनन तकनीक (एआरटी) का चलन काफी तेजी से बढ़ा है। वैसे तो कृत्रिम गर्भाधान (आईवीएफ) सहित सहायक प्रजनन तकनीक ने बांझपन के शिकार तमाम लोगों में नई उम्मीदें जगा दी हैं, लेकिन इससे जुड़े कई कानूनी, नैतिक और सामाजिक मुद्दे भी सामने आए हैं।

इसमें कहा गया है कि इस वैश्विक प्रजनन उद्योग के प्रमुख केन्द्रों में अब भारत भी शामिल हो गया है।

आंदोलन कर रहे किसानों की सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी राज्य सरकारों की: केंद्र

भाषा। नई दिल्ली

तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ देश में पिछले एक साल से अधिक समय से चल रहे आंदोलन पर हुए कथित हमलों से केंद्र सरकार ने अपना पल्ला झाड़ते हुए स्पष्ट किया कि आंदोलनरत किसानों की सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है। राज्यसभा में कांग्रेस के सदस्य के सी वेणुगोपाल की ओर से बुधवार को पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने यह जानकारी दी।

वेणुगोपाल ने जानना चाहा था कि देश में हाल के समय में प्रशासन के साथ-साथ लोगों द्वारा किसानों के आंदोलन पर हमलों में यदि वृद्धि हुई है तो उसका राज्यवार ब्योरा क्या है और विगत एक वर्ष के दौरान विरोध प्रदर्शनों में घायल हुए और मारे गए किसानों की राज्यवार संख्या कितनी है। उन्होंने सरकार से शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन कर रहे किसानों पर हमला करने वाले अधिकारियों और व्यक्तियों की गई कार्वाई की भी जानकारी मांगी। उनके सवालों का जवाब देते हुए राय ने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो ने अपनी रिपोर्ट भारत में अपराध: 2020 में चोट के 5,78, 641 मामले रिपोर्ट किए हैं लेकिन इसमें किसानों के आंदोलन पर हमले के कारण उन पर चोट के मामले अलग से रिपोर्ट नहीं किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची के अनुसार पुलिस और लोक व्यवस्था राज्य के विषय हैं। किसानों की सुरक्षा और संरक्षा समेत कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी प्राथमिक रूप से संबंधित राज्य सरकारों की है। राय ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कानून एवं व्यवस्था को बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य और संघ राज्य क्षेत्रों को समय-समय पर दिशानिर्देश जारी किए हैं। किसानों के आंदोलन के कारण कुल 60 से 65 राष्ट्रीय राजमार्ग टोल प्लाजा प्रभावित हुए।

मीडिया कवरेज समिति

डिजिटल मीडिया की निगरानी के लिए सशक्त प्रणाली बने : संसदीय समिति

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने सरकार को सुझाव दिया है कि वह सभी पक्षों के साथ पर्याप्त रूप से परामर्श कर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को पूरी तरह से संरक्षित रखते हुए डिजिटल मीडिया पर निगरानी के लिए सशक्त प्रणाली तैयार करे। समिति ने यह भी कहा कि वह सूचना और प्रसारण मंत्रालय से भारत में प्रेस के मानक को बनाए रखने और बढ़ावा देने के लिए भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) द्वारा सेंसर किए गए मामलों पर कार्वाई करने के मकसद से ब्यूरो आफ आउटरीच एंड कम्यूनिकेशन के लिए कोई समय सीमा निर्धारित करने का आह्वान करती है। लोकसभा में पेश कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अध्यक्षता वाली सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थाई समिति की मीडिया कवरेज में नैतिक मानक विषय पर रिपोर्ट में यह सिफारिश की गई है।

संसदीय समिति ने कहा कि वह इस बात से व्यथित है कि ऐसे कई मामलों में दोषी समाचार पत्र पीसीआई द्वारा सेंसर किए जाने के बाद भी वही गलतियां दोहराते हैं। समिति ने कहा, यह गंभीर चिंता का विषय है कि मीडया जो कभी लोकतंत्र में नागरिकों के हाथों में सबसे भरोसेमंद हथियार था और जनता के न्यासी के रूप में कार्य करता है, वह धीरे-धीरे अपनी विश्वसनीयता और सत्यनिष्ठा खो रहा है, जहां मूल्यों और नैतिकता को अपने अनुकूल बनाया जा रहा है। समिति ने कहा कि मीडिया द्वारा पेड न्यूज, फर्जी खबर, टीआरपी में हेराफेरी, मीडिया परीक्षण, सनसनी फैलाने, पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग आदि के रूप में परिलक्षित आचार संहिता के उलंघन के बड़े पैमाने पर उदाहरणों ने लोगों के मन में इसकी विश्वसनीयता पर बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है जो लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। एक अच्छा लोकतंत्र जनता की भागीदार पर फलता-फूलता है जो जिम्मेदार मीडिया द्वारा सही सूचना के प्रसार के माध्यम से संभव है।

समिति ने कहा कि मीडिया का इतना प्रभाव है कि वह किसी भी व्यक्ति, संस्था या किसी भी विचार को बना या बिगाड़ सकता है। मीडिया अपने विशेषाधिकार, कर्तव्यों और दायित्वों से आँखे नहीं फेर सकता। पत्रकारिता एक ऐसा पेशा है, जो सेवा करता है। इस कारण दूसरों से प्रश्न करने का विशेषाधिकार प्राप्त हुआ है। इन विशेषाधकार का प्रयोग करने के लिए, मीडिया को सूचना एकत्र करने और प्रसारित करने में कुछ नैतिक मानदंड का पालन करना अनिवार्य है। सभी पक्षों के साथ पर्याप्त रूप से परामर्श कर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को पूरी तरह से संरक्षित रखते हुए डिजिटल मीडिया पर निगरानी के लिए सशक्त प्रणाली का प्रयोग किया जाए। समिति को यह भी विश्वास है कि सरकार मीडिया की स्वतंत्रता और स्वावलंबन को अत्यंत महत्व देगी ताकि वे बिना किसी भय और पक्षपात के यथासंभव समाचार को निष्पक्ष रूप से कवर करें। समिति ने कहा कि सरकार के लिए यह भी जरूरी है कि वह इसके लिए अनिवार्य कानूनी और सामाजिक ढांचा सुनिश्चिचत करे जो मीडिया को उनके पेशे के स्थापित मूल्य का सम्मान करने और उनका अनुसरण करने के लिए प्रोत्साहित कर सके।

विपक्ष सामंती गुरूर के सुरूर से बाहर आए और माफी मांगेः नकवी

नई दिल्ली। राज्यसभा के उप नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने संसद के मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में अशोभनीय आचरण के लिए 12 सांसदों के निलंबन को लेकर बुधवार को कहा कि विपक्ष को अपने सामंती गुरूर के सुरूर से बाहर निकलना चाहिए और अपने कृत्य को सही ठहराने की बजाय माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा कि सरकार हमेशा यह चाहती है कि सभी सदस्य चर्चा में भाग लें, लेकिन कुछ विपक्षी सदस्यों की प्राथमिकता व्यवधान डालने की होती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्ष को सामंती गुरूर के सुरूर से बाहर आना चाहिए और अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए। संसद के सोमवार को आरंभ हुए शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के 12 सदस्यों को इस सत्र की शेष अवधि तक के लिए उच्च सदन से निलंबित कर दिया गया था। जिन सदस्यों को निलंबित किया गया है उनमें मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के इलामारम करीम, कांग्रेस की फूलों देवी नेताम, छाया वर्मा, रिपुन बोरा, राजमणि पटेल, सैयद नासिर हुसैन, अखिलेश प्रताप सिंह, तृणमूल कांग्रेस की डोला सेन और शांता छेत्री, अनिल देसाई तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विनय विस्वम शामिल हैं।

भोपाल में बुधवार को विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम के दौरान जागरुकता मार्च निकालतीं छात्राएं

अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति मेंः भाजपा

नई दिल्ली। देश की आर्थिक वृद्धि दर और अन्य आर्थिक संकेतकों का हवाला देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को दावा किया कि देश में कोरोना महामारी आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा लिए गए फैसलों का ही परिणाम है। भाजपा प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने कहा कि कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया और भारतीय अर्थव्यवस्था भी इससे अछूती नहीं रही लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन, कुशल नेतृत्व और दृढ़ फैसलों के कारण भारत की अर्थव्यवस्था आज मजबूती से आगे बढ़ रही है।

भारत का औद्योगिक क्षेत्र 6.3 प्रतिशत की गति से आगे बढ़ रहा है। विनिर्माण क्षेत्र 7.5 प्रतिशत की गति से आगे बढ़ रहा है मजबूती के साथ 10.2 प्रतिशत की गति से आगे बढ़ रहा है। ज्ञात हो कि देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही में 8.4 प्रतिशत रही। इसके साथ ही वृद्धि दर कोविड-पूर्व स्तर को पार कर गई। उम्मीद से बेहतर वृद्धि दर के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था इस साल प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज वृद्धि हासिल करने के रास्ते पर है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार जुलाई-सितंबर तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर पहली तिमाही की 20.1 प्रतिशत वृद्धि दर की तुलना में धीमी पड़ी है। समान अवधि में दर्ज 7.4 प्रतिशत की गिरावट के मुकाबले बेहतर ही है।

आर्थिक गतिविधियां, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के आंकड़ें और अन्य विभिन्न संकेतक सर्वकालिक उच्च स्तर पर हैं। इससे आने वाले दिनों में रोजगार के अवसर पैदा होंगे ओर भावी पीढ़ी को मदद मिलेगी। महंगाई के मुद्दे पर सरकार की आलोचनाओं को खारिज करते हुए कहा कि पिछले सात सालों से केंद्र की भाजपा सरकार के दौरान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक औसत चार प्रतिशत से भी नीचे रहा है जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के दौरान यह दहाई अंकों में था।

त्रासदी के 37 साल बाद भी पीड़ितों को न्याय दिलाने में विफल रहीं सरकारें

भाषा। भोपाल

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में वर्ष 1984 के गैस त्रासदी के पीड़ितों के हित में काम कर रहे गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) ने बुधवार को आरोप लगाया कि 37 साल गुजर जाने के बावजूद प्रदेश और केंद्र की विभिन्न सरकारें दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक त्रासदी के दोषियों को सजा दिलाने में नाकाम रही हैं। यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) के कीटनाशक संयंत्र से 2-3 दिसंबर, 1984 की मध्यरात्रि गैस के रिसाव के कारण पांच लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए थे और 15,000 से अधिक लोग मारे गए थे। यह कारखाना भोपाल के बाहरी इलाके में स्थित था।

भोपाल गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संघ की अध्यक्ष और गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार विजेता रशीदा बी ने कहा,"हम चाहते हैं कि दुनिया को पता चले कि विश्व के सबसे भीषण औद्योगिक हादसे के 37 साल बाद भी भोपाल गैस पीड़ितों को न्याय से वंचित रखा गया है। उन्होंने दावा किया, हमें यह बताते हुए खेद हो रहा है कि किसी पीड़ित को पर्याप्त मुआवजा नहीं मिला है और आज तक कोई भी अपराधी एक मिनट के लिए भी जेल नहीं गया है।

उन्होंने आरोप लगाया, इसका कारण यह है कि हमारी लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारें और अमरीकी कंपनियों के बीच सांठगांठ आज भी जारी है। भोपाल ग्रुप फॉर इन्फॉर्मेशन एन्ड एक्शन की रचना ढींगरा ने कहा, मिट्टी और भूजल को प्रदूषित होने के कारण हुई पर्यावरणीय क्षति के लिए डाव केमिकल-अमरीका से मुआवजे का दावा करने के बजाए, मध्यप्रदेश सरकार दुनिया के सबसे ज्यादा जहरीले स्थल के ऊपर स्मारक बनाने के नाम पर कम्पनी को उसकी कानूनी जिम्मेदारियों से बचाने में मदद कर रही है।

भोपाल गैस पीड़ित महिला पुरुष संघर्ष मोर्चा की शहजादी बी ने आरोप लगाया, अस्पतालों में भीड़, संभावित हानिकारक दवाओं का बेहिसाब और अंधांधुंध इस्तेमाल और मरीजों की लाचारी वैसी ही बनी हुई है जैसी हादसे की सुबह थी। आज यूनियन कार्बाइड की गैसों के कारण फेफड़े, हृदय, गुर्दे, अंत:स्त्रावी तंत्र , तंत्रिका तंत्र और रोग प्रतिरोधक तंत्र की पुरानी बीमारियों के लिए इलाज की कोई प्रमाणिक विधि विकसित नहीं हो पाई है क्योंकि सरकार ने हादसे के स्वास्थ्य पर प्रभाव के सभी शोध बंद कर दिए हैं और यूनियन कार्बाइड कम्पनी ही है जिसके पास स्वास्थ्य संबंधी सारी जानकारी है और आज तक कम्पनी ने इस जानकारी को दबा कर रखा है। डाव-कार्बाइड के खिलाफ बच्चों नामक संगठन के नौशीन खान ने कहा, राज्य और केंद्र सरकारों ने हादसे के बाद पैदा हुए पीड़ितों की संतानों को निराश किया है। अंतराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि हादसे के बाद गैस पीड़ितों के घर जन्मे बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ा है। माता-पिता के गैस हादसे से प्रभावित होने के कारण दसियों हज़ार बच्चों को स्कूल छोड़ना पड़ा।

क्विक न्यूज

सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए पैदल यात्रियों की संख्या घटी

नई दिल्ली। कैलेंडर वर्ष 2020 के दौरान भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए पैदल चलने वाले लोगों की संख्या 23,483 रह गई। बुधवार को संसद को यह जानकारी दी गई। राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि कैलेंडर वर्ष 2019 के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में कुल 25,858 पैदल चलने वालों की मौत हो गई। मंत्री ने कहा कि कैलेंडर वर्ष 2020 में सड़क दुर्घटना में मरने वालों की कुल संख्या 1,31,714 थी, जबकि कैलेंडर वर्ष 2019 में 1,51,113 थी। गडकरी ने कहा कि मंत्रालय, राज्य पुलिस से दुर्घटनाओं और मौत पर सूचना और आंकड़े हासिल करता है। आगे विस्तार करते हुए, मंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और जीवन बचाने के लिए, संसद द्वारा पारित मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम, 2019 सड़क सुरक्षा पर केंद्रित है, और इसमें अन्य बातों के साथ, यातायात उल्लंघन के लिए दंड में वृद्धि, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी शामिल है। किशोर ड्राइविंग के लिए बढ़ा हुआ दंड आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा, हालांकि, पैदल चलने वालो की मौत क्यो होती है, इस पर कोई अध्ययन उपलब्ध नही है या अध्ययन नही किया गया है। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार, सड़कों पर विशेष रूप से एक्सप्रेसवे पर विभिन्न श्रेणियो के वाहनों की गति सीमा बढ़ाने की योजना बना रही है, मंत्री ने कहा, इस मंत्रालय के पास ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नही है।

अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, तीन की मौत

नोदाखली (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले मे स्थित एक अवैध पटाखा निर्माण इकाई मे बुधवार को हुए विस्फोट में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विस्फोट सुबह करीब आठ बजे जिले के नोदाखली इलाके मे आशिम मंडल के दो मंजिला मकान मे हुआ। उन्होने बताया कि आग बुझाने के लिए दमकल के एक वाहन को घटनास्थल पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में मकान की छत का एक हिस्सा ध्वस्त हो गया था। अधिकारी ने कहा, मकान मे तीन विस्फोट हुए। घर के मालिक, एक महिला और कारखाने मे काम कर रहे एक अन्य व्यक्ति के शव बरामद कर लिए गए है। उन्होने बताया कि विस्फोट मे घायल हुए तीन अन्य लोगो को स्थानीय अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने कहा कि घायलों में से एक की हालत काफी गंभीर है। अधिकारी ने कहा, ऐसा लगता है कि घायल व्यक्ति ने विस्फोट मे एक हाथ गंवा दिया है। उसकी हालत काफी गंभीर है। डॉक्टर उसका इलाज कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि पड़ोस की कुछ इमारतो को भी नुकसान पहुंचा है।अधिकारी ने बताया कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

एचआईवी सक्रमण की रोकने के लिए प्रतिबद्धः विजयन

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने बुधवार को कहा कि राज्य 2025 तक नए एचआईवी संक्रमण को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है और स्वास्थ्य क्षेत्र में किए गए महत्वपूर्ण कार्यों के कारण इस लक्ष्य को बहुत पहले प्राप्त किया जा सकता है। इस बीच, कोझिकोड़ शहर में कॉलेज के छात्रों के एक समूह ने विश्व एड्स दिवस पर एड्स रोगियों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए पोस्टर प्रदर्शित किए। मुख्यमंत्री ने विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एक फेसबुक पोस्ट मे कहा कि राज्य निवारक उपायों को तेज करने के साथ-साथ एचआईवी रोगियो का पता लगाकर व उन्हें उचित उपचार तथा देखभाल प्रदान करके नए संक्रमण को रोकने का लक्ष्य प्राप्त कर सकता है। विजयन ने कहा कि अक्टूबर मे राज्य मे एचआईवी के 25,775 मामले दर्ज किए गए थे और यहां वयस्को में संक्रमण का प्रसार 22 प्रतिशत के राष्ट्रीय आंकड़े की तुलना में 0.08 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि केरल में एचआईवी के मामले अन्य राज्यो की तुलना मे कम है, लेकिन अभी भी सुधार की गुंजाइश है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के स्वास्थ्य विभाग और एड्स नियंत्रण सोसाइटी ने नए एचआईवी संक्रमण को रोकने के लिए सरकार की योजना के तहत संयुक्त रूप से राज्य, जिला व तालुक स्तरों पर व्यापक कार्यक्रमो की योजना बनाई है। इस बीच, राज्य के कोझिकोड़ शहर मे कॉलेज के छात्रों के एक समूह ने बुधवार को दुनिया भर में एड्स रोगियो के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए और उनके प्रति दिखाए गए भेदभाव को समाप्त करने की मांग करते हुए पोस्टर प्रदर्शित किए।

भाजपा ने नैनो परियोजना की खिलाफत का मुद्दा उठाया

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार संदेह जताया कि महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना कुछ निवेश का रुख पश्चिम बंगाल की ओर मोड़ने मे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मदद कर रही है। तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो बनर्जी और महाराष्ट्र सरकार मे मंत्री आदित्य ठाकरे की मुलाकात के अगले दिन भाजपा ने यह टिप्पणी की है। यहां पत्रकारों से बातचीत मे महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक आशीष शेलार ने बुधवार को सवाल किया कि बनर्जी और आदित्य ठाकरे के बीच हुई चर्चा के संबंध मे कोई आधिकारिक बयान क्यो नही जारी किया गया है। मुंबई मे उद्योगपतियो के साथ बनर्जी की बैठक से ठीक पहले शेलार ने 2008 में पश्चिम बंगाल मे तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी द्वारा टाटा मोटर्स की नैनो परियोजना के विरोध का मुद्दा भी उठाया।

मुंबई में दो हजार विस्तरो की क्षमता वाला एक जंबो कोविड सेंटर तैयार किया गया

नगर निगम चुनावों में टीएमसी सूपड़ा साफ करेगीः फिरहाद हकीम

कोलकाता। कोलकाता के पूर्व मेयर फिरहाद हकीम ने अगले कुछ वर्षों के लिए शहर के विकास की दृष्टि साझा करते हुए कहा है कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधानसभा चुनाव में मिली जीत की गति को बरकरार रखते हुए आगामी कोलकाता नगर निगम चुनावों के दौरान अपने रास्ते में आने वाली चुनौतियों से पार पा लेगी। वार्ड संख्या 82 से चुनाव जीतने को लेकर आश्वस्त, हकीम ने यह भी कहा कि चक्रवात के प्रभावों से निपटने के लिए शहर को बेहतर तरीके से तैयार करने को लेकर एक मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा।

चुनाव 19 दिसंबर को होना है। मतगणना दो दिन बाद 21 दिसंबर को होगी। राज्य के परिवहन मंत्री ने कहा कि शहर के लिए उनकी 10 सूत्री कार्ययोजना में अपशिष्ट जल प्रबंधन को बेहतर बनाना और हर घर को पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के अलावा पर्यावरण से जुड़े मुद्दों का हल करना भी शामिल होगा। उन्होंने पीटीआई-भाषा से एक साक्षात्कार में कहा कि टीएमसी 144 सदस्ईय नगर निकाय में 135-140 वार्ड में जीत हासिल करने को लेकर आश्वस्त है। उन्होंने जोर देते हुए कहा ।

भारतीय जनता पार्टी की साम्प्रदायिक राजनीति कोई नतीजा नहीं देगी जैसा कि इस साल की शुरूआत में विधानसभा चुनाव के दौरान देखने को मिला था। मंत्री ने कहा, चुनाव के दौरान साम्प्रदायिक विमर्श को बढ़ावा देने की भाजपा की आदत है। विधानसभ चुनाव के दौरान भी हमने देखा था कि उसने साम्प्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश की थी लेकिन मुझे स्पष्ट कर देने दीजिए कि इस बार भी भगवा पार्टी को शिकस्त मिलेगी। वह शहर के प्रथम मुस्लिम मेयर रह चुके हैं। शोभन चटर्जी के मेयर पद से इस्तीफा देने के बाद उन्होंने दिसंबर 2018 में यह पदभार संभाला था।

कश्मीरी पंडितों का प्रवास अधिकारियों की आवाजाही का हिस्सा : सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि कश्मीरी पंडितों के 115 परिवारों का कश्मीर से हालिया जम्मू प्रवास अधिकारियों की आवाजाही का हिस्सा है शैक्षिक संस्थानों में शीतकालीन अवकाश की वजह से हुआ है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। सरकार से कांग्रेस के नारणभाई जे राठवा ने पूछा था कि क्या सुरक्षा संबंधी बढ़ती चिंता सहित अन्य वजहों से कई हिंदू और सिख श्रीनगर से अन्यत्र जा रहे हैं। अक्टूबर 2021 में, कश्मीर में रह रहे करीब 115 कश्मीरी पंडित परिवार जम्मू चले गए। इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। कर्मचारियों के हैं और इनमें से ज्यादातर लोग अधिकारियों की आवाजाही के तहत और शैक्षिक संस्थानों में शीतकालीन अवकाश की वजह से जम्मू गए हैं। जम्मू कश्मीर सरकार की एक वर्तमान योजना के तहत, आतंकवादी हिंसा संबंधी घटनाओं में मारे गए नागरिकों के परिजन को एक-एक लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

महिला ने तेंदुए के जबड़े से अपने बेटे को बचाया

● मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की सराहना

सीधी(मध्य प्रदेश)। मध्यप्रदेश के सीधी जिले के एक गांव की एक आदिवासी महिला ने एक तेंदुए से लड़ते हुए उसके पंजे से अपने आठ साल के बच्चे को छुड़ा लिया। एक वन अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को एक ट्वीट कर महिला के इस साहसिक कार्य की सराहना की।

गांव में घर के बाहर से अपने बेटे को तेंदुए द्वारा अचानक उठाकर ले जाने के बावजूद महिला ने अपना संयम नहीं खोया और अपने अन्य बच्चों को झोंपड़ी में बंद कर वह तेंदुए के पीछे जंगल की ओर दौड़ पड़ी। यह घटना रविवार की रात को सीधी जिले के संजय बाघ अभयारण्य के बफर जोन के बड़ी झरिया गांव में हुई। निदेशक वाई पी सिंह ने कहा कि बैगा जनजाति की महिला किरण अपने तीन बच्चों के साथ अपनी झोंपड़ी के बाहर आग तापने के लिए बैठी थी, तभी अचानक एक तेंदुआ उसके बगल में बैठे आठ साल के बेटे राहुल को जबड़े में पकड़ कर जंगल की ओर भाग निकला।

अचानक हुई इस घटना से महिला सदमे में तो थी लेकिन उसने साहस एवं समझदारी से काम लेते हुए करीब एक किलोमीटर तक जंगल में तेंदुए का पीछा किया। जंगल में तेंदुआ झाड़ियों में छिपकर बच्चे को अपने पंजों में जकड़े हुए था। किरण ने भी हार नहीं मानी और वह डंडे से तेंदुए को डराने की कोशिश करते हुए शोर मचाती रही। तेंदुआ शायद महिला के साहस से डर गया और बच्चे को वहीं छोड़ दिया। किरण ने तुरंत बेटे को गोद में लिया लेकिन तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। हालांकि बेटे को बचाते हुए किरण ने बड़े साहस के साथ तेंदुए पर काबू पा लिया। इस दौरान किरण की मदद की गुहार सुनकर अन्य ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए और तेंदुआ जंगल में भाग गया।

राजस्थान सरकार का लक्ष्य 2030 तक राज्य को एड्स मुक्त बनाना है : मीणा

भाषा। जयपुर

राजस्थान के चिकित्सा व स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने बुधवार को कहा कि समाज में जन जागरूकता लाकर ही एचआईवी-एड्स बीमारी के खिलाफ जंग को सशक्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सावधानी और सतर्कता के जरिए ही हम अपनी पीढ़ियों को सुरक्षित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा प्रशासन शहरों-गांवों के संग अभियान में मरीजों की जांच कर निशुल्क दवाएं दी जा रही हैं। सरकार का लक्ष्य 2030 तक प्रदेश को एड्स मुक्त बनाना है। मीणा, विश्व एड्स दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एड्स पीड़ित नियमित दवाओं के सेवन से सामान्य जीवन यापन कर सकते हैं। उन्होंने कहा, राज्य सरकार प्रदेशवासियों को चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के जरिए पांच लाख रुपए तक का बीमा दे रही है।

राज्य सरकार जरूरतमंद लोगों को निशुल्क दवाएं देकर और उनकी निशुल्क जांच कर मुख्यमंत्री के निरोगी राजस्थान के संकल्प को साकार कर रही है। उन्होंने जोखिम वाली बीमारियों के मरीजों को आगे आकर जांच करवाने का आह्वान किया। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जरूरतमंद और गरीब तबके के लोगों तक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की हरसंभव कोशिश कर रही है। विभाग द्वारा एचआईवीएड्स बीमारी से पीड़ित लोगों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है।

एड्स पीड़ितों के लिए कार्य कर रही संस्थाओं की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि संस्थाएं ऐसे लोगों को मुख्यधारा में लाने का अनुकरणीय कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर उन्होंने एड्स नियंत्रण के लिए बेहतरीन कार्य करने वाले अधिकारियों, कार्मिकों और रेड रिबन क्लब के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र देकर भी सम्मानित किया। एड्स कंट्रोल सोसायटी के निदेशक डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि विभाग द्वारा राज्य में व्यापक स्तर पर जन जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं।

गुहावटी में रेलवे ट्रैक को पार करते समय तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आए जंगली हाथी के शव को हटाते हुए अधिकारी।

सेंसेक्स 620 अंक उछला, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बैंक शेयरों में तेजी

भाषा। मुंबई

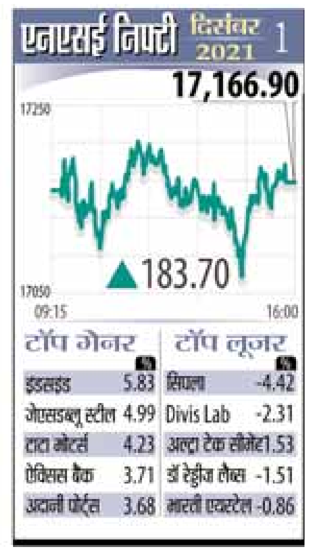

शेयर बाजारों में बुधवार को बीएसई सेंसेक्स जहां 620 अंक उछलकर बंद हुआ, वहीं एनएसई निफ्टी ने 17,100 के स्तर को फिर से प्राप्त कर लिया। कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन को लेकर चिंता के बावजूद वैश्विक बाजारों में सुधार के बीच निवेशकों ने हाल में गिरावट वाले बैंक, वित्त और ऊर्जा शेयरों की लिवाली की। कारोबारियों के अनुसार, डॉलर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर में सुधार तथा उत्साहजनक वृहत आर्थिक आंकड़ों से निवेशकों पर सकारात्मक असर पड़ा है।

तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 619.92 अंक यानी 1.09 प्रतिशत उछलकर 57,684.79 पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 183.70 अंक यानी 1.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,166.90 अंक पर बंद हुआ।सेंसेक्स के शेयरों में 5.73 प्रतिशत की तेजी के साथ सर्वाधिक लाभ में इंडसइंड बैंक रहा। इसके अलावा एक्सिस बैंक, एसबीआई, मारुति, टेक महिंद्रा और रिलायंस इंडस्ट्रीज में भी प्रमुख रूप से तेजी रही।दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में डॉ. रेड्डीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, सन फार्मा, भारती एयरटेल, टाइटन और कोटक बैंक शामिल हैं। इनमें 1.58 प्रतिशत तक की गिरावट आई।जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, वैश्विक बाजारों में मंगलवार को बिकवाली के बाद आज सुधार दिखा। इससे भारतीय बाजारों में भी तेजी रही। इसके अलावा जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के बेहतर आंकड़े का भी असर पड़ा। कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के प्रभाव के बाद आर्थिक गतिविधियों के पटरी पर लौटने के साथ देश की जीडीपी वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 8.4 प्रतिशत रही। उन्होंने कहा, हालांकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व प्रमुख के बांड खरीद कार्यक्रम में कमी किए जाने के साथ ओमीक्रोन को लेकर निवेशक चिंतित हैं, लेकिन इसके बावजदू वैश्विक शेयर बाजारों में आज अच्छा सुधार हुआ। इस बीच, बाजार की स्थिति में सुधार के साथ देश में विनिर्माण गतिविधियों में नवंबर में और मजबूती आई। फरवरी के बाद से उत्पादन और बिक्री में सबसे तेज वृद्धि देखी गई है। एक मासिक सर्वेक्षण में बुधवार को यह जानकारी दी गई।आईएचएस मार्केट इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) अक्टूबर में 55.9 से बढ़कर नवंबर में 57.6 हो गया। यह इस क्षेत्र की स्थिति में 10 महीनों में सबसे मजबूत सुधार का संकेत है। इसके अलावा जीएसटी (माल एवं सेवा कर) संग्रह नवंबर में 25 प्रतिशत बढ़कर 1.31 लाख करोड़ रुपए रहा। जीएसटी क्रियान्वयन के बाद यह दूसरी बार सर्वाधिक संग्रह है। यह व्यापार गतिविधियों में सुधार के साथ आर्थिक पुनरुद्धार और अनुपालन में वृद्धि को बताता है। रेलिगेयर ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजित मिश्रा ने कहा कि दुनिया भर के लिए ओमीक्रोन चिंता का विषय है। लेकिन इसके साथ अनुकूल घरेलू आंकड़ों से फिलहाल राहत मिल सकती है। लेकिन इससे बाजार को कोई दिशा मिलेगी, ऐसा नहीं है। ऐसे में यह बेहतर होगा कि सतर्क रुख अपनाया जाए और चीजें स्पष्ट होने तक इंतजार किया जाए। एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की लाभ में रहे।यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी दोपहर कारोबार में तेजी का रुख रहा। उधर, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 3.96 प्रतिशत की बढ़त के साथ 71.97 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर 22 पैसे की तेजी के साथ 74.91 पर पहुंच गई। शेयर बाजार के आंकड़े के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं और उन्होंने मंगलवार को 5,445.25 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे।

इन्फिनिटी मंच से हितधारक अलग तरीके से सोचने के लिए प्रेरित होंगे: पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि इन्फिनिटी मंच हितधारकों को पारंपरिक मानसिकता से परे सोचने और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, हरित प्रौद्योगिकी, कृषि प्रौद्योगिकी, क्वांटम कंप्यूटिंग और अन्य से जुड़े नए रुझानों पर चर्चा करने के लिए प्रेरित करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) पर थॉट लीडरशिप फोरम इन्फिनिटी मंच का उद्घाटन करेंगे। मोदी ने ट्विटर पर लिखा, इन्फिनिटी मंच का एक दिलचस्प विषय है- बियॉन्ड ... शुक्रवार, 3 दिसंबर को सुबह 10 बजे इन्फिनिटी मंच के शुभारंभ के अवसर पर एक बहुत ही दिलचस्प कार्यक्रम का आयोजन होगा। यह एक विचारशील नेतृत्व मंच है जो वित्त प्रौद्योगिकी संबंधित पहलुओं और समावेशी विकास के लिए इसके इस्तेमाल पर केंद्रित है। मोदी ने युवाओं, विशेष रूप से स्टार्ट-अप, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार की दुनिया से जुड़े युवा लोगों से इन्फिनिटी मंच के बारे में अधिक जानने और कार्यक्रम में हिस्सा लेने की अपील की।

क्विक न्यूज

विवेक जौहरी ने सीबीआईसी के चेयरमैन का पदभार संभाला

नई दिल्ली। वरिष्ठ नौकरशाह विवेक जौहरी ने बुधवार को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन का पदभार संभाल लिया।1985 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) के अधिकारी जौहरी सीबीआईसी के सदस्य रहे हैं। उन्होंने एम अजीत कुमार का स्थान लिया है, जिनका कार्यकाल 30 नवंबर को पूरा हो गया। सीबीआईसी ने ट्विटर पर लिखा, आईआरएस (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष बोर्ड, 1985) विवेक जौहरी आज, एक दिसंबर, 2021 से केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन के रूप में कार्यभार संभाल रहे है।

उत्पादन, बिक्री में वृद्धि के कारण नवंबर में भारत के विनिर्माण क्षेत्र को मजबूती मिली: पीएमआई

नई दिल्ली। बाजार की स्थिति में सुधार के कारण भारत के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में नवंबर में और मजबूती आई। फरवरी के बाद से उत्पादन और बिक्री में सबसे तेज वृद्धि देखी गई है। एक मासिक सर्वेक्षण में बुधवार को यह जानकारी दी गई। आईएचएस मार्केट इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) अक्टूबर में 55.9 से बढ़कर नवंबर में 57.6 हो गया, जो इस क्षेत्र की स्थिति में 10 महीनों में सबसे मजबूत सुधार का संकेत है। नवंबर के आंकड़ों ने लगातार तीन महीनों की खराब स्थिति के बाद भर्ती की गतिविधि में सुधार के संभावित संकेतों की ओर इशारा किया। अक्टूबर महीने के पीएमआई आंकड़े ने लगातार पांचवे महीने समग्र परिचालन स्थितियों में सुधार की ओर इशारा किया था।

बंगाल को ग्रामीण बिजली वितरण नेटवर्क को उन्नत करने के लिए विश्व बैंक से मिलेगा 13.5 करोड़ डॉलर का ऋण

कोलकाता। अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (आईबीआरडी) ने पश्चिम बंगाल के चुनिंदा इलाकों में बिजली आपूर्ति की परिचालन क्षमता और विश्वसनीयता में सुधार के लिए 13.5 करोड़ डॉलर के ऋण को मंजूरी दी है। आईबीआरडी और इसकी रियायती ऋण देने वाली शाखा, अंतरराष्ट्रीय विकास संघ को सामूहिक रूप से विश्व बैंक कहा जाता है। वेरिएबल स्प्रेड ऋण या फ्लोटिंग ब्याज ऋण की मैच्योरिटी 17 साल की होगी, जिसमें सात साल की छूट अवधि भी शामिल है और इसका उद्देश्य वितरण नेटवर्क को मजबूत करना, स्मार्ट-ग्रिड प्रौद्योगिकियों में निवेश करना और राज्य बिजली कंपनियों की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है।

चालू वित्त वर्ष में जीडीपी में 9.5 फीसद से ज्यादा की वृद्धि हो सकती है: रिपोर्ट

मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक की शोध रिपोर्ट ईकोरैप के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 9.5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने की संभावना है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था 8.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में यह 20.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी। अक्टूबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में, भारतीय रिजर्व बैंक ने 2021-22 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि के अपने अनुमान को 9.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा था, जिसमें दूसरी तिमाही में 7.9 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 6.8 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 6.1 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान शामिल था। शोध रिपोर्ट में कहा गया, हमारा मानना है कि वास्तविक जीडीपी वृद्धि अब रिजर्व बैंक के 9.5 प्रतिशत के अनुमान से ज्यादा होगी और ऐसा तीसरी और चौथी तिमाही के लिए रिजर्व बैंक का अनुमान बिल्कुल सही मानते हुए है।इसमें कहा गया कि वास्तविक जीडीपी वृद्धि 10 प्रतिशत के करीब हो सकती है।

उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर ओमीक्रोन का प्रभाव प्रतिबंधों, नीतिगत समर्थन पर निर्भर: मूडीज

नई दिल्ली। उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर कोविड-19 के ओमीक्रोन स्वरूप का आर्थिक प्रभाव सरकारी प्रतिबंधों, सामाजिक मेलजोल के साथ सरकारें और केंद्रीय बैंकों द्वारा निजी क्षेत्र को अतिरिक्त नीतिगत समर्थन प्रदान करने की क्षमता पर निर्भर करेगा। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने बुधवार को यह राय जताई। कोरोना वायरस के नए स्वरूप का उभार वैश्विक आर्थिक वृद्धि और मुद्रास्फीति के लिए नए जोखिम पैदा करता है। स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बढ़ गई है और कई देशों ने हाल के दिनों में नए यात्रा प्रतिबंध लगाए है। जब तक कि वैज्ञानिक कोरोना वायरस के इस स्वरूप के बारे में अधिक चीजों पता नही लगा लेते, ए अंकुश आने वाले सप्ताहों में और सख्त होंगे। वैश्विक टीकाकरण प्रयासों में निरंतर प्रगति और मास्क तथा सामाजिक दूरी जैसे उपायों के साथ सार्वजनिक अनुपालन से नए स्वरूप के प्रतिकूल आर्थिक प्रभाव को कम किया जा सकता है। मूडीज ने कहा, प्रभावी टीकों और बेहतर वितरण प्रणाली वाले ऐसे देश अधिक बेहतर स्थिति में रहेंगे जहां लोगों के बीच टीके की स्वीकार्यता का स्तर ऊंचा है।

टाटा पावर सोलर को 945 करोड़ रुपए की परियोजना के लिए मिला स्वीकृति पत्र

नई दिल्ली। टाटा पावर सोलर को सार्वजनिक क्षेत्र की सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि. (सेकी) से सौर ऊर्जा और बैटरी भंडारण परियोजना के लिए 945 करोड़ रुपए का स्वीकृति पत्र मिला है। सेकी की परियोजना के तहत टाटा पावर की पूर्ण अनुषंगी टाटा पावर सोलर सिस्ट्मस लि. 100 मेगावॉट क्षमता की ईपीसी (इंजीनियरिंग खरीद निर्माण) सौर परियोजना लगाएगी। इसके साथ 120 मेगावॉट घंटा (एमडब्ल्यूएच) क्षमता का बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली भी स्थापित करेगी। बयान के अनुसार, यह अनुबंध 945 करोड़ रुपए का है। परियोजना का क्रियान्वयन 18 महीने में किया जाएगा।ए परियोजनाएं सेकी की छत्तीसगढ़ में स्थित परियोजना स्थलों पर लगाई जाएंगी। कंपनी के अनुसार, इसके साथ टाटा पावर सोलर की ग्रिड से जोड़ा जाने वाला ईपीसी ऑर्डर अब 4,400 मेगावॉट क्षमता का हो गया है। इसका अनुमानित मूल्य 9,000 करोड़ रुपए के करीब है।

ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण का आंकड़ा 10 करोड़ के पार

नई दिल्ली। ई-श्रम पोर्टल पर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के पंजीकरण का आंकड़ा 10 करोड़ को पार कर गया है। ई-श्रम पोर्टल सरकार की असंगठित कार्यबल का राष्ट्रीय डाटाबेस बनाने की एक पहल है। श्रम मंत्रालय ने बयान में कहा कि 30 नवंबर को ई-श्रम पोर्टल पर 12.18 लाख पंजीकरण हुए। उत्तर प्रदेश (2.61 लाख), पश्चिम बंगाल (1.08 लाख) और बिहार (1.02) राज्यों में एक लाख से अधिक पंजीकरण हुए। सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्रदान करने के लिए असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का ब्योरा जुटाने के लिए ई-श्रम पोर्टल इस साल अगस्त में शुरू हुआ था।

गूगल ने अक्टूबर में भारत में 48,594 सामग्रियां अपने मंच से हटाईं: अनुपालन रिपोर्ट

भाषा। नई दिल्ली

गूगल को अक्टूबर में उपयोगकर्ताओं से 24,569 शिकायतें मिलीं और कंपनी ने इसके आधार पर 48,594 सामग्रियों को अपने मंच से हटाया। प्रौद्योगिकी कंपनी ने अपनी मासिक पारदर्शिता रिपोर्ट में यह जानकारी दी। उपयोगकर्ताओं से मिली शिकायतों पर कार्वाई करने के अलावा गूगल ने स्वचालित व्यवस्था के तहत नीतियों के अनुरूप नहीं पाई गई 3,84,509 सामग्रियों को हटाया।

गूगल को सितंबर महीने में उपयोगकर्ताओं से 29,842 शिकायतें मिली थीं और कंपनी ने इसके आधार पर 76,967 सामग्रियों को अपने मंच से हटाया। इसके अलावा स्वचालित व्यवस्था के तहत 3,84,509 सामग्रियों को हटाया।अमेरिकी कंपनी ने मई में प्रभाव में आए भारत के सूचना प्रौद्योगिकी नियम के अनुपालन के तहत यह खुलासा किया है।गूगल ने अपनी नई रिपोर्ट में कहा कि उसे भारत में रह रहे व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं से 24,569 शिकायतें मिलीं। कंपनी ने इसके आधार पर 48,594 सामग्रियों को अपने मंच से हटाया।

रिपोर्ट के अनुसार, ए शिकायतें तृतीय-पक्ष सामग्री से संबंधित हैं। इसके बारे में माना जाता है कि इस प्रकार की सामग्रियां गूगल के महत्वपूर्ण सोशल मीडिया मध्यस्थ मंच पर स्थानीय कानूनों या व्यक्तिगत अधिकारों का उल्लंघन करती हैं।गूगल के अनुसार, कुछ शिकायतें बौद्धिक संपदा अधिकारों के उल्लंघन से जुड़ी थीं जबकि कुछ में मानहानि जैसे आधार पर सामग्री के प्रकारों को प्रतिबंधित करने वाले स्थानीय कानूनों के उल्लंघन का दावा किया गया था।कंपनी के अनुसार, जब उसे अपने मंच पर सामग्री के संबंध में शिकायतें प्राप्त होती हैं, तो वह उनका सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करती है। उसके बाद कार्वाई करती है। रिपोर्ट के अनुसार जो सामग्रियां मंच से हटाई गईं, वे कॉपीराइट (48,078), ट्रेडमार्क (313), ग्राफिक यौन सामग्री (7) आदि श्रेणी से जुड़ी थीं।

श्रीनगर में चमकीला बर्तन के कारोबार को बचाने के लिए प्रयासरत है स्नातक छात्र

भाषा। श्रीनगर

श्रीनगर के 26 वर्षीय वाणिज्य स्नातक छात्र का उद्देश्य कश्मीर में मिट्टी के चमकीले बर्तन की मृत हो रही दशकों पुरानी कला को फिर से जीवित करना है। वह करीब 80 वर्ष के बुजुर्ग से इस कला को सीख रहे हैं और उनका दावा है कि इस कला को जानने वाले यह बुजुर्ग ही एकमात्र जीवित व्यक्ति हैं। यहां के नीशात के ईशबेर इलाके के निवासी मोहम्मद उमर कुमार ने अब अपने परिवार को इस कला में संलग्न किया है और वह कुछ युवकों को यह कौशल सीखाते भी हैं ताकि इसे विलुप्त होने से बचाया जा सके। मिट्टी का चमकीला बर्तन डल गेट पॉटरी के नाम से भी मशहूर है। यह कला यहां काफी मशहूर थी और अन्य कश्मीरी कलाओं की तरह यह धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है क्योंकि घाटी की नई पीढ़ी अपने हाथ गंदा नहीं करना चाहती। कुमार का परिवार मिट्टी के बर्तन बनाने का काम वर्षों से कर रहा है लेकिन उन्होंने चमकीले बर्तन की कला को जीवित करने का काम अपने हाथों में लिया है। कुमार ने यहां कहा, हम मिट्टी के बर्तन बनाने का काम करते हैं लेकिन इसे जीवित करने के लिए हमने यह कला अपनाई। यह कला 70 वर्ष पुरानी है लेकिन कश्मीर में यह लगभग समाप्त हो चुकी है। उन्होंने कहा, केवल एक व्यक्ति यह कला जानता है। वह 80 वर्षीय बुजुर्ग हैं जो खानयार इलाके में रहते हैं। मैंने सोचा कि उनके बाद यह कला मर जाएगी। लेकिन मैं ऐसा नहीं होने दूंगा। मेरे परिवार के सभी सदस्य मेरा सहयोग कर रहे हैं। मैंने उनसे कहा है कि अगर हमें नुकसान भी होता है तो हम कला को नहीं मरने देंगे।

मध्यस्थता पर ओएनजीसी के रुख से शीर्ष अदालत नाराज, अटॉर्नी जनरल से मामला सुलझाने को कहा

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को एक वाणिज्यिक विवाद के समाधान के लिए नियुक्त मध्यस्थों का सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) द्वारा अपमान करने को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। पीठ ने कहा कि कंपनी ने मध्यस्थों द्वारा निर्धारित शुल्क का भुगतान नहीं कर उनका अपमान किया और मामले का हल करने के लिए अटॉर्नी जनरल की मदद मांगी। शीर्ष अदालत ने चार जनवरी को कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जय नारायण पटेल, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश शिवाक्स जल वजीफदार को मेसर्स श्लामबर्जर एशिया सर्विसेज लिमिटेड और ओएनजीसी के बीच विवाद पर फैसले के लिए मध्यस्थ नियुक्त किया था।

न्यायमूर्ति वजीफदार द्वारा खुद को इस मामले से अलग करने के बाद बंबई उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एस सी धर्माधिकारी को मध्यस्थ नियुक्त किया गया था। शीर्ष अदालत ने आदेश दिया था कि शुल्क मध्यस्थों द्वारा तय किया जाएगा और सभी पक्षों को इसे समान रूप से वहन करना होगा। तीन न्यायधीशों की पीठ की अगुवाई कर रहे मुख्य न्यायाधीश एन वी रमण ने कहा, आप अपने आप को क्या समझते हैं? यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आप हमारे आदेश के अनुसार पूर्व न्यायाधीशों द्वारा तय की गई फीस का भुगतान नहीं करके उनका अपमान कर रहे हैं। आपमें बहुत अहंकार है। क्या आप जजों के साथ ऐसा व्यवहार करते हैं? मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हम इस ओएनजीसी को देख रहे हैं।

घरों में रखे सोने का अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए इस्तेमाल करने को गोल्ड बैंक की जरूरत: आर. गांधी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर आर गांधी ने देश में स्वर्ण बैंक (गोल्ड बैंक) की स्थापना का सुझाव दिया है। गांधी ने कहा है कि लोगों के पास घरों में भारी मात्रा में सोना पड़ा है जिसका कोई इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है। गोल्ड बैंक की अवधारणा से इस सोने के मौद्रिकरण में मदद मिलेगी। गांधी ने बुधवार को डिजिटल कर्ज देने वाली वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी रुपीक के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यदि देश को अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए सोने का सफलतापूर्वक मौद्रिकरण करना है, तो उसे आभूषणों के रूप में घरों में सोना रखने की मानसिकता को बदलने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, एक अनुमान के अनुसार, भारत में घरों और धार्मिक संस्थानों के पास लगभग 23,000-24,000 टन सोना है, लेकिन लोगों की मानसिकता को बदलना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, यह एक स्वर्ण बैंक की अवधारणा को पुनर्जीवित करने का समय हो सकता है। एक ऐसा बैंक जो स्वर्ण जमा स्वीकार करेगा, जो विशेष रूप से या मुख्य रूप से स्वर्ण ऋण प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं को लगातार उच्च वृद्धि के लिए बहुत अधिक पूंजी की आवश्यकता होती है।

एलआईसी ने पॉलिसीधारकों से आईपीओ में भाग लेने के लिए पैन अपडेट करने को कहा

भाषा। नई दिल्ली

जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अपने पॉलिसीधारकों से कहा है कि वे उसके प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में भागीदारी के लिए अपनी स्थाई खाता संख्या (पैन) को अपडेट करें। प्रस्तावित योजना के अनुसार, एलआईसी के आईपीओ का 10 प्रतिशत तक पॉलिसीधारकों के लिए आरक्षित होगा। एलआईसी ने एक बयान में कहा, ऐसी किसी भी सार्वजनिक निर्गम में भाग लेने के लिए पॉलिसीधारकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका पैन विवरण कंपनी के रिकॉर्ड में अपडेट रहे।

पेज एक का शेष

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों...

ने कहा कि वह वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को फिर से शुरू करने पर अंतिम निर्णय लेगा। इन यूरोपीय देशों और दक्षिण अफ्रीकी देशों से आने वाले सभी यात्रियों का अनिवार्य रूप से परीक्षण करने के निर्णय ने यात्रा के समय को लंबा और महंगा बना दिया है। यात्रियों का कहना है कि एक बार यात्री किसी भी एयरपोर्ट पर पहुंच जाए तो उसे आरटी-पीसीआर टेस्ट देना होगा। जांच का परिणाम मालूम होने में लगभग छह घंटे लगते हैं। इस प्रकार यात्रा का समय नौ घंटे से बढ़कर 15 घंटे हो गई है। एक बार जब यात्री विमान से उतर जाते हैं, तो उन्हें परीक्षण करवाना होगा और परिणाम आने तक वेटिंग एरिया में इंतजार करना होगा।

जोखिम वाले...

को भारत आगमन पर अतिरिक्त उपायों का पालन करने की जरूरत है, जिसमें आगमन के बाद आरटी-पीसीआर पद्धति से जांच कराना भी शामिल है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को देश आने वाले अंतराष्ट्रीय यात्रियों के लिए दिशानिर्देशों को और संशोधित किया, जिसमें कहा गया है कि जो मुल्क जोखिम वाले देशों की सूची में शामिल नहीं हैं वहां आने वाले कुल यात्रियों में से दो प्रतिशत की हवाई अड्डे पर कोविड-19 की जांच औचक आधार पर की जाएगी। संबंधित विमानन कंपनी को प्रत्एक उड़ान से आने वाले उन दो फीसदी लोगों की पहचान करनी होगी, जिनका परीक्षण किया जाना चाहिए और बेहतर हो कि वे अलग अलग देशों से हों।

निलंबित परीक्षा...

2021 के प्रश्न पत्र मुद्रण करने वाली कम्पनी आरएसएम फिनसर्व लिमिटेड बदरपुर नई दिल्ली की पेपर आउट होने के प्रकरण में संलिप्तता पाये जाने पर इस कम्पनी के डायरेक्टर राय अनूप प्रसाद को बीते मंगलवार को जेल भेजा गया था। राय अनूप प्रसाद डायरेक्ट आरएसएम फिनसर्व लिमिटेड डायरेक्टर राय अनूप प्रसाद से पूछताछ एवं मिलें साक्ष्यों के आधार पर एसटीएफ नोएडा टीम एवं कमिश्नरेट नोएडा की थाना सूरजपुर पुलिस की संयुक्त टीम के द्वारा अभियोग में नामित अभियुक्त तत्कालीन सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी प्रयागराज संजय उपाध्याय को बुधवार को पूछताछ के लिए एसटीएफ मुख्यालय बुलवाया गया। तदोपरान्त एसटीएफ प्रयागराज, एसटीएफ नोएडा तथा थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनगर पुलिस की संयुक्त पूछताछ के उपरान्त संलिप्तता पाये जाने पर अभियुक्त संजय उपाध्याय को हिरासत में लिया गया और उनसे विस्तृत पूछताछ के बाद पेपर आउट करने एवं परीक्षा को सूचितापूर्वक सफल न करा पाने में संलिप्तता पाते हुए गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त संजय उपाध्याय ने पूछताछ पर बताया कि वह वर्ष 1995 बैच के पीसीएस अधिकारी हैं तथा सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी प्रयागराज के पद पर नियुक्त थे। पूछताछ में यह तथ्य प्रकाश में आया कि आरएसएम फिनसर्व लिमिटेड को संजय उपाध्याय द्वारा उत्तर प्रदेश सहायक शिक्षक पात्रता परीक्षा 2021 के प्रश्न पुस्तिका मुद्रण का वर्क आर्डर 26.10.2021 को दिया गया था । यह तथ्य प्रकाश में आया कि संजय उपाध्याय द्वारा जिस आरएसएम फिनसर्व लिमिटेड कम्पनी को प्रश्नपत्र मुद्रण का वर्क ऑडर दिया गया उस कम्पनी के पास सिक्योरिटी प्रिंटिंग प्रेस की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं थी। जिस कारण इस कम्पनी द्वारा चार अलग अलग कम्पनियों से सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए प्रश्न पत्रों के मुद्रण का कार्य कराया गया तथा मुद्रण के दौरान आरएसएम फिनसर्व लिमिटेड द्वारा विभिन्न स्तरों पर गड़बड़ी की गई जिसके कारण प्रश्न पत्र आउट हो गया और परीक्षा को रद्द करना पड़ा।

अलीगढ़ से...

था तथा उनके द्वारा दिये गये 5 लाख रुपए निर्दोष व विष्णु द्वारा भेजे गये 2 आदमी अपने साथ ले गये थे तथा निर्दोष व विष्णु ने मुझसे कहा था कि टीईटी के पेपर की एक फोटो हम आपको व्हाट्सएप पर परीक्षा शुरू होने से कुछ घंण्टे पहले भेज देंगे और यह हिदायत दी थी कि आप 4-5 लड़कों से ज्यादा यह पेपर नहीं दोगे। 28.11.2021 को निर्दोष ने मुझे टीईटी का पेपर व्हाट्सएप पर भेजा था जो मैंने 4-5 लड़कों को 2-2 लाख रुपए में बेच दिया था।

दो दिन...

हैं तो सदन कार्य नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ सदस्य बोल रहे हैं और आप उनके सामने तख्तियां लहरा रहे हैं। आप सदन में क्या मर्यादा बनाना चाहते हैं। जब टीआरएस के सदस्य हंगामा कर रहे थे तो कांग्रेस ने इस हंगामे से खुद का अलग कर लिया और कहा कि वह सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेना चाहती है। लोकसभा को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया और यह दोपहर 2.35 बजे तक स्थगित होने से पहले एक घंटे 35 मिनट तक चली जब केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी (विनियमन) विधेयक, 2020 को चर्चा के लिए पेश किया। सदन की कार्यवाही पिछले दो दिनों से बाधित हो रही थी। इस दौरान कोई काम नहीं हो सका और बार-बार व्यवधान के कारण इसे पूरे दिन के लिए स्थगित करना पड़ा। शून्यकाल के दौरान कांग्रेस सदस्य मनीष तिवारी और अमर सिंह ने किसान आंदोलन के दौरान 700 शहीद किसानों के परिवारों को पांच-पांच करोड़ रुपये का मुआवजा देने और एमएसपी पर किसानों की मांग को स्वीकार करने की मांग उठाई। आरएलपी सदस्य हनुमान बेनीवाल ने भी एमएसपी कानून, मुआवजा और किसानों के खिलाफ मामले वापस लेने की मांग की।

रास में...

निलंबन वापस लिए जाने की मांग कर रहे थे। इन 12 सदस्यों को पिछले मॉनसून सत्र के दौरान अशोभनीय आचरण करने की वजह से, वर्तमान सत्र की शेष अवधि के लिए राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया है। सुबह 11 बजे उच्च सदन की बैठक शुरू होने के बाद सभापति एम वेंकैया नायडू ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। इसके बाद उन्होंने जैसे ही शून्यकाल शुरू कराया, विपक्षी सदस्यों ने 12 सांसदों का निलंबन वापस लेने की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिया और अपने स्थानों से आगे आ गए।

ममता ने...

पर मिलने के बाद मीडियाकर्मियों के साथ संयुक्त रूप से बातचीत करते हुए बनर्जी ने देश के राजनीतिक स्पेक्ट्रम में यूपीए की उपस्थिति को नकारते हुए कहा कि क्या यूपीए है? अभी यूपीए नहीं है। उन्होंने संकेत दिया कि वह प्रस्तावित विपक्षी मोर्चे में कांग्रेस के साथ या उसके बिना आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। हाल ही में गोवा में आक्रामक मुद्रा में नजर आईं और मेघालय में 17 कांग्रेस विधायकों में से 12 को अपने पाले में करने के बाद ममता बनर्जी ने परोक्ष रूप से सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली पार्टी पर केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा से लड़ने की इच्छाशक्ति की कमी होने का आरोप लगाया। प्रस्तावित विपक्षी मोर्चे में कांग्रेस की भूमिका को कमजोर करने के लिए राकांपा प्रमुख शरद पवार को महत्व दे रहीं ममता ने कांग्रेस पर परोक्ष रूप से हमला बोलते हुए कहा कि जैसा कि शरदजी ने कहा था, भाजपा से लड़ने के लिए एक मजबूत विकल्प होना चाहिए। यदि कोई लड़ना नहीं चाहता, तो हम क्या कर सकते हैं? उन्हें कम से कम मोर्चे के भीतर रहकर लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या शरद पवार सबसे वरिष्ठ नेता होने के नाते यूपीए के अध्यक्ष होने चाहिए, बनर्जी ने कहा कि क्या यूपीए है? अभी यूपीए नहीं है।

पुलवामा में...

44 राष्ट्रीय राइफल्स के बहु-वाहन गश्ती दल पर आईईडी विस्फोट के पीछे बी श्रेणी के ईनामी आतंकवादी पें का हाथ था। इस घटना में दो जवान शहीद हो गए थे और 17 घायल हो गए थे। साल 2019 में घटना के बाद भावुक हुए कर्नल सिंह ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा था, तुम (आतंकवादी) चाहे कहीं भी छिप जाओ, हम तुम्हें ढूंढ लेंगे, तुम्हारा खात्मा कर देंगे... क्योंकि हम कभी नहीं भूलते, कभी माफ नहीं करते। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को पूरे अभियान की निगरानी करते हुए कर्नल सिंह ने पें के पिता को उसके आत्मसमर्पण के लिए बुलाया, लेकिन फुरकान नामक विदेशी आतंकवादी ने भारी गोलीबारी की, जिसके चलते बात नहीं बन सकी। पर्रे ने दक्षिण कश्मीर में जैश आतंकी समूह के विभिन्न समूहों का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और 2018 के अंत में उसके शामिल होने के बाद यह प्रतिबंधित आतंकवादी समूह पैर पसारने लगा। अधिकारियों ने कहा कि बुधवार सुबह 8 बजकर 45 मिनट पर अभियान खत्म होने के बाद इलाके से दो एके सीरीज राइफल, 12 ग्रेनेड सहित दो यूजीबीएल, कई एके मैग्जीन और कारतूस बरामद हुए। श्रीनगर में सेना के प्रवक्ता के अनुसार, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने फुरकान उर्फ अली भाई को ए प्लस श्रेणी का क्रूर पाकिस्तानी आतंकवादी बताया है। माना जाता है कि वह जो जून, 2020 से जैश-ए-मोहम्मद में सक्रिय था। उसे युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और हथियार उठाकर निर्दोष स्थानीय लोगों व प्रमुख व्यापारियों पर अत्याचार करने के प्रति उकसाने के लिए कश्मीर भेजा गया था। माना जाता है कि पें विभिन्न पाकिस्तानी आंतकवादियों से जुड़ा था और वह उन्हें कश्मीर लाने के लिए मार्गदर्शक के रूप में जाना जाता था। प्रवक्ता ने कहा कि पें को पाकिस्तानी आतंकवादी अबू सैफुल्ला उर्फ लंबू का एक सहयोगी माना जाता था, जिसने फरवरी 2019 में पुलवामा में सीआरपीएफ काफिले पर हमले की योजना बनाई थी। उस हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे।

शिरोमणि अकाली...

विधेयक पारित किया जिसे प्रदर्शनकारी किसानों को शांत करने के भाजपा के प्रयास के रूप में देखा गया है। प्रदर्शनकारियों में से बड़ी संख्या में पंजाब के सिख हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद सिरसा ने मीडिया से कहा, मैंने हमेशा सिखों से जुड़े मुद्दों के लिए आवाज उठाई है। मैंने देश भर में सिखों से संबंधित मुद्दों के संबंध में गृह मंत्री अमित शाह जी के साथ बातचीत की। मुझे खुशी है कि न केवल उन्होंने मुझसे बात की बल्कि कहा कि वह इन मुद्दों को सुलझाना चाहते हैं और उन्हें प्रधानमंत्री के समक्ष भी उठाएंगे। प्रधान ने कहा कि सिरसा के शामिल होने से भाजपा मजबूत होगी। मंत्री ने कहा कि सिरसा ने भाजपा में शामिल होने से पहले डीएसजीएमसी में अपना पद छोड़ दिया था। भाजपा में शामिल होने से पहले सिरसा ने एक ट्वीट में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) अध्यक्ष पद से इस्तीफे की घोषणा की। सिरसा को शिअद प्रमुख सुखबीर बादल का करीबी सहयोगी माना जाता था और जब सिख धर्म से जुड़े मुद्दों की बात आती है तो वह पार्टी के सबसे अधिक दिखाई देने वाले चेहरों में से एक थे। सिरसा राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं पर प्रदर्शनकारी किसानों के लिए रसद की व्यवस्था करने में सबसे आगे रहे हैं।

बेल्जियम को हराकर भारत अंतिम चार में

जूनियर हॉकी विश्व कप

●सेमीफाइनल में जर्मनी से होगी भिड़ंत

भाषा। भुवनेश्वर

मौजूदा चैंपियन भारत ने यूरोप की शीर्ष टीम बेल्जियम का 1–0 से हराकर बुधवार को यहां एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश करके खिताब बचाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। लखनऊ में 2016 में पिछले टूर्नामेंट में बेल्जियम को 2–1 से हराकर खिताब जीतने वाले भारत ने जूनियर हॉकी में यूरोपीय टीम पर अपना दबदबा बरकरार रखा।

श्रद्घानंद तिवारी ने 21वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला जो भारत के लिए अंतिम चार में पहुंचने के लिए पर्याप्त था। यह मैच दोनों टीमों के रक्षात्मक कौशल का शानदार उदाहरण रहा और भारत एक गोल दागने से आगे बढ़ने में सफल रहा। भारत शुक्रवार को सेमीफाइनल में पिछली बार के कांस्य पदक विजेता जर्मनी से भिड़ेगा। छह बार के चैंपियन जर्मनी ने शूटआउट में स्पेन को 3–1 से हराया। दोनों टीमें नियमित समय तक 2–2 से बराबरी पर थी। बेल्जियम ने आक्रामक शुरुआत करके भारत पर दबाव बनाया लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने किसी तरह की हड़बड़ी नहीं दिखाई और सहजता से हमलों को नाकाम किया।

बेल्जियम को गोल करने का पहला मौका 13वें मिनट में मिला लेकिन भारतीय गोलकीपर प्रसांत चौहान ने थीबियु स्टॉकब्रोक्स का करीब से जमाया गया शॉट रोक दिया भारत को गोल करने का पहला मौका पहले क्वार्टर के अंतिम क्षणों में मिला लेकिन उत्तम सिंह का प्रयास बेल्जियम के गोलकीपर बोरिस फेल्डीम ने विफल कर दिया।

भारत ने दूसरे क्वार्टर में आत्मविश्वास भरा खेल दिखाया और 21वें मिनट में अपना पहला पेनल्टी कार्नर हासिल किया जिसे तिवारी ने कुशलता से गोल में बदला।

बेल्जियम को 26वें मिनट में पेनल्टी कार्नर मिला लेकिन जेफ डि विंटर का फ्लिक बाहर चला गया। भारत मध्यांतर तक 1–0 से आगे था।

गोल करने के बाद जश्न मनाती भारतीय टीम

बेल्जियम ने तीसरे क्वार्टर में आक्रामक रवैया अपनाया लेकिन वे भारत की रक्षापंक्ति में सेंध नहीं लगा पाए। इस बीच किसी भी टीम को कोई स्पष्ट मौका नहीं मिला।

बेल्जियम ने चौथे क्वार्टर में अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। खेल के 50वें मिनट में भारत के दूसरे गोलकीपर पवन ने डाइव लगाकर शानदार बचाव करके रोमन डुवेकोट के प्रयास को नाकाम किया। बेल्जियम को 52वें मिनट में पेनल्टी कार्नर मिला लेकिन भारतीय रक्षकों ने उसे इसका फायदा नहीं उठाने दिया।

बेल्जियम ने खेल समाप्त होने से तीन मिनट पहले अपने गोलकीपर को हटाकर अतिरिक्त खिलाड़ी उतारा लेकिन इससे भी उसे कोई फायदा नहीं मिला। उसे खेल समाप्त होने से दो मिनट पहले पेनल्टी कार्नर मिला लेकिन भारतीयों ने उसे भी नाकाम कर दिया।

जर्मनी, अर्जेंटीना और फ्रांस भी सेमीफाइनल में पहुंचे

भाषा। भुवनेश्वर

छह बार के चैंपियन जर्मनी के अलावा अर्जेंटीना और फ्रांस ने बुधवार को यहां अपने अपने मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दिन के पहले क्वार्टर फाइनल में जर्मनी ने स्पेन को शूटआउट में 3–1 से हराया। दोनों टीम निर्धारित समय तक 2–2 से बराबरी पर थी। इसके बाद अर्जेंटीना ने नीदरलैंड को 2–1 से पराजित किया। फ्रांस ने अपना चमत्कारिक प्रदर्शन जारी रखा और तीसरे क्वार्टर फाइनल में मलेशिया को 4–0 से हराया।

जर्मनी ने पांचवें मिनट में क्रिस्टोफर कुटेर के पेनल्टी स्ट्रोक पर किए गए गोल की मदद से बढत बना ली। इसके छह मिनट बाद ही हालांकि स्पेन के इग्नासियो अबाजो ने पेनल्टी कॉर्नर पर बराबरी का गोल किया। अगले दो क्वार्टर में कोई गोल नहीं हो सका। स्पेन ने 59वें मिनट में एडुअर्ड डे इग्नासियो सिमो के गोल की मदद से बढत बना ली।

आखिरी सीटी बजने पर जर्मनी को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर मासी फांट ने गोल करके मैच को शूटआउट में खींच दिया। शूटआउट में जर्मनी के लिए पॉल स्मिथ, माइकल स्ट्रथोफ और हानेस म्यूलेर ने गोल दागे जबकि मातेओ पोजारिच चूक गए। वहीं स्पेन के अगाजो, गुइलेरमो फोर्चूनो और सिमो गोल चूक गए जबकि गेरार्ड क्लापेस ने गोल किया।

सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद खुशी मनाती जर्मन टीम

नीदरलैंड के मिलेस बकेन्स ने अगले मिनट में ही पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर मध्यांतर तक स्कोर 1–1 से बराबरी पर रखा। नीदरलैंड ने दूसरे हाफ में अच्छी शुरुआत की और लगातार चार पेनल्टी कार्नर हासिल किए लेकिन अर्जेंटीना का रक्षण बेहद मजबूत था और उसने खतरे आसानी से टाल दिए।

लेकिन नीदरलैंड के तमाम प्रयास तब बेकार साबित हुए जब 59वें मिनट में आत्मघाती गोल करने के कारण उसे हार का सामना करना पड़ा। शेल्डन स्कोटेन ने तब फ्लोरिस मेडनडोर्प का क्रास रोकने के बजाय गोल में भेज दिया था। फ्रांस और मलेशिया के बीच मैच एकतरफा साबित हुआ। यूरोपीय टीम ने अपने सभी गोल पेनल्टी कार्नर पर किए। इनमें से कप्तान टिमोथी क्लेमेंट (14वें, 24वें और 60वें मिनट) ने तीन गोल करके हैट्रिक बनाई जबकि मैथियास क्लेमेंट (31वें मिनट) ने अन्य गोल किया।

विराट कोहली की वनडे कप्तानी पर फैसला अगले कुछ दिनों में

भाषा। मुंबई

विराट कोहली के वनडे कप्तान बने रहने पर फैसला इस सप्ताह हो जाएगा जब चेतन शर्मा की अगुवाई वाली राष्ट्रीय चयन समिति दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे के लिए टीम का चयन करेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के शीर्ष अधिकारियों का कहना है कि दक्षिण अफ्रीका में कोविड–19 का नया स्वरूप पाए जाने के बावजूद अभी दौरा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होगा हालांकि वे स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हैं।

वर्ष 2022 में अधिकतर टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे जिसमें आस्ट्रेलिया में होने वाला टी–20 विश्व कप भी शामिल है। वर्तमान कार्यक्रम के अनुसार अगले सात महीने में भारत को केवल नौ वनडे खेलने हैं जिनमें से छह विदेश (तीन दक्षिण अफ्रीका और तीन इंग्लैंड) में खेले जाएंगे। बीसीसीआई में एक गुट

कोहली को वनडे कप्तान बनाए रखने का पक्षधर है तो दूसरा गुट टी–20 और वनडे दोनों की कप्तानी एक ही खिलाड़ी को सौंपने के पक्ष में है ताकि रोहित शर्मा को 2023 वनडे विश्व कप के लिए अच्छी तैयारी करने का मौका मिल सके। माना जा रहा है कि इस मामले में आखिरी निर्णय बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह लेंगे।

ईशांत शर्मा को दोबारा लय हासिल करने में अभी कुछ समय लगेगा : म्हाम्ब्रे

मुंबई। भारत के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने बुधवार को कहा कि ईशांत शर्मा की लय पर ज्यादा क्रिकेट नहीं खेल पाने से असर पड़ा है और कुछ टेस्ट मैच खेलकर वह फिर चिर परिचित फॉर्म में नजर आएंगे। मौजूदा भारतीय टीम में सौ टेस्ट खेल चुके एकमात्र खिलाड़ी ईशांत इंग्लैंड दौरे पर नाकाम रहे और न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर में पहले टेस्ट में भी एक भी विकेट नहीं ले सके।

म्हाम्ब्रे ने कहा कि ईशांत ने लंबे समय से ज्यादा टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है। वह आईपीएल नहीं खेलते और ना ही टी–20 विश्व कप खेला। इतने लंबे ब्रेक का असर पड़ा है। ईशांत ने पिछले चार टेस्ट में 109.2 ओवर डालकर सिर्फ आठ विकेट लिए हैं।

मुंबई टेस्ट में बारिश डाल सकती है व्यवधान

भाषा। मुंबई

मुंबई का बेमौसम का मानसून भारत और न्यूजीलैंड के बीच यहां होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन के खेल में खलल डाल सकता है और बारिश के कारण वानखेड़े स्टेडियम की पिच के गेंदबाजों के अनुकूल होने की उम्मीद है।

बुधवार को पूरे दिन बारिश के कारण दोनों टीमों को अपने ट्रेनिंग सत्र रद्द करने के लिए बाध्य होना पड़ा। गुरुवार को भी बारिश की भविष्यवाणी की गई है और आउटफील्ड गीली रहेगी। भारतीय टीम ऐसे में बांद्रा कुर्ला परिसर मैदान जाएगी जहां इंडोर अभ्यास की सुविधा है जबकि वानखेड़े स्टेडियम में ऐसा नहीं है। वानखेड़े स्टेडियम की पिच पर बिलकुल भी घास नजर नहीं आ रही है जिससे धीमे गेंदबाजों को मदद मिल सकती है। शुक्रवार से होने वाले टेस्ट में हालांकि वानखेड़े की पिच से तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों को मदद मिलने की उम्मीद है। लगातार बारिश के कारण पिच को ढककर रखा गया है जिसके कारण सतह के नीचे काफी नमी होगी। अतिरिक्त नमी से निश्चित तौर पर तेज गेंदबाजों को कानपुर से अधिक मदद मिलेगी लेकिन इस तरह के विकेट से स्पिनरों को भी काफी टर्न मिलेगा।

शुक्रवार को बारिश की भविष्यवाणी है लेकिन दोनों टीमें विशेषकर भारत प्रार्थना करेगा कि दूसरे से पांचवें दिन मौसम का खलल नहीं हो। सभी की नजरें इस मैच के लिए भारतीय टीम के संयोजन पर भी टिकी हैं। अंतिम एकादश में कप्तान विराट कोहली की वापसी से मयंक अग्रवाल का बाहर होना लगभग तय है।

मुंबई में सटीक गेंदबाजी करने की जरूरतः पटेल

भाषा। मुंबई

भारत में जन्में न्यूजीलैंड के स्पिनर एजाज पटेल ने बुधवार को कहा कि वह और उनके साथी स्पिनर पहले टेस्ट में सटीक लाइन और लेंथ से गेंदबाजी नहीं कर पाने के दोषी हैं और शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में उन्हें सटीक गेंदबाजी करने की जरूरत है। पटेल ने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि मुझे लगता है कि स्पिन गेंदबाजी इकाई के रूप में संभवतः हम दोषी थे कि हमने लंबे समय तक स्टंप पर गेंदबाजी नहीं की। साथ ही भारतीय बल्लेबाज स्पिन के अच्छे खिलाड़ी हैं। उन्होंने हमें अधिक मौके नहीं दिए। पटेल ने कानपुर टेस्ट में तीन विकेट चटकाए जबकि रचिन रविंद्र और विलियम समरविले के खाते में एक भी विकेट नहीं गया। इसके विपरीत अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की स्पिन तिकड़ी ने पहले टेस्ट में 17 विकेट हासिल किए।

एंडी फ्लॉवर ने पंजाब किंग्स का कोच पद छोड़ा

भाषा। नई दिल्ली

जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान एंडी फ्लॉवर ने पंजाब किंग्स के सहायक कोच के पद से त्यागपत्र दे दिया है और उनके इंडियन प्रीमियर लीग 2022 में किसी नई टीम से जुड़ने की संभावना है।

एक दशक से भी अधिक समय तक इंग्लैंड में कोच का काम करने वाले फ्लॉवर 2020 सत्र से पूर्व पंजाब किंग्स से जुड़े थे। यह पहला अवसर था जबकि वह किसी आईपीएल टीम से जुड़े थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा, उन्होंने हाल में टीम को अपना त्यागपत्र भेजा। इसे स्वीकार कर लिया गया है। इसकी पूरी संभावना है कि वह किसी नई टीम (लखनऊया अहमदाबाद) से जुड़ेंगे।

इसकी पूरी संभावना है कि अगले आईपीएल में इस 53 वर्षीय पूर्व बल्लेबाज को अधिक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

रमेश मेंडिस ने छह विकेट चटकाए

●श्रीलंका के 204 रन के जवाब में वेस्टइंडीज 253 पर सिमटी

भाषा। गॉल (श्रीलंका)

ऑफ स्पिनर रमेश मेंडिस ने छह विकेट लेकर वेस्टइंडीज को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन बुधवार को यहां मामूली बढ़त हासिल करने दी। वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के 204 रन के जवाब में 253 रन बनाकर 49 रन की बढ़त हासिल की। श्रीलंका की दूसरी पारी की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 46 रन बनाए और वह अभी वेस्टइंडीज से तीन रन से पीछे है। वेस्टइंडीज ने सुबह एक विकेट पर 69 रन से आगे खेलना शुरू किया। उसकी पहली पारी का आकर्षण कप्तान क्रेग ब्रेथवेट (72)

का अर्धशतक रहा। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज जरमाइन ब्लैकवुड ने 44, नक्रुमाह बोनर ने 35 और काइल मायर्स ने नाबाद 36 रन का योगदान दिया। रमेश मेंडिस ने 70 रन देकर छह विकेट लिए और वह दूसरी पारी में वेस्टइंडीज की टीम के लिए अधिक चुनौती पेश कर सकते हैं। उनके अलावा लेसिथ एम्बुलडेनिया और प्रवीण जयविक्रमा ने दो दो विकेट हासिल किए।

श्रीलंका ने दूसरी पारी में कप्तान दिमुथ करुणारत्ने (छह) और ओशादा फर्नांडो (14) के विकेट गंवाए। दोनों बल्लेबाज रन आउट हुए। स्टंप उखड़ने के समय सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका 21 और चरित असलंका चार रन पर खेल रहे थे।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में रोहित, कोहली व अश्विन अपने स्थान पर बरकरार

भाषा। दुबई

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजों की बुधवार को जारी ताजा रैंकिंग में रोहित शर्मा और विराट कोहली बल्लेबाजी में जबकि आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन गेंदबाजी में अपने अपने स्थान पर बने हुए हैं।

रोहित पांचवें, कोहली छठे और अश्विन दूसरे स्थान पर है जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एक पायदान गिरकर दसवें स्थान पर हैं।अश्विन को छोड़कर भारत के बाकी तीनों खिलाड़ी कानपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ ड्रॉ रहे पहले टेस्ट का हिस्सा नहीं थे।

पहला टेस्ट खेलकर मैन आफ द मैच रहे श्रेयस अय्यर 105 और 65 रन की पारियां खेलकर बल्लेबाजी रैंकिंग में 75वें स्थान पर हैं। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल छह पायदान चढकर 66वें और रिधिमान साहा नौ पायदान चढकर 99वें स्थान पर हैं।

हनुमा व सरफराज ने भारत ए को संभाला

भाषा। ब्लोमफोंटेन

भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हनुमा विहारी और युवा सरफराज खान के बीच अटूट साझेदारी से भारत ए ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में बुधवार को यहां पांच विकेट पर 198 रन बनाए।

भारत ए ने 154 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे जिसके बाद हनुमा (नाबाद 45) और सरफराज (नाबाद 30) ने छठे विकेट के लिए 44 रन की अटूट साझेदारी करके पारी को संभाला। हनुमा ने 146 गेंद का सामना करते हुए छह चौके जड़े हैं जबकि सरफराज की 51 गेंद की पारी में तीन चौके शामिल हैं। इसके अलावा इशान किशन (49) और सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव (42) ने भी उपयोगी पारियां खेली। भारत ए अब भी दक्षिण अफ्रीका ए से 99 रन से पीछे है जिसने पहली पारी में 297 रन बनाए।

हनुमा विहारी

मार्को जेनसन 70 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने ग्लेनटन स्टुरमैन (27) के साथ अंतिम विकेट के लिए 48 रन की साझेदारी करके टीम का स्कोर 300 रन के करीब पहुंचाया। भारत ए की ओर से इशान पोरेल ने 49 जबकि नवदीप सैनी ने 67 रन देकर तीन तीन विकेट चटकाए। भारत को पृथ्वी और कप्तान प्रियांक पांचाल (24) ने पहले विकेट के लिए 57 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। स्टुरमैन ने हालांकि 12वें ओवर में पांचाल और अभिमन्यु ईश्वरन (00) को लगातार गेंदों पर पवेलियन भेजकर भारत ए को दोहरा झटका दिया।पांचाल ने सेरेल इर्वी को कैच थमाया जबकि ईश्वरन पगबाधा हुए। पृथ्वी भी इसके बाद लुथो सिपामला की गेंद पर विकेटकीपर सिनेथेंबा केशिले को कैच दे बैठे। उन्होंने 54 गेंद की अपनी पारी में छह चौके मारे। बाबा अपराजित ने भी खाता खोले बिना जेनसन की गेंद पर केशिले को कैच थमाया जिससे भारतीय टीम का स्कोर बिना विकेट खोए 57 रन से चार विकेट पर 76 रन हो गया।

सिंधू व श्रीकांत जीते, युगल में भारतीय जोड़ी हारी

विश्व टूर फाइनल्स

भाषा। बाली

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और किदाम्बी श्रीकांत ने अपने अपने मैच सीधे गेम में जीतकर बुधवार को यहां सत्र के आखिरी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में शानदार शुरुआत की।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसेन को 21–14, 21–16 से हराया। इससे पहले श्रीकांत ने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को ग्रुप बी के मुकाबले में 42 मिनट के भीतर 21–14, 21–16 से पराजित किया।

यह टूर्नामेंट जीतने वाली एकमात्र भारतीय सिंधू का सामना अब जर्मनी की वोन्ने लि से होगा। सिंधू ने 2018 में यह खिताब जीता था। महिला युगल में अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी को हालांकि जापान की दूसरी वरीयता प्राप्त नामी मत्सुयामा और चिहारू शिडा की जोड़ी ने 21–14, 21–18 से मात दी। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को भी हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय जोड़ी को ग्रुप ए के अपने पहले मुकाबले में डेनमार्क के किम एस्ट्रूप और एंडर्स रासमुसेन ने आसानी से 21–16, 21–5 से शिकस्त दी। पुरुष एकल में दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने शानदार खेल दिखाते हुए दुनिया के 33वें नंबर के खिलाड़ी को हराया। पहला गेम शुरूआत में करीबी रहा लेकिन ब्रेक तक श्रीकांत ने 11–9 की बढत बना ली। इसके बाद लगातार पांच अंक लेकर स्कोर 16–10 किया और जल्दी यह यह गेम जीत लिया। दूसरे गेम में वह 1–4 से पिछड़ रहे थे लेकिन जल्दी वापसी करते हुए ब्रेक तक दो अंक की बढत बना ली। यह बढत जल्दी ही 14–9 की हो गई लेकिन फिर अंतर 19–14 का रह गया। टोमा के लांग शॉट से श्रीकांत को चार मैच अंक मिले और बेहतरीन नेट प्ले से उन्होंने मुकाबला जीत लिया। अब उनका सामना थाईलैंड के कुंलावुत वितिदसर्न से होगा।

चोटिल साइना नहीं खेलेंगी, सिंधू को पहले दौर में बाई मिली

विश्व बैडमिंटन

नई दिल्ली। दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी साइना नेहवाल अपने अंतरराष्ट्रीय कैरियर में पहली बार चोटों के कारण विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप में भाग नहीं लेंगी। वहीं गत चैंपियन पीवी सिंधू को पहले दौर में बाई मिली है लेकिन उन्हें क्वार्टर फाइनल में टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता ताइ जू यिंग और सेमीफाइनल में दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी कारोलिना मारिन से भिड़ना पड़ सकता है।

लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना ने विश्व चैम्पियनशिप में एक रजत और एक कांस्य पदक

जीता है जबकि आठ बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची। वह ग्रोइन में खिंचाव और घुटने की चोट से जूझ रही है। विश्व चैम्पियनशिप स्पेन के हुएलवा में 12 से 19 दिसंबर तक खेली जाएगी। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू को 12 से 19 दिसंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए छठी वरीयता दी गई है। सिंधू को दूसरे दौर में स्लोवेनिया की मार्टिना रेपिस्का और इंडोनेशिया की रुसेली हर्तावन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ना होगा।

साइना के पति और साथी खिलाड़ी पारूपल्ली कश्यप ने बताया कि साइना को विश्व चैम्पियनशिप से नाम वापिस लेना पड़ा क्योंकि वह ग्रोइन और घुटने की चोट से जूझ रही है। वह समय पर फिट नहीं हो सकेगी। अक्टूबर में डेनमार्क में थॉमस और उबेर कप में साइना को चोट के कारण बीच से ही बाहर होना पड़ा।

एशियाई टीम स्क्वॉश में भारत ने पाक को हराया

भाषा। कुआलालंपुर

शीर्ष वरीय भारतीय पुरुष टीम ने बुधवार को यहां पाकिस्तान को 2–1 से हराकर चार मैचों के बाद एशियाई स्क्वॉश टीम चैंपियनशिप में अपना अजेय अभियान जारी रखा। शीर्ष भारतीय खिलाड़ी सौरव घोषाल ने अहम जीत दर्ज की जब उन्होंने पहले दो गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए तैयब अस्लम को 56 मिनट में हराया। घोषाल जब अस्लम के खिलाफ उतरे तो पूल ए का यह मुकाबला 1–1 से बराबर था। घोषाल ने पहले दो गेम 9–11, 7–11 से गंवाए लेकिन फिर वापसी करते हुए अगले तीन गेम 11–।, 11–7, 11–8 से जीतकर भारत को जीत दिला दी।

रमित टंडन ने मुहम्मद आसिम खान को हराकर भारत को बढ़त दिलाई लेकिन नासिर इकबाल ने महेश मनगांवकर को हराकर स्कोर 1–1 कर दिया। इससे पहले भारत ने जापान को 3–0 से हराया।

जर्मनी डेविस कप टेनिस के अंतिम में चार में पहुंचा

●क्वार्टरफाइनल में ब्रिटेन को हराया

एपी। इंसब्रक

जर्मनी ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ब्रिटेन को डेविस कप क्वार्टर फाइनल में हराकर चौदह वर्ष बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। जर्मनी के केविन क्रावीज और टिम पुट्ज़ ने निर्णायक युगल मुकाबले में ब्रिटेन के जो सालिस्बरी और नील स्कुपस्की को 7–6, 7–6 से हराया।

इससे पहले डेनियल इवांस ने पीटर जी को 6–2, 6–1 से हराकर ब्रिटेन को बढत दिला दी थी। इसके बाद हालांकि जान लेनार्ड स्ट्रफ ने कैमरन नॉरी को 7–6, 3–6, 6–2 से हराकर जर्मनी को बराबरी दिलाई। जर्मनी ने तीन बार डेविस कप जीता है लेकिन

जीत का जश्न मनाती जर्मन टीम

आखिरी बार 1993 में खिताब अपने नाम किया था।

पिछले 14 साल में पहला सेमीफाइनल खेल रही जर्मनी टीम की टक्कर स्वीडन या रूस से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में क्रोएशिया का सामना सर्बिया या कजाखस्तान से होगा। आस्ट्रिया में लॉकडाउन के कारण डेविस कप टेनिस दर्शकों के बिना खेला जा रहा है।

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 2 दिसंबर, 2021

ओमीक्रोन के बढ़ते खतरे से सतर्क हुए देश

जापान ने ओमीक्रोन के खतरे मे मद्देनजर बूस्टर खुराक देना शुरू किया

एपी। टोक्यो

जापान ने कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच बुधवार को कोविड-19 रोधी टीके की बूस्टर डोज स्वास्थ्य कर्मियों को देना शुरू कर दिया। ओमीक्रोन के दो मामले जापान में सामने आ चुके हैं।

जापान में प्रारंभिक टीकाकरण अभियान फरवरी के मध्य में शुरू हुआ था। ऐसे चिकित्साकर्मियों जिन्हें नौ महीने से अधिक समय पहले टीके की खुराक दी गई थी, वे अब संक्रमण की संभावित अगली लहर से पहले अतिरिक्त सुरक्षा प्राप्त करने के लिए उत्सुक हैं। विशेष तौर पर नए स्वरूप ओमीक्रोन के सामने आने के बाद इसकी आशंका बढ़ गई है। ओमीक्रोन का सबसे पहले पता पिछले हफ्ते दक्षिण अफ्रीका में चला था। इसका मामला मंगलवार को जापान में सामने आया। टोक्यो मेडिकल सेंटर में, नर्सों और डॉक्टरों के एक समूह को बूस्टर डोज दिए गए। अस्पताल के प्रमुख काज़ुहिरो अराकी ने कहा, यह हमारे रोगियों और उनके परिवारों के लिए सुरक्षा की भावना के साथ इलाज करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहला कदम है। उन्होंने कहा कि हालांकि नए स्वरूप के खिलाफ टीके की प्रभावशीलता का अभी पता लगाया जा रहा है, बूस्टर डोज महत्वपूर्ण हैं क्योंकि टीके डेल्टा सहित वायरस के अन्य स्वरूपों के खिलाफ प्रभावी हैं। इस बीच जापान के एनएचके राष्ट्रीय टेलीविजन ने कहा कि देश के परिवहन मंत्रालय ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों से अनुरोध किया कि वे जापान आने वाली सभी उड़ानों के लिए नए आरक्षण लेना दिसंबर के अंत तक रोक दें।

एनएचके ने बताया कि कोरोना वायरस के एक नए स्वरूप को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच मंत्रालय ने आपातकालीन एहतियात के तौर पर यह अनुरोध किया। इसके अनुसार जिन लोगों ने पहले ही आरक्षण ले लिया है, वे इससे प्रभावित नहीं होंगे। यह कदम ऐसे समय सामने आया है जब जापान में कोरोना वायरस के नए स्वरूप का दूसरा मामला सामने आया है।

नाइजीरिया के अबुजा में लोगों को कोरोनावायरस वैक्सीन लगाती महिला स्वास्थ्य कर्मी

नेपाल ने अपने नागरिकों से गैर जरूरी विदेश यात्राओं से बचने को कहा

काठमांडू। नेपाल ने बुधवार को अपने नागरिकों से कहा कि कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप को लेकर बढ़ती चिंता के कारण जरूरत नहीं हो तो विदेश यात्राएं नहीं करें। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सोमवार को चेतावनी दी कि ओमीक्रोन स्वरूप से वैश्विक खतरा काफी ज्यादा है और गंभीर परिणाम के साथ इसका प्रसार हो सकता है। नेपाल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने नागरिकों से अपील की है कि जब तक बहुत जरूरी नहीं हो तब तक विदेश यात्रा नहीं करें। कुछ देशों में कोविड-19 के ओमीक्रोन स्वरूप की पहचान एवं प्रसार के मद्देनजर यह अपील की गई है। मंत्रालय ने सभी नेपाली नागरिकों से कोविड-19 के प्रति सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि नेपाल में अभी तक ओमीक्रोन स्वरूप का पता नहीं चला है।

अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की जांच संबंधी नियम कड़े करने पर विचार कर रहा है अमेरिका

एपी। वाशिंगटन

कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने देश में आने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की जांच संबंधी नियम कड़ा करने का फैसला किया है। नए नियम टीकाकरण करा चुके लोगों पर भी लागू होंगे। रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केन्द्र (सीडीसी) ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि वह एक नए नियम पर विचार कर रहा है, जिसके तहत अमेरिका आने वाले सभी हवाई यात्रियों को विमान में सवार होने से एक दिन पहले कोविड-19 संबंधी जांच करानी होगी। टीकाकरण करा चुके लोग उड़ान से अधिकतम तीन दिन पहले की गई जांच की रिपोर्ट दिखा सकते हैं। एजेंसी ने कहा, ओमीक्रोन के बारे में अधिक जानकारी हासिल होने के कारण सीडीसी यात्रा के लिए वर्तमान वैश्विक परीक्षण आदेश को संशोधित करने के लिए काम कर रहा है। नए आदेशानुसार अमेरिका आने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को उड़ान भरने से एक दिन पहले जांच करानी होगी। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, सर्दियों के मौसम में कोविड-19 वैश्विक महामारी को नियंत्रित करने की राष्ट्र की योजनाओं के संबंध में बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति जो बाइडन के भाषण से पहले, सटीक परीक्षण नियमों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसमें कुछ बदलाव भी किए जा सकते हैं। सीडीसी के निदेशक डॉक्टर रोचेल वालेंस्की ने मंगलवार को कहा, सीडीसी मूल्यांकन कर रहा है कि अंतरराष्ट्रीय यात्रा को यथासंभव सुरक्षित कैसे बनाया जाए, जिसमें उड़ान भरने से पहले परीक्षण, आगमन के बाद परीक्षण और पृथक-वास व्यवस्था पर गौर किया जा रहा है। नाम उजागर नही करने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि आगमन के बाद जांच और स्वयं पृथक-वास में रहने के विकल्प पर विचार किया जा रहा है।

ब्रिजटाउन में बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया मोटली से अपने आवास पर मुलाकात करते ब्रिटेन के प्रिंस चार्ल्स

ब्राजील में दो मामले, लातिन अमेरिका में भी सामने आया एक मामला

साओ पाउला। ब्राजील में पहली बार कोरोना वायरस संक्रमण के नए स्वरूप ओमीक्रोन के मामले सामने आए हैं, दक्षिण अफ्रीका से लौटे दो यात्रियों में संक्रमण की पुष्टि हुई हैं। वहीं, लातिन अमेरिका में भी ओमीक्रोन का पहला मामला सामने आया है। साओ पाउलो के स्वास्थ्य सचिवालय ने बताया कि 41 वर्षीय व्यक्ति और 37 वर्षीय महिला संक्रमित पाई गई और वे पृथक-वास में हैं। उनमें संक्रमण के हल्के लक्षण थे और 25 नवंबर को उनकी जांच की गई थी। लातिन अमेरिका में केविड-19 वैश्विक महामारी का प्रकोप पहले ही काफी रहा है, जबकि ब्राजील में संक्रमण से छह लाख से अधिक लोगों की मौत हुई है। ब्राजील में विदेश से आने वाले यात्रियों को कोविड-19 रोधी टीके लगे होना अनिवार्य नहीं है। इससे पहले, मंगलवार को जापान और फ्रांस में भी ओमीक्रोन के मामले सामने आ गए थे। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के इस नए स्वरूप को लेकर आगाह करने से पहले ही यूरोप में इसके फैलने की आशंका है। पिछले बुधवार, 24 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को इस नए स्वरूप के सामने आने की जानकारी दी थी। कोरोना वायरस के इस नए स्वरूप ओमीक्रोन के बारे में अब तक अधिक जानकारी हासिल नहीं हो पाई है। हालांकि, कुछ स्वास्थ्य अधिकारियों को वायरस के संक्रमण से लोगों के गंभीर रूप से बीमार होने और टीकों के इसके खिलाफ कारगर ना होने को लेकर भी संदेह है।

पाकिस्तान को 2022 के लिए जी-77 का अध्यक्ष चुना गया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान को 2022 के लिए जी-77 का नया अध्यक्ष चुना गया है। इसकी बैठक के लिए इस्लामाबाद ने विकास के एजेंडे पर ध्यान रखने का वादा किया है जिसमें ऋण की पुनर्संरचना, जलवायु के लिए वित्तीय योगदान और अवैध वित्तीय संचरण को खत्म करना शामिल है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने यहां बयान जारी कर बताया कि समूह 77 और चीन की 45वीं मंत्रिस्तरीय बैठक मंगलवार को डिजिटल तरीके से हुई। विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने बैठक को संबोधित करते हुए पाकिस्तान पर विश्वास जताने के लिए जी-77 के 134 सदस्यों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया तीन संकटों -कोविड-19 महामारी और इसके दुष्प्रभाव, सतत विकास के लिए संयुक्त राष्ट्र के एजेंडा 2030 को लागू करने की चुनौती और जलवायु आपदा के खतरे का सामना कर रही है।

गंभीर कोविड संक्रमण से उबरे लोगों को अगले 12 महीनों में मृत्यु का खतरा अधिक

भाषा। वाशिंगटन

कोरोना वायरस से गंभीर रूप से संक्रमित होने के बाद जीवित बचे लोगों की अगले 12 महीनों में मृत्यु होने का खतरा उन लोगों की तुलना में दोगुना से अधिक हो सकता है, जिन्होंने हल्के या मध्यम स्तर के संक्रमण का सामना किया था या असंक्रमित रहे हैं। बुधवार को प्रकाशित एक अध्ययन में यह दावा किया गया है। अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि 65 वर्ष से कम उम्र के मरीजों को मृत्यु का खतरा अधिक है और सिर्फ 20 प्रतिशत कोविड के गंभीर मरीजों की मौत हुई, जो रक्त के थक्के जमने या श्वसन तंत्र के नाकाम होने के चलते हुई।

फ्रंटियर्स इन मेडिसीन जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि कोविड-19 से गंभीर रूप से पीड़ित होने पर दीर्घकालीन स्वास्थ्य को काफी नुकसान पहुंच सकता है और टीकाकरण के जरिए रोग की गंभीरता को रोकने के महत्व को रेखांकित किया। अमेरिका के फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के प्रोफसर एवं अध्ययन के मुख्य लेखक आर्क मैनस ने कहा, हमने एक अध्ययन किया जिसमें यह प्रदर्शित हुआ कि गंभीर रूप से संक्रमित रहने के बाद इससे उबर चुके मरीजों के अगले छह महीनों में अस्पताल में भर्ती होने की कहीं अधिक संभावना है। अनुसंधानकर्ताओं ने 13,638 मरीजों के इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकार्ड का अध्ययन किया। उनकी आरटी-पीसीआर जांच की गई। उनमें से 178 मरीज कोविड-19 से गंभीर रूप से पीड़ित थे, 246 को हल्का या मध्यम संक्रमण था तथा शेष की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई थी।

अमेरिकी सांसदों ने प्रशासन से डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स के लिए डीएसीए का दायरा बढ़ाने की अपील की

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के 49 प्रभावशाली सांसदों के एक द्विदलीय समूह ने राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन से डिफर्ड एक्शन फॉर चाइल्डहुड अराइवल्स (डीएसीए) के दायरे को व्यापक कर इसमें करीब दो लोख डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स को शामिल करने की अपील की है।

डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स उन भारतीय-अमेरिकियों के बच्चे हैं, जो मुख्य रूप से एच -। बी वीजा आदि के जरिए कानूनी रूप से अमेरिका आए थे। मूल देश में वापस भेजे जाने से एक प्रकार की प्रशासनिक राहत प्रदान करने वाले डीएसीए का उद्देश्य, इन योग्य अप्रवासी युवाओं को उनके देश वापस भेजे जाने से सुरक्षा प्रदान करना है। अमेरिकी कानूनों के तहत, बच्चे 21 साल की उम्र के बाद अपने माता-पिता पर निर्भर नहीं होते। नतीजतन, हजारों भारतीय बच्चों को अमेरिका से उनके मूल देश वापस भेजे जाने का डर रहता है। सांसद डेबोरा रॉस और सीनेटर एलेक्स पैडिला के नेतृत्व में सीनेट तथा सदन के 49 सदस्यों ने एक पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें अनुरोध किया गया कि होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स को शामिल करने के लिए डीएसीए मानदंडों को व्यापक बनाए। उसमें कहा गया कि लंबे समय से अमेरिकी वीजा धारकों के तौर पर बच्चे अमेरिका में कानूनी दर्ज के साथ बड़े होते हैं, लेकिन 21 साल की उम्र में उन्हें तब व्यवस्था से बाहर कर दिया जाता है, जब उनके आश्रितों का वीजा समाप्त हो जाता है या उन्हें उस समय तक ग्रीन कार्ड नहीं मिल पाता। प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि सांसद डीएचएस से 2,00,000 डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स के लिए पात्रता बढ़ाने का आग्रह कर रहे हैं, जो वर्तमान में डीएसीए के तहत, मूल देश वापस भेजे जाने से सुरक्षा के लिए पात्र नहीं हैं। सांसदों ने पत्र में लिखा, अगर डीएसीए को जैसे हम कह रहे हैं वैसे अद्यतन किया गया तो, अमेरिका में 15 जून 2012 तक मौजूद डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स को 21 साल का होने के बाद भी हमारे देश में रहने और उसके हित में योगदान देते रहने का मौका दिया जा सकता है। डीएसीए को उन बच्चों तथा युवा वयस्कों की सुरक्षा के लिए बनाया गया था, जो अमेरिका में बड़े हुए हैं, ताकि उन्हें उन देशों में लौटने के लिए मजबूर ना किया जाए, जिसे वे शायद थोड़ा ही जानते हों। हम आपसे डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स के लिए डीएसीए पात्रता का विस्तार करके इस नीति के वादे को पूरा करने का आग्रह करते हैं। इस कदम का डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स ने भी स्वागत किया है। इम्प्रूव द ड्रीम के संस्थापक डी पटेल ने कहा कि वे सांसदों के इस कदम के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका में पले-बढ़े 2,00,000 से अधिक बच्चे तथा युवा वयस्क इसलिए डीएसीए के लिए पात्र नहीं हैं, क्योंकि वे डॉक्यूमेंटिड ड्रीमर्स हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने 2012 में डीएसीए कार्यक्रम की शुरुआत की थी। यह उन लोगों को उनके मूल देश वापस भेजे जाने से रोकता है जो अमेरिका में नाबालिगों के रूप में आए थे। हालांकि सितंबर में तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस नीति को रद्द कर दिया था। डीएसीए का पात्र होने के लिए, व्यक्ति के कोई गंभीर अपराध रिकॉर्ड नहीं होने चाहिए। अभी करीब, 6,40,000 आव्रजक इस कार्यक्रम के अधीन पंजीकृत हैं।

होंडुरास के सत्तारूढ़ दल के उम्मीदवार ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में हार स्वीकार की

तेगुसिगाल्पा (होंडुरास)। होंडुरास की सत्ताधारी पार्टी के उम्मीदवार ने स्वीकार किया कि रविवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी उम्मीदवार शियोमारा कास्त्रो ने जीत हासिल की है। नेशनल पार्टी के उम्मीदवार तेगुसिगाल्पा के महापौर नासरी असफुरा ने मंगलवार को एक बयान में कहा था कि उन्होंने कास्त्रो को व्यक्तिगत रूप से बधाई दी, जबकि केवल आधे वोटों की ही गिनती हुई है। वह करीब 3,54,000 मतों से पीछे चल रहे थे। राष्ट्रीय चुनाव परिषद के अनुसार, 52 प्रतिशत मतों की गिनती के बाद कास्त्रो को असफुरा के 34 प्रतिशत मत के मुकाबले 53 प्रतिशत वोट मिले हैं। विजेता घोषित करने के लिए परिषद के पास चुनाव से 30 दिन तक का समय होता है। असफुरा ने कहा कि उन्होंने कास्त्रो और उनके परिवार से मुलाकात की है। उन्होंने कहा, अब मैं इसे सार्वजनिक रूप से कहना चाहता हूं। मैं उनकी जीत के लिए उन्हें बधाई देता हूं और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में मुझे उम्मीद है कि भगवान उनको सही रास्ता दिखाएंगे, ताकि विकास तथा लोकतंत्र की इच्छाओं को हासिल करने के लिए, उनका प्रशासन हम सभी होंडुरास वासियों का कल्याण करे। कास्त्रो, ने नेशनल पार्टी के 12 वर्षों के शासन के खिलाफ असंतोष की लहर को हवा दी, जो निवर्तमान राष्ट्रपति जुआन ऑरलैंडो हर्नांडेज के दूसरे कार्यकाल में चरम पर थी। कास्त्रो की जीत की उम्मीद में रविवार को तेगुसीगल्पा की सड़कों पर हजारों लोग जश्न मनाने के लिए भी उतरे।

मिशिगन के स्कूल में किशोर ने गोलीबारी कर तीन छात्रों की हत्या की, आठ अन्य घायल

एपी। ऑक्सफोर्ड टाउनशिप (अमेरिका)

अमेरिका स्थित मिशिगन के हाईस्कूल में 15 वर्षीय छात्र ने अंधाधुंध गोलीबारी की जिसमें तीन छात्रों की मौत हो गई। घायलों में शामिल 16 वर्षीय एक लड़के की मौत पुलिस के वाहन में उस समय हुई जब उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इस गोलीबारी में आठ अन्य लोग घायल हुए हैं जिनमें से 14 वर्षीय एक लड़की सहित कुछ की हालत गंभीर है। घायल लड़की को सर्जरी के बाद जीवनरक्षक प्रणाली पर रखा गया है। ओकलैंड काउंटी के शेरिफ (कानून प्रवर्तन अधिकारी) माइकल बूचार्ड ने बताया कि जांचकर्ता यह पता करने की कोशिश कर रहे हैं कि ऑक्सफोर्ड टाउनशिप के ऑक्सफोर्ड हाई स्कूल में गोलीबारी करने वाले हमलावर की मंशा क्या थी। लगभग 22 हजार की आबादी वाला यह कस्बा डेट्रायट से करीब 48 किलोमीटर की दूर पर स्थित है।

उन्होंने बताया कि आपात फोन नंबर 911 पर स्कूल में हमलावर के होने की सूचना देने के लिए करीब 100 कॉल आए और तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने घटना स्थल पर पहुंचने के कुछ मिनट के भीतर हमलावर छात्र को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों के पहुंचने पर उसने अपने हाथ खड़े कर लिए थे। बूचार्ड ने देर मंगलवार संवाददाता सम्मेलन में बताया कि शुक्रवार को हमलावर लड़के के पिता 9एमएम सिग साउर बंदूक लेकर आया था जिसका इस्तेमाल इस गोलीबारी में किया गया। उन्होंने बताया कि हमे नहीं पता कि व्यक्ति बंदूक लेकर क्यों आया था जिससे उनका बेटा निशाना साधने का अभ्यास कर रहा था और तस्वीर पोस्ट कर रहा था। अधिकारियों ने तत्काल हमलावर छात्र की पहचान जाहिर नहीं की है। बूचार्ड ने बताया कि तीन छात्रों की मौत हुई है जिनकी उम्र 14 से 17 साल के बीच है।वहीं एक शिक्षक के कंधे से गोली छूकर निकल गई थी जिन्हें प्राथमिकी उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे गई। लेकिन 14 से 17 साल उम्र के सात विद्यार्थी अस्पताल में भर्ती है और उन्हें गोली लगी है। उन्होंने बताया कि हमलावर छात्र ने जब पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया, उस समय बंदूक में सात राउंड गोली और बची थी। अंडरशेरिफ माइक मैक्कैबे ने बताया कि छात्र के माता-पिता ने अपने बेटे को सलाह दी है कि वे जांचकर्ताओं से बात नहीं करे। उल्लेखनीय है कि किशोर से बात करने से पहले पुलिस को उसके माता-पिता या अभिभावक से अनुमति लेनी होती है। ओकलैंड कांउटी की अभियोजक केरन मैक्डोनेल्ड ने एक बयान में कहा कि जल्द ही उनका कार्यालय अभियोग को जारी कर देगा और इसकी जानकारी बुधवार को दी जाएगी।

अफगानिस्तान में अभियान की विफलता पर नाटो में चर्चा शुरू

रीगा (लातविया)। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की महज तीन महीने पहले हुई वापसी के बाद नाटो के विदेश मंत्रियों की बुधवार को बैठक हुई ताकि युद्धग्रस्त देश में उसकी 18 वर्ष की मौजूदगी को लेकर तैयार रिपोर्ट पर चर्चा की जा सके। नाटो ने 2003 में अफगानिस्तान में अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा सहयोग बल की कमान संभाली और इसके दो वर्ष पहले अमेरिका नीत गठबंधन ने देश से तालिबान को हटाने के लिए वहां सैन्य कार्वाई शुरू की थी। अमेरिका को संदेह था कि अल-कायदा के नेता ओसामा बिन लादेन ने वहां पनाह ले रखी है जिसे बाद में उसने 2011 में पाकिस्तान में मार गिराया गया था। इसने अफगानिस्तान में तीन लाख सैनिकों की फौज तैयार करने में मदद की लेकिन यह बल भ्रष्टाचार में इतना संलिप्त था कि सैनिकों की असल संख्या के बारे में भी पता नहीं था। बहरहाल, चाहे जितनी भी संख्या रही हो, अगस्त में तालिबान के आक्रमण के समक्ष यह सेना कुछ दिनों तक भी नहीं टिक पाई।

भारतीय अमेरिकी एनजीओ सहायक प्रौद्योगिकी की डिजिटल प्रदर्शनी शुरू करेगा

वाशिंगटन। भारतीय मूल के एक अमेरिकी व्यक्ति के नेतृत्व वाले एक गैर लाभकारी निकाय ने दिव्यांगों के लिए सहायक प्रौद्योगिकी उत्पादों की एक डिजिटल प्रदर्शनी शुरू करने की घोषणा की है। कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि वॉइस ऑफ एसएपी (वीओएसएपी) की डिजिटल प्रदर्शनी की शुरुआत विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी पांच दिसंबर को करेंगी। वीओएसएपी ने एक मीडिया विज्ञप्ति में बताया कि इस मंच का लक्ष्य निवेशकों, नवोन्मेषकों, आपूर्तिकर्ताओं, गैर सरकारी संगठनों और उपभोक्ताओं को सहायक प्रौद्योगिकी (एटी) समाधानों को अपनाने में तेजी लाने और दिव्यांगों को सम्मानजनक और स्वतंत्र जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए साथ लाना है।

एबॉट्सफोर्ड, ब्रिटिश कोलंबिया में मंगलवार को बाढ़ के पानी में बहकर आया मलबा

ईयू ओमीक्रोन के मुद्दे पर फिलहाल नहीं आयोजित करेगा सम्मेलन

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ ने ओमीक्रोन वायरस से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए सदस्यों देशों के नेताओं का विशेष डिजिटल सम्मेलन फिलहाल नहीं बुलाने का फैसला किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। ईयू के फैसले की आधिकारिक घोषणा नहीं होने की वजह से अधिकारी ने पहचान गुप्त रखते हुए बताया कि संघ के सभी 27 देशों के स्वास्थ्य मंत्री अगले मंगलवार को पहले स्थिति का आकलन करेंगे और 16 दिसंबर को निर्धारित नियमित सम्मेलन में नेताओं को स्थिति से अवगत कराएंगे। आपात सम्मेलन को लेकर कई दिनों से चर्चा हो रही है लेकिन सभी नेताओं के लिए एक साथ समय निकालना मुश्किल है। दक्षिण अफ्रीका में पहली बार पता चलने के बाद से अब तक ओमीक्रोन को लेकर अनिश्चितता है, ऐसे में यह भी स्पष्ट नहीं है कि नेता क्या चर्चा करेंगे और फैसला लेंगे। ईयू के यूरोपीय रोग नियंत्रण एवं रोकधाम केंद्र ने बताया कि मंगलवार को संघ के 11 सदस्य देशों में ओमीक्रोन के 44 मामले आए हैं और संक्रमितों में अधिकतर ने अफ्रीका की यात्रा की है।

दक्षिण अफ्रीका को अलग-थलग करने से ओमीक्रोन को रोकने में मदद नहीं मिलेगी: प्रो. अब्दुल करीम

भाषा। जोहानिसबर्ग

कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप से दक्षिण अफ्रीका में आने वाले दिनों में संक्रमण के मामलों में तीव्र वृद्धि होने की आशंका जताते हुए देश के एक प्रमुख महामारीविद ने कहा है कि उनके देश को अलग-थलग करने से वायरस के इस नए स्वरूप को रोकने में मदद नहीं मिलेगी।

प्रोफेसर अब्दुल करीम ने करीब 20 देशों द्वारा दक्षिण अफ्रीका और इसके पड़ोसी देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगाए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यह कहा। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका को अलग-थलग करने से ओमीक्रोन स्वरूप को रोकने में मदद नहीं मिलेगी क्योंकि अन्य देशों में यह नया स्वरूप पहले ही सामने आ चुका है। दक्षिण अफ्रीका के वैज्ञानिकों ने पिछले हफ्ते ओमीक्रोन स्वरूप का पता चलने की घोषणा की थी। राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के राष्ट्र के नाम संबोधन के मद्देनजर, स्वास्थ्य विभाग द्वारा सोमवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में करीम ने कहा, 11 देश ओमीक्रोन के मामलों की अपने यहां पुष्टि होने की जानकारी दे रहे हैं। इसलिए दक्षिण अफ्रीका को अलग-थलग करना असल में मदद नहीं करने जा रहा क्योंकि जल्द ही कई अन्य देश भी वायरस के प्रसार के लिए जगह बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने जो कुछ भी देखा, वह बगैर सोचे समझे व्यक्त की गई प्रतिक्रिया थी। रामफोसा ने यात्रा प्रतिबंध को अनुचित और भेदभावपूर्ण बताया है।

करीम ने कहा, जब हमें वायरस के खिलाफ एक दूसरे के साथ खड़े होने की जरूरत है, तब हम एक दूसरे के खिलाफ खड़े हैं, हमने दुश्मन को समझे बगैर और उससे एकजुट होकर निपटने के तरीके ढूंढने के बजाय एक दूसरे के बीच दीवार खड़ी कर दी है। करीम ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए पहले से मौजूद रणनीतियां नए स्वरूप से निपटने के लिए पर्याप्त हैं। उन्होंने आने वाले दिनों में संक्रमण के मामलों में वृद्धि होने की आशंका जताई है। उन्होंने कहा, हम अत्यधिक संक्रामकता की संभावना की उम्मीद कर सकते हैं, इसलिए शीघ्रता से कहीं अधिक मामले सामने आएंगे। हम इसका पूर्व साक्ष्य देख रहे हैं। मुझे लगता है कि सप्ताह के अंत तक प्रतिदिन 10,000 से अधिक मामले सामने आ सकते हैं। हम अगले दो-तीन हफ्तों में अस्पतालों पर दबाव पड़ता देखेंगे। करीम ने वायरस के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए लोगों से भीड़ से बचने की अपील की। उन्होंने कहा, हमारी सबसे बड़ी चुनौती बड़े समागम को रोकने की होगी। उन्होंने कहा, ओमीक्रोन का सबसे पहले बोत्सवाना में पता चला और फिर शीघ्र ही दक्षिण अफ्रीका में इसका पता चला। इतनी शुरूआत में इसका पता चलना हमारे देश में विज्ञान में किए गए निवेश की वैज्ञानिक सफलता का प्रतीक है। दक्षिण अफ्रीका और विश्व को अब इस वैज्ञानिक सफलता का लाभ उठाने की जरूरत है।

विनम्रता से परिपूर्ण

बंटी और बबली-2 के प्रचार के लिए अभिनेता पंकज त्रिपाठी का साक्षात्कार एक स्वतंत्र बातचीत में बदल गया, जहां वह क्रिस्टी वर्गीस को बता रहे हैं कि वह आज अपने जीवन में जो कुछ भी हैं, उसके लिए वह दर्शकों के आभारी हैं.....

साल 2005 में बंटी और बबली ने खूब धमाल मचाया था। फिल्म ने पहली बार बच्चन पिता और पुत्र की जोड़ी को सिल्वर स्क्रीन पर एक साथ प्रदर्शित किया था। फिल्म रनवे पर सफल रही और उस वर्ष दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी।

19 नवंबर, 2021 को फास्ट-फॉरवर्ड - बंटी और बबली 2 (बैब-2) आज सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। नाम से जाने पर, यह सोचने की इच्छा हो सकती है कि बैब-2 एक सीक्वल है। हालाँकि, हम बॉलीवुड के दिग्गज पंकज त्रिपाठी तक पहुंच प्राप्त करने में सक्षम थे, जो सीधे रिकॉर्ड स्थापित करने के लिए पर्याप्त थे।

''ठीक है, आपको यह समझने के लिए फिल्म देखनी होगी कि यह फिल्म 2005 में रिलीज हुई बंटी और बबली से कैसे अलग है। बीएबी 2 2005 में जो हुआ, उसके 15 साल बाद सेट किया गया है, काफ़ी लम्बा गैप है। नाम के अलावा, रानी मुखर्जी और चोरों के इर्द-गिर्द केंद्रित एक प्लॉट, बैब-2 बंटी और बबली से बहुत कम मिलता जुलता है। यदि आप अधिक जानकारी की तलाश कर रहे हैं, तो मैं कोई ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो किसी फिल्म के रिलीज होने से पहले उसके बारे में जानकारी देगा'', त्रिपाठी हंसते हुए कहते हैं।

ऐसा लगता है कि मिर्जापुर स्टार एक सहज व्यक्तित्व के साथ-साथ एक अलौकिक आकर्षण भी रखते हैं, या शायद वह सिर्फ हम ही थे, एक ऐसी छवि पर भरोसा करते हुए जो एक अभिनेता अपने करियर के दौरान विकसित करता है, जिसमें वे भूमिकाएं निभाते हैं। वह निश्चित रूप से हमें विश्वास दिलाएगा कि वह सिर्फ एक और व्यक्ति है, अपने स्वयं के विचित्रताओं के साथ। लेकिन जो नज़र आता है उससे कहीं अधिक लोगों के लिए हमेशा होता है; जो लोग अनजान हो सकते हैं, उनके लिए त्रिपाठी एक बेहद मृदुभाषी स्टार हैं, सही मायने में, जो अपने स्टारडम को सम्मान के बिल्ले की तरह नहीं पहनते हैं।

मामले पर वापस आते हुए, बीएबी 2 की मार्केटिंग टीम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इस बार चार चोर हैं, मुखर्जी, सैफ अली खान, सिद्धांत चतुर्वेदी और नवोदित शरवरी वाघ द्वारा निबंधित, जो त्रिपाठी के खिलाफ खड़े हैं, जो पुलिस इंस्पेक्टर जटायु की भूमिका निभाते हैं। सिंह. हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था कि फिल्म रिलीज होने से पहले वह किसी भी जानकारी का खुलासा नहीं करेंगे, हमें अधिक से अधिक जानकारी के लिए अपनी नौकरी और मछली पर टिके रहना होगा। इसलिए, हम मदद नहीं कर सकते लेकिन पूछ सकते हैं कि क्या पुलिस वाले को चोरों के खिलाफ जीत हासिल होती है।

और थपथपाकर जवाब आता है, चोरों और एक पुलिसकर्मी के बीच बिल्ली और चूहे के इस खेल में, जो जीतता है, फिल्म का आधार ही है। मैं आपको जो बता सकता हूं वह यह है कि समय जीतता है। हम इंसान कभी भी समय के ज्वार के खिलाफ नहीं जीत सकते। यह महान तुल्यकारक है, यह हमारे बीच सबसे बड़े के साथ-साथ नीच लोगों के लिए भी आता है। हम कभी-कभी खुद को यह सोचकर मूर्ख बना सकते हैं कि हमने कुछ जीत लिया है, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि दिन के अंत में, समय बीतने से हम सभी को मात मिलती है।

जबकि उनका एक असंबंधित विषय पर विस्तार करना एक अच्छा संकेत था, क्योंकि आकर्षक बातचीत को शाखाबद्ध करने के लिए जाना जाता है और किसी एक विशेष चीज़ से चिपके रहने के लिए नहीं जाना जाता है, हम मदद नहीं कर सकते लेकिन यह व्यक्त कर सकते हैं कि यह त्रिपाठी गुरुजी की तरह लग रहा था, सेक्रेड गेम्स से, कुछ भारी हिट के साथ फिल्मों के प्रचार से संबंधित कुछ सामान्य प्रश्न के लिए दर्शनशास्त्र। हमें उससे पूछना था कि वह कितना विचारशील है।

त्रिपाठी का मानना है कि हमारे दिमाग में, हमारे विचारों में डूबे रहना, बहुत स्वाभाविक है। ''चाहे हम पल में हों या कहीं और, अंकित मूल्य पर, हर कोई अपने विचारों में व्यस्त है। मुझे लगता है कि विचारहीन होना चुनौती है। यदि कोई विचारहीनता की उस स्थिति को प्राप्त करना चाहता है, तो बहुत सारा अनुशासन, प्रयास और ध्यान की आवश्यकता है'', त्रिपाठी ने सोच-समझकर साझा किया।

जबकि हमें यह बातचीत का रास्ता पसंद आया, हमें याद आया कि हम काम पर थे और हमने जो प्रश्नावली तैयार की थी, उस पर अगले पॉइंटर पर चले गए, जिसने उनसे चतुर्वेदी और शारवरी के साथ काम करने के उनके अनुभव के बारे में पूछताछ की। ''यह एक बेहद आनंददायक अनुभव था! शरवरी और चतुर्वेदी दोनों ईमानदार होते हैं और तैयार हो जाते हैं। मैं उन्हें किनारे से देखता था और वे हमेशा अपने पैर की उंगलियों पर दिखाई देते थे, जो सच्चे पेशेवरों की निशानी है'', खुलासा करता है अनुभवी अभिनेता।

हमने यह भी पूछताछ की कि क्या वह शूटिंग के बाद ब्रेक लेने में सक्षम थे, और ब्रेक के बारे में उनका क्या विचार है, क्योंकि उन्होंने कुछ समय पहले यह बताया था कि उनका शेड्यूल ओवरलोड है और वह अगले ब्रेक की प्रतीक्षा कर रहे हैं। ''ठीक है, मेरे पास एक विस्तारित ब्रेक लेने की विलासिता नहीं थी। आदर्श रूप से, मैं एक महीने की छुट्टी लेना चाहता हूं और बस किसी ऐसी जगह की यात्रा करना चाहता हूं जहां मैं बस बैठकर प्रकृति की सुंदरता को देख सकूं। और, ओह हाँ, सेल रिसेप्शन गरीब होना चाहिए, वहां। जब भी मुझे पता चलता है कि मैं कुछ समय निकाल सकता हूं, मैं अपने गांव की यात्रा करता हूं और जैसे ही मैं देखता हूं कि मेरे फोन में नेटवर्क नहीं है, तो राहत की भावना होती है'' त्रिपाठी साझा करते हैं।

हमने उनके सपनों के बारे में भी एक सवाल किया - अब जब वह हिंदी फिल्म उद्योग में एक अनुभवी दिग्गज हैं, तो अब उनका क्या सपना है?''मैं एक युवा लड़के के रूप में बॉम्बे आया था, जो एक अभिनेता बनने की इच्छा रखता था। और 17 वर्षों के बाद, बहुत उतार-चढ़ाव के बाद, मैंने आखिरकार इस उद्योग में अपने लिए एक जगह बना ली है,'' वह याद करते हैं। ''जो भी सपने या मेरे पास जो योजनाएं थीं, मुझे बहुत कुछ मिला है। अभी तो सरप्लस में चल रहा है सब। मैं दर्शकों का बहुत आभारी हूं, उनके बिना, मैं वह नहीं होता जहां मैं आज हूं। अभी तक, मैं एक ऐसे स्थान पर हूं जहां मैं इस तथ्य की सराहना करता हूं कि जो मेरे पास नहीं है उसके पीछे भागने की जरूरत नहीं है। कुछ हद तक संबंधित नोट पर, मुझे लगता है कि आज के समय में हमारे पास जो कुछ है उसकी हम सराहना नहीं करते हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारे पास शायद एक अंतहीन सूची नहीं है। जब हम भूत या भविष्य के बारे में सोचते हैं, तो हम अक्सर वर्तमान की उपेक्षा करते हैं। वर्तमान की देखभाल करके ही हम अपने भविष्य को प्रभावित कर सकते हैं। यहां और अभी की बात करें तो मैं यहां हूं, आपसे बात कर रहा हूं और स्पष्ट रूप से यह एक है अच्छी बातचीत''

जब हमने विनम्र चापलूसी के लिए दिग्गज को धन्यवाद दिया, तो उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया से हमें वापस ले लिया, ''वह चापलूसी नहीं थी, मेरा मतलब है कि मैं क्या कहता हूं। जीवन में झूठ बोलना मेरा रास्ता नहीं है। सिनेमा में, जिस रास्ते पर हम अभिनेता चलते हैं, वह पंक्तिबद्ध है झूठ, मुझे यकीन है कि आपको मेरा मतलब समझ में आ गया है, एक स्क्रिप्ट वास्तव में सच नहीं है। यह सावधानीपूर्वक तैयार किए गए झूठ का एक अच्छी तरह से पैक किया गया बंडल है जिसे हम कलाकारों को यथासंभव सच्चाई से प्रदर्शित करने की आवश्यकता है। जब मैं कैमरे के सामने नहीं होता हूं , मैं झूठ से निपटना या लिप्त नहीं होना चाहता'', त्रिपाठी जोर से कहते हैं।

आज सिनेमाघरों में रिलीज हो रही बंटी और बबली 2 पर लौटते हुए त्रिपाठी का कहना है कि यह फिल्म हल्के-फुल्के पारिवारिक मामला है। ''मुश्किल समय में हंसना एक तरह की दवा है। बैब-2 आपका मनोरंजन करने और आपको हंसाने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं आपको आमंत्रित करता हूं कि आप आएं और सिनेमाघरों में अपने दिलों को हंसकर रिलीज करें'', वह वादा करते हैं।

पितृसत्ता से मुक्ति

बदलते समय की पृष्ठभूमि के खिलाफ, स्नेहिल खानोर सभी से सदियों पुरानी धारणाओं को तोड़ने और इस पुरुष दिवस पर दूसरों की देखभाल और पोषण करने के लिए अपनी अंतर्निहित प्रकृति को अपनाने का आग्रह करते हैं।

पुरुष पुरुष होंगे, लड़के रोते नहीं, मर्द को दर्द नहीं होता, पुरुषों को निडर होना चाहिए, एक असली आदमी अपनी पत्नी को नियंत्रण में रखना जानता है; और पुरुष निश्चित रूप से 'एफ' शब्द - भावनाओं के बारे में बात नहीं करते हैं!

भले ही हम 21वीं सदी में जी रहे हैं, लेकिन ये कुछ ही बयान हैं जो दशकों और पीढ़ियों से चले आ रहे हैं। लिंग संबंधी रूढ़िवादिता जो इन बयानों को बल देती है, यथास्थिति बनाए रखने में योगदान करती है, पितृसत्ता को अपनी जमीन पर रखने की अनुमति देती है।

जबकि पितृसत्ता महिलाओं को कैसे प्रभावित और नीचा करती है, इस बारे में बहुत कुछ कहा गया है, बड़ा सवाल यह है कि क्या पितृसत्ता केवल निष्पक्ष सेक्स को प्रभावित करती है?और क्या इसका पुरुषों, उनके जीवन या भावनाओं पर भी कोई प्रभाव पड़ सकता है?

सदियों पुरानी संरचना का दूसरा पहलू: यह सच है कि पितृसत्ता पुरुषों के लिए भी बहुत अधिक दोषमुक्त नहीं है। जहां महिलाओं को आदर्श बेटियां, पत्नियां, बहुएं और मां बनने की आवश्यकता होती है, पुरुषों से अपेक्षा की जाती है और कभी-कभी उन्हें मुखौटा पहनना भी सिखाया जाता है ताकि वे मर्दानगी के छोटे, आदर्श सांचे में फिट हो सकें और पदों के लिए तैयार हो सकें वर्चस्व और पसंदीदा लिंग के शीर्षक के साथ उठाए जाने से उन्हें जहरीले मर्दानगी मिथक से बचाने के लिए बहुत कम है। बचपन से किशोरावस्था तक, जब लड़कियों को भावनात्मक रूप से उपस्थित, पोषण और उनकी इच्छाओं पर निर्भर होने के लिए कहा जाता है, लड़कों को स्वतंत्र, मजबूत और भावनात्मक होना सिखाया जाता है। उन्हें अवचेतन रूप से गुलाबी नहीं पहनने, फूलों के इत्र, या यहां तक कि त्वचा देखभाल उत्पादों का उपयोग करने के लिए वातानुकूलित किया जाता है। काम या करियर के अलावा अन्य विषयों पर खुद को व्यक्त करने के लिए पुरुषों की इस तरह की अनिच्छा, यहां तक ?कि करीबी दोस्तों के समूह के बीच भी, पुरुषों के लिए अवसाद और चिंता जैसे मुद्दों पर बाहर आने से रोकने का एक महत्वपूर्ण कारक है। हालांकि इस घृणा को अक्सर अपने महिला समकक्षों के बजाय पुरुष साथियों द्वारा कम मर्दाना के रूप में देखे जाने के डर से उपजा हुआ देखा जाता है; हो सकता है कि हम इसे जॉन वेन पर उनके कठोर व्यक्तिवाद और उपयुक्त मर्दानगी के लिए दोषी ठहरा सकते हैं, जो वास्तविक कहानी नहीं बताता कि पुरुष वास्तव में कैसे बढ़ सकते हैं।

लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि पितृसत्ता केवल पुरुषों में ही नहीं होती। महिलाएं भी पितृसत्ता के ज्वार में तैर रही हैं और कभी-कभी पुरुषों की तरह ही पितृसत्तात्मक होती हैं। वे एक ही प्रकार के पूर्वाग्रह रखते हैं और अक्सर चाहते हैं कि उनके साथी मर्दानगी के छोटे से बॉक्स में फिट हों।

पितृसत्ता रिश्तों में बदल रही है: मर्दानगी की दृष्टि से यह तो बस शुरुआत है। लैंगिक भूमिकाओं का यह कठोर द्विभाजन पुरुषों और महिलाओं को दूर-दूर के मानकों के गुलाम बना रहा है कि उन्हें कैसे व्यवहार और आचरण करना चाहिए। साथ ही, यह उनके रिश्तों में भी रिस रहा है, उन्हें उनकी पिछली पीढ़ियों के क्लोन बना रहा है और मुसीबतें पैदा कर रहा है, विशेष रूप से अगली पीढ़ी के सहस्राब्दी और जेन जेड अपनी इच्छाओं और खुशी के मूल्य के बारे में अधिक जागरूक हैं। लेकिन यह उभरता हुआ परिदृश्य पुरुषों और महिलाओं को पितृसत्ता से बाहर निकलने का भी आह्वान कर रहा है क्योंकि पुराने नियम अंतरंगता और खुशी के लिए नहीं बनाए गए थे।

पुनर्विचार भूमिकाएं: जैसा कि हम सामाजिक चेतना के एक नए युग की शुरुआत कर रहे हैं, ऐसे कई भारतीय पुरुष हैं, जो पारंपरिक भूमिकाओं से बाहर निकल रहे हैं और खुले तौर पर एक घर में समान जिम्मेदारियों को साझा करने के विचार को स्वीकार कर रहे हैं। देखभाल और पालन-पोषण की प्रवृत्ति से पीछे नहीं हटते, बहुत से सहस्राब्दी पिता और पति आगे आ रहे हैं, कभी-कभी घर पर रहने वाले पिता भी अपने बच्चों के साथ अधिक शामिल होने और जिम्मेदारियों को साझा करने के लिए आगे आ रहे हैं।

यहां तक... कि कोविड -19 के दौरान, जब कार्यालय बंद हो गए, तो बहुत से पुरुषों ने घर पर और अधिक काम करना शुरू कर दिया, और यहां तक... कि घर के कामों जैसे कि बर्तन बनाना और दिन में तीन बार खाना बनाना भी शुरू कर दिया। प्रसिद्ध सेलिब्रिटी और क्रिकेटर विराट कोहली सहित कुछ अधिक जागरूक पुरुष एक कदम आगे बढ़ गए हैं क्योंकि वे उन महिलाओं से शादी करना चुनकर बाधाओं को तोड़ते हैं जो लंबी हैं और उनसे ऊपर हैं।

ऐसे जोड़ों और व्यक्तियों द्वारा इस भूमिका को उलटने को रेखांकित करना, यह तथ्य है कि उन्होंने सामान्य रूप से अन्य सेक्स और रिश्तों के प्रति एक स्वस्थ दृष्टिकोण सीखने और फिर सीखने की हिम्मत की।

जमीनी स्तर: हम उस युग को पार कर चुके हैं जब पुरुष मंगल से थे और महिलाएं शुक्र से। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि दोनों ग्रह पृथ्वी से हैं और दोनों को आधे के रूप में काम करने के बजाय पूर्णता की अवधारणा में गोता लगाने की जरूरत है, जहां एक कमाने वाला है और दूसरा गृहिणी है। जहां महिलाओं को लचीला, बोल्ड और स्त्रैण और आत्मविश्वासी होने की जरूरत है, वहीं पुरुषों को भी मजबूत, कमजोर, आत्मविश्वासी और संवेदनशील होने की जरूरत है। और जैसे-जैसे ज्वार बदल रहा है, हम देख सकते हैं कि पुरुष यह भी समझ सकते हैं कि पितृसत्ता को कुचलने से उन्हें जो कुछ हासिल होगा, वह उनके खोने की तुलना में कहीं अधिक है। क्योंकि दिन के अंत में, हर मर्द को दर्द होता है।

(लेखक एक ऑनलाइन डेटिंग ऐप, ट्रूलीमैडली के सह संस्थापक और सीईओ हैं।)

भारतीय फुटवियर

खुशबू कीर्ति कहती हैं कि ज्यादातर समय लोग घर के अंदर ही रहते हैं। आरामदायक फुटवियर की प्राथमिकता अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर है।

जबकि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय फुटवियर में जबरदस्त बदलाव देखा गया है, हाल के दिनों में उद्योग में महामारी जैसे रुझानों को चिह्नित नहीं किया गया है। लोगों के ज्यादातर समय घर के अंदर रहने के साथ, आरामदायक फुटवियर की प्राथमिकता अब तक के उच्चतम स्तर पर है। इस पोस्ट-कोविड युग में खरीदारी के लिए ऑनलाइन वेबसाइटों पर चप्पल और सैंडल शीर्ष खोज हैं। अब जूते और जूते और ऊँची एड़ी के जूते पर वापस जाना मुश्किल है, अब जब हमने अपने पैरों को एक सपाट चप्पल में फिसलने के जादुई क्षण का स्वाद चखा है, और यही है, आप जाने के लिए अच्छे हैं। हम दो साल ऐसे ही रहे हैं और जब मैंने वोग पर सैंडल के साथ मोजे पहनने का चलन देखा, तो मुझे पता था कि यह सर्दियों के दौरान भी रहने वाला है।

जबकि बैलेरिना, किटन हील्स, ब्लॉक हील्स या वेजेज, ग्रीक सैंडल और लोफर्स का भी भारतीयकरण किया गया है, कुछ फुटवियर हमेशा की तरह भारतीय बने हुए हैं, जो इसकी विशाल और विविध संस्कृतियों और परंपराओं से संबंधित हैं। शैली पर आराम के कारकों को ध्यान में रखते हुए, लेकिन निश्चित रूप से, इसका मतलब यह नहीं है कि हमें कुछ सुस्त रखना है, और अत्यधिक आराम से रहना है। यह एक ही समय में ठाठ और आरामदायक हो सकता है। यहां भारतीय फुटवियर में चार रुझान हैं जिन्हें हमारी पीढ़ियों द्वारा सबसे अधिक अपनाया जा रहा है-

पादुका/खड़ाऊं: हमारे पूर्वजों के समय से, जूते का एक रूप है जिसे हम जानते हैं कि उस समय का आदर्श था - पादुका। हम इसके बारे में जानते हैं क्योंकि एक समय था जब रामायण ने हमें सिखाया था कि कैसे भगवान राम ने अपने पिता के वचन का अपमान करने से इनकार कर दिया और उनके भाई, भरत, जो राम को अपने जीवन से अधिक प्यार और सम्मान करते थे, ने राम की चप्पल मांगी। यह ज्ञात है कि भरत ने इन पादुकाओं के साथ अयोध्या के सिंहासन को अलंकृत किया, इस प्रकार, दुनिया को यह ज्ञात और स्पष्ट किया कि राम राज्य के वास्तविक शासक थे, जबकि वे केवल शासन और उनके स्थान पर मुद्दों को दबाने का ध्यान रखते थे। यहां सैंडल थे जो वास्तव में एक राजा के रूप में शासन करते थे! खड़ाऊं फुटवियर का एक रूप है जिसे फिर से तैयार किया गया है और आधुनिक समय के अनुकूल है, मूल बातें समान हैं। ज्यादातर मामलों में लकड़ी के बजाय चमड़े का उपयोग किया जाता है।

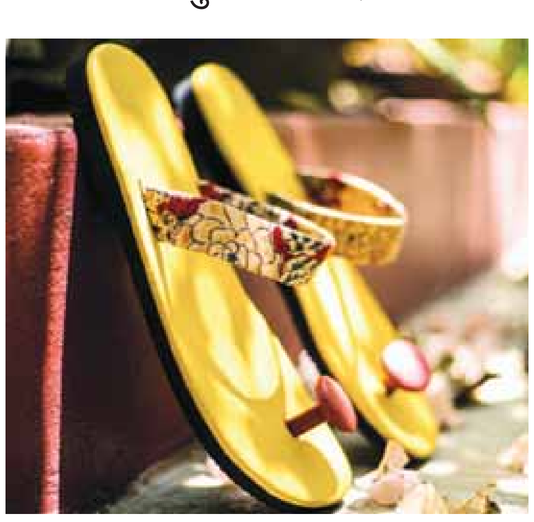

अक्रेटी क्रिएशंस के इन खड़ुों में सीड लेदर बेस और लेदर स्ट्रैप लगे हैं। चमड़ा शुद्ध है और यहाँ घर पर पहनने के लिए पर्याप्त आरामदायक है, जबकि बाहर दिखने के लिए पर्याप्त स्टाइलिश है। इसे स्थानीय कारीगरों ने हाथ से तैयार किया है। छोटे व्यवसायों का समर्थन करके, हम स्थानीय व्यवसायों के लिए एक बाजार बनाते हैं और वास्तव में पीएम मोदी के %वोकल फॉर लोकल% को बढ़ावा देते हैं। इससे न केवल पर्यावरण को लाभ होता है, बल्कि यह स्थायी फैशन के अंतर्गत आता है, बल्कि देश में बेरोजगारी की समस्या को हल करने में भी मदद करता है।

जूती: और मैं कैसे भारतीय जूतों की बात करता रहूं, लेकिन सबसे प्रिय जूतियां को भूल जाऊं। वे कुछ ऐसे हैं जो कभी भी शैली से बाहर नहीं जाते हैं और अब जब हम स्थानीय के लिए मुखर हो रहे हैं, स्थानीय व्यवसायों के लिए एक समर्थन प्रणाली बनाने के प्रयास में, जूटियां को अद्वितीय तरीकों से नया और स्टाइल किया गया है और वर्तमान समय के अनुकूल है।

त्योहारों के मौसम को अपनी सुंदरता से सजाते हुए, इन शाही नीले रंग के खुसों ने दीवाली पर मेरी स्याही वाली नीली कफ्तान और सफेद पैंट को सजाया। सफेद दृश्यों में जटिल काम केवल इसके सौंदर्यशास्त्र को जोड़ता है।

कोल्हापुरी: कोल्हापुरी चप्पलों का इतिहास भी पुराने समय में वापस जाता है, 12 वीं शताब्दी के आसपास, जब पश्चिमी चाल्युका साम्राज्य के राजा बिज्जला

और उनके मंत्री बसवन्ना ने मोची समुदाय के उत्थान के लिए कोल्हापुरी चप्पलों के स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहित किया।

हालांकि, ऐतिहासिक रूप से, ये चमड़े से बने थे, और हम जूते को गैर-चमड़े और चमड़े की श्रेणियों में विभाजित कर सकते हैं, एक और लोकप्रिय प्रवृत्ति अब शाकाहारी जूते और जानवरों पर आधारित उत्पादों का उपयोग कर रही है। जबकि, निश्चित रूप से, हस्तनिर्मित लोगों के साथ चिपके रहना।

वेलवेट फुटवियर को सक्रूरता मुक्त होने पर गर्व होता है। इन नीले कोल्हापुरी स्टाइल के झुर्रीदार स्ट्रैप फ्लैटों में एक बहुत अच्छी तरह से कुशन और लचीला एकमात्र होता है, जिसमें एंटी-स्लाइड अनाज और एक स्क्रूची जैसा गर्म और आरामदायक पट्टा होता है।

स्ट्रैप्ड फ्लैट सैंडल: ट्रेंडीएस्ट और चौबीसों घंटे चलने वाले फुटवियर मोनोक्रोम फ्लैट सैंडल होंगे, जिसमें मामूली गोल स्ट्रैप और चंकी और जीवंत रंग होंगे। प्राकृतिक रंगों, आकर्षक पेस्टल से लेकर बोल्ड रंगों तक, पैनटोन स्ट्रैप्ड फ्लैट सैंडल हमेशा आसपास रहे हैं। देसी ब्रांड के ये पेस्टल सैंडल जितने खूबसूरत हैं उतने ही खूबसूरत भी। वे साल भर हर अवसर पर सूट करते हैं, चाहे वह एथनिक वियर हो या डेनिम्स या फ्लावर फ्रॉक, या स्प्रिंग स्कर्ट, ये अचूक फुटवियर बस सब कुछ के साथ चलते हैं - आराम से मिलने की शैली का एक क्लासिक प्रदर्शन।

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 12 अंक 45
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 2 दिसंबर, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
डाक संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

विनम्रता से परिपूर्ण
विविध-12

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर जारी रहेगा प्रतिबंध

● कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के चलते नागर विमानन महानिदेशालय ने उठाया कदम

भाषा। नई दिल्ली

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 15 दिसंबर से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को बहाल नहीं करने का फैसला किया। डीजीसीए ने कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के सामने आने के मद्देनजर यह कदम उठाया है। डीजीसीए ने बुधवार को बताया कि वाणिज्यिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को बहाल करने की तारीख की घोषण नियत समय पर की जाएगी। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 महामारी की वजह से पिछले साल 20 मार्च से ही सामान्य अंतरराष्ट्रीय उड़ानें स्थगित हैं। डीजीसीए का यह फैसला 27 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अधिकारियों को दिए निर्देश के बाद आया है। मोदी ने ओमीक्रोन को लेकर बढ़ी चिंता के बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में राहत देने की योजना की समीक्षा करने को कहा था। डीजीसीए द्वारा बुधवार को जारी परिपत्र में कहा गया कि वायरस के नए स्वरूप के आने के बाद उत्पन्न वैश्विक स्थिति के मद्देनजर हालात पर करीब से नजर रखी जा रही है तथा अन्य हितधारकों से विचार-विमर्श किया जा रहा है। डीजीसीए ने कहा, ... नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को बहाल करने की प्रभावी तारीख को लेकर उचित फैसले की जानकारी नियत समय पर अधिसूचित की जाएगी।

गौरतलब है कि मौजूदा समय में विभिन्न देशों के साथ द्विपक्षीय समझौते के तहत सीमित संख्या में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन किया जा रहा है। गत महीने की 24 तारीख तक भारत ने 31 देशों से उड़ानों के लिए औपचारिक द्विपक्षीय समझौता किया था। दूसरी ओर स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप को लेकर चिंता के बीच जोखिम वाले देशों से बुधवार को भारत पहुंची 11 उड़ानों के 3476 यात्रियों की जांच की गई जिनमें से कोविड-19 के छह मामले मिले। अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए केंद्र सरकार के संशोधित दिशा-निर्देश बुधवार से अमल में आ गए। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना वायरस के नए स्वरूप को चिंता का स्वरूप घोषित किया है। इस वजह से नए दिशा-निर्देश जारी करने पड़े हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि केंद्र की ओर से अंतरराष्ट्रीय मुसाफिरों के लिए जारी जारी दिशा-निर्देश के लागू होने के पहले दिन कोविड से छह यात्री संक्रमित मिले हैं।

बस अड्डों व रेलवे स्टेशन पर भी होगी आरटीपीसीआर जांच

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बेहतरीन कोविड प्रबंधन से दूसरे देशों को अपना मुरीद बनाने वाली प्रदेश सरकार अब कोरोना के नए वैरिएंट ओमीक्रोन को लेकर सर्तकता बरत रही है। कई देशों में ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों के बीच सर्वाधिक आबादी वाले प्रदेश के सभी बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन व एयरपोर्ट पर अतिरिक्त सर्तकता बरतने के निर्देश बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को दिए हैं। सीएम ने उच्चस्तरीय बैठक में मास्क को अनिवार्य करने और कोविड प्रोटोकाल का कड़ाई से पालन कराने के आदेश जारी किए हैं। सीएम ने बैठक में कहा कि दूसरे देशों और प्रदेशों से उत्तर प्रदेश आ रहे हर व्यक्ति की आरटीपीसीआर जांच की जाए। बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन व एयरपोर्ट पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने के साथ ही बिना जांच किए किसी यात्री को बाहर न आने दिया जाए।

निलंबित परीक्षा नियंत्रक प्राधिकारी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

टीईटी पर्चा लीक मामले में कड़ी कार्रवाई

● बिना जांच पड़ताल के परीक्षा के लिए निर्धारित मानकों को पूरा न करने वाली कंपनी को दे दिया प्रश्नपत्र छापने का ठेका

उप्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी टीईटी) 2021 पेपर लीक मामले में एसटीएफ ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार को निलंबित किए गए वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी और सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी (पीएनपी) संजय उपाध्याय को लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया। उन्हें अहम कार्य में गोपनीयता न बरतने और परीक्षा की शुचिता बरकरार न रख पाने में प्रथम दृष्ट्या दोषी पाया गया है। संजय उपाध्याय को लखनऊ से गिरफ्तार कर नोएडा ले जाया गया है। इसके पहले यूपी एसटीएफ ने प्रश्नपत्र छापने वाली एजेंसी के निदेशक राय अनूप प्रसाद को नोएडा से गिरफ्तार किया था। इस एजेंसी को प्रश्न पत्र छापने का वर्क आर्डर संजय उपाध्याय ने जारी किया था। 28.11.2021 को उत्तर प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर आयेजित होने वाली सहायक अध्यापक पात्रता परीक्षा 2021 के प्रश्न पत्र को अवैध तरीके से अभ्यर्थियो को लाभ पहुंचाने के लिए भारी मात्रा में धन लेकर प्रश्न पत्र आउट कराने के इस मामले में एसटीएफ अब तक अलग-अलग जनपदों में कुल 10 मुकदमे दर्ज कराकर 32 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें प्रयागराज से 18, शामली से 4, लखनऊ से 4, अयोध्या से 3, कौशाम्बी, बागपत और नोएडा एक एक गिरफ्तारी हुई है। अभियुक्तों के पास से भारी मात्रा में प्रश्नपत्र की छायाप्रति, मोबाइल के व्हाटसएप पर प्रश्नपत्रों की फोटो, पेन ड्राइव आदि बरामद कर उनको जेल भेजा गया।

एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि एसटीएफ फील्ड यूनिट नोएडा द्वारा की जा रही जांच के दौरान एवं गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ एवं साक्ष्यों के आधार पर 30.11.21 को सहायक अध्यापक पात्रता परीक्षा 2021 के प्रश्न पत्र मुद्रण करने वाली कम्पनी आरएसएम फिनसर्व लिमिटेड बदरपुर नई दिल्ली की पेपर आउट होने के प्रकरण में संलिप्तता पाये जाने पर इस कम्पनी के डायरेक्टर राय अनूप प्रसाद को बीते मंगलवार को जेल भेजा गया था। राय अनूप प्रसाद डायरेक्ट आरएसएम फिनसर्व लिमिटेड डायरेक्टर राय अनूप प्रसाद से पूछताछ एवं मिलें साक्ष्यों के आधार पर एसटीएफ नोएडा टीम एवं कमिश्नरेट नोएडा की थाना सूरजपुर पुलिस की संयुक्त टीम के द्वारा अभियोग में नामित अभियुक्त तत्कालीन सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी प्रयागराज संजय उपाध्याय को बुधवार को पूछताछ के लिए एसटीएफ मुख्यालय बुलवाया गया। तदोपरान्त एसटीएफ प्रयागराज, एसटीएफ नोएडा तथा थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनगर पुलिस की संयुक्त पूछताछ के उपरान्त संलिप्तता पाये जाने पर अभियुक्त संजय उपाध्याय को हिरासत में लिया गया और उनसे विस्तृत पूछताछ के बाद पेपर आउट करने एवं परीक्षा को सूचितापूर्वक सफल न करा पाने में संलिप्तता पाते हुए गिरफ्तार किया गया।

संजय उपाध्याय

अनिल भूषण चतुर्वेदी फिर बने पीएनपी के सचिव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी टीईटी पेपर लीक प्रकरण में परीक्षा नियामक प्राधिकारी सचिव संजय उपाध्याय पर कार्यवाही के बाद शासन स्तर पर इसकी जिम्मेदारी फिर से अनिल भूषण चतुर्वेदी को दे दी गई है। अनिल भूषण चतुर्वेदी का तबादला इसी साल जून में सचिव के पद से स्थानांतरित कर निदेशक एससीईआरटी पद पर लखनऊ भेजा गया था। इसके अलावा मनोज कुमार अहिरवार रजिस्ट्रार होंगे।

अलीगढ़ से वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पीटी पर्चा लीक मामले में शामली में दर्ज हुए मुकदमे में वांछित एक अभियुक्त गौरव को एसटीएफ ने अलीगढ़ से गिरफ्तार किया है। जिसने पांच लाख रुपए में टीईटी का पेपर कुछ लोगों के माध्यम से मथुरा से अपने व्हाट्सएप पर मंगाकर उसे दो-दो लाख में बेचा था। गौरव ने पूछताछ पर बताया कि मैंने व मेरे साथियों द्वारा कुछ दिन पहले यूपी टीईटी की परीक्षा का प्रश्नपत्र आउट कराया था। जिनमें से मेरे कुछ साथी 28.11.2021 को जनपद शामली में पुलिस द्वारा पकड़ लिये गए, जिसकी भनक हम लोगों को लग गयी थी। सख्ती से की गयी पूछताछ में उसके द्वारा बताया गया कि मैंने यूपीटीईटी का यह पेपर निर्दोश पुत्र केहरी सिंह निवासी गोडा जनपद अलीगढ़ व विष्णु पुत्र राजू निवासी ढाटौली जनपद अलीगढ़ से 5 लाख रुपए में अपने साथी धर्मेन्द्र मलिक, रवि पवॉर उर्फ बन्टी मनीष मलिक उर्फ मोनू व अजय उर्फ बबलू को मथुरा में दिलवाया था।

रामनगरी अयोध्या में बुधवार को शांति महायज्ञ में आरती करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लोकसभा में उठी समान नागरिक संहिता लागू करने की मांग

नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को भाजपा के एक सदस्य ने समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए कानून लाने की मांग की। शून्यकाल में इस विषय को उठाते हुए भाजपा के निशिकांत दुबे ने कहा कि 1947 में धर्म के आधार पर देश का बंटवारा होने के बाद भी भारत धर्मनिरपेक्ष देश रहा है। उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एक व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि हम देश में आजादी के 75 साल बाद भी समान नागरिक संहिता लागू नहीं कर सके हैं और इसमें अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए संसद में कानून बनाया जाना चाहिए। कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि आज देश में किसान बड़ी परेशानी में हैं और पूरे देश में किसानों का ऋण माफ किया जाना चाहिए। भाजपा के सत्यदेव पचौरी ने उच्चतम न्यायालय में हिंदी भाषा में वाद दाखिल करने की अनुमति दिए जाने की मांग केंद्र सरकार से की।

शिरोमणि अकाली दल नेता मनजिंदर सिरसा भाजपा में

भाषा। नई दिल्ली

पंजाब में विधानसभा चुनाव के पहले शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता और दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के प्रमुख मनजिंदर सिंह सिरसा बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। सिरसा यहां केंद्रीय मंत्रियों धर्मेंद्र प्रधान और गजेंद्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए। भाजपा मुख्यालय में पार्टी में शामिल होने के बाद सिरसा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा से मुलाकात की। सिरसा के बारे में नड्डा ने कहा, मुझे यकीन है कि उनका अनुभव और कड़ी मेहनत भाजपा को और मजबूत करेगी। पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा के प्रभारी शेखावत ने कहा कि सिरसा को पार्टी में शामिल करने से निश्चित रूप से राज्य में अगले साल की शुरुआत में होने वाले चुनाव में मदद मिलेगी। सिरसा राष्ट्रीय राजधानी में शिरोमणि अकाली दल का एक प्रमुख चेहरा रहे हैं और तीनों विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के विरोध प्रदर्शन का मजबूती से समर्थन कर रहे थे। संसद ने हाल ही में तीन कानूनों को रद्द करने के लिए एक विधेयक पारित किया जिसे प्रदर्शनकारी किसानों को शांत करने के भाजपा के प्रयास के रूप में देखा गया है। प्रदर्शनकारियों में से बड़ी संख्या में पंजाब के सिख हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद सिरसा ने मीडिया से कहा, मैंने हमेशा सिखों से जुड़े मुद्दों के लिए आवाज उठाई है। मैंने देश भर में सिखों से संबंधित मुद्दों के संबंध में गृह मंत्री अमित शाह जी के साथ बातचीत की।

नवंबर में जीएसटी संग्रह 1.31 लाख करोड़ पार

● अबतक का दूसरा सबसे ऊंचा आंकड़ा

भाषा। नई दिल्ली

माल और सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह नवंबर में 25 प्रतिशत बढ़कर 1.31 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया, जो जुलाई 2017 में इस कर व्यवस्था के लागू होने के बाद से दूसरा सबसे अधिक संग्रह है। इससे व्यावसायिक गतिविधियों के सामान्य होने और अनुपालन में वृद्धि का संकेत मिलता है। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह लगातार पांचवां महीना है जब जीएसटी से राजस्व एक लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नवंबर महीने में एकत्रित कुल जीएसटी राजस्व ।,31,526 करोड़ रुपए है, जिसमें सीजीएसटी 23,978 करोड़ रुपए, एसजीएसटी 31,127 करोड़ रुपए, आईजीएसटी 66,815 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्रित 32,165 करोड़ रुपए सहित) और उपकर 9,606 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्रित 653 करोड़ रुपए सहित) है। सीजीएसटी का मतलब केंद्रीय माल और सेवा कर है। एसजीएसटी का अर्थ राज्य माल और सेवा कर है जबकि आईजीएसटी का मतलब एकीकृत माल और सेवा कर है। नवंबर महीने के लिए जीएसटी राजस्व नवंबर, 2020 की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है, और नवंबर, 2019 की तुलना में यह 27 प्रतिशत अधिक है। मंत्रालय ने कहा, नवंबर, 2021 के लिए जीएसटी राजस्व जीएसटी की शुरुआत के बाद से दूसरा सबसे अधिक है। यह पिछले महीने के संग्रह से अधिक है। यह आर्थिक सुधार की प्रवृत्ति के अनुरूप है।

किसानों के विरोध से एनएचएआई को 2,731 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में किसानों के विरोध के कारण सरकारी स्वामित्व वाले भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को 2,731.32 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ है। यह जानकारी संसद को दी गई। राज्यसभा में एक लिखित प्रश्न का उत्तर देते हुए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि इस विरोध प्रदर्शन ने अक्टूबर 2020 से पथकर वसूली संग्रह को प्रभावित करना शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा कि शुरू में पंजाब में अक्टूबर 2020 में आंदोलनकारी किसानों द्वारा टोल प्लाजा के परिचालन को ठप्प कर दिया गया था। मंत्री ने कहा, यह अंततः पूरे हरियाणा के पड़ोसी राज्यों और राजस्थान के कुछ हिस्सों में फैल गया। किसान आंदोलन के कारण कुल मिलाकर 60 से 65 एनएच टोल प्लाजा के संचालन प्रभावित हुए, जिसके परिणामस्वरूप 2,731 करोड़ रुपए के टोल संग्रह का नुकसान हुआ। एक अलग सवाल का जवाब देते हुए, गडकरी ने कहा कि मंत्रालय ने विभिन्न परियोजनाओं के तहत वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान 12,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण का लक्ष्य रखा है।

बाजार

सेंसेक्स	57,684	↑ 619	
निफ्टी	17,166	↑ 183	
सोना	46,848	↓ 302	/10g
चांदी	61,031	↓ 81	/kg

क्विक न्यूज

रास में विपक्ष का हंगामा जारी नहीं हो सका कामकाज

नई दिल्ली। राज्यसभा के 12 सदस्यों का निलंबन वापस लेने की मांग कर रहे विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे की वजह से उच्च सदन की बैठक बुधवार को तीन बार बाधित होने के बाद दोपहर तीन बज कर पांच मिनट पर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी दलों के सदस्य कांग्रेस की फूलो देवी नेताम, छाया वर्मा, रिपुन बोरा, राजमणि पटेल, सैयद नासिर हुसैन, अखिलेश प्रताप सिंह, तृणमूल कांग्रेस की डोला सेन और शांता छेत्री, शिव सेना की प्रियंका चतुर्वेदी और अनिल देसाई, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के इलामारम करीम तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विनय विस्वम का निलंबन वापस लिए जाने की मांग कर रहे थे। इन 12 सदस्यों को पिछले मॉनसून सत्र के दौरान अशोभनीय आचरण करने की वजह से, वर्तमान सत्र की शेष अवधि के लिए राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया है।

पुलवामा में जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकवादी ढेर हुए

भाषा। श्रीनगर

सेना ने बुधवार को दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में हुई मुठभेड़ में आईईडी बनाने में माहिर जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के आतंकवादी कमांडर यासिर पें और एक विदेशी आतंकी को ढेर कर बड़ी सफलता हासिल की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सेना ने पें के गृह ग्राम कसबयार में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में पुलिस से सूचना मिलने के बाद मंगलवार रात 11 बजे इलाके में अभियान शुरू किया था।

अधिकारियों ने कहा कि 44 राष्ट्रीय राइफल्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल ए.के. सिंह ने अभियान का नेतृत्व किया और सुनिश्चित किया कि सुरक्षा कर्मियों को कोई नुकसान न हो। उन्होंने बताया कि तड़के तीन बजे दो आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि हुई क्योंकि वे ऊपरी मंजिल और छत के बीच बने मचान में छिपे थे। जून, 2019 में अरिहाल-पुलवामा मार्ग से गुजर रहे 44 राष्ट्रीय राइफल्स के बहु-वाहन गश्ती दल पर आईईडी विस्फोट के पीछे बी श्रेणी के ईनामी आतंकवादी पें का हाथ था।

इस घटना में दो जवान शहीद हो गए थे और 17 घायल हो गए थे। साल 2019 में घटना के बाद भावुक हुए कर्नल सिंह ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा था, तुम (आतंकवादी) चाहे कहीं भी छिप जाओ, हम तुम्हें ढूंढ लेंगे, तुम्हारा खात्मा कर देंगे... क्योंकि हम कभी नहीं भूलते, कभी माफ नहीं करते। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को पूरे अभियान की निगरानी करते हुए कर्नल सिंह ने पें के पिता को उसके आत्मसमर्पण के लिए बुलाया, लेकिन फुरकान नामक विदेशी आतंकवादी ने भारी गोलीबारी की, जिसके चलते बात नहीं बन सकी।

पिता ने अपने दो बच्चों के साथ लगाई आग, तीनों की मौत

गोरखपुर(भाषा)। गोरखपुर जिले के गीडा क्षेत्र में बुधवार को एक व्यक्ति ने अपने दो बच्चों के साथ आत्मदाह कर लिया जिससे इस घटना में तीनों की मृत्यु हो गई। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि गीडा थाना क्षेत्र में मदन कनौजिया (36) नामक व्यक्ति ने खुद को तथा अपने दोनों बच्चों अन्नपूर्णा (सात) और अतुल (पांच) को एक कमरे में बंद कर लिया और रसोई गैस खोल कर आग लगा दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में मदन और उसके दोनों बच्चों की झुलस कर मृत्यु हो गई। मदन के छोटे भाई मोहन ने पुलिस को बताया कि उसके बड़े भाई की अपनी पत्नी से कुछ कहासुनी हुई थी जिसके बाद वह अपने मायके चली गई थी और वापस आने को राजी नहीं हो रही थी। मोहन ने यह भी बताया कि उसके भाई का मानसिक संतुलन भी ठीक नहीं था। इस घटना की सूचना मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) मनोज अवस्थी पुलिस बल तथा फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

पवार से मिलीं ममता, राहुल गांधी पर कसा तंज

● कहा, अब संप्रग जैसा कुछ नहीं है, ज्यादातर समय विदेश में रह कर कोई कुछ भी हासिल नहीं कर सकता

भाषा। मुंबई

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को राकांपा सुप्रीमो शरद पवार से यहां मुलाकात की और कांग्रेस नेतृत्व पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की बात कही। एक ओर बनर्जी ने टिप्पणी की कि अब संप्रग जैसा कुछ नहीं है और ज्यादातर समय विदेश में रह कर कोई कुछ भी हासिल नहीं कर सकता है।

वहीं, पवार ने कहा कि वर्तमान में नेतृत्व कोई मुद्दा नहीं है और भाजपा के खिलाफ लड़ाई में समान विचार रखने वाली सभी पार्टियों का स्वागत है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए बनर्जी ने कहा, राजनीति में निरंतर प्रयास आवश्यक है। आप हमेशा विदेश में नहीं रह सकते। उन्होंने कहा, मैंने कांग्रेस को सलाह दी थी कि विपक्ष को दिशा दिखाने के लिए सिविल सोसायटी के प्रतिष्ठित लोगों की एक सलाहकार समिति गठित की जाए, लेकिन कुछ नहीं हुआ।

इससे पहले सिविल सोसायटी के सदस्यों के साथ बातचीत में बनर्जी ने दावा किया कि विपक्ष को दिशा दिखाने के लिए सिविल सोसायटी के प्रतिष्ठित लोगों की एक सलाहकार समिति गठित करने की सलाह उन्होंने कांग्रेस को दी थी, लेकिन यह योजना परवान नहीं चढ़ी। यहां सिविल सोसायटी के लोगों के साथ बातचीत में बनर्जी ने कहा कि अगर सभी क्षेत्रीय पार्टियां साथ आ गईं तो भारतीय जनता पार्टी को हराना आसान होगा। उन्होंने कहा, हम कहना चाहते हैं, भाजपा हटाओ, देश बचाओ। बनर्जी ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने उम्मीदवार नहीं उतारेगी। तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के संबंध में आई दूरी की पृष्ठभूमि में बनर्जी शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेताओं से मिलने मुंबई की तीन दिवसीय यात्रा पर आई हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में इस साल बनर्जी की पार्टी को मिली जीत के बाद कांग्रेस के कई नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया है। हाल ही में मेघालय में कांग्रेस के 17 विधायकों में से 12 तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए, जिससे वह राज्य में मुख्य विपक्षी पार्टी बन गई। यह पूछने पर कि क्या वह भाजपा के खिलाफ विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करेंगी।

बस यात्रियों की सुविधाओं की समय-समय पर करें मॉनीटरिंग

● सीएम ने बसों में सुविधा बढ़ाने, सुरक्षा, सफाई और सेनिटाइजेशन करने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की जनता को बसों में सफर के दौरान और बेहतर सुविधा मिल सके इसके लिए परिवहन निगम को चाक-चौबंद व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिये गये हैं। दूसरे देशों में कोविड के नए वेरिएंट की बढ़ती रफ्तार को देखते हुए सीएम योगी ने बस स्टेशनों पर भी इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। कोहरे की स्थिति से निपटने के लिए रात में सफर के दौरान बसों में हैडलाइटस की उचित व्यवस्था हो, बसों में बैठने की सीटें फटी या टूटी न हों। अधिकारी समय-समय पर यात्रियों को मिल रही सुविधाओं की मॉनीटिरिंग भी करते रहें। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अधिकारियों के साथ बैठक में कई आवश्यक निर्देश जारी किये हैं। उन्होंने कहा है कि परिवहन निगम की बसों में सफर करने के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार से असुविधा नहीं होनी चाहिए। अधिकारी इसका हर हाल में ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि सफर के दौरान यात्रियों को बेहतर सुविधा दिये जाने के साथ उनके सफर को आरामदायक बनाने के हर संभव प्रयास किये जाएं। प्रदेश में परिवहन निगम की बसों में सफर करने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधा दिए जाने पर हमेशा उनका जोर रहा है। उनके निर्देश पर प्रदेश में बस स्टेशनों का विस्तार भी तेजी से किया जा रहा है। सरकार पर्यटकों और यात्रियों के लिए अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय बस अड्डा भी बनाने जा रही है।

प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में पात्र 100 दिव्यांगों को मिलेगी मुफ्त मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में 100 पात्र दिव्यांगों को मुफ्त मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल उपलब्ध कराएगा। इसके लिए अपर मुख्य सचिव दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग हेमन्त राव ने निशुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल उपलब्ध कराने के लिए नियमावली.2021 को वर्तमान वित्तीय वर्ष हेतु संशोधित कर दिया गया। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के आदेशानुसार चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए पात्र लाभार्थियों को मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल से लाभान्वित किये जाने हेतु शत प्रतिशत वित्त पोषण राज्य सरकार द्वारा किया जायेगा। इस योजना के अन्तर्गत अनुदान की अधिकतम धनराशि मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल का वास्तविक मूल अथवा पूर्व में दी गयी व्यवस्थानुसार 25,000 रुपये जो भी न्यूनतम हो, प्रति दिव्यांगजन अनुमन्य होगा।

संवासित बच्चों की मूलभूत जरूरतों का ध्यान रखें

● उत्तर प्रदेश बाल कल्याण परिषद की कार्यकारिणी समिति एवं वार्षिक आम सभा की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में बुधवार को राजभवन के गांधी सभागार में उत्तर प्रदेश बाल कल्याण परिषद की कार्यकारिणी समिति एवं वार्षिक आम सभा की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्यपाल ने परिषद द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2019-20 की बैठक की कार्यवाही, वार्षिक प्रगति आख्या 2020-21, आडिटेड लेखे आय-व्यय विवरण 2020-21 तथा 2021-22 पर चर्चा की और अनुमोदन दिया।

बैठक में राज्यपाल ने परिषद की जनरल सेक्रेटरी रीता सिंह द्वारा आर्थिक अनुदान प्राप्त करने में आ रही दिक्कतों तथा कोविड.19 काल में अन्य संस्थानों और व्यक्तिगत दान दाताओं से प्राप्त आर्थिक सहायता में आई कमी की चर्चा को गम्भीरता से लेते हुए कहा कि बाल कल्याण परिषद बच्चों के कल्याण के लिए ही बना है और अभिभावकों के आश्रय से छूटे, किन्ही कारणों से घर से भागे बच्चों को यहाँ आश्रय मिलता है। सामाजिक सहयोग इन बच्चों के संरक्षण की समुचित व्यवस्थाओं का बहुत बड़ा आधार होता है। उन्होंने परिषद को निर्देश दिया कि वे अपनी आवश्यकताओं का प्रस्ताव बनाकर सहायता समूहों, सामाजिक सहायता हेतु दान देने वाले लोगों से सम्पर्क करके प्रस्ताव के आधार पर पूर्ति के लिए आग्रह करें। उन्होंने परिषद द्वारा लघु गृह उद्योग लगाकर आवासित महिलाओं के सहयोग से आर्थिक उपार्जन के प्रयासों की प्रगति की समीक्षा भी की। राज्यपाल ने बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की निदेशक सारिका मोहन को केन्द्र सरकार से प्राप्त बजट से बाल कल्याण परिषद के अनुदान अंश को शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्रावासों, बाल गृहों, महिलाओं हेतु संरक्षण गृहों में आवासित संवासियों की मूलभूत आवश्यकताओं और उचित भोजन व्यवस्थाओं में कमी न हो इसके लिए अधिकारी सहृदयता पूर्वक कार्य करें। बैठक में परिषद को वन विभाग के प्राप्त भूमि की लीज नवीनीकरण के बिन्दु पर भी चर्चा की गई। राज्यपाल ने बैठक में उपस्थित वन अधिकारी रवि सिंह को बाल कल्याण परिषद के पदाधिकागणों के साथ बैठक करके सभी कागजी कार्यवाही पूर्ण कराने तथा लीज नवीनीकरण की कार्यवाही कराने के निर्देश दिए।

अपराधियों-माफियाओं को अब बेल नहीं जेल आ रही पसंद: पाठक

● भाजपा सरकार ने किया भूमाफियाओं, अपराधियों का सफाया

● धर्म परिवर्तन कानून ने तोड़ी धर्मांतरण व लव जिहाद की कमर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी मुख्यालय में बुधवार को कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक ने पत्रकारों से वार्ता करते हुये कहा कि उत्तर प्रदेश में सपा सरकार के शासनकाल में पूरे प्रदेश में अपराध चरम पर था। माफिया अपराधी जेल में नहीं बेल पर रहते थे और कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बनते थे। यह केवल सत्ता द्वारा मिले संरक्षण की वजह से था, माफिया सरकारी गाड़ियों में मंत्रियों के साथ घूमते थे। आज परिदृश्य बदला है अपराधियों और माफियाओं को उप्र में बेल नहीं पसंद है वह अपनी बेल खारिज कराकर जेल जा रहे हैं, पुलिस के आगे आत्म समर्पण कर रहे हैं।

ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश की जनता भूली नहीं है की कैसे थानों पर सपा के गुंडे, माफिया और अराजक तत्व कब्जा करके बैठते थे, प्रदेश के लगभग 1550 थानों में लगभग 600 से ज्यादा में एक ही जाति व समुदाय विशेष के लोग काबिज थे। श्री पाठक ने कहा कि सपा सरकार में कानून व्यवस्था को चौपट करके रख दिया गया था। वह यह भी नहीं भूली है की किस तरह से सत्ता का संरक्षण पा कर कासगंज और मथुरा में कई-कई दिनों तक उपद्रव होते रहे हैं और सपा मुखिया के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी, जिसका दुष्परिणाम रहा कि उपद्रवियों का हौसला इतना बुलंद हो चुका था कि एसपी सिटी मुकुल द्विवेदी की हत्या तक कर दी गई। आज प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कानून व्यवस्था पर जीरो टालरेंस की नीति पर काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि जो अवैध संपत्ति अपराधियों ने अपनी गुंडागर्दी की बदौलत कमाई, उसमें आज योगी सरकार में 1866 करोड़ से अधिक की संपत्ति को कब्जा मुक्त कराने का काम किया है साथ ही पिछली सरकारों में संरक्षित संगठित माफिया गिरोह के नेटवर्क को हमारी सरकार ने ध्वस्त किया है। ब्रजेश पाठक ने कहा कि योगी सरकार ने पिछले साढ़े चार सालों में गैंगेस्टर एक्ट के तहत 36990 अपराधियों को गिरफ्तार किया है, 523 लोगों पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। वहीं पिछली सरकार में सपा नेताओं के नेतृत्व में थाने चलाये जाते थे, थानों में बैठकर वसूली होती थी, आज पूरे प्रदेश में कानून का राज है। प्रदेश में योगी आदित्यानाथ के नेतृत्व में हमने 214 नये थानों की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि सपा मुखिया ने तुष्टीकरण की नीति अपनाकर अपराधियों के मनोबल को बढ़ाया था और पूरा प्रदेश उनके चंगुल में कर दिया था, आज फर्क साफ है कि भाजपा सरकार में आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए स्पेशल फोर्स का गठन किया गया है और इसमें तत्काल गिरफ्तारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने तय किया है कि हम उनके खिलाफ नहीं है जो अपनी मर्जी से धर्म परिवर्तन करके शादी करना चाहती हैं। छद्म नाम रखकर के, प्रलोभन देकर कोई भी व्यक्ति किसी भी बहन-बेटी के साथ खिलवाड़ नहीं कर पाये इसके लिए हमने यूपी में विधि विरूद्ध धर्म-परिवर्तन कानून बनाकर ऐसे लोग जो लवजिहाद करके हमारी बहनों को प्रताड़ित करते थे उनके जीवन के साथ खिलवाड़ करते थे उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का काम किया है।

पशु रोग नियंत्रण योजना के लिए 451 लाख रुपए से अधिक स्वीकृत

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने पशुपालन विभाग की पशु रोग नियंत्रण योजना के लिए 451.476 लाख रूपये (चार करोड़ इक्यावन लाख सैंतालिस हजार छह सौ रूपये)की धनराशि वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्वीकृत की है। स्वीकृत धनराशि का व्यय अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना के अन्तर्गत किया जायेगा। यह योजना 60 प्रतिशत केन्द्र पोषित तथा 40 प्रतिशत राज्य पोषित है। पशुधन विभाग द्वारा इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया है। योजना के सुनियोजित क्रियान्वयन के लिए निदेशकए रोग नियंत्रण प्रक्षेत्रए पशुपालन विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। शासनादेश में कहा गया है कि स्वीकृत धनराशि का आहरण एवं व्यय भारत सरकार के दिशा निर्देशों एवं निर्धारित मानकों व कार्य योजना का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जाएगा।

कृषक हित में जैविक खेती ज्यादा बेहतर: लाखन सिंह

● कृषि राज्य मंत्री ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सप्ताह का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारत सरकार द्वारा भारत के 75 वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मनाये जा रहे भारत का अमृत महोत्सव के अंतर्गत बुधवार को कृषि भवन में कृषि राज्य मंत्री लाखन सिंह राजपूत ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सप्ताह का उद्घाटन किया। कृषि राज्यमंत्री ने कार्यक्रम में आए किसानों को जैविक खेती और रासायनिक खेती में अन्तर को समझाते बताया कि जैविक खेती कृषक हित में रासायनिक खेती की अपेक्षा ज्यादा बेहतर है । इस मौके पर अपर मुख्य सचिव द्वारा कृषकों को बीमा होने की सूचना दिये जाने पर जोर देते हुए कृषि विभाग के अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारी का बोध कराया गया । कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बीमा कम्पनियों द्वारा फसल कटाई प्रयोगों के आधार पर जो क्षतिपूर्ति भुगतान की जाती है ए उसका मिलान कृषि विभाग द्वारा आंकलित की गयी क्षतिपूर्ति से प्रत्येक मौसम में कराया जाय। यदि किसी बीमा कम्पनी द्वारा विभाग द्वारा आंकलित क्षतिपूर्ति से कम क्षतिपूर्ति का भुगतान किया जाय तो उसे सम्पूर्ण क्षतिपूर्ति का भुगतान करने हेतु निर्देशित किया जाय । कृषि निदेशक ने किसानों से अपील करी कि अपनी फसलों का बीमा करायें और क्षति की दशा में बीमा लाभ प्राप्त करें। कृषि राज्यमंत्री एवं अपर मुख्य सचिव द्वारा राज्य स्तर के सर्वाधिक क्षतिपूर्ति पाने वाले 5 किसानों को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार लखनऊ जनपद के सर्वाधिक क्षतिपूर्ति पाने वाले 5 किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जनता को भाजपा ने झूठे सपने दिखाए: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में बहुत अन्याय है। जनता को भाजपा ने झूठे सपने दिखाए। यहां तक कि विज्ञापन भी झूठे दिखा रहे हैं। भाजपा के लोग दमदार झूठ बोलने वाले हैं। लेकिन इनके झूठ के फूल में खुशबू नहीं है। बुन्देलखंड को भाजपा राज में कुछ नहीं मिला है। किसान को धोखा दिया है। नौजवान बेरोजगारी से जूझ रहा है। अब यह लोगों को ही तय करना है कि उन्हें योगी सरकार चाहिए या योग्य सरकार चाहिए।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों की आय दुगनी करने का झूठ बोला। भाजपा सरकार में जानबूझकर पेपर लीक किया जाता है। यह लीक सरकार है। सरकार इसलिए पेपर लीक कराती है जिससे नौजवानों को नौकरी न देना पड़े। टीईटी पेपर लीक हुआ। लाखों नौजवान परेशान हुए। इससे पहले भी इस सरकार में कई बार पेपर लीक हुए हैं। श्री यादव ने कहा कि भाजपा के वादे जुमले निकले। इनकी बातें झूठी हैं। भाजपा सरकार ने डीजल.पेट्रोल के दाम बढ़ाकर हर चीज को महंगा कर दिया है। गरीब की गाड़ी नहीं चल पा रही है। खाद महंगी हो गयी। किसानों को खाद नहीं मिल रही। सरकार ने खाद का समय पर इंतजाम नहीं किया। भाजपा सरकार ने अन्ना पशुओं के लिए कुछ नहीं किया। किसान रात-रात भर जागकर अपनी फसल को नहीं बचा पा रहा है।

मुरादाबाद में आज प्रतिज्ञा रैली कर कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगी प्रियंका गांधी

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा 2 दिसंबर को मुरादाबाद में प्रतिज्ञा रैली कर पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगी। प्रतिज्ञा रैली की तैयारियां जोरों पर हैंए तैयारियों के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी पहले से ही पहुंच चुके हैं। कांग्रेस प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने रैली स्थल पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। प्रियंका गांधी इस प्रतिज्ञा रैली में कुछ नई प्रतिज्ञाओं की घोषणा भी कर सकती हैं। मुरादाबाद की प्रतिज्ञा रैली स्थल बुद्ध विहार ग्राउंड पर होगी। प्रियंका गांधी लगातार उत्तर प्रदेश में संगठन की मजबूती को लेकर दिन रात काम कर रहीं हैं। मुरादाबाद से पहले वह बनारस, गोरखपुर और महोबा में भी प्रतिज्ञा रैली कर चुकी हैं।

प्रदेश में अब तक हुई 12.70 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद

● 181195 किसान हुए लाभान्वित, किया गया 1471.97 करोड़ का भुगतान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार ने किसानों को उनकी उपज की कीमत मूल्य समर्थन योजना के अनुरूप या उससे अधिक दिलाने के उद्देश्य से किसानों से सीधे धान की खरीद करते हुए खरीफ क्रय वर्ष 2021-22 में अब तक विभिन्न क्रय केन्द्रों के माध्यम सेए 1270277.03 मीट्रिक टन धान किसानों से क्रय किया है। खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार आज 54823.22 मीट्रिक टन खरीद हुई है। इस योजना से अब तक 181195 किसान लाभान्वित हुए हैं और करीब 1471.971 करोड़ रूपये का भुगतान उनके खातों में किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा इस खरीफक्रय वर्ष के तहत 70 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य रखा गया है।

आंगनवाड़ी कार्यकत्री व सहायिकाओं को मिलेगा मासिक प्रोत्साहन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार द्वारा पोषण अभियान के अन्तर्गत आंगनवाड़ी कार्यकत्री एवं आंगनवाड़ी सहायिकाओं हेतु मासिक प्रोत्साह प्रदान करने के सम्बन्ध में दिशा-निर्देश जारी किये गये है। इस संबंध में बाल विकास एवं पुष्टाहार द्वारा शासनादेश जारी कर दिया गया है। शासनादेश के अनुसार निदेशक सीपीएमयू, पोषण अभियान, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों-सहायिकाओं को मासिक प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के सम्बन्ध में दिशानिर्देश निर्गत किए गये हैं, जिसके अन्तर्गत मासिक प्रोत्साहन मापदंड निर्धारित किये गए है। जिसमें आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा मानदण्डों को पूरा करने पर 500 रुपये की धनराशि प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार आंगनवाड़ी सहायिका द्वारा उपर्युक्त मानदंडों को पूरा करने पर रूपये 250 की धनराशि प्रदान की जाएगी।

नगर निगम कानपुर
निविदा सूचना
निविदा संख्या—34 / मु03मि0 / 2021—22

नगर निगम कानपुर के समस्त वर्ष 2021—22 में पंजीकृत / नवीनीकृत ठेकेदारों से उनकी पंजीकरण सीमा के अंतर्गत तथा उ0प्र0 सरकार के अधीन किसी सरकारी संस्था में निर्माण कार्य हेतु वर्ष 2021—22 में पंजीकृत ठेकेदारों से विभिन्न अभियन्त्रण खण्डों के अन्तर्गत आवश्यक कार्यो हेतु निम्नानुसार निविदायें आमन्त्रित की जाती हैं : —
1. ई—टेण्डरिंग पद्धति से अमन्त्रित निविदाओं की संख्या :—352 दिनांक 14—12—2021

उपरोक्तानुसार आमंत्रित निविदाओं के कार्यों का पृथक—पृथक विवरण एवं निविदा से सम्बन्धित नियम एवं शर्तें कानपुर नगर निगम की बेवसाइट kmc.up.nic.in पर एवं मुख्य अभियन्ता कार्यालय के नोटिस बोर्ड व सम्बन्धित अधिशाषी अभियन्ता के कार्यालय में देखी सकती हैं।

मुख्य अभियन्ता
नगर निणम, कानपुर

कार्यालय : अधिशासी अभियन्ता, जोन—8, जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

पत्रांक : 594/EE-8/2021-22 दिनांक : 30.11.2021

(अति—अल्पकालीन निविदा—सूचना)

जलकल विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु अल्पकालिक निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्यदिवस में दिनांक 7.12.2021 को अपराह्न 03:00 बजे तक अधिशासी अभियन्ता, जोन—8 के कार्यालय के कैश काउन्टर से प्राप्त किये जा सकते हैं। सील्ड निविदाएं दिनांक 07.12.2021 तक अधिशासी अभियन्ता, जोन—8 के कार्यालय में अपराह्न 3:30 बजे तक सील्ड टेन्डर बॉक्स में प्राप्त की जायेंगी। प्राप्त सभी निविदाएं दिनांक 7.12.2021 को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष 4:00 बजे जोन—8 के कार्यालय में खोली जायेंगी।

1. कानपुर रोड स्थित मानसरोवर योजना व एल0डी0ए0 कालोनी में विभिन्न 09 स्थानों पर नलकूपों में 150 एमएम डाया के स्लूस वाल्व / एन. आर.वी. आदि की आपूर्ति व अधिष्ठापन सम्बन्धी कार्य, धरोहर राशि रु० 8500 / — एवं निविदा मूल्य रु० 400 / —

अधिशासी अभियन्ता, जोन—8
जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

पूर्वोत्तर रेलवे
शुद्धि पत्र

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.) / वाराणसी द्वारा खुली ई—निविदा सूचना सं. एनईआर-बीएसबी-2021-192 दिनांक 22-11-2021 के अन्तर्गत कार्य की निविदा जो दिनांक 17-12-2021 को बन्द होनी है, नक्शे में बदलाव के कारण निरस्त किया जा रहा है:— उपरोक्त शुद्धि पत्र भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी.),
मुजाधि / डब्लू—289 वाराणसी

यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मो.नं.: 09794845955 पर एसएमएस करें।
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री को बर्खास्त करने की मांग को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखीमपुर में किसानों को गाड़ी से कुचलकर मारने के आरोपी आशीष मिश्रा के पिता और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को पद से बर्खास्त करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। माल एवेन्यू प्रदेश कार्यालय से निकले कांग्रेसजनों को पुलिस ने जब आगे बढ़ने नहीं दिया कार्यकर्ता वहीं चौराहे पर धरने पर बैठ गए।

कांग्रेस प्रवक्ता पंकज तिवारी ने पुलिस प्रशासन के इस रवैये की कड़ी निन्दा की है। उन्होंने कहा कि अपनी उचित मांगों के लिए शांतिप्रिय तरीके से आन्दोलनरत लखीमपुर के किसानों के ऊपर निर्दयतापूर्वक गाड़ी से रौंद कर मार देने की घटना में भारत सरकार के गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी के विरुद्ध आज तक कोई भी कार्यवाह नहीं हुई है। वह लगातार प्रधानमंत्री मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह के साथ मंच पर नजर आते है। ये लखीमपुर में शहीद हुए किसानों के परिजनों का अपमान है। मोदी सरकार के इसी तानाशाह रवैये के विरुद्ध राजीव चौक चौराहे पर प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसजनों को पुलिस ने रोक कर साबित किया कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार भी किसानों के साथ हो रही क्रूरता में बराबर की भागीदार है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जबरन रोकने के लिए लाठीचार्ज किया। जिसमें कांग्रेस पार्टी के तमाम नेता एवं कार्यकर्ता घायल हो गये। कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक सतीश आजमानी, उपाध्यक्ष एवं प्रशासन प्रभारी योगेश दीक्षित, संगठन महासचिव दिनेश सिंह, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमटी मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन पंकज श्रीवास्तव , प्रदेश महासचिव शिव पाण्डेय, प्रदेश प्रवक्ता उमाशंकर पाण्डेय जिला कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उत्तरी अजय श्रीवास्तव व शहर दक्षिणी के अध्यक्ष दिलप्रीत सिंह सहित कई नेताओं एवं कार्यकर्ताआओं ने पुलिस के तानाशाही रवैये के विरुद्ध किसानों को न्याय दिलाने के लिए धरना दिया।

अब गन्ना किसान 10 दिसम्बर तक भर सकते हैं घोषणा पत्र

● अन्तिम तिथि तक घोषणा पत्र न भरने वाले गन्ना किसान कई सुविधाओं से हो जाएंगे वंचित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के ऐसे गन्ना किसान जो इण्टरनेट-सर्वर की गति धीमी होने अथवा मोबाइल या इण्टरनेट की अच्छी जानकारी के आभाव में एवं अन्य तकनीकी कारणों से घोषणा.पत्र भरने से अभी भी वंचित रह गये हैं उनकी सुविधा के दृष्टिगत ईआरपी की वेबसाइट पर ऑनलाइन घोषणा पत्र भरने की अन्तिम तिथि को 30 नवम्बर से बढ़ाकर 10 दिसम्बर 2021 करते हुए अन्तिम अवसर प्रदान किया जा रहा है। यह जानकारी आयुक्त गन्ना एवं चीनी संजय आर भूसरेड्डी ने दी। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन घोषणा पत्र भरने की अन्तिम तिथि को पूर्व में 4 बार बढ़ाया जा चुका है परन्तु कुछ गन्ना कृषक कतिपय तकनीकी कारणों जैसे इण्टरनेट की स्लो स्पीड, बिजी सर्वर आदि समस्याओं के कारण अभी भी घोषणा पत्र भरने से वंचित रह गये हैं।

इन कृषकों की सुविधा व अनुरोध के दृष्टिगत गन्ना किसानों को घोषणा पत्र भरने के लिए 10 दिनों का एक और अवसर प्रदान करते हुए अन्तिम तिथि को बढ़ाने का निर्णय लिया गया। गन्ना आयुक्त ने प्रदेश के गन्ना किसानों से अपील की है कि प्रत्येक दशा में इस अवसर का लाभ लेते हुए पेराई सत्र 2021-22 हेतु 10 दिसम्बर तक अपना ऑनलाइन घोषणा पत्र भर दें। अन्तिम तिथि तक घोषणा पत्र न भरने वाले गन्ना किसानों को सामान्य बढोत्तरी, उपज बढोत्तरी, अतिरिक्त सट्टा आदि की सुविधा नहीं मिलेगी तथा सट्टा भी बंद किया जाएगा।

कार्यालय नगर पालिका परिषद –सीतापुर

पत्रांक :— 159 / टी0सी0—04 / 2020—21 दिनॉक—01—12—2021

अल्पकालीन ई—निविदा सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है, कि नगर पालिका परिषद सीतापुर सीमान्तर्गत विभिन्न निर्माण, अधिष्ठापन इत्यादि कार्य 14वॉं वित्त आयोग के अधीन कार्य कराये जाने हेतु ई—टेण्डर के माध्यम से अतिअल्पकालीन ई—निविदाएं दिनांक 02.12.2021 से दिनांक 08.12.2021 को समय 05.00 PM तक आनलाइन डाउनलोड एवं अपलोड की जायेगी, वेबसाइड पर ई—निविदा प्रकाशन दिनांक 02.12.2021 को समय 11.00 AM एवं निकाय कार्यालय में मूलरूप से दिनांक 08.12.2021 को समय 05.00 PM तक प्राप्त की जायेगी। उक्त निविदाएं दिनांक 09.12.2021 को समय 11.00 AM बजे खोली जायेगी। सम्बन्धित निविदाएं वेबसाइट http//etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है, निविदा प्रपत्र शुल्क आर०टी०जी०एस० के माध्यम से नगर पालिका परिषद, सीतापुर के पंजाब नेशनल बैंक सीतापुर के खाता संख्या 01591010000660 आई0एफ0एस0सी कोड PUNB0015910 में ऑनलाइन जमा किया जा सकेगा अथवा डी0डी0आर० जमा की जा सकेगी तथा प्रत्येक निविदा के साथ धरोहर धनराशि राष्ट्रीय बचत पत्र / किसान विकास पत्र / एफ0डी0आर0 / टी0डी0आर0 जो अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, सीतापुर के नाम बन्धक हो, स्वीकार किया जायेगा। किसी भी निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अध्यक्ष महोदय नगर पालि. का परिषद, सीतापुर में निहित होगा। अन्य शर्ते / जानकारी किसी भी कार्य दिवस में पालिका कार्यालय के सम्बन्धित अनुभाग से की जा सकती है, किसी भी कार्य दिवस में अवकाश होने की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया अगले कार्य दिवस में पूर्ण की जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा मूल्य+टैक्स	कार्य अवधि
1	2	3	4	5	7
	14वॉं वित्त आयोग				
1	कब्रिस्तान और शमशानो का रख—रखाव — भगवानपुर में शमशान घाट में शेड का निर्माण एवं चबूतरा का कार्य।	500000.00	10000.00	1200.00+ जी0एस0टी।	01

नियम व शर्तें

नोट :— नियम व शर्ते पूर्व कार्यालय पत्र संख्या 155 / टी0सी0—04 / 2021—22 दिनांक 11.11.2021 के अन्तर्गत रहेगी ।

(वैभव त्रिपाठी)
अधिशासी अधिकारी श्रेणी—1
नगर पालिका परिषद, सीतापुर

(राघेश्याम जायसवाल)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, सीतापुर

मत्स्य पालकों की सुविधा के लिए चलेगा अभियान

सोनभद्र। डीएम टीके शिबू ने मत्स्य पालकों को किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु विशेष अभियान चलाकर जनपद में मत्स्य पालकों को किसान क्रेडिट कार्ड का वितरण का लक्ष्य निर्धारित करते हुए शिविरों का आयोजन किया जाना है। जनपद सोनभद्र हेतु कुल 4010 मत्स्य पालक एंव मत्स्य विक्रेतओं को केसीसी के वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है इस अभियान को सफ्ल बनाने हेतु साप्ताहिक कैम्पो का आयोजन ब्लाकवार किया जायेगा, विकास खण्डवार कैम्प समय प्रातः 11.00 बजे से 3.00 बजे अपरान्ह तक लगायें जायेगें, जिनकी तिथियां निम्नानुसार निर्धारित की गयी है। विकास खण्डवार कैम्प रावर्टसगंज,

चतरा व म्योरपुर ब्लाक-02.12.2021 को, नगवा व चोपन, बभनी ब्लाक में-09.12.2021 को, घोरावल व करमा, दुद्धी ब्लाक में 16.12.2021, कोन ब्लाक-24.12.2021 को कैम्प का आयोजन किया जायेगा, जिसमें मत्स्य पालक एंव मत्स्य विक्रेता कैम्प में पहुचकर किसान क्रेडिट कार्ड हेतु आवेदन प्रस्तुत कर सकतें है। प्रत्येक मंगलवार को जिला अग्रणी प्रबन्धक, इडियन बैंक, सोनभद्र के निवर्तन कक्ष में शिविर (कैम्प) करेगी तथा प्राप्त आवेदन पत्रों के परीक्षण कर जिला अग्रणी प्रबन्धक इडियन बैंक के माध्यम से सम्बन्धित बैंक के प्रतिनिधियों को हस्तगत करायेगी। उक्त समस्त आवेदन-पत्रों का विवरण जिला अग्रणी प्रबन्धक, इडियन बैंक सोनभद्र कार्यालय में रखा जायेगा। जो आवेदन पत्र स्वीकृत योग्य है उसे तत्काल स्वीकृत प्रदान करने की कार्यवाही भी की जायेगी। प्रत्येक मंगलवार जनपद स्तर पर शिविरों के परीक्षण हेतु आवेदन पत्र प्राप्त करने हेतु सम्बन्धित विभाग के नोडल अधिकारी विवरण के अनुसार आयोजित विकास खण्डवार कैम्पों में अधिक से अधिक आवेदन पत्रों की प्राप्ति सुनिश्चित कराएंगे।

साठ हजार लाभार्थियों का बनेगा आयुष्मान कार्ड

सोनभद्र। अंत्योदय कार्ड धारकों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के तहत 1 से 31 दिसंबर तक आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा। अंत्योदय लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड कोटेदारों की दुकान पर कॉमन सर्विस सेंटर के एलईओ एवं आरोग्य मित्रों के द्वारा प्रत्येक ग्राम पंचायतों में शिविर लगाकर बनाया जाएगा। जिससे लाभार्थी मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ ले सके। सीएमओ डॉक्टर नेम सिंह ने बताया कि जनपद मे 60,558 अंत्योदय कार्ड धारक हैं जिन्हें मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के तहत जोड़ा गया है। कुल 7135 अंत्योदय कार्ड धारकों का आयुष्मान कार्ड बनाया भी गया है और उन्हें वितरण भी किया जा रहा है।

60,558 अंत्योदय कार्ड धारकों के सापेक्ष 1,81,900 लाभार्थी सदस्य शामिल हैं जिनका आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। अंत्योदय लाभार्थी आयुष्मान कार्ड बनने 5 लाख रुपए तक का निशुल्क उपचार आयुष्मान भारत योजना से संबंध सरकारी अस्पतालों एवं निजी अस्पतालों में करा सकेंगे। जिले में अब तक कुल 2 लाख 9 हजार 615 लाभार्थियों का गोल्डेन कार्ड बनाया जा चुका है और 7693 मरीज इस योजना के तहत अपना इलाज भी करा चुके हैं। सीएमओ डॉक्टर नेम सिंह के अनुसार शासन स्तर पर जिले के अंत्योदय कार्ड धारकों का आयुष्मान कार्ड बनाने का निर्देश दिया गया है। 1 दिसंबर से 31 दिसंबर तक प्रत्येक ब्लाक के प्रत्येक ग्राम पंचायतों में कोटेदारों की दुकानों पर कॉमन सर्विस सेंटर के एलईओ आरोग्य मित्रों द्वारा कैंप लगाकर आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा। लाभार्थी से कोई शुल्क भी नहीं लिया जाएगा अंत्योदय लाभार्थी कैंप स्थल पर अपना राशन कार्ड एवं आधार कार्ड लेकर जाएं जिससे आयुष्मान कार्ड बनाया जा सके।

जागरूकता से ही दूर किया जा सकता है एचआईवी

संवाददाता। गाजीपुर

विश्व एड्स दिवस पर बुधवार को राइफ्ल क्लब में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में जन जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। जिलाधिकारी ने हस्ताक्षर कर इस अभियान को आगे बढ़ाया। इस दिवस का उद्देश्य एचआईवी व एड्स के प्रति जागरूकता को बढाना है।

जिलाधिकारी ने कहा कि सरकारए स्वास्थ्य विभागए गैर सरकारी संगठन और अन्य समाजसेवी एड्स की रोकथाम और नियंत्रण के लिए जागरूकता फैला रहे हैं। इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन संगोष्ठी तक सीमित नहीं रखना चाहिएए बल्कि ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन उन जगहों पर होना चाहिए जहां पर मरीजों की संख्या अधिक हो जिससे जन जागरूकता के माध्यम से लोगों को एड्स से बचाव व पहचान के बारे में बताया जाए और जागरूकता के माध्यम से मिथक व भ्रांतियों को तोड़ा जा सके।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ हरगोविंद सिंह ने बताया कि विश्व एड्स दिवस को मनाने का उद्देश्य एचआईवी व एड्स के बारे में हर उम्र के लोगों के बीच जागरूकता को बढ़ावा देना है। शुरुआती दौर में विश्व एड्स दिवस को सिर्फ बच्चों और युवाओं से ही जोड़कर देखा जाता था। जबकि एचआईवी संक्रमण किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है। एचआईवी एक प्रकार के जानलेवा इंफेक्शन से होने वाली गंभीर बीमारी है।

मेडिकल भाषा में ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी सिंड्रोम यानि एचआईवी के नाम से जाना जाता है। जनपद में एचआईवी के 1704 मरीजों का जिला अस्पताल के एआरटी सेंटर में निःशुल्क इलाज किया जा रहा है। एड्स के मरीजों के नाम और पहचान सार्वजनिक नहीं की जा सकती। इसके अलावा टीबी के साथ एचआईवी के मरीजों की संख्या 28 है जिनका निक्षय पोषण योजना के तहत 500 रुपये डीबीटी के माध्यम से उनके खाते में भेजा जा रहा है।

क्षय रोग विभाग के जिला कार्यक्रम समन्वयक मिथिलेश सिंह ने बताया कि जनपद गाजीपुर में सबसे अधिक एड्स के मरीज जनपद के बिरनो ब्लॉक का गांव है जहाँ मतिजो की संख्या करीब अठहत्तर है और सभी लोगों का निःशुल्क इलाज चल रहा है। इसके साथ वहाँ लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में डॉक्टर के के वर्माए डॉ डीपी सिन्हाए डॉ एसडी वर्मा एडॉ मनोज सिंह डॉ उमेश कुमार के साथ ही एआरटी सेंटर, क्षय रोग विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

यूबीआई ने ऋण कैंप के आयोजन में ग्राहको को ऋण वितरित किए गये

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा बुधवार को पहड़िया स्थित एक होटल में एमएसएमई फेस्टिव वोनांजा ऋण कैंप का आयोजन किया गया। इस योजना के अंतर्गत बैंक द्वारा अपने पूर्ववर्ती और नए ऋण खातों को एमएसएमई फेस्टिव वोनांजा योजना के अंतर्गत अधिगृहित कर रही है, जिसमें आकर्षक ब्याजदर पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद बैंक के वाराणसी अंचल प्रमुख विकास कुमार एवं वाराणसी के क्षेत्र प्रमुख सुनील कुमार द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित ग्राहकों को सम्बोधित करते हुए बताया कि कोविड महामारी के दौरान देश का एमएसएमई सेक्टर काफी प्रभावित रहा है एवं एमएसएमई व्यवसायियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से बैंक द्वारा एमएसएमई फेस्टिव वोनांजा योजना के अंतर्गत रूपया 25 लाख

और इससे अधिक के ऋण खातों को इस योजना के अंतर्गत अधिगृहित और नए खातों को योजना के अंतर्गत ऋण प्रदान किया जा रहा है। बैंक के वाराणसी क्षेत्र प्रमुख सुनील कुमार द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित ग्राहकों को सम्बोधित करते हुए बताया गया कि इस योजना के अंतर्गत 6.40-7.40 प्रतिशत आकर्षक ब्याजदर पर ऋण प्रदान किया जा रहा है और प्रोसेसिंग चार्ज पर 50 से 75 प्रतिशत की छमट प्रदान की जा रही है। कार्यक्रम में बैंक के अंचल प्रमुख विकास कुमार, क्षेत्र प्रमुख सुनील कुमार, रणधीर कुमार, आशुतोष पाण्डेय, सूर्या अग्निहोत्री, राजेश कुमार नागवंशी, डॉ. अमृतांशु एवं बैंक की विभिन्न शाखाओं के प्रमुख और एमएसएमई व्यवसार्यी उपस्थित थे।

पत्रकार, गायिका सहित 21 को बनारस शिरोमणि अवार्ड

- उप्र पत्रकार परिषद के 15वें स्थापना दिवस पर आयोजन
- पत्रकारिता क्षेत्र में सुशील कुमार मिश्र, सुरेन्द्र यादव, समाजसेवी डॉ. सुधीर कुमार मिश्र एवं लोक गायिकी में मोहिनी मिश्रा का किया सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

उत्तर प्रदेश पत्रकार परिषद के 15 वे स्थापना दिवस पर लंका स्थित होटल किंग्स बनारस में पत्राकारिता क्षेत्र में सुशील कुमार मिश्र, सुरेन्द्र यादव, समाजसेवी डॉ. सुधीर कुमार मिश्र एवं लोकगायिका मोहिनी मिश्रा सहित विभिन्न क्षेत्रों योगदान देने वाले 21 विशिष्ट जनों को बनारस शिरोमणि अवार्ड से विशिष्ट जनों को अंगवस्त्रम, स्मृति चिन्ह, बुके, प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि काशी हिन्दू विवि के टीबी व चेस्ट विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष व वरिष्ठ चिकिसक प्रो एस. के. अग्रवाल व विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राकेश त्रिपाठी, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ गंगा सहाय पांडये, एन्टी करप्शन कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष सुजीत कुमार सिंह रहे। अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी नूतन सिंह ने किया। अतिथियों का स्वागत पत्रकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश मिश्रा व द ट्रू मिरर के प्रधान संपादक काली शंकर उपाध्याय ने स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्रम व बुके दे कर सम्मानित किया। अतिथियों ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत भजन गायक चंद्रमोहन अस्थाना ने गणेश वंदना से की फिर संगीत कड़ी में युवा लोकप्रिय गायक सर्वेश लाल यादव के एक से बढ़कर एक गीतों ने उपस्थित लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। उसके बाद आचार्य डॉ देवेंद्र पांडये की अगुवाई में वैदिक ब्राह्मणों ने मंत्रोच्चार किया। संस्था का परिचय प्रदेश सचिव डॉ दशरथ पवार ने दिया। इसके लेखिका प्रियंवदा मिश्रा द्वारा लिखित तीन पुस्तकों का विमोचन किया गया।

इस मुख्य अतिथि प्रो एस. के. अग्रवाल ने कहा कि पत्रकारिता समाज का प्रमुख अंग हैं। पत्रकारों को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन बिना किसी दबाव के करना चाहिए। इस अवसर पर डॉ गंगा सहाय पांडये ने कहा कि पत्रकार जगत समाज हित की लड़ाई लड़ रहा है हमे उनका हर सम्भव मदद करना चाहिए। इस अवसर जिन्हें बनारस शिरोमणि अवार्ड से सम्मानित किया गया उनमे लोकगीत गायिका मोहिनी मिश्रा (गायन), सुशील कुमार मिश्रा (पत्रकारिता), अनिल रमन(संगीत), शशांक मिश्रा (बैंकिंग),डॉ आर.के. शर्मा (चिकिसा), डॉ आर के शर्मा, एम एम फाउंडेशन, डॉ सुधीर मिश्रा, सुरेंद्र यादव, मीना मिश्रा, डॉ नसीमा निशा, अंजलि अग्रवाल, प्रज्ञा श्रीवास्तव, डॉ चकाचौंध ज्ञानपुरी, सुमन शर्मा, दीपक अस्थाना, तनु सिंह, अंजनी मिश्र, रहे। कार्यक्रम के अंत मे धन्यवाद ज्ञापन संजय कुमार ने किया। महान समाजसेवी विक्रम भारद्वाज, रघुवीर सिंह, राजीव गौतम, अजीत पांडये बाबुल, राणा शेरू सिंह, आशीष मोदनवाल, प्रवीण श्रीवास्तव, महानंद शाही, धीरज उपाध्याय, शारदा मिश्रा, अभिषेक उपाध्याय सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

क्विक न्यूज

एड्स दिवस पर संक्रामक बीमारियां और हम विषय पर निबंध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

गाजीपुर। सती अनुसुइया ग्राम उत्थान सेवा समिति द्वारा विश्व एड्स दिवस पर एसएस निकेतन मेदिनीपुर में संक्रामक बीमारियां और हम विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त विषय एक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें संक्रामक बीमारियों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई मुख्य रूप से कौन.कौन सी बीमारियां संक्रामक है और इन से हम कैसे बच सकते हैं आदि विषयों पर प्रकाश डाला गया गोष्ठी को संबोधित करते हुए संस्था के सचिव कमलेश प्रकाश सिंह ने कहा एचआईवी एड्स टाइफाइड टीवी कोविड.19 आदि कई संक्रामक बीमारियां हमारे समाज में व्याप्त हैं सावधानी के अभाव में यह हमारे शरीर को बुरी तरह प्रभावित करती है जिससे हमारा जीवन संकट में पड़ सकता है। अतः हम सभी को इसके बचाव के लिए सदैव प्रयत्नशील रहना चाहिए।

हत्या के मामले में आजीवन कारावास

गाजीपुर। हत्या के मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट सेकेण्ड के विदवान जज दुर्गेश पांडेय ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और पांच लाख रूपये का अर्थदण्ड लगाया। इस संदर्भ में अपर शासकिय अधिवक्ता फौजदारी अखिलेश सिंह ने बताया कि वादी अमरनाथ दुबे ने करंडा थाने में मुकदमा दर्ज कराया कि उनके पुत्र अखिलेश दुबे की हत्या विशाल यादव पुत्र विनोद यादव निवासी करंडा ने गोली मारकर कर दिया है। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट अपराध संख्या 12 सन 2008 धारा 302 में दर्ज कर मामले की विवेचना कर चार्जशीट कोर्ट में प्रस्तुत कर दिया। विद्वान न्यायधीश ने दोनो पक्षो की बहस सुनने व आठ गवाहो के बयान पर आरोपी विशाल यादव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और पांच लाख का अर्थदण?ड लगाया।

आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया पर जागरूकता

वाराणसी। भारत में आयरन की कमी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, प्रॉक्टर एंड गैंबल हेल्थ लिमिटेड द फेडरेशन असंख्या को रिकॉर्ड किया गया जिसमें चिकित्सक भी शामिल हैं। आयरन की कमी पर जागरूकता और शिक्षा के प्रयासों के लिए 50 वर्षों से समर्पित है। आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया से मुक्त करने में मदद करने के लिए जागरूकता पैदा करने में सहायता कीएनीमिया के बारे में जागरूकता बढ़ाना, लोगों को शुरुआती लक्षणों की पहचान करने और उन्हें दूर करने के उपाय करने में मदद करना है। हम उस दिन के लिए निरंतर है जब हम एक देश के रूप में एनीमिया से मुक्त होंगे।

दीपा गुप्ता को मिला रजत पदक

वाराणसी। डॉ सम्पूर्णानंद स्टेडियम एवं संस्कृत विश्वविद्यालय में चल रहे 27 नवम्बर से 30 नवम्बर तक तृतीय नेशनल मास्टर एथलेटिक चैम्पियनशिप में वाराणसी की दीपा गुप्ता ने शाट पुट में 7.71 मीटर फेंक कर रजत पदक प्राप्त किया। ज्ञात हो कि दीपा गुप्ता पहले भी एशिया पेसेफिक मास्टर गेम्स में 3 स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्राप्त कर चुकी है। दीपा गुप्ता 2022 में जापान में होने वाले मास्टर गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।

युवक का मिला शव, फैली सनसनी

चकिया/चन्दौली। कोतवाली क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव के समीप बुधवार की सुबह 30 वर्षीय युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव की शिनाख्त निरंजन पासवान निवासी बरौझी के रूप में की।

कोरोना के तीसरे लहर के मद्देनजर डोडहर में किया गया दवा का छिड़काव

बीजपुर/सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्रान्तर्गत स्थित ग्राम सभा डोडहर में बुधवार को कोविद 19 के तीसरे लहर के मद्देनजर सावधानी बरतने की दिशा में एंटी लारिया दवा का छिड़काव गांव में करवाया गया।ग्राम प्रधान छत्तरपाल एवं पूर्व ग्राम प्रधान डोडहर भगीरथ बैसवार ने बताया कि खबरों में फिर नए बेरीएंट में कोरोना के मरीज मिल रहे है इसलिए सतर्कता बरतते हुए गांव के बिभिन्न मुहल्लों में एंटीलारिया दवा का छिड़काव कराया गया जा रहा है।साथ ही साथ ग्रामीणों को बताया गया कि कोविड 19 के नियमो का पालन करते रहे लापरवाही ना बरते। दो गज की दूरी मास्क जरूरी व हाथ धोते रहने की सलाह दी गई। ग्रामीणों को यह भी अवगत कराया गया कि वे पानी को एक स्थान पर एकत्र न होने दें क्योंकि पानी टिकने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ता है। इनके दंश से मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया जैसी जानलेवा बुखार हो जाते है। जिससे लोगो के जान जोखिम में पड़ जाते है।

खराब होने का बहाना छोड़ खाद की रैक लगाना सुनिश्चित करें अफसर: मनोज

चंदौली। सपा के राष्ट्रीय सचिव मनोज सिंह डब्लू बुधवार को सरेसर रैक प्वाइंट का निरीक्षण किया। उन्होंने पाया कि मौके पर कुल्हडिया स्थित सीमेंट फैक्ट्री के लिए जिप्सम की रैक लगी हुई थी। यह देख उन्होंने जिला प्रशासन व जिले के जनप्रतिनिधियों में जमकर निशाना साधा। सवाल किया कि जब सरेसर में कोयलाए जिप्समए डीजल.पेट्रोल की रैक लग सकती है तो फिर खाद की क्यों नहींघ् रैक खराब होने का बहाना बनाना अफसर छोड़ें और खाद की किल्लत को देखते हुए जल्द से जल्द सरेसर में खाद की रैक लगाना सुनिश्चित करें। यदि ऐसा नहीं हुआ तो जनपद के किसानों के साथ इसकी लड़ाई लड़ी जाएगी। साथ ही उन्होंने केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री व चंदौली के सांसद डाण् महेंद्रनाथ से आग्रह किया कि आप सत्ता शासन में लिहाजा किसानों के मर्म को समझते हुए खाद की रैक सरेसर में लगाने की पहल

करें, क्योंकि यदि आप नहीं कर पाएंगे तो यह समस्या किसी अन्य के बूते की बात नहीं।

इस दौरान मनोज सिंह डब्लू ने जिले के प्रशासनिक अफसरों की कार्य प्रणाली को कटघरे में खड़ा किया। बताया कि जिले के अफसर सरेसर में रैक ठीक नहीं होने का बहाना बनाकर खाद की रैक लगने में बाधक बन रहे हैंए जबकि उसी रैक पर कोयलाए डीजल.पेट्रोल व जिप्सम आदि की रैक लग रही है। अब सवाल यह है कि जब तमाम चीजों की रैक सरेसर में लग रही है तो वहां खाद की रैक क्यों नहीं लग पा रही हैघ् इस सवाल का जवाब जिले के अफसरों को देना होगा। कहा कि डाण् महेंद्रनाथ पांडेय ने सरेसर खाद रैक के लिए 20 लाख रुपये दिए थेए लेकिन वह 20 लाख कहा गया। उन धनराशि से कौन सा काम हुआ पता नहीं है। बताया कि वर्तमान में सरेसर रैक प्वाइंट पर शेड आदि का बंदोबस्त भी है। यदि बारिश भी आ जाय तो खाद की रैक उतारने में कोई दिक्कत नहीं होगीए लेकिन जिले के अफसर अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए किसानों तक खाद पहुंचने में सबसे बड़े बाधक बने हुए हैं।

मुख्य सचिव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राहत अनुदान उपलब्ध कराने का दिया निर्देश

- मीरजापुर में प्राप्त 60 आवेदनो के सापेक्ष 47 को किया गया भुगतान

मीरजापुर। प्रदेश के मुख्य सचिव राजेद्र कुमार तिवारी ने आज वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी के साथ वार्ता कर कोविड पाजिटिव होने से मृत व्यक्तियो के परिजनो को सहायता राशि उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। मुख्य सचिव द्वारा निर्देशित करते हुये कहा गया कि अधिकतम 4 दिसम्बर 2021 तक अभियान चलाकर मृत व्यक्तियो के बाद उनके बच्चो का पालन पोषण करने वाले अभिभावको को सहायता अनुदान राशि रूपया 50000/- की धनराशि भेजना सुनिश्चित किया जाय। कोविड-19 के दौरान ऐसे व्यक्ति जिनकी मृत्यु कोविड ड्यूटी के दौरान हुयी है उनके परिजनो को 50 लाख तथा जिनकी मृत्यु निर्वाचन ड्यूटी के दौरान हुई है उनके परिजनो को 30 लाख सहायता राशि पूर्व में निर्गत किया जा चुका है। उन्हे छोड़कर ऐसे परिवार जिनके मृत्यु कोविड पाजिटिव होने के 30 दिवस के अन्दर हुई है उनके आश्रितो को 50 हजार की कोविड अहेंतुक सहायता राशि प्रदान किया जायेगा। उक्त अनुग्रह सहायता राशि प्राप्त करने के लिये आवेदन निर्धारित प्रारूप भरकर एवं आवेदन पत्र के साथ मृतक की कोविड पाजिटिव रिपोर्ट, आरटीपीआर, एन्टीजन व सिटी स्कैन के साथ आश्रित का बैंक खाता संख्या व आश्रित का पहचान पत्र, आनलाइन निर्गत पोर्टल की प्रति संलग्न कर जिला स्तर पर कलेक्ट्रेट एवं तहसीलों में गठित 'कोविड अहेतुक सहायता आवेदन प्राप्ति सेल' में किसी भी कार्यदिवस में प्रातः 10 बजे से सांय 05 बजे तक जमा कर सकता हैं। आवेदन पत्र में मृत्यु की स संवीक्षा करने के लिये प्रत्येक तहसील स्तर पर सम्बन्धित तहसीलदार को तहसील प्रभारी बनाया गया है।

बचाव ही एड्स का एकमात्र इलाज: सीएमओ

- विश्व एड्स दिवस पर एड्स जागरूकता संगोष्ठी का हुआ आयोजन

संवाददाता। सोनभद्र

विश्व एड्स दिवस पर बुधवार को ओम प्रकाश पांडे कॉलेज आफ पैरामेडिकल एंड साइंसेज में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नेम सिंह की अध्यक्षता में एड्स जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।इस दौरान एड्स के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नेम सिंह ने टीबी एवं एड्स के बीच के संबंध की गंभीरता बताते हुए कहा कि टीबी के रोगियों में एचआईवी की संभावना अधिक होती है ।एचआईवी की जांच सभी प्राथमिक स्वास्थ्य व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर निशुल्क की जाती है ।एचआईवी से ग्रसित रोगी का इलाज भी अन्य रोगियों जैसे ही किया जाता है । जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ आर जी यादव ने उपस्थित छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि एचआईवी एक प्रकार का विषाणु वायरस है । संक्रमित व्यक्ति के शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता संक्रमण के कारण धीरे-धीरे खत्म होने लगती है और अंततः व्यक्ति एक ऐसी अवस्था में पहुंच जाता है जब हर प्रकार का इन्फेक्शन उसे आसानी से होने लगता है जिस पर दवाओं का भी पूरा असर नहीं होता है। और रोगी धीरे-धीरे मौत के करीब पहुंच जाता है ।उन्होंने कहा कि एड्स का कोई स्थाई इलाज उपलब्ध नहीं है । ऐसे में इससे बचने के तरीके जानना बहुत महत्वपूर्ण है ।उप जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ संजय सिंह ने बताया कि बचाव ही एड्स का एकमात्र इलाज है ।उन्होंने बताया कि चार तरह से एड्स होता है एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन संबंध बनाने पर तथा एचआईवी संक्रमित रक्त या रक्त उत्पाद के चढ़ाए जाने से या फिर संक्रमित सिरिंज के साझा प्रयोग और एचआईवी संक्रमित मां से उनके होने वाले बच्चों को एड्स हो सकता है।

एचआईवी किन तरीकों से नहीं फैलता

हाथ मिलाने से, एक साथ घर में रहने से, कपड़ों के आदान-प्रदान से, साथ खाना खाने से, मच्छर के काटने से, शौचालय अथवा स्विमिंग पूल के साझा प्रयोग से।

एचआईवी संक्रमण से कैसे करें बचाव

असुरक्षित यौन संबंध से बचें, संयम बरतें, जीवनसाथी के प्रति वफादार रहें, कंडोम का प्रयोग करें ,कंडोम का प्रयोग एचआईवी संक्रमण से बचाता है। यदि रक्त की आवश्यकता हो तो सदैव सरकारी अथवा लाइसेंस शुदा जांचा परखा रक्त ही लें, नियमित रक्तदान करें ताकि जरूरतमंद व्यक्तियों को रक्त मिल सके।

डॉ. मनोज गुप्ता ने हृदय स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की सलाह दी

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

चूंकि भारत की आबादी में हृदय रोगों की घटनाओं में वृद्धि होती जा रही है, त्रिमूर्ति अस्पताल, वाराणसी के वरिष्ठ हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज गुप्ता ने भारत में हृदय रोगियों से हृदय देखभाल के लिए उपलब्ध नवीनतम उपचारों और प्रक्रियाओं के बारे में बेहतर जागरूक होने का आग्रह किया है। हृदय रोगियों को इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि यदि उनमें ऐसा हृदय संबंधी विकार है, जिसकी निगरानी की आवश्यकता है और हृदयाघात के किसी भी लक्षण के मामले में, तो उन्हें उचित निदान और उपचार के लिए तुरंत किसी चिकित्सालय से संपर्क करना चाहिए। ऐसे विकार में स्टेंटिंग/ एंजियोप्लास्टी या बाईपास शल्यक्रिया की आवश्यकता हो, तो रोगियों को अपने हृदय और उनके जीवन को बचाने के लिए सर्वोत्तम संभव समाधान तलाशने में देरी नहीं करनी चाहिए।

टेढे-मेढ़े पंजों से खराब नहीं होगा बचपन

मिर्जापुर। क्लबफुट के ईलाज व जागरूकता के लिए बुधवार को मण्डलीय चिकित्सालय के सभागार में डाक्टरों द्वारा आशा कार्यकर्ताओं व आशा संगिनी को विस्तारपूर्वक बताया । जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य चिकित्साधिकारी डाक्टार प्रभु दयाल गुप्ता ने कहा कि यह खुशी की बात है कि हमारे यहां निःशुल्क टेढ़े मेढ़े बच्चों का उपचार निःशुल्क उपलब्ध है।अपर मुख्य चिकित्साधिकारी व नोडल अधिकारी डाक्टर अरूण ने बताया कि बच्चे का पैर जन्म से ही यदि टेढ़े मेढ़े होने पर इलाज के लिए अब परिवार वालों को कही भटकना नही पड़ेगा। राष्ट्रीय बाल किशोर कार्यक्रम के तहत मण्डलीय चिकित्सालय में हो रहा है। अब ऐसे बच्चों का जीवन कष्टमय न होकर बल्कि सुखमय रहेगा। पिछले वर्ष मण्डलीय चिकित्सालय में हर बुधवार को लगने वाले कैम्प में 65 बच्चों को लाभ दिया जा चुका है। इस वर्ष भी अभी तक अप्रैल माह से नवम्बर माह तक 12 बच्चों को लाभ दिया गया हैए और 43 बच्चे रजिस्टर्ड है जिनका उपचार फैजाबाद से आये हुए डाक्टर आशीष श्रीवास्तव द्वारा किया जा रहा है।

राष्ट्रीय बाल किशोर कार्यक्रम के प्रबन्धक राकेश तिवारी का कहना है कि गर्भ में कुछ बच्चों का पैर टेढे मेढ़े हो जाते हैं। इस बीमारी को सामान्य बोलचाल में जन्मजात दोष और डाक्टरी भाषा में क्लब फुट कहा जाता है। ऐसे परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए आरबीएसके का सहयोग करने के लिए मिराकल फीट इण्डिया ने इस ओपीडी का संचालन कर रही है। मण्डलीय चिकित्सालय में शून्य से लेकर पांच साल तक के बच्चों की इलाज की सुविधा उपलब्ध है। यह सुविधा प्रत्येक लाभार्थी को बुधवार के दिन चिकित्सालय के कमरा नं0 09 में दिया जा रहा है। हर बुधवार को 9 से 12 बच्चों का सफल उपचार किया जा रहा है। इस इलाज के दौरान कोविड के नियमों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

कर्नाटक बैंक लिमिटेड
आपका पारिवारिक बैंक। सम्पूर्ण भारत में
प्रधान कार्यालय, मंगलुरू-575 002 सीआईएन : एल85110केए1924पीएलसी001128
आस्ति वसूली प्रबंधन शाखा, 8-बी, प्रथम तल, राजेन्द्र पार्क, पूसा रोड, नई दिल्ली-110060,
फोन/फैक्स : 011-40591567 (एक्सटेंशन 240)
मोबाइल : 9319891680
वेबसाइट : www.karnatakabank.com
ई-मेल : delhiarm@ktkbank.com

कब्जा सूचना
(अचल सम्पत्ति हेतु)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी ने कर्नाटक बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनरनिर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का 54) के अधीन और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के (नियम 3) के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक मांग सूचना दिनांकित 06-08-2021 जारी की थी, जिसमें कर्जदार/बंधकदाता/गारंटरों : (1) मैसर्स शालीमार ट्रेडर्स, इसके स्वामी : मोहम्मद अब्दुलाह फैजी द्वारा प्रतिनिधित्वकृत, (2) श्री मोहम्मद अब्दुलाह फैजी, (3) श्रीमती उजरा फैजी, पत्नी मोहम्मद अब्दुलाह फैजी सभी (1) (2) एवं (3) का पता : 290-बी, आजाद नगर, एलडीए कालोनी, कैम्पबेल रोड, बालागंज चौक, लखनऊ-226003, उत्तर प्रदेश राज्य से सूचना में वर्णितानुसार कुल बकाया राशि रू. 15,35,344.25 (रूपए पंद्रह लाख पैंतीस हजार तीन सौ चौवालीस तथा पैसे पच्चीस मात्र) अर्थात (1) पीएस – ओवरड्राफ्ट खाता नंबर 4537000600003301 के तहत रू. 10,04,167.59 (रूपए दस लाख चार हजार एक सौ सड़सठ तथा पैसे उनसठ मात्र) 01-08-2021 से भावी ब्याज के साथ तथा (2) पीएस – डीपीएन खाता नंबर 4537001400001501 के तहत रू. 5,31,176.66 (रूपए पांच लाख इकतीस हजार एक सौ छहत्तर तथा पैसे छियासठ मात्र) 25-07-2021 से भावी ब्याज के साथ उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर चुकाने की मांग की गई थी।

चूंकि कर्जदार, बंधकदाता तथा गारंटर बकाया राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतः कर्जदार, बंधककर्ताओं तथा गारंटरों तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली, 2002 के नियम 8 एवं 9 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के अधीन उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा 29 नवम्बर, 2021 को प्राप्त कर लिया है।

एतद्द्वारा, विशेष रूप से कर्जदार, बंधककर्ताओं तथा गारंटरों को और जनसाधारण को सावधान किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करें तथा उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार कर्नाटक बैंक लिमिटेड, लखनऊ शाखा की कुल बकाया राशि रू. 15,96,561.25 (रूपए पंद्रह लाख छियानवे हजार पांच सौ इकसठ तथा पैसे पच्चीस मात्र) अर्थात (1) पीएस – ओवरड्राफ्ट खाता नंबर 4537000600003301 के तहत रू. 10,42,485.59 दिनांक 01-11-2021 से भावी ब्याज + लागतों तथा (2) पीएस – डीपीएन खाता नंबर 4537001400001501 के तहत रू. 5,54,075.66 दिनांक 25-11-2021 से भावी ब्याज + लागतों का भुगतान करने के बाद ही किया जा सकता है।

[कर्जदार का ध्यान, प्रत्याभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।]

अचल सम्पत्ति का वर्णन :

सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : श्रीमती उजरा फैजी के साथ संबंधित प्लॉट नंबर 70, परिमाप 139.405 वर्ग मीटर, खसरा नंबर 62, महीपतमऊ, परगना तहसील एवं जिला लखनऊ।
चौहद्दी :
पूरब : 25 फीट चौड़ा रास्ता पश्चिम : अराजी दीगर
उत्तर : प्लॉट नंबर 71 दक्षिण : प्लॉट नंबर 69
स्थान : लखनऊ मुख्य प्रबंधक एवं प्राधिकृत अधिकारी
तिथि : 29-11-2021 कर्नाटक बैंक लिमिटेड

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 2 दिसंबर 2021

कार्यालय : अधिशासी अभियन्ता, जोन–6, जलकल विभाग, नगर निगम लखनऊ

पत्रांक : 120/EE-6/LJS/2021-22 दिनांक : 01.12.2021

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

जलकल विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु अल्पकालिक निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्यदिवस में दिनांक 07.12.2021 को अपराह्न 03:00 बजे तक अधिशासी अभियन्ता, जोन–6 के कार्यालय के कैश काउन्टर से प्राप्त किये जा सकते हैं। सील्ड निविदाऐं दिनांक 07.12.2021 तक अधिशासी अभियन्ता, जोन–6 के कार्यालय में अपराह्न 3:30 बजे तक सील्ड टेन्डर बॉक्स में प्राप्त की जायेगी। प्राप्त सभी निविदाएं दिनांक 07.12.2021 को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष 4:00 बजे जोन–6 के कार्यालय में खोली जायेगी।

1. आलमनगर वार्ड के लक्ष्मण विहार मोहल्ले में 900 मीटर दूर रेलवे क्रासिंग के पास लगे मिनी नलकूप की बोरिंग के उपरान्त नलकूप का पुर्नविकास, पी–ग्रेविल व सबमरसिबुल मोटर पम्पसेट की आपूर्ति व अधिष्ठान का कार्य, धरोहर राशि रु0 8300/– एवं निविदा मूल्य रु0 400/–

अधिशासी अभियन्ता, जोन–6
जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

उत्तर प्रदेश पावर ट्राँसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड निविदा सूचना इस कार्यालय के द्वारा निम्नलिखित कार्य सम्पादन हेतु अनुभवी, दक्ष एवं जी0एस0टी0 में पंजीकृत ठेकेदारों से ई– निविदाये आमंत्रित की जाती है जिसका विस्तृत विवरण टेन्डर बेवसाईट www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। **निविदा संख्या – 66**/2021–22 विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम के अन्तर्गत लीलो 220 के0वी0 उरई भौती डबल सर्किट लाइन का 220 के0वी0 सिकन्दरा पर अनुरक्षण का कार्य। **निविदा संख्या – 67**/2021–22 विद्युत 400 के0वी0 उपसंस्थान खण्ड़ पनकी पर 315 एम0वी0ए0 परिवर्तक बे पर 220 के0वी0 मेन बस ए एण्ड बी की स्ट्रेन्गथिंग का कार्य। **निविदा संख्या – 68**/2021–22 विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम के अन्तर्गत 220 के0वी0 बिठूर पर पी0जी0 कलैम्प एवं सी0टी0 कलैम्प एवं एच0पी0एस0वी0 लैम्प एवं ब्लास्ट की आपूर्ति। **निविदा संख्या – 69**/2021–22 विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम के अन्तर्गत 400 के0वी0 पनकी–उन्नाव लाइन की पेट्रोलिंग एवं अनुरक्षण का कार्य। **निविदा संख्या – 70**/2021–22 विद्युत 400 के0वी0 उपसंस्थान खण्ड पनकी पर आयल सर्ज रिले, बकोल्ज रिले एवं प्रेशर रिलीफ वाल्ब की आपूर्ति। **निविदा संख्या – 71**/2021–22 विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम कानपुर के अन्तर्गत 132 के0वी0 पुखरायां पर 63 एम0वी0ए0 परिवर्तक की स्थापना सम्बन्धी समस्त कार्य। **निविदा संख्या – 72**/2021–22 विद्युत 220 के0वी0 उपसंस्थान खण्ड पनकी पर मल्सीफायर सिस्टम एवं फायर हाईड्रेन्ट सिस्टम की वार्षिक अनुरक्षण एवं मरम्मत सम्बन्धी समस्त कार्य। **निविदा संख्या – 73**/2021–22 विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम के अन्तर्गत 220 के0वी0 रनियां पर लीलो 220 के0वी0 पनकी भौती लाइन की वार्षिक पेट्रोलिंग एवं अनुरक्षण सम्बन्धी समस्त कार्य। **निविदा संख्या – 74**/2021–22 विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम कानपुर के अन्तर्गत 220 के0वी0 बिठूर पर डाई कास्टेड हैवी ड्यूटी पी0जी0 –कलैम्प एवं सी0टी0, पी0टी0 व टर्मिनल कनेक्टर एवं टेंशन फिटिंग की आपूर्ति। **निविदा संख्या – 75**/2021–22 विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम कानपुर के अन्तर्गत 152 के0वी0 उपसंस्थान जैनपुर पर ए0सी0 क्यूबिकल बाक्स को उपलब्ध कर लगवाने का कार्य। **निविदा संख्या – 76**/2021–22 विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम कानपुर के अन्तर्गत 132 के(वी0 पुखरायां पर 63 एम0वी0ए0 परिवर्तक की स्थापना के उपरान्त 132 के0वी0 एवं 33 के0वी0 'बे' के निर्माण सम्बन्धी समस्त कार्य । **निविदा संख्या – 77**/2021–22 विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम कानपुर के अन्तर्गत 220 के0वी0 उपकेन्द्र बिदूर पर 132 के0वी0 सर्किट ब्रेकर की ओवर हालिंग सम्बन्धी समस्त कार्य। **निविदा संख्या–78**/2021–22 विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम कानपुर के अन्तर्गत 220 के0वी0 उपसंस्थान सिकन्दरा पर 3 फेस ए0सी0 क्यूबिकल बाक्स को उपलब्ध कर लगवाने का कार्य। **निविदा संख्या– 66 से 69 तक दिनांक 28.12.2021 एवं निविदा सं0 70 से 72 तक दिनांक 29.12.2021 व निविदा सं0 73 से 75 तक दिनांक 02.01.2022 दिनांक 03.01.2022 व निविदा सं0 76 से 78 तक दिनांक 04.01.2022 को खोली जायेगी। अधीक्षण अभियन्ता विद्युत पारेषण मण्डल, प्रथम पनकी, कानपुर** पत्रांक–1443 /वि0प्रे0 म0प0 (का0)/टी0–1 दिनांक 01.12.2021 ''राष्ट्रहित में बिजली बचायें'' उपभोक्ता सेवा हेतु सम्पर्क करें – www.uppcl.org

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल, मध्यॉचल विद्युत वितरण निगम लि0, सुदामापुरी, सीतापुर –: अल्पकालीन ई–निविदा सूचना :– अधोहस्ताक्षरी द्वारा विद्युत वितरण मण्डल, सीतापुर के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य को कराने हेतु प्रतिष्ठित एवं अनुभवी निविदाकारों से निविदाएं ई–टेण्डरिंग के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण एवं प्रपत्र UP Government की वेबसाइट www.etender.up.in पर डाउनलोड/देखे जा सकते है। निविदा से सम्बन्धित अन्य सूचना यथा तिथि विस्तारण/संशोधित तिथि/निरस्तीकरण केवल ई–टेण्डर पोर्टल पर ही प्रकाशित की जायेगी। **1– अल्पकालीन निविदा संख्या 219/विविमंसी/2021–22** विद्युत वितरण खण्ड–बिसवाँ, सीतापुर के कार्यक्षेत्र में विद्युत वितरण उपखण्ड–हरगाँव, सीतापुर के कार्यक्षेत्र में आई0पी0डी0एस0/ आर0ए0पी0डी0आर0पी0 टाउनों में 25/63/100/160/250/400/630 केवी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 160/250/400/ 630 केवीए के परिवर्तकों की ढुलाई का कार्य। धरोहर धनराशि रू0 05,000.00 मात्र। निविदा शुल्क रु0 1180.00 मात्र। निविदा आन लाइन भरने की तिथिः–17.12.2021 निविदा खुलने की तिथिः–18.12.2021। **2– अल्पकालीन निविदा संख्या 220/विविमंसी/2021–22** विद्युत वितरण खण्ड–महमूदाबाद, सीतापुर के कार्यक्षेत्र में विद्युत वितरण उपखण्ड–रामपुर मथुरा, सीतापुर के कार्यक्षेत्र में आई0पी0डी0एस0/ आर0ए0पी0डी0आर0पी0 टाउनों में 25/63/100/ 160/250/400/ 630 केवी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 160/250/400/630 केवीए के परिवर्तकों की ढुलाई का कार्य। धरोहर धनराशि रू0 05,000.00 मात्र। निविदा शुल्क रु0 1180.00 मात्र। निविदा आन लाइन भरने की तिथिः–17.12.2021 निविदा खुलने की तिथिः–18.12.2021। **3– अल्पकालीन निविदा संख्या 221/विविमंसी/2021–22** विद्युत वितरण खण्ड–द्वितीय, सीतापुर के कार्यक्षेत्र में विद्युत वितरण उपखण्ड–सिधौली ग्रामीण, सीतापुर के कार्यक्षेत्र में आई0पी0डी0एस0/आर0ए0पी0डी0आर0पी0 टाउनों में 25/63 /100/ 160/250/400 /630 केवी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 160/250/400/ 630 केवीए के परिवर्तकों की ढुलाई का कार्य। धरोहर धनराशि रू0 5,000.00 मात्र। निविदा शुल्क रु0 1180.00 मात्र। निविदा आन लाइन भरने की तिथिः–17.12.2021 निविदा खुलने की तिथिः–18.12.2021। **4– अल्पकालीन निविदा संख्या 222/विविमंसी/2021–22** विद्युत वितरण खण्ड–महमूदाबाद, सीतापुर के कार्यक्षेत्र में पूर्ण जमा योजना के अन्तर्गत नार्थ ईस्ट रेलवे स्टेशन, महमूदाबाद, सीतापुर में 100 केवीए के परिवर्तक की प्लिन्थ निर्माण एवं फेन्सिंग कार्य व अन्य कार्य तथा राजकीय नलकूप संख्या–68, ग्राम दुलारपुर, विकास खण्ड–कसमण्डा, सीतापुर के ऊर्जीकरण का कार्य। धरोहर धनराशि रू0 2,000.00 मात्र। निविदा शुल्क रु0 1180.00 मात्र। निविदा आन लाइन भरने की तिथिः–17.12.2021 निविदा खुलने की तिथिः–18.12.2021। **5– अल्पकालीन निविदा संख्या 223/विविमंसी/2021–22** विद्युत वितरण खण्ड–प्रथम, सीतापुर के कार्यालय उपयोग एवं खण्ड के अन्तर्गत विभिन्न विद्युत वितरण उपखण्डीय कार्यालयों के उपयोग हेतु ए–4 साइज पेपर की आपूर्ति का कार्य। धरोहर धनराशि रू0 2,000.00 मात्र। निविदा शुल्क रु0 1180.00 मात्र। निविदा आन लाइन भरने की तिथिः–17.12.2021 निविदा खुलने की तिथिः–18.12.2021। **6– अल्पकालीन निविदा संख्या 224/विविमंसी/2021–22** विद्युत वितरण खण्ड–प्रथम, सीतापुर के कार्यक्षेत्र में कार्यालय एवं विभिन्न उपखण्डों कार्यालय तथा बिलिंग सेन्टरों में लगे प्रिन्टरों की कार्टेज रिफलिंग एवं प्रिन्टर मेन्टीनेन्स का कार्य। धरोहर धनराशि रू0 2,000.00 मात्र। निविदा शुल्क रु0 1180.00 मात्र। निविदा आन लाइन भरने की तिथिः–17.12.2021 निविदा खुलने की तिथिः–18.12.2021। **अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण मण्डल मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लि0 सीतापुर** पत्रांक 5155 दिनांक 30.11.2021 राष्ट्रहित में बिजली बचायें

बाइक पेड़ से टकराई, मां-बेटे की मौत

संवाददाता। नवाबगंज फर्रुखाबाद

तेरवीं संस्कार में शामिल होनें जा रहे माँ–बेटे की बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गयी। जिससे उनकी हालत गंभीर हो गयी। परिजन उन्हें लोहिया अस्पताल लेकर पंहुचे जहाँ दोनों को मृत घोषित कर दिया गया।

थाना मेरापुर के ग्राम गठवाया निवासी 30 वर्षीय विजेंद्र वाथम पुत्र राजकुमार अपनी 55 वर्षीय माँ अवधेश कुमारी के साथ बाइक से तेरवीं संस्कार में शामिल होनें फ्तेहगढ़ के नगला दीना जा रहे थे। जब वह थाना नवाबगंज के महमदपुर कामरान के निकट से गुजरे तो उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गयी। जिससे माँ–बेटे गंभीर हो गये। उन्हें लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन चिकित्सकों नें उन्हे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का लोहिया अस्पताल में रो–रो कर बुरा हाल हो गया। मृतक की पत्नी पूजा की भी रो–रोकर हालत बिगड़ गयी। उसके बेटे निहाल और उत्सव है। पुलिस नें जाँच पड़ताल की।

अनियंत्रित कार ने ट्रक में पीछे से मारी टक्कर, एक की मौत

बांगरमऊ उन्नाव। आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर ग्राम सबली खेड़ा के सामने तेज रफ्तार अनियंत्रित कार आगे चल रहे ट्रक के पीछे घुस गई। हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई और कार मे सवार चालक सहित सभी सातों यात्रियों में चीख.पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची यूपीडा टीम ने सभी घायल यात्रियों को किसी तरह कार के बाहर निकाला और यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने कार में चालक के बगल की सीट पर बैठे एक यात्री को मृत घोषित कर दिया। जबकि बाकी गंभीर रूप से घायल एक युवती सहित छह यात्रियों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

झारखंड प्रांत के जिला गिरिडीह अंतर्गत थाना हिरौडी के ग्राम शाली तरिया निवासी अशोक कुमार शर्मा पुत्र जय नाथ शर्मा 38 वर्षए बालेश्वर दास पुत्र मथुरा रविदास 43 वर्ष और उनके दो पुत्र रवि कुमार दास 25 वर्ष व सोनू कुमार 18 वर्षए जिला धनबाद अंतर्गत ग्राम खेरवानी निवासी रवि कुमार पुत्र भुवनेश्वर दास 27 वर्षए जिला जमुई अंतर्गत थाना चंदरवाड़ी के ग्राम चकाई वाडा निवासिनी प्रीति कुमारी पुत्री लक्ष्मण प्रसाद 17 वर्ष तथा ग्राम पालमऊ निवासी अमित कुमार पुत्र सुदीप मोची 25 वर्ष दिल्ली में रहकर काम. धंधा करते हैं। यह सभी यात्री बीते मंगलवार को देर शाम दिल्ली से कार द्वारा अपने अपने घरों के लिए निकले थे। कार अशोक कुमार शर्मा चला रहा था। जबकि चालक के बगल की सीट पर रवि कुमार पुत्र भुवनेश्वर दास बैठा था। तभी आज अलसुबह आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर ग्राम सबली खेड़ा के सामने अचानक चालक को झपकी आ गई। जिससे कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रक के पीछे जा घुसी। हादसे मे कार का अगला हिस्सा इस कदर क्षतिग्रस्त हो गया कि सभी यात्री कार के अंदर फ्स गए। यात्रियों की चीख.पुकार सुनकर एक्सप्रेस वे से गुजर रहे अन्य यात्रियों ने घटना की सूचना यूपीडा कर्मियों को दी। सूचना मिलते ही यूपीडा टीम आनन फानन घटनास्थल पर पहुंची और किसी तरह कार में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। यूपीडा कर्मियों ने सभी घायलों को यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने आगे की सीट पर बैठे रवि कुमार पुत्र भुवनेश्वर दास को मृत घोषित कर दिया। जबकि बाकी घायलों को गंभीर हालत के चलते जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने घटना की सूचना मृतक और घायलों के परिजनों को दे दी है।

विभिन्न मांगों को लेकर संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने दिया धरना

फर्रुखाबाद। विभिन्न मांगों को लेकर संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ के बैनर तले मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय परिसर में धरना दे रहे हैं। इससे कोरोना वैक्सीनेशन, सैंपलिंग आदि कार्य प्रभावित हो गया है। सात सूत्रीय मांगों को लेकर प्रांतीय नेतृत्व की अपील पर जिले के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी हड़ताल पर चल रहे हैं। कर्मचारियों की हड़ताल से कोरोना टीकाकरण, सैंपलिंग, खून की जांच, आरबीएसके द्वारा क्षेत्र में भ्रमण, उप केंद्रों पर प्रसव कराने आदि कार्य प्रभावित हो गए हैं। बुधवार को डिप्लोमा एसोसिएशन के अध्यक्ष चक्र सिंह यादव और मंत्री जितेंद्र सिंह ने कर्मचारियों को अपना समर्थन दे दिया। इससे कुछ फार्मासिस्ट भी धरना में शामिल हुए। संगठन के महामंत्री नरेंद्र मिश्रा ने बताया कि कोरोना काल में कर्मचारियों ने कार्य किया। इस दौरान कुछ कर्मचारी कोरोना संक्रमित हो गए और उनकी मौत हो गई। अभी तक उन्हें सहायता राशि नहीं दी गई। इस दौरान अध्यक्ष डा. गौरव वर्मा, डा. सुरेंद्र राठौर, डा. रजत कटियार, डा. सुधीर कुमार, डा. निशि गौड़, प्रीती यादव, आरती सैनी, अंकित दीक्षित, रेनू मिश्रा, प्रिया, सोनी, वर्षा, प्रदीप सिंह, साबिर हुसैन, रोहित सिंह, ज्योति, पारुल सिंह आदि मौजूद रहे।

छूटे लोगों का वैक्सीनेशन कराने के लिए घर–घर घूमे सीएमओ

संवाददाता। पुखरायां, कानपुर देहात

विकास खंड अमरौधा के कई गावों में वैक्सीनेशन की गति धीमी होने पर बुधवार को मुख्य चिकित्साधिकारी ने खुद कमान संभाली। कस्बा अमरौधा के चिन्हित परिवारों में डोर–टू–डोर भ्रमण किया। लोगों को समझाकर कोविड की पहली डोज दिलाई।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमरौधा के प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. आदित्य सचान ने बताया कि स्वास्थ्यकर्मियों के लाख प्रयास के बाद भी कुछ गावों में गलत फ्हमी फैली है। जिसके कारण वहां के लोग कोरोना वैक्सीन की डोज नहीं ले रहे हैं। अमरौधा ब्लाक के ग्रामीण क्षेत्र सट्टी, उदयीपुर, फैजलीपुर, शाहजहांपुर, मऊखास, भोगनीपुर, गिरधरपुर, बनियानी, बील्हापुर, चांदापुर, दौलतपुर, दुधनियां और शहरी क्षेत्र के मूसानगर में फ्तेपुर, खालेशहर, कुर्याता, अमरौधा में कुंजरैठी, कटरा,

आजादनगर, पातेपुर, पुखरायां में मालवीयनगर, अम्बेडकरनगर, किदवईनगर, अहरौलीशेख, हरदुआऐमा, फ्कीराबाद, बांग्लादेश, जवाहरनगर, पुराना वार्ड नंबर–3 एवं शास्त्रीनगर के लोग वैक्सीनेशन कराने से मना कर रहे हैं। समीक्षा बैठक में डीएम ने संबंधित क्षेत्रों का दौरा करने के आदेश दिए थे। जिसके चलते मंगलवार को मुख्य चिकित्साधिकारी डा. राजेश कुमार ने अमरौधा कस्बे से शुरूआत की है। पहले दिन उन्होंने 106 लोगों को घरों में जाकर वैक्सीन की पहली डोज दिलाई। इस अवसर ईओ पंकज सिंह भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री आवास दिलाने के नाम पर हुई साइबर ठगी

बांगरमऊ उन्नाव। अज्ञात साइबर ठग ने प्रधानमंत्री आवास का झांसा देकर ग्रामीण से बैंक खाता आदि की जानकारी हासिल कर ली। जानकारी मिलते ही ठग ने उसके खाते से करीब छह हजार रूपये किसी खाते में स्थानांतरित कर दिए। भुक्तभोगी ने घटना की तहरीर कोतवाली में दी है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम छतरापुर के मजरा कोलिया निवासी नरेंद्र पुत्र जयपाल द्वारा पुलिस को सौंपी गई तहरीर के अनुसार साइबर ठग ने उसके मोबाइल पर सूचना दी कि उसके नाम प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास स्वीकृत हुआ है। प्रथम किस्त 40 हजार रुपए भेजने के लिए वह अपने बैंक खाता व आधार नंबर तथा मोबाइल में आने वाला ओटीपी नंबर तुरंत बता दे।ठग के झांसे में आकर ग्रामीण ने उसे मांगी गई सभी जानकारी दे दी। इसी के बाद उसके खाते से 6150 रुपये आहरित हो गए। पुलिस साइबर सेल के जरिए ठग का नाम और स्थानांतरित किए गए बैंक खाते का पता लगाने में जुट गई है।

मूलानंद स्वामी के महानिर्वाण दिवस पर राधा वाटिका में उमड़ा साधु-संतों का सैलाब

फ्तेहपुर। पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी श्री श्री 1008 स्वामी मूलानंद जी महाराज के निर्वाण दिवस पर राधावाटिका में विस्तारित भंडारे का आयोजन किया गया। पूर्व न्याय मंत्री राधे श्याम गुप्त व उनके विधायक पुत्र विकास गुप्ता आदि ने समाधि स्थल पर स्थित स्वामी जी की मूर्ति की आरती कर फूल माला अर्पित किया गया। इस अवसर पर स्वामी शिवानन्द जी महाराज, स्वामी देवानंद जी महाराज, स्वामी कृष्णा नन्द जी महाराज, स्वामी बलराम जी महाराज, स्वामी जगदानंद जी महाराज के अतिरिक्त सुदूर अंचलों से कई हजार साधु–महात्मा व भक्त पहुंचे थे। भक्तो ने मौजूद संतों का आशीर्वाद लिया और भंडारा में प्रसाद गृहण किया। वही सुबह लगभग 26 घण्टे तक चले राम चरित मानस पाठ के सम्पन्न होने के बाद आज के आध्यात्मिक कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ। पूर्व मंत्री एवं विधायक ने सपरिवार आए साधु संतों का आशीर्वाद लेते हुए अचला व दक्षिणा भेट की।

● पूर्व न्याय मंत्री ने विधायक पुत्र के साथ की आरती, साधु-संतों का लिया आशीर्वाद, भेंट किया अचला, दी दक्षिणा

अहमदाबाद जा रही बस पलटी, 40 घायल

फ्तेहपुर। बकेवर कस्बा के समीप अहमदाबाद जा रही सवारियों से भरी बस मंगलवार की रात पौने ग्यारह बजे अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे बस में सवार करीब चालीस लोगों को चोटें आईं। जानकारी के अनुसार इलाहाबाद से अहमदाबाद को जा रही प्राईवेट बस बकेवर कस्बा के समीप मंगलवार की रात करीब पौने ग्यारह बजे अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने बस में सवार 40–45 सवारियों को ग्रामीणों के सहयोग से बाहर निकाला। घायलों में राज बहादुर निवासी अमिलिहापाल थाना हथगाम, सुल्तानपुर घोष के कुम्हारनडेरा का राजू, कौशाम्बी जिले के महेवा थाना के मुबारकपुर गांव निवासी सत्यवीर व संदीप, हथगाम के सुरजीपुर गांव निवासी लक्ष्मी पत्नी बाबादीन सहित सात को अधिक चोट होने कारण सीएचसी बिंदकी में इलाज कराया गया। बकेवर थानाध्यक्ष संगम लाल प्रजापति ने बताया कि सभी की हालत सही है।

सपा लड़ेगी एनएचएम संविदा कर्मियों व आशा बहुओं की लड़ाईः नवाब

पूर्व सदर ब्लाक प्रमुख को ज्ञापन सौपते संविदा कर्मी।

कन्नौज। विनोद दीक्षित अस्पताल में धरने पर बैठी एन एच एम सविंदा कर्मचारियों एवं आशा बहुओ ने अपनी मांगों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से सम्बंधित ज्ञापन समाजवादी पार्टी के पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव को सौंपा।

इस मौके पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव ने बर्तमान सरकार पर सविंदा कर्मियों का शोषण करने का आरोप लगाते हुए कहा जिन स्वास्थ्य कर्मियों ने कोरोना काल मे अपनी जान की परवाह के बिना लोगो की जान बचाने के लिये जो काम किया उसके लिए सारा देश उनका हमेशा ऋणी रहेगा। परन्तु ये गूंगी बाहरी सरकार रोजगार तो दे नही सकती परन्तु जो अपने काम से देश प्रदेश में लोगो की जान बचा रहे है। ऐसे लोगो को जब चाहे उनकी सर्विस को समाप्त कर देते है या सर्विस के नाम पर उनका शोषण किया जाता है। मै आप सभी को ये विस्वास दिलाता हूं सब समाजवादी सरकार बनेगी तब आपकी सभी मांगो को माना जायेगा और यदि बर्तमान सरकार आप लोगो का शोषण बन्द नही करती है तो हम समाजवादी लोग आपकी हर लड़ाई को लड़ने के लिये तैयार है। इस मौके पर रुचि वर्मा, डा. पंकज वर्मा अध्यक्ष, डा. पवन श्रीवास्तव, कृष्णकान्त कुशवाहा, हर्षदर्शन, अशोक, ज्योति शुक्ला, कविता कटियार, प्रियंका, विपिन पाल, सत्येंद्र पटेल सहित सैकड़ों कर्मचारी मौजूद रहे।

सपा प्रदेश कार्यकारिणी के पूर्व सदस्य ने कार्यकर्ताओं के साथ किया जनसंपर्क

गुरसहायगंज (कन्नौज)। पूर्व की सपा सरकार में किसानों, व्यापारियों, नौजवानों सहित आम जनमानस को लाभकारी योंजनाओं से जोडकर लाभान्वित करनें का कार्य किया गया था। पूर्व की सपा सरकार द्वारा कराये गये विकास कार्यो को प्रदेश की जनता याद कर रही है। समाजवादी पार्टी में सभी वर्ग के लोगों का हित व सम्मान सुरक्षित है। यह बात मंगलवार को सपा प्रदेश कार्यकारिणी के निवर्तमान सदस्य विकास गुप्ता नें ग्रामीण अंचलों का दौरा कर ग्रामीणों से जनसम्पर्क के दौरान कही। कहा कि प्रदेश में पूर्व की समाजवादी पार्टी की सरकार द्वारा कराये गये विकास कार्य ही पार्टी की जीत का आधार बनेंगी। कहा कि वर्तमान समय प्रदेश के अधिकांश युवा बेरोजगार हैं, व्यापारियों का व्यापार बेद होनें के कगार पर पहुंच चुका है। मंहगाई के कारण किसानों एवं आम जन मानस की आर्थिक स्थिति बदहाल हो चुकी है।

क्विक न्यूज

हाईटेंशन के झूलते तार ने ली युवक की जान

फ्तेहपुर। शहर के राधानगर इलाके में अंदौली पुलिया के पास बुधवार की सुबह पिकअप में रस्सी बांधते समय एक युवक ग्यारह हजार हाईटेंशन के झूलते तार की चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गया। अस्पताल पहुंचने से पहले उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार राधानगर इलाका में अंदौली पुलिया के पास हरगनपुर गांव निवासी रितेष कुमार (24) बुधवार की सुबह करीब साढ़े आठ बजे पिकअप में सामान लादने के बाद ऊपर चढ़ कर रस्सी बांध रहा था। तभी ऊपर से गुजरी ग्यारह हजार की विद्युत लाइन के झूलते तार की चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गया। मौके पर मौजूद लोग उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अनूप सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन के लिए भेज दिया गया है।

छेड़छाड़ के आरोपी को किया गिरफ्तार

चौडगरा (फ्तेहपुर)। जाफ्रगंज थाना क्षेत्र में पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध एवं अपराधियों के खिलाफचलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत नाबालिक के साथ छेड़छाड़ के आरोप में थानाध्यक्ष शमशेर सिंह के नेतृत्व में आरोपी पिंटू पुत्र कैलाश को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। थानाध्यक्ष जाफ्र गंज शमशेर सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफमुकदमा अपराध संख्या 130/21 धारा 354ख, आईपीसी वह 7/8 पास्को एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफकानूनी विधिक कार्यवाही की जा रही है।

प्रचार वाहन को डीएम ने दिखायी हरी झण्डी

फ्तेहपुर। जिलाधिकारी श्रीमती अपूर्वा दुबे ने कलेक्ट्रेट परिसर से प्रधानमंत्री फ्सल बीमा योजना के प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह प्रचार वाहन 01 से 07 दिसम्बर तक जनपद के ग्राम पंचायतों में घूमकर प्रधानमंत्री फ्सल बीमा योजना का प्रचार प्रसार करेगी। इस मौके पर बीमा कंपनी यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के जिला कोऑर्डिनेटर संतोष राय, सह जिला प्रबंधक अभिज्ञान विक्रम आदि उपस्थित रहे।

बंटवारे के विवाद में किया घायल

नवाबगंज फर्रुखाबाद। गांव कुतुबुद्दीनपुर निवासी ओमकार सिंह का भाइयों से बंटवारे को लेकर विवाद है। बुधवार ओमकार सिंह ने भाइयों से हिस्से में मिला कमरा खाली करने को कहा। नामजद भाइयों ने ओमकार सिंह को गाली गलौज किया और विरोध करने पर लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। ओमकार सिंह ने नामजद भाइयों के खिलाफतहरीर दी।

युवक को पीटकर किया घायल

फर्रुखाबाद। नवाबगंज गांव दुनाया निवासी जुगाड़ी यादव मंगलवार शाम गांव पुठरी से घर जा रहे थे। गांव के ही नामजद लोगों ने जुगाड़ी को रास्ते में रोककर रंजिश में अभद्रता कर दी। विरोध करने पर दबंगों ने लाठी डंडों से मारपीट कर जुगाड़ी को घायल कर दिया। जुगाड़ी यादव ने छह नामजद लोगों के खिलाफतहरीर दी।

शराब सहित दो गिरफ्तार

कमालगंज फर्रुखाबाद। पुलिस ने गश्त के दौरान मंगलवार रात भोजपुर के मजरा संतोषपुर निवासी मिनिस्टर को 25 लीटर शराब सहित तथा दूसरी टीम ने सुल्तानपुर निवासी सनोज कुमार को 30 लीटर शराब सहित गिरफ्तार कर लिया। बाद में पुलिस ने पकड़े गए दोनों आरोपियों को थाने से ही जमानत पर छोड़ दिया।

तमंचा-कारतूस समेत गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। कंपिल थाना पुलिस ने बुधवार सुबह छापेमारी कर शातिर युवक को कांशीराम कालोनी के निकट से एक तमंचा व दो कारतूस सहित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस युवक को हिरासत में लेकर थाने ले आयी। पकड़े गए युवक ने नाम सियासत अली निवासी निजामुद्दीनपुर बताया। पुलिस ने बुधवार दोपहर युवक का चालान कर दिया।

बंद पड़ी समिति पर कबाड़ियों का कब्जा

फर्रुखाबाद। मोहम्मदाबाद कस्बा के ताजपुर रोड पर स्थित साधन सहकारी समिति मोहम्मदाबाद कई वर्ष से बंद है। सहकारी समिति की बाउंड्री तोड़कर कबाड़ियों ने कब्जा कर लिया। इससे भवन का उपयोग नहीं हो पा रहा है। आबादी के बीचोबीच बनी सहकारी समिति परिसर में कबाड़ भरा होने से गंदगी का साम्राज्य है। नाले का गंदा पानी भरने से दुर्गंध उठती रहती है। कई बार शिकायत करने के बावजूद कबाड़ियों का कब्जा नहीं हटाया गया। दुकानदारों ने सड़क किनारे समिति परिसर से कब्जा हटवाने की मांग की है। मोहम्मदाबाद कस्बा के ताजपुर रोड पर स्थित नगर पंचायत कार्यालय के सामने मोहल्ला पक्का पुल में कबाड़ियों ने सामान डाल रखा है। इससे पानी का निकास बंद हो गया। नाले का पानी रोड पर भरने से सड़क भी क्षतिग्रस्त हो गई है। अवंतीबाई नगर के लोगों ने बताया कि नाला भरा रहने से मुहल्ले में मच्छरों की भरमार है। अधिशासी अधिकारी सुधा कुमार पासी ने बताया कि ताजपुर रोड पर नाले पर अतिक्रमण होने से सफाई नहीं हो पाती है। अतिक्रमण हटवाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।

संदिग्ध हालात में खोखे में लगी आग, सामग्री जली

नवाबगंज फर्रुखाबाद। संदिग्ध हालात में खोखे की दुकान में आग लग गई। इससे खोखा समेत उसमें रखी सामग्री जल गई। कस्बा के मुहल्ला विजय नगर निवासी रजनेश कुमार की बाईपास रोड बबना तिराहे पर खोखे में अंडे की दुकान है। रजनेश खोखे के पास ही ठेली लगाते हैं। मंगलवार शाम रजनेश सामान को खोखे में रखकर ताला लगाकर घर चले गए। रात लगभग 10 बजे रजनेश के खोखे की दुकान में अचानक आग लग गई। दुकान से आग की लपटें और धुआं निकलता देख उधर से गुजर रहे कस्बा इंचार्ज नरसिंह ने आसपास के लोगों को जगाकर मामले की सूचना रजनेश को दी। रजनेश व आसपास के लोगों ने पानी डालकर आग पर काबू पाया। रजनेश के मुताबिक आग से लगभग 20-25 हजार का नुकसान हो गया।

डीआईओएस ने कॉलेज का निरीक्षण कर दिये निर्देश

गुरसहायगंज (कन्नौज)। डीआईओएस ने सरोजनी देवी गर्ल्स इंटर कॉलेज का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में चल रहे कक्षाओं का निरीक्षण किया तथा शिक्षकों से सुविधा पूर्ण ढंग से पठन-पाठन कार्य करने के निर्देश दिए। बुधवार को नगर के तिर्वा रोड स्थित सरोजनी देवी गर्ल्स इंटर कॉलेज में अचानक पहुंचे डीआईओएस राजेंद्र बाबू ने विद्यालय में संचालित कक्षाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में शिक्षिकाओं द्वारा बालिकाओं को पढ़ाए जाने वाले विषयों की जानकारी लेकर पूछताछ की। उन्होंने विद्यालय में नवनियुक्त कार्यवाहक प्रधानाचार्य के रूप में पूजा वर्मा एवं सहायक शिक्षक के रूप में नवनियुक्त कुमारी योगेश्वरी, अंजली गुप्ता, प्रिया गुप्ता, अनीता शुक्ला, कुमारी निशा सरोज एवं रूबी देवी को पठन-पाठन क्रिया को रोचक एवं सही ढंग से शिक्षा देने का कार्य करने की बात कही। इस मौके पर विद्यालय के वित्तविहीन शिक्षक भी मौजूद रहे।

मुकदमे में सुलह न करने पर युवक से मारपीट

गुरसहायगंज (कन्नौज)। न्यायालय में चल रहे मुकदमे में समझौता न करने से नाराज होकर युवक ने अपनी मां व अज्ञात साथियों के साथ युवक को मारपीट कर घायल कर दिया। घटना के संबंध में कोतवाली पुलिस द्वारा कार्रवाई न करने पर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। नगर के मोहल्ला अफ्सरी निवासी हरीश चंद्र पुत्र रघुनंदन लाल द्वारा कोतवाली में पुलिस अधीक्षक के आदेश पर दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि विगत 6 अगस्त की शाम न्यायालय में चल रहे हरिजन एक्ट के मुकदमे में समझौता न करने से नाराज होकर मोहल्ले के ही संजय व उसकी मां सहित अज्ञात साथियों ने गाली गलौज करते हुए घर में घुसकर मारपीट कर घायल कर दिया। कोतवाली पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

डंपर ने मोटरसाइकिल सवार युवक को कुचला, रिफर

पुखरायां, कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के डीघ गांव के सामने कानपुर-कालपी रोड पर बुधवार को एक बाइक गुजर रहे तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आ गई। जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया है। प्राथमिक उपचार के उसे सीएचसी पुखरायां से जिला अस्पताल माती रेफर किया गया है। कस्बा पुखरायां के बाल्मीकि नगर निवासी नंद पाल का पुत्र पवन (26) मोटरसाइकिल द्वारा पुखरायां से माती जिला मुख्यालय जा रहा था। डीघ गांव के सामने पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया राहगीरों ने दौड़कर एंबुलेंस की मदद से सरकारी अस्पताल पुखरायां पहुंचा। जहां पर डॉक्टरों ने हालत को गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल अकबरपुर पर किया है।

पुलिस ने बैंकों का निरीक्षण कर की पूछताछ

गुरसहायगंज (कन्नौज)। चोरी, लूट व टप्पेबाजी जैसी आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए कोतवाली पुलिस द्वारा नगर की बैंकों में चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान कस्वा चौकी प्रभारी नें बैंक अधिकारियों से सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी लेने सहित संदिग्धों की तलाश में अभियान चलाया गया। बुधवार को उच्चाधिकारियों के निर्देश पर कस्बा चौकी प्रभारी मनोज कुमार पांडेय ने पुलिस बल के साथ नगर के जीटी रोड स्थित बैंक ऑफबड़ौदा व बैंक ऑफइंडिया, सब्जी मंडी स्थित पंजाब नेशनल बैंक, तिर्वा रोड पर स्थित भारतीय स्टेट बैंक व ग्रामीण बैंक में पहुंचकर मौजूद लोगों से पूछताछ की।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी–33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोनः (0522) 4036600 फैक्सः 2346443/2345582

देश का सौभाग्य है राममंदिर निर्माणः योगी

● प्रधानमंत्री मोदी के सक्षम नेतृत्व में संभव हो पाया है यह अति शुभ कार्य

पायनियर समाचार सेवा। अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ ने आज अयोध्या भ्रमण पर महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ द्वारा आयोजित परिक्रमा मार्ग पर आयोजित चल रहे राष्ट्र की संवृद्धि शांति एवं विकास हेतु श्री विष्णु सर अद्भुत शांति महायज्ञ के समापन कार्यक्रम में भाग लिया। यह यज्ञ विगत नवम्बर माह में शुरू किया गया था। आज इसका समापन मुख्यमंत्री द्वारा पूर्णाहुति के साथ किया गया। इसके मुख्य आयोजक महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ एवं महर्षि रामायण सेवा न्यास के मुख्य ट्रस्टी श्री अजय प्रकाश श्रीवास्तव आदि द्वारा किया गया था।

मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम में पधारे हुये अयोध्या के संतोंए श्रद्वालुओं आदि को भी नमन करते हुये कहा कि यह बड़े सौभाग्य का विषय है कि हमारे प्रधानमंत्री के सक्षम नेतृत्व में श्रीराम मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हो गया है इसको लोग असम्भव मानते थे। अयोध्या में हमने 2017 में दीपोत्सव शुरू किया था उस दीपोत्सव में लगातार इस वर्ष पांचवे दीपोत्सव के आयोजन में वृद्धि हुई तथा अपने आप में एक रिकार्ड बना है इस आयोजन में विभिन्न देशों की राम लीला करने वाली टोलियां आती है।

थाईलैंड इंडोनेशिया श्रीलंका आदि महत्वपूर्ण ऐशियाई देश है। टोलियों को मेरे द्वारा इनको सम्मान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री आवास पर आमंत्रित किया गया था। इण्डोनेशिया की रामलीला में ज्यादातर मुस्लिम कलाकार थे पर सभी कलाकार राम सीता लक्ष्मण हनुमान आदि की भूमिका निभाते थे इनसे वार्ता के क्रम में हमने पूछा कि आप लोग खाली रामायण के पात्रों की भूमिका निभाते है कि उनके प्रति आपका कोई भाव है उन सभी ने कहा कि हम सभी का भूमिका के साथ साथ गहरा भाव है और हमारे राम पूर्वज है और हिन्दू भी हमारी संस्कृति के मुख्य हिस्सा हैए केवल पूजा पद्वति बदल जाने से आदमी का भाव नही बदल जाता है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि विदेशों में अनेक देशों ने पक्षीराज गरूण के नाम पर विमान सेवायें है। यह हमारी संस्कृति की व्यापकता को इंगित करती है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि महर्षि जी के नाम पर जो संस्थायें बनेगी उसमें सरकार आपेक्षित सहयोग करेगी तथा महर्षि ने विपरीत समय में भारत के वैदिक गौरव को विदेशों में संस्थापित करने का अद्वितीय कार्य किया है। आज उनकी संस्था के माध्यम से इस भव्य विष्णु यज्ञ का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आयोजन में आने का मुझे सौभाग्य मिला इसके लिए भी मैं सभी आयोजकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। कार्यक्रम के आयोजक श्री अजय प्रकाश श्रीवास्तव ने प्रकाश डालते हुये कहा कि महर्षि महेश योगी जी की संस्था से हम 50 वर्षो से जुड़े है उनका वैदिक और आध्यात्मिक सोच अनोखा था आज से लगभग 30 साल पूर्व उन्होंने भगवान राम के आदर्श पर आधारित विश्वविद्यालय की स्थापना तथा अयोध्या के विकास का संकल्प लिया था।

राम मंदिर बनने की किसी को आशा नही थी पर यह मेरा सौभाग्य है योगी जी के नेतृत्व में राम मंदिर बनना शुरू हो गया है राष्ट्र की सुख शांति के लिए इस यज्ञ का आयोजन किया गया था उसमें मुख्यमंत्री जी द्वारा पूर्णाहुति दिया जाना हम सबके लिए सौभाग्य का विषय है। महर्षि महेश योगी जी ने राम के चरित्र पर आधारित विवि के लिए एक परिकल्पना की थी उस पर आधारित लगभग 30.35 वर्ष पूर्व एक किताब लिखी थी उसी किताब पर आधारित यहां विवि बनाया जायेगा संस्कृति के साथ साथ अयोध्या का विकास का भी मार्ग बतायेगा। मुख्यमंत्री के आगमन के लिए अपने संस्था की तरफ से हार्दिक स्वागत करता हूं तथा आभार व्यक्त करता हूं।

डीएम ने पीएम फसल बीमा योजना वैन को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

● आपदा की स्थिति में कृषक द्वारा 72 घण्टे के अंदर सूचना देना अनिवार्य

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज।

वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते डीएम।

जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने बुधवार को कलेक्ट्रेट से भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की वैन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। जिसका उद्देश्य प्राकृतिक अपदाओं से अधिसूचित क्षेत्र में बोई गयी अधिसूचित फसल को बीमा कवर प्रदान करना कृषि में उन्नति तकनीकि के प्रयोग को बढ़ावा देना एवं आपदा वर्षो में कृषि की आय को स्थिर रखना है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ उठाने के लिए कृषकों के लिए प्रमुख पात्रता में अधिसूचित क्षेत्र में अधिसूचित फसल उगाने वाले कृषकों को बीमा में शामिल न होने के सम्बंध में अपना प्रार्थना पत्र सम्बंधित बैंक को बीमा की अन्तिम तिथि से 07 दिन पूर्व देना अनिवार्य होगा।

कृषक बीमा में तभी शामिल हो सकते है जब वह अपना प्रार्थना पत्र पुनः बीमा में शामिल होने हेतु देंगे। ग्राम पंचायत स्तर पर असफल बुआई की स्थिति में फसल की अवधि में प्राकृतिक आपदा से नुकसान की स्थिति फसल कटाई के आधार पर प्राप्त वास्तिविक उपज में गारन्टीड उपज की तुलना में कमी होने की स्थिति में एवं व्यक्तिगत आधार पर स्थानीय आपदा में खड़ी फसलों को ओलावृष्टि जलभराव फसल धान को छोड़कर भूस्खलन बादल फटना आकाशीय बिजली से उत्पन्न आग के कारण क्षति की स्थिति फसल कटाई उपरांत आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखायी हेतु रखी गयी।

मतदाताओं के पंजीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएः मंडलायुक्त

अयोध्या। मण्डलायुक्त एमपी अग्रवाल ने मण्डल के समस्त उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं नोडल अधिकारी निर्वाचन को निर्देश देते हुये कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नये मतदाताओं के पंजीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाय। जिनकी आयु 1 जनवरी 2022 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही है उनका नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से दर्ज कराया जाय। मण्डलायुक्त ने कहा कि एआरओ ईओआरओ बीएलओ की हर दिन माइक्रो मॉनीटरिंग की जायए ताकि मतदाता सूची में होने वाली गलतियों को समय से सुधारा जा सकें। मतदाता पंजीकरण का कार्य पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी से किया जाय किसी भी अर्ह मतदाता का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित होने से वंचित न रह जायें। पंजीकरण के लिए मिले आवेदनों में छोटी.छोटी गलतियां होने पर उन्हें निरस्त न किया जाय बल्कि बीएलओ घर.घर जाकर ऐसे फार्मो की गलतियों को सुधारने का कार्य करें। हर दिन माइक्रो मानीटरिंग जरूरी है। मण्डलायुक्त ने मण्डल के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निरस्त फार्मो की गहनता से मॉनीटरिंग करने के लिए कहा। सभी अर्ह मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज हो इसके लिए समस्त सम्बंधित अधिकारी व कर्मचारी अपना कार्य मेहनत व पूरी निष्ठा से करने के निर्देश दिये।

विश्व एड्स दिवस पर निकाली जागरूकता रैली

● डीएम संजय कुमार खत्री महामंडलेश्वर स्वामी कल्याणी नंद गिरी महंत वैष्णवीनंद गिरि हुए शामिल

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

रैली में शामिल हुए डीएम और किन्नर अखाड़ा के महंत।

जिला एड्स रोकथाम एवं नियंत्रण इकाई प्रयागराज की ओर से विश्व एड्स दिवस के मौके पर बुधवार को संगम नगरी प्रयागराज में जागरुकता रैली निकाली गई। सुभाष चौराहे से निकाली गई एड्स जागरुकता रैली को डीएम प्रयागराज संजय कुमार खत्री और किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर स्वामी कल्याणी नंद गिरी एवं जिला स्तरीय किन्नर बोर्ड की सदस्य महंत वैष्णवीनंद गिरि ने रवाना किया।

रैली में स्वास्थ्य कर्मियों और स्कूली बच्चों ने हाथों में तख्तियां और पोस्टर लेकर लोगों को एड्स की बीमारी के प्रति जागरूक किया। रैली के जरिए एड्स के मरीजों से भेदभाव खत्म करने एड्स को समाप्त करने और दूसरी बीमारियों को खत्म करने का लोगों को संदेश दिया गया। मुख्य आकर्षण का केन्द्र जीजीआईसी कटरा की छात्राएं स्कूल का बैण्ड बजाते हुए चल रही थीं। डीएम संजय कुमार खत्री ने कहा कि एड्स की वजह से लोगों को समाज और परिवार से उपेक्षा मिलती है और उनका जीवन नारकीय हो जाता है लेकिन एड्स के प्रति लोगों को जागरूक कर इससे न केवल लड़ा जा सकता है।

इस बीमारी को दूसरों में फैलने से भी रोका जा सकता है। डीएम ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग और सामाजिक संस्थाएं लोगों को जागरूक कर रही है लेकिन खुद भी लोगों को जागरूक होना होगा। किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि ने कहा कि सभी लोगों को जागरूक रहने की जरूरत है।

यह भयावह बीमारी है। सभी लोग खुद को सुरक्षित रखे और लोगों को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि किन्नर अखाडा भी लोगों को जागरूक कर रहा है। इसके लिए गोष्ठी और जागरूकता कार्यक्रम व्यापक स्तर पर चला रहा है। राष्ट्रीय सनातन सेना के मुख्य संरक्षक अभय नारायण पाण्डेय ने कहा कि समाज के लोगों को इस भयावह बीमारी को लेकर और जागरूक होना होगा तभी इससे लोग बच सकेंगे।

मौजूद समय में की जा रहीं कोशिशों से मिली सफलता

प्रयागराज। मौजूदा समय में तमाम तरह की कोशिशों के लिए प्रयास किये जाते हैं। अभिनेता राकेश कुकरेती जो भारतीय टेलीविजन और एड फिल्म उद्योग में एक जाना माना चेहरा हैं। चेन्नई एक्सप्रेस जैसी फिल्म अपने अभिनय से सबको प्रभावित करने वाले राकेश ने हाल ही में जूही चावला के साथ अपनी विज्ञापन फिल्म की शूटिंग समाप्त की। राकेश के लिए यह एक सपने के साकार होने के जैसा अनुभव था। राकेश ने हमेशा जूही की एक अभिनेता के रूप में प्रशंसा की है। एक बड़ी स्टार होने के बावजूद एक बहुत ही डाउन टू अर्थ व्यक्तित्व हैं। उनका चेहरा उनका रवैया उनके आसपास के लोगों के प्रति उनका दृष्टिकोण उसी मासूमियत और सुंदरता को दर्शाता है जो हमने स्क्रीन पर देखा है। वह स्क्रीन और ऑफस्क्रीन दोनों में सहज हैं और उनकी सबसे अच्छी बात उनकी मुस्कान है जो उन्हें कभी नहीं छोड़ती है। काम को लेकर पूरी तरीके से समर्पित है और न केवल अपना बल्कि सभी के काम का सम्मान करती है। राकेश ने बताया कैसे उन्होंने पहली बार जूही को कयामत से कयामत तक में देखा था उनके लाखों प्रशंसकों की तरह मुझे भी उन पर क्रश था। वह बहुत ही विनम्र है बहुत सहयोगी और उनके साथ साथ काम करने में मुझे बहुत खुशी हुई। जब आप जूही जैसे अभिनेता के साथ काम करते हैं। तब आपको एहसास होता है की एक असाधारण अभिनेता और इंसान बनना संभव है। दोनों एक ही समय में जूही निश्चित रूप से एक प्रेरणा हैं।

क्विक न्यूज

बोर्ड की परीक्षा और हमारा लक्ष्य विषय पर सेमिनार

प्रयागराज। रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज राजापुर प्रयागराज के प्रधानाचार्य बांके बिहारी पांडेय के निर्देशन में विद्यालय की वंदना सभा में बोर्ड की परीक्षा और हमारा लक्ष्य विषय पर बोर्ड के परीक्षार्थियों के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें पुरातन छात्र शुभम सक्सेना एवं अनुराग त्रिपाठी जो विद्यालय के टॉपर रहे हैं। दोनों पुरातन छात्रों ने विद्यालय के छात्र छात्राओं को बोर्ड की परीक्षा में किस प्रकार से तैयारी करें कि हमें अपने लक्ष्य तक पहुंचने में आसानी हो इस विषय पर अपने अपने विचार रखे।शुभम सक्सेना ने छात्र छात्राओं से कहा कि आप अपनी समय सारणी निर्धारित कीजिए और एक भी दिन उससे अलग मत होइए। कम से कम 6 से 7 घंटे अध्ययन जारी रखिए। समस्या का समाधान अपने टीचर से कराइए। इस प्रकार लक्ष्य प्राप्त करने में हमें आसानी होगी। इसी प्रकार अनुराग त्रिपाठी ने कहा कि सभी छात्र छात्राओं को अपना लक्ष्य निश्चित रूप से निर्धारित करना चाहिए और उसके अनुरूप कार्य करना चाहिए हमें प्रातःकाल उठ कर स्वाध्याय करना चाहिए तब हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के बाद हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के दर्जनों छात्र छात्राओं ने माइक पर आकर के अपने सहपाठियों के समक्ष अपना लक्ष्य 98 फीसद सौ फीसद निर्धारित किया। कार्यक्रम से बोर्ड की परीक्षा देने वाले छात्र छात्राओं में काफी उत्साह जागृत हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य बांके बिहारी पांडेय ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ध्येय का अंतिम शिखर दिखने लगा है पग बढ़ाएं। इन पंक्तियों के माध्यम से छात्र छात्राओं को लक्ष्य तक पहुंचने का तरीका विस्तार से बताया।

नौ माह से फरार चल रहा अभियुक्त गिरफ्तार

टाण्डा, अम्बेडकरनगर। बीते 9 माह से फरार चल रहे गैर इरादतन हत्या के अभियुक्त को टाण्डा पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय चालान भेज दिया है। कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक रामउग्रह कुशवाहा ने अभियुक्त आनन्द राव पुत्र अर्जुन निवासी ग्राम कोडरा को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया।ज्ञात हो कि बीते 28 फरवरी को ग्राम पुन्थर निवासी 84 वर्षिय वृद्ध अब्दुल कादिर पुत्र यहिया जिनकी मानसिक स्थित ठीक नही थी जो रास्ता भटक कर ग्राम कोतवाली टाण्डा के ग्राम कोडरा पहुंच गए थे जिसपर उन्हें चोर चोर कह कर ग्रामीणों ने जमकर मारा पीटा था घायल अवस्था मे उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया जहां पर डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर भेज दिया था ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान घटना के दस दिन बाद अब्दुल कादिर की मौत हो गयी थी। टाण्डा कोतवाली पुलिस ने धारा 147,308,304 आई पी सी का मुकदमा पंजीकृत किया था।जिसमे एक महिला सहित दर्जनों अभियुक्त प्रकाश में आये थे। जिसमें तीन अभियुक्त पहले गिरफ्तार हुए थे न्यायालय हाजिर हुए अभी भी एक महिला सहित दो अभियुक्त फरार चल रहे हैं।

बालिकाओं की पढ़ाई के लिए विद्या अभियान कैम्प शुरू

प्रयागराज। गैर लाभकारी संस्था एजुकेट गर्ल्स राजस्थान मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में बालिकाओं की शिक्षा के लिए कार्यरत है। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट बाँदाए कौशाम्बी प्रयागराज भदोही फतेहपुर रायबरेली उन्नाव सोनभद्र मिर्ज़ापुर जिलों में बालिका शिक्षा के बेहतर क्रियान्वयन हेतु विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से एजुकेट गर्ल्स समुदाय आधारित शिक्षा पर सराहनीय कार्य कर रही है। संस्था ने शैक्षणिक सत्र में अनामांकित तथा स्कूल छोड़ चुकी बालिकाओं के लिए नामांकन अभियान के बाद पढ़ाई जारी रखने के लिए कैम्प विद्या और अधिगम के लिए कर्मचारी प्रशिक्षण शुरू किया है। एजुकेट गर्ल्स के रीजनल मैनेजर नितिन झा ने बताया कि कोरोना महामारी के कारण विद्यालय लंबी अवधि तक बंद रहे हैं। जिसके कारण बच्चों की पढ़ाई बाधित हुई है। स्कूल खुलने पर नामांकन अभियान कैम्प विद्या और कर्मचारी प्रशिक्षण के माध्यम से नामांकित छात्रों के साथ साथ सभी अनामांकित बच्चों का स्कूल में नामांकन हो सके और पढ़ाई जारी रखने के लिए कैम्प विद्या चलाने के लिए कर्मचारी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। एजुकेट गर्ल्स के सीनियर डिस्ट्रिक्ट मैनेजर शबनम सैफी ने बताया स्कूल बंद होने की वजह से बालिका साक्षरता दर में नुकसान देखा गया है।

पच्चीस हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

टाण्डा, अम्बेडकरनगर। 2 नवम्बर को नेशनल हाइवे 233 पर टाण्डा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पुनथर के पास सजंय वर्मा की हत्या कर दुर्घटना का रूप देकर फेंके गए शव के मामले में हत्या में शामिल मुख्य अभियुक्त के सहयोगी 25 हजार रुपए के इनामिया को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में अब तक पांच अभियुक्त गिरफ्तार किये जा चुके है। कोतवाल टाण्डा विजेंद्र शर्मा ने हत्या में शामिल आदर्श वर्मा पुत्र रमाकांत निवासी ग्राम अशरफपुर भुआ थाना जलालपुर को गिरफ्तार कर न्यायालय चालान कर दिया। ज्ञात हो कि संजय वर्मा पुत्र विजय बहादुर वर्मा निवासी ग्राम नासिरपुर बरवा कोतवाली अकबरपुर को महिला के सम्बन्ध की आशंका में बीते एक नवम्बर को हत्या कर शव को हाइवे पर फेंक कर वाहन चढ़ा कर दुर्घटना का रूप दिया गया था जिसका शव दो नवम्बर को मिला था।

निकाय प्रकोष्ठ टीम घोषित

प्रयागराज। भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी की संस्तुति पर जिला संयोजक गिरी शंकर प्रभाकर ने मंडलीय टीम गठित की। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि मयंक यादव को मनोनीत किया गया एवं मंडल स्तर पर चौक मंडल के संयोजक सोमनाथ पांडेय सह संयोजक वैभव खरे मुट्ठीगंज संजय लामा कीटगंज से संयोजक जितेंद्र सिंह सह संयोजक अनिकेत कुमार नैनी से संयोजक नितिन केसरवानी सहसंयोजक धीरज तिवारी सतीश शाक्य रूबी गंगापट्टी से संयोजक वजेदुरहमान का सह संयोजक शुभम गुप्ता यमुना पट्टी के संयोजक रमा शंकर शुक्ला सहसंयोजक सूर्यपाल सिंह राजरूपपुर से संयोजक कुलदीप साहू सह संयोजक सहसंयोजक अंशु केसरवानी संयोजक बृजेश यादव सह संयोजक शशी धर द्विवेदी शिवकुटी से संयोजक दुर्गेश सिंह सहसंयोजक विष्णु कांत शुक्ला सहसंयोजक विवेक सिंह सिविल लाइन मंडल से संयोजक विशाल अग्रवाल एवं सहसंयोजक संजीव गुप्ता मनोनीत किए गए।

एनटीपीसी में ऊर्जा संरक्षण पर राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

एनटीपीसी टांडा में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बी.ई.ई), ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से ऊर्जा संरक्षण पर राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता-2021 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में आवासीय परिसर स्थित विभिन्न विद्यालयों के श्रेणी-क (कक्षा- 5, 6 एवं 7) तथा श्रेणी-ख (कक्षा 8, 9 एवं 10) के 324 छात्रों ने भाग लिया। चित्रकला प्रतियोगिता में राज्य स्तर के लिए विभिन्न विषयों पर आधारित जैसे आजादी का अमृत महोत्सव, ऊर्जा दक्ष भारत एवं स्वच्छ ग्रह पर बच्चों ने अपनी कल्पनाओं को चित्रित किया।

राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। एनटीपीसी लिमिटेड उत्तर प्रदेश में राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता और एनसीआर में राष्ट्रीय स्तर की चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित करने वाली नोडल एजेंसी है।

देश में ऊर्जा संरक्षण पर जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ऊर्जा मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। छात्रों के लिए यह चित्रकला प्रतियोगिता ऊर्जा जागरुकता अभियान की गतिविधियों में से एक के रूप में शामिल किया गया है, जो न केवल छात्रों को ऊर्जा संरक्षण की आवश्यकता के बारे में जागरूक करेगा बल्कि साथ ही साथ उपरोक्त कारणों में उनके माता-पिता को भी शिक्षित और शामिल करेगा।

हत्या के बाद पत्थरबाजों की तलाश में जुटी पुलिस

संवाददाता। टाण्डा, अम्बेडकरनगर

टाण्डा कोतवाली के पकड़ी भोज पुर में बीते सोमवार को दिन दहाड़े जमीनी विवाद में अंकित यादव की हुई हत्या व उसके बाद हुई पत्थरबाजी के मामले में कोतवाली पुलिस ने पत्थरबाजों की तलाश शुरू कर दी है। जिसको लेकर हड़कम्प मचा हुआ है। पुलिस ने सैकड़ों अज्ञात के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया था। और अब वाइरल वी डी ओ के जरिये पत्थर बाजों की पहचान शुरू कर दी है।

कोतवाली टाण्डा क्षेत्र के ग्राम पकड़ी भोजपुर में बीते सोमवार को जमीनी विवाद को लेकर अंकित यादव पुत्र अभयराज की धारदार हथियारों से चोट पहुंचा कर हत्या कर दी गयी थी। उसके बाद अभियुक्त का घर घेर कर पत्थरबाजी की जा रही थी वही अभियुक्त द्वारा फायरिंग की जा रही थी पुलिस के पहुंचने पर भी अभियुक्त द्वारा फॉयरिंग की जा रही थी जवाबी कार्यवाही में पुलिस ने दो अभियुक्तों को पैर में गोली मारकर गिरफ़्तार किया था गिरफ्तारी के बाद भीड़ द्वारा पुलिस पर पथराव कर अभियुक्त पर हमला कर दिया गया था जिसमें कई पुलिस कर्मी घायल हुए थे और पुलिस की जीप भी क्षतिग्रस्त हुई थी।

पुलिस ने इस मामले में सैकड़ों अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया है। वहीं दूसरी तरफ पुलिस की गोली व ग्रामीणों के हमले में घायल हत्या अभियुक्त राजेन्द्र यादव का इलाज ट्रामा सेंटर लखनऊ में चल रहा है कोतवाली पुलिस ने बताया कि उसकी स्थित में सुधार हो रहा है। एक अभियुक्त जिला अस्पताल में भर्ती है जबकि तीन महिलाओं सहित चार अभियुक्तों को जेल भेजा जा चुका है। घटना के तीसरे दिन भी ग्राम में सन्नाटा छाया हुआ है।

मतदान स्थलों को लेकर बैठक आयोजित

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त दलों के प्रतिनिधि के साथ मतदेय स्थलों के संशोधन प्रस्ताव के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान वर्तमान मतदेय स्थल प्राथमिक विद्यालय परसौना पूर्वी कक्ष (मतदेय स्थल संख्या -18) का संशोधन प्रस्ताव पंचायत भवन परसौना तथा प्राथमिक विद्यालय सेमरा तप्पा हवेली(मतदेय स्थल- 288) वर्तमान मतदेय स्थल का संशोधन प्रस्ताव पंचायत भवन सेमरा तप्पा हवेली पेश किया गया। राजनीतिक दलों द्वारा सर्वसम्मति से पास किया गया।

परसौना मतदेय स्थल अतिवृष्टि होने से मतदेय स्थल भवन खराब होने के कारण परिवर्तित करना पड़ा जबकि सेमरा तप्पा हवेली मतदेय स्थल का भवन गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे के अंतर्गत आने के कारण ध्वस्त हो गया था। वर्तमान में दोनों मतदेय स्थल संबंधित क्षेत्र से 2 किलोमीटर के अंतर्गत है। बैठक के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी/ अपर जिलाधिकारी अशोक कुमार कनौजिया, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ मिथिलेश त्रिपाठी तथा अन्य प्रमुख मान्यता प्राप्त दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

भारतीय समाज संवेदनशील मुद्दों की रखता है सोच

प्रयागराज। भारतीय समाज के संवेदनशील मुद्दों को लेकर लोगों की सोच पर सवाल उठाने वाली अपनी विचारोत्तेजक कहानियों के लिए जाना जाने वाला ज़ी टीवी अब एक और खास कहानी लेकर आया है। दर्शकों को उन औरतों के प्रति दोबारा सोचने पर मजबूर कर देगी जो अपने सहयोगी पुरुषों से ज्यादा सफल होती हैं। औरत से अक्सर कहा जाता है कि सिर्फ अपने करियर पर ही नहीं अपनी शादी पर भी ध्यान दो। यदि आप करियर में लगातार सफलता हासिल करती हैं तो बहुत जल्द रिश्ते संभवतः अपने पति से ज्यादा सफल माना जाता है और उसे आगाह किया जाता है कि उसकी सफलता से उसके पति असुरक्षा महसूस कर सकते हैं कुछ ऐसी ही उलझन है परागी पराशर के अगले फिक्शन शो इस मोड़ से जाते हैं की नायिका हैं। वो संजय पाठक नाम के लड़के से प्यार करती हैं और यूपीएससी एग्जाम की तैयारी कर रही हैं। आईएएस अधिकारी बनने की हसरत रखते हैं। छह दिसंबर से शुरू होगा।

गणित से प्राप्त किए जाने वाला ज्ञान गणितीयःभाटिया

● गणित व इसके उपयोग विषय पर राष्ट्रीय ई.सेमिनार का हुआ समापन

संवादाता। अयोध्या

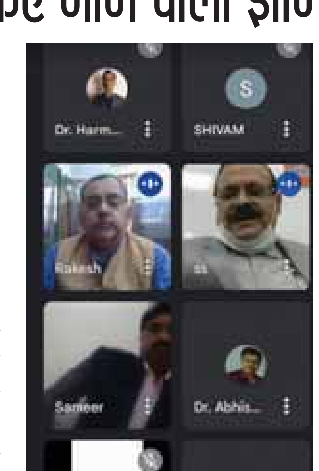

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग में श्वैदिक गणित एवं इसके उपयोगश् विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय ई.सेमिनार का समापन 30 नवम्बर 2021 दिन मंगलवार को किया गया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता राष्ट्रीय समन्वयक वैदिक गणितए शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के राकेश भाटिया ने कहा कि वैदिक गणित वैदिक वेदान्त से प्राप्त किए जाने वाला गणितीय ज्ञान हैं।

जनक स्वामी भारती कृष्ण तीर्थ पुरी के 143 वें शंकराचार्य माने जाते है। छात्रों को थ्योरी त्रिकोणमिती एवं जियॉमेट्री से संबंधित समस्याओं का समाधान करते हुए पीपीटी के माध्यम से वैदिक गणित के अनुप्रयोग पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया।

वैदिक गणित को सर्टिफिकेट डिप्लोमा तथा एमएससी स्तर पर ऑप्शनल पेपर के रूप मे संचालित किया जाना भारतीय ज्ञान परंपरा को अक्षुण बनाने की दिशा मे एक महत्वपूर्ण बताया। विभागाध्यक्ष प्रो. एसएस मिश्र ने बताया कि वैदिक गणित की सभी को शिक्षा दी जानी चाहिए। इसकी मदद से थोड़े से ही अभ्यास से आसानी से सिखा जा सकता है। विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो? सीके मिश्र ने कहा कि गणितीय प्रश्नों को हल करने में वैदिक सूत्र कारगर सिद्ध हुआ है। ये व्यक्ति के बौद्धिक स्तर को बढ़ाता है। समस्याओं को आसानी से हल किया जा सकता है।

तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्रो. एस. के रायजादा ने कहा कि वैदिक गणित के अनुप्रयोग से समय की बचत की जा सकती है। इससे संसाधनों की रक्षा भी की जा सकती है। यह छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक होगा। डॉ. अभिषेक सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डा. मनोज कुमार द्वारा किया गया। तकनीकी सहयोग डॉ. सघर्ष सिंह द्वारा किया गया। डॉ. संदीप रावत, डॉ. संजीव कुमार सिंहए अनुराग सोनी, आलोक तिवारी, दिवाकर पांडेय, गायत्री वर्मा, शालिनी मिश्रा, अनामिका पाठक, सहित विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहें।

प्रियंका गांधी की प्रतिज्ञाओं को जन-जन तक पहुंचाएं कांग्रेसजनः वर्षा गायकवाड़

अयोध्या। आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत कांग्रेस पार्टी स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक इंपीरियल अवध मैरिज लान में संपन्न हुई बैठक में स्क्रीनिंग कमेटी की सदस्य श्रीमती वर्षा गायकवाड मंत्री महाराष्ट्र प्रदेश सरकारएपूर्व सांसद उत्तर प्रदेश को आर्डिनेशन कमेटी के चेयरमैन डॉ. निर्मल खत्री, राष्ट्रीय सचिव प्रभारी उत्तर प्रदेश राजेश तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष अवध जोन प्रभारी वीरेंद्र चौधरी, प्रदेश सचिव अयोध्या अंबेडकरनगर, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच, बलरामपुर, गोंडा, एवं श्रावस्ती जनपदों के 45 विधानसभा क्षेत्रों के हजारों पदाधिकारियों सहित विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों से रूबरू होकर शीर्ष नेतृत्व द्वारा दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश एवं चुनाव की रणनीति हेतु आवश्यक टिप्स देकर पार्टी से विधानसभा चुनाव लड़ने के उम्मीदवारों से साक्षात्कार लिया।

परिवार नियोजन

पुरुषों की भूमिका

भारत में दस पुरुषों में से एक भी कंडोम का प्रयोग नहीं करता है। मुश्किल से ही कोई पुरुष वंध्याकरण के लिए तैयार होता है। इसके उलट महिलाओं में वंध्याकरण गर्भनिरोध का वरीयता प्राप्त साधन है। 10 में से लगभग चार महिलायें वंध्याकरण कराती हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 से ऐसे कुछ नतीजे सामने आए हैं जिनसे भारत में सुरक्षित सेक्स तथा गर्भनिरोध के बारे में पुरुषों व महिलाओं का दृष्टिकोण स्पष्ट होता है। महिलायें गर्भनिरोध के अन्य साधनों, जैसे गर्भनिरोधक गोलियों, इंजेक्शनों व इंटरायूटरीन उपकरणों के बजाय वंध्याकरण को पसंद करती हैं। देश के 23 राज्यों व संघशासित क्षेत्रों में कंडोम प्रयोग 10 प्रतिशत से भी कम है। उत्तराखंड में कंडोम का सर्वाधिक प्रयोग 25.6 प्रतिशत है। कंडोम प्रयोग के बारे में एकमात्र सुखद समाचार यह है कि पिछले स्वास्थ्य सर्वेक्षण की तुलना में इसमें 4 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इस प्रकार भारत में गर्भनिरोध की जिम्मेदारी अब भी महिलाओं पर है। वे गर्भधारण व प्रसव की जैविक प्रक्रिया से गुजरती हैं और इसी कारण उनकी 'परिवार नियोजन' के प्रति ज्यादा जिम्मेदारी दिखती है। परिवार नियोजन में पुरुषों की सहभागिता अत्यधिक सीमित और निराशाजनक है। कंडोम के कम प्रयोग तथा नसबंदी की नगण्य संख्या से परिवार नियोजन के प्रति परिवार नियोजन में पुरुषों की जिम्मेदारी से अनिच्छा प्रगट होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां शिक्षा की कमी अब भी बहुत अधिक है तथा महिलायें बेरोजगार हैं, वे अक्सर यह तर्क देकर वंध्याकरण के लिए मजबूर की जाती हैं कि नसबंदी से पुरुष कमजोर हो सकते हैं जो परिवार में एकमात्र कमाने वाले होते हैं। दुर्भाग्य से परिवार नियोजन पर सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियानों में पुरुषों की तुलना में ज्यादा से ज्यादा महिलायें भागीदारी करती हैं। ग्रामीण तथा शहरी भारत में पुरुष नसबंदी से इनकार कर देते हैं, जबकि यह तुलनात्मक रूप से सुरक्षित और सरल है। इसके पीछे पौरुष प्रभावित होने की गलत धारणा है। इसी प्रकार पितृसत्ता तथा आनन्द की भावना से पुरुष कंडोम का प्रयोग नहीं करते हैं। आज भी पुरुष व महिलायें, दोनों गर्भनिरोधकों के प्रयोग की आवश्यकता के प्रति अनजान हैं। वे इसे शिशु जन्म में विलम्ब तथा बच्चों के बीच अंतर रखने के बजाय केवल गर्भावस्था से बचने का साधन मानते हैं। इन दृष्टिकोणों में परिवर्तन का एकमात्र तरीका संवाद के राष्ट्रीय अभियान हैं जिनसे वे अपने दृष्टिकोणों का पुन: आंकलन कर सकते हैं। सरकार को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए ताकि पुरुष गर्भनिरोध संवाद में शामिल हों। स्मृतियां आसानी से पीछा नहीं छोड़ती हैं और लोग आज भ्ज्ञी 1976 में आपातकाल के अंधकारमय दिनों को याद करते हैं, जब लगभग 6.2 मिलियन लोगों की जबरन नसबंदी की गई थी, लगभग 2,000 आपरेशनों के कारण मर गए थे तथा विरोध करने वालों के खिलाफ पुलिसिया कार्रवाई में भी बहुत से लोग मारे गए थे। परिवार नियोजन कार्यक्रम कभी समावेशी नहीं रहा, बल्कि यह वंध्याकरण और गर्भनिरोध, जन्म नियंत्रण व जनसंख्या नियंत्रण, पुरुष वंध्याकरण या महिला वंध्याकरण या बड़े परिवारों को राष्ट्रीय अस्थिरता से जोड़ने के बीच चरणों में झूलता रहा। इक्कसीवीं शताब्दी के भारत में स्थाई वंध्याकरण परिवार नियोजन कार्यक्रम को स्वरूप नहीं दे सकता है। इसका संबंध जनसंख्या विस्फोट से नहीं है क्योंकि 2019-2021 में कुल प्रजनन दर गिर कर 2.0 रह गई, जबकि यह 2015-16 में 2.2 थी। इसका संबंध जनसंख्या नियंत्रण के नौकरशाही एजेंडे को लागू करने के बजाय पुरुषों व महिलाओं को राष्ट्रीय संवाद में शामिल करना है ताकि वे अपने परिवारों के नियोजन में सहभागी बन सकें।

पंजाब में 'आम आदमी' हेतु संघर्ष

तथाकथित 'दिल्ली माडल' को अस्वीकार कर पंजाब के मुख्यमंत्री कहते हैं कि राज्य में सबको समान अवसर देने वाला 'चन्नी माडल' लागू हो रहा है।

अमिताभ शुक्ला
(लेखक दि पायनियर चंडीगढ़ के स्थानीय संपादक हैं)

पंजाब में कौन सी पार्टी 'आम आदमी' की सच्ची हितैषी है? लाख रुपये का यह सवाल चुनाव अभियान में सत्तारूढ़ कांग्रेस तथा उसे चुनौती देने वाली आम आदमी पार्टी-आप के बीच महत्वपूर्ण हो गया है। ये दोनों स्वयं को आम आदमी के सच्चे प्रतिनिधि की तरह पेश कर रही हैं। वे जन-कल्याणकारी उपायों पर जोर देते हुए इनको योजनाओं में सर्वाधिक महत्व दे रही हैं। स्वयं को आम आदमी घोषित करने वाले चरणजीत सिंह चन्नी निम्न मध्यवर्गीय परिवार से आते हैं जिन्होंने एक समय अपने टेंट हाउस के सामने चारपाई पर रख कर दीपावली में पटाखे बेचे थे और पूरे समय अपने पिता के टेंट बिजनेस में काम करते थे। राजनीतिक क्षेत्रों में महाराजा के नाम से विख्यात पटियाला शाही परिवार के अमरिंदर सिंह से सत्ता छीन कर वे मुख्यमंत्री बने हैं। इस प्रकार राजनीति ने राज्य में 360 डिग्री मुड़ी है और वह मूल रूप से आम आदमी की घोषित पार्टी-आम आदमी पार्टी-आप से मुकाबला कर रही है। आश्चर्य नहीं कि राज्य में अपने चुनाव अभियान के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उनका विश्वास है कि पंजाब में उनकी नकल हो रही है तथा एक 'फर्जी केजरीवाल' चारों ओर घूम रहा है और वह उनके जैसे ही वादे कर रहा है। उन्होंने जनता से फर्जी के बजाय असली के पहचानने का अनुरोध किया है। केजरीवाल का इशारा चन्नी की ओर है जो उनकी नकल करते हैं, हालांकि केजरीवाल अपने भाषण में किसी का नाम नहीं लेते हैं।

मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही चन्नी पूरे जोश के साथ अपनी आम आदमी वाली छवि बना रहे हैं। वे नियमित रूप से सड़क के किनारे 'ढाबों' पर आम लोगों के साथ चाय पीने पहुंच जाते हैं, आयोजनों में मंच पर भांगड़ा नृत्य में हिस्सा लेते हैं, शादी समारोहों में शामिल होते हैं और युगलों को 'शगुन' देते हैं, आटोरिक्शा ड्राइवरों के साथ फोटो खिंचवाते हैं तथा मजदूरों व किसानों आदि से मिलते हैं। इस कारण आप वास्तव में इस सीमा तक परेशान हो गई है कि चन्नी की छवि को राज्य में अपनी चुनावी संभावनाओं के लिए खतरनाक मानने लगी है। इससे उसका सत्ता में आने का सपना टूट सकता है। केजरीवाल के इन शब्दों पर गौर करें, 'इन दिनों पंजाब में एक नकली केजरीवाल घूम रहा है। मैं जो वादे करता हूं उनको वह अगले दिन दुहराता है, पर लागू नहीं करता है। उससे सावधान रहें। केवल असली केजरीवाल ही अपने वादे पूरे कर सकता है।' आप के राष्ट्रीय संयोजक चन्नी की ओर इशारा करते हुए कहते हैं, 'पूरे देश में केवल एक आदमी, केजरीवाल बिजली बिलों को जीरो पर ला सकता है।

इसलिए फर्जी केजरीवाल से सतर्क रहें।' चन्नी ने सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए बिजली दरें 3 रुपये करने का वादा किया है। मजेदार बात है कि केजरीवाल और चन्नी एक ही दिन लुधियाना के औद्योगिक शहर में आम आदमी की अपनी यूएसपी प्रचारित करने के लिए पहुंच गए। आटो व टैक्सी ड्राइवरों से केजरीवाल की निर्धारित बैठक के कुछ ही घंटे पहले चन्नी अचानक एक आटोरिक्शा स्टैंड पर रुके और उन्होंने ड्राइवरों की समस्यायें सुनने के साथ ही उनके साथ चाय पीते हुए अपनी फोटो खिंचवाई। यह केजरीवाल के लिए अत्यधिक परेशानी वाली बात थी। उन्होंने फौरन जवाब देते हुए कहा कि उनकी मुलाकात पहले से निर्धारित थी, लेकिन जब 'नकली केजरीवाल' को इसका पता चला तो वे फौरन आटोरिक्शा मालिकों के कार्यालय पहुंच गए। केजरीवाल ने कहा, 'लेकिन मैं सोचता हूं कि डरना अच्छी बात है। वे असली केजरीवाल के भय से भले ही कुछ कर सकते हों, पर वे ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि वे नकली हैं।' असली-नकली की यह बयानबाजी जारी है और केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री पर अपनी नकल करने का आरोप लगाते हैं जो बिजली दरों पर वादे कर रहे हैं। केजरीवाल यह भी याद दिलाते हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने भी दिल्ली सरकार की नकल करते हुए महिलाओं के लिए बस सर्विस की घोषणा की थी। लेकिन यह अधूरी रही क्योंकि कैप्टेन अमरिंदर ने केवल सरकारी बसों में ही महिलाओं को मुफ्त यात्रा की अनुमति दी। चन्नी ने फौरन इसका जवाब देते हुए आप सुप्रीमो पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल का दिल्ली माडल 'झूठों के पुलंदे' के सिवा और कुछ नहीं है। पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा, 'पंजाब सरकार ने आम जनता को लाभ पहुंचाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं, जबकि केजरीवाल और उनके साथी अभी केवल जनता से वादे कर रहे हैं। में कभी दूसरा केजरीवाल नहीं बन सकता क्योंकि मैं उनकी तरह धोखेबाज और चालाक नहीं हूं।' इससे आप नेता काफी नाराज हुए और अगले दिन बयानों में उन्होंने इसी भाषा में चन्नी को जवाब दिया। तथाकथित 'दिल्ली माडल' या केजरीवाल माडल को अस्वीकार कर पंजाब के मुख्यमंत्री कहते हैं कि राज्य में सबको समान अवसर देने वाला 'चन्नी माडल' लागू हो रहा है। उन्होंने कहा, 'चन्नी माडल महान सिख गुरुओं की शिक्षाओं के अनुरूप है जिन्होंने समानता और भाईचारे का रास्ता दिखाया था। यह माडल राज्य में यहां की प्रगति तथा राज्य की जनता की समृद्धि के लिए लागू किया जा रहा है। यह माडल उस समय तक लागू रहेगा, जब तक मैं इस पद पर हूं।' राज्य के पहले दलित मुख्यमंत्री अपनी चुनाव सभाओं में इस पर जोर देते हैं।

आम आदमी की अपनी छवि और मजबूत करने के लिए चन्नी ने चांदपुरा मोगा गांव के उसी गुरुद्वारे शहीद बाबा तेगा सिंह में रात गुजारी जहां वे 2016 में अपनी साइकिल यात्रा के दौरान ठहरे थे। उनके प्रचारकों ने फौरन इसे मुद्दा बना लिया। उन्होंने बताया, 'परंपराओं से अलग हट कर मुख्यमंत्री ने किसी होटल, रेस्ट हाउस या पार्टी के नेता के बहुमंजिले बंगले के बजाय गुरुद्वारा साहेब में रात में ठहरने का फैसला किया।' आम आदमी के तौर पर छवि बनाने की इस दौड़ में पीछे रहे शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने भी 'आम आदमी' प्रतिद्वंद्वियों केजरीवाल और चन्नी से मुकाबले का फैसला किया। वे सेल्फी लेने वाले नौजवानों को आकर्षित कर उनके साथ फोटो खिंचवाते हैं तथा सोशल मीडिया से अपनी छवि बनाने का प्रयास करते हैं। बादल परिवार के लिए आम आदमी की छवि बनाना आसान नहीं है क्योंकि उनको बहुत अमीर माना जाता है। उनका बिजनेस कई क्षेत्रों में फैला है जिसमें अतिथि सत्कार, परिवहन, केबल व मनोरंजन, आदि शामिल हैं। लेकिन राजनीतिक हवा के साथ उड़ने में कोई नुकसान नहीं है। शिअद के एक समर्थक ने बताया कि इसी कारण पार्टी प्रमुख भी आम आदमी की छवि बना रहे हैं।

जहां अमरिंदर सिंह अपने दूसरे कार्यकाल में अधिकांशत: अपने आवास और फार्म हाउस तक केन्द्रित तथा आम लोगों से कटे रहे, वहीं चन्नी इसका ठीक उल्टा कर रहे हैं। वे मेहनत से बनाई अपनी आम आदमी की छवि मजबूत करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। उनके राजनीतिक सलाहकारों का मानना है कि मतदाताओं में उनकी पसंद बढ़ रही है क्योंकि उनको पिछले दो दशकों से अधिक समय में राज्य के प्रमुख का एकदम अलग राजनीतिक व्यक्तित्व देखने को मिल रहा है। प्रकाश सिंह बादल पांच कार्यकाल मुख्यमंत्री रहे, जबकि अमरिंदर सिंह इस पद पर साढ़े नौ साल रहे। इस प्रकार लगभग 25 साल तक वे शिखर पर रहे। जहां बादल का विश्वास अपनी संगत दर्शन योजना से खैरात बांटना था, वहीं अमरिंदर सिंह अधिकांशत: जमीन से कटे रहे तथा जनता के बजाय अपने सलाहकारों के समर्थन पर निर्भर रहे। इस प्रकार चन्नी और केजरीवाल की छवि इस चुनावी राज्य में बहुत से लोगों के लिए ताजा हवा की तरह है।

आश्चर्य नहीं कि आम आदमी का असली चैम्पियन बनने के लिए कठिन प्रतियोगिता हो रही है और यह अब तक चुनाव अभियान का यूएसपी बन गया है।

सदैव फलता-फूलता रहेगा लोकतंत्र

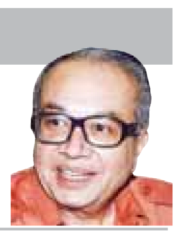

प्रफुल्ल गोराड़िया
(लेखक पूर्व राज्यसभा सदस्य हैं)

मीडिया में यह आरोप लगाया जा रहा है कि लोकतंत्र का पतन हो रहा है। ऐसा इतिहास से अनजान लोग ही कह सकते हैं। आज, यूरोप प्रथम दृष्ट्या लोकतांत्रिक है, कम से कम चुनाव कराने की हद तक। द्वितीय विश्व युद्ध से पहले, ज्यादातर निरंकुशताएं थीं, उदाहरण के लिए, जर्मनी, इटली और स्पेन। उन्नीसवीं शताब्दी और उससे पहले के अधिकांश समय के लिए, लोकतंत्र एक एंग्लो-सैक्सन एकाधिकार था। इसका उद्घाटन इंग्लैंड द्वारा 1215 में सरे के रननीमेड में किंग जॉन द्वारा मैग्ना कार्टा या ग्रेट चार्टर पर हस्ताक्षर के साथ किया गया था। सभी नागरिकों को रियायतें मिलीं और यह कानून के शासन की शुरुआत थी। सरे काउंटी में रननीमेड में हस्ताक्षर करने के दौरान अधिकांश रईस मौजूद थे। इसने कानून के शासन को लागू करने की परंपरा शुरू की, जो लोकतंत्र का एक बड़ा स्तंभ बन गया। कानून के समक्ष सभी समान हैं और सभी के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार किया जाना चाहिए।

अंग्रेज रईसों ने किंग जॉन के हस्ताक्षर के लिए मैग्ना कार्टा को वस्तुत: मजबूर कर दिया था अन्यथा उनके प्रयास को उनके हस्ताक्षर से बचना होगा। आम तौर पर कौन सत्ता छोड़ने को तैयार है? यदि रईस धीरे-धीरे और चतुर नहीं होते, तो राजा शायद कार्टे पर हस्ताक्षर नहीं करते और गृहयुद्ध हो सकता था। चर्च जैसे सरल उपायों को पूर्ण स्वतंत्रता होगी, लंदन शहर उन करों को लगाने के लिए स्वतंत्र होगा जो पहले हुआ करता था। सभी व्यापारी बिना किसी उत्पीड़न या कराधान के इंग्लैंड छोड़ सकते थे और लौट सकते थे। हल्के और स्वीकार्य उपाय आधुनिक लोकतंत्र की शुरुआत थे।

प्रारंभिक शताब्दियों से द्वितीय विश्व युद्ध के अंत तक ब्रह्मांड के अधिकांश हिस्सों में निरंकुशता का एक लंबा युग था। यूरोप में, धर्म ने आमतौर पर विचारधारा प्रदान की और सम्राट आए और गए। चीन 22 शताब्दियों तक निर्बाध रूप से एक केंद्रीकृत साम्राज्य था। भारत में मुस्लिम सम्राट, सम्राट थे या अन्यथा, वेटिकन में स्थित रोमन कैथोलिक चर्च द्वारा समर्थित पवित्र रोमन सम्राट का यूरोप पर प्रभुत्व था; पूर्वी चर्च रूसी जार के पीछे था। अफ्रीका जाग रहा था जबकि दक्षिण अमेरिका एक स्थानीय राजा के साथ एक द्वीप था जब तक कि स्पेन और पुर्तगाल ने उन्हें जीत नहीं लिया। लोकतंत्र कहाँ था? इंग्लैंड और बाद में ग्रेट ब्रिटेन में कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और अन्य उपनिवेशों के साथ जब वे स्वतंत्र हुए तो उनका अनुसरण किया। 1776 के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका ने भी ऐसा ही किया।

इंग्लैंड, इसकी संस्कृति और नेताओं ने आमतौर पर सोचा कि क्या उचित है। जबकि अन्य अच्छी संस्कृतियों को उनके धर्म द्वारा निर्धारित सही के द्वारा निर्देशित किया गया था। फिर भी दूसरों को आसानी से निर्देशित किया गया कि क्या संभव है, शक्ति या अधिकार से। अगर यह अन्यथा होता, तो किंग हेनरी अष्टम वेटिकन चर्च छोड़ने के बाद केवल एरागॉन के कैथरीन से अपनी शादी को रद्द करने और ऐनी बोलिन से शादी करने के लिए सिंहासन पर नहीं टिकते। इसके बाद इंग्लैंड के स्वतंत्र चर्च ने वही किया जो इंग्लैंड के हितों के अनुकूल था न कि ईश्वर की कल्पित इच्छा के अनुसार।

जर्मनी ने 1920 और 1931 के बीच वीमर गणराज्य नामक लोकतंत्र की कोशिश की लेकिन असफल रहा। मई 1945 तक, एडॉल्फ हिटलर का शासन पूरी तरह से हार गया था। इसके बाद, कोनराड एडेनॉयर अपनी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ सत्ता में आए; उसके बाद एक लोकतांत्रिक सरकार ने शासन किया है। 1870 तक फ्रांस पर नेपोलियन द्वद्वद्व का शासन था, जब वह चांसलर ओटो वॉन बिस्मार्क के नेतृत्व में जर्मनी से हार गया था। 1945 के बाद तक इटली एक लोकतांत्रिक देश नहीं था। पूर्व की ओर से, निरंकुशता की एक किस्म थी।

भारत ने सराहनीय प्रदर्शन किया है, खासकर इसलिए कि हमने 1947 में साक्षरता की कम दर के साथ शुरुआत की थी। संयोग से, नेहरू एक लोकतांत्रिक थे, इसके अलावा, वे जीवित रहने तक सभी चुनाव जीतते रहे। 1972 और 1980 में इंदिरा गांधी और 1985 में राजीव गांधी ने भी ऐसा ही किया। 1977 और 1979 के बीच दो वर्षों को छोड़कर, राजवंश ने भारत पर शासन किया। लोकतंत्र का सबसे बड़ा फायदा वह तालमेल है जो वह पैदा करता है। स्वतंत्रता भूमि लोगों में उत्साह और काम के इच्छुक हैं। मजबूरी, जो अक्सर निरंकुशता, अर्ध-पक्षाघात से उत्पन्न होती है। जैसा कि प्रधान मंत्री मोदी ने कहा कि भारत कुछ महीनों के भीतर 100 करोड़ टीकाकरण हासिल करने में सक्षम था क्योंकि यह सबका प्रयास था, तालमेल के परिणाम आश्चर्यजनक हैं।

लोकतंत्र की सफलता का एक अन्य कारण देश का बहुत बड़ा आकार है जहां नागरिकों या सैनिकों द्वारा कब्जा करने के लिए सत्ता पर कब्जा करना और उसे पकड़ना बेहद मुश्किल होगा। इसके अतिरिक्त, देश लोगों की भाषा और संस्कृति में इतना विविध है कि सत्ता पर कब्जा करने और बनाए रखने के लिए लोगों के बीच एकता मुश्किल है। कोई विकल्प नहीं होने पर एक निरंकुशता आमतौर पर जीवित रहती है। एक उचित रूप से अच्छी तरह से काम कर रहे लोकतंत्र में, यह आमतौर पर कोई समस्या नहीं होती है क्योंकि एक वैक्यूम शायद ही कभी होता है। लोगों का स्वभाव और स्वभाव महत्वपूर्ण है। यहां, श्रेय हिंदू धर्म को जाना चाहिए जो लोगों को उनके कर्म में विश्वास दिलाता है। एक हद तक, यह लोगों को व्यक्तिवादी बनाता है जो शायद ही कभी किसी अन्य समूह को खदेड़ने के लिए एकजुट होना चाहते हैं। यह इस्लाम के विपरीत है जो जम्हूरियत या एक सम्राट के अधीन सर्वसम्मति से शासन करना पसंद करता है। भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच का अंतर अलग-अलग मिजाज की कहानी बयां करता है। इस्लामी देशों और बाकी दुनिया के बीच का अंतर दिलचस्प है।

जहां भी राजशाही होती है, लोग मुसलमान होने पर खुश होते हैं। अवधारणा खलीफा से शुरू होती है जिसे सुन्नी इस्लाम का आध्यात्मिक और अस्थायी प्रमुख माना जाता है। मुसलमानों की दुनिया एक या अखिल इस्लामी होने के लिए है।

आप की बात

देश-दुनिया के लिए नया खतरा

कोरोना महामारी पिछले 2 साल से देश और दुनिया के लिए चिंता का विषय बन चुकी है। कोरोना की दूसरी लहर ने जिस तरह से देश और दुनिया में अपना भयावह रुप दिखाया था, वह आज भी कई लोगों के जहन में शामिल है और कई लोग आज तक उस सदमे से नहीं उभरे है। ऐसे में कोरोना का नया वैरिएंट 'ओमिक्रॉन' देश और दुनिया के लिए फिर से खतरे का सबब बन गया है। विश्व स्वास्थ्य संघठन पहले ही इस वैरिएंट को वैरिएंट ऑफ़ कंसर्न घोषित कर चुका है, यानी कि ज़्यादा जोखिम वाला,देश और दुनिया में भले ही टीकाकरण की दर तेजी से बढ़ी हो और ज़्यादातर लोगों को उनकी पहली और दूसरी डोज भी लग चुकी है मगर ऐसे में कई ग़रीब देश है जहां पर टीकाकरण की रफ़्तार अभी केवल उनकी आबादी का आधा भी पूरा नहीं हुआ है। दक्षिण अफ्रीका से निकला कोरोना का यह नया 'ओमिक्रॉन' वेरिएंट इसी बात का प्रमाण है,कि कोविड महामारी अभी पूर्णत: समाप्त नहीं हुई है। चूंकि, दक्षिण अफ्रीका जैसे देश में अभी भी आधे से ज्यादा जनसंख्या का टीकाकरण नहीं हुआ है,जो कि अब धीरे -धीरे बाकी देशों में भी पहुंच रहा है। भारत को इस वैरिएंट से बचाव के कड़े कदम उठाने होंगे।

– **संदीप रावत**, चंडीगढ़

मोदी सरकार की दूसरी पारी

मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने जब अपनी दूसरी पारी का आधा सफर पूरा कर लिया है, तब इस पड़ताल का यह बिल्कुल मुफीद वक्त है कि देश की उम्मीदों पर यह सरकार कितनी खरी उतरी और शेष बचे समय में इससे क्या अपेक्षाएं रहेंगी! इसमें कोई दोराय नहीं कि प्रचंड बहुमत के साथ मई 2019 में सत्ता में वापसी करने वाली मोदी सरकार का आत्मविश्वास शुरुआती महीनों में चरम पर था और उसने कई ऐसे काम किए, जो इतिहास में दर्ज किए जाएंगे। खासकर, जम्मू कश्मीर के सांविधानिक दर्जे में तब्दीली और अनुच्छेद-370 की समाप्ति का साहसिक फैसला! इसी तरह, दशकों से लटके राम जन्मभूमि विवाद में भी नई सरकार ने अतिरिक्त सक्रियता दिखाई और अंतत: इसका न्यायिक निपटारा संभव हुआ। सांप्रदायिक सौहार्द के माहौल में भव्य राममंदिर का शिलान्यास भी इस सरकार की उपलब्धियों में दर्ज हुआ। एक सर्वे 'व्हाट वरीज द वर्ल्ड' ने इस वक्त देश की सबसे बड़ी चिंता बेरोजगारी बताई है। लगभग 44 प्रतिशत भारतीयों ने इसे सबसे बड़ी समस्या के रूप में दर्ज किया है। इसलिए सरकार को इस मोर्चे पर गंभीर प्रयास करने पड़ेंगे, क्योंकि उसके पास अब कम वक्त है।

– **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

प्यार की दौड़ में

अमरीकी शोधकर्ताओं कि टीम 'साइंस ऑफ़ लव ' ने अध्ययन के दौरान यह पाया कि जिन लोगों पर वे अध्ययन कर रहे थे ,उनके दिमाग का एक विशेष क्षेत्र अचानक सक्रिय हो गया। यह क्षेत्र किसी विशेष इच्छा या चाहत से जुड़ा हुआ है। वेंट्रल तेंगमेंटल नामक इस भाग से न्यूरोट्रांसमीटर डोपोमाइन निकलता है ,जो आनंद और उत्साह को नियंत्रित करता है। जब किसी को प्यार होता है तो दिमाग मे डोपोमाइन नामक पदार्थ की मांग उठने लगती है। विज्ञान कहता है कि प्यार दिमाग की बायोकेमिकल गतिविधियों का ही परिणाम है । देखा जाए तो शरीर मे दिल ही तो प्रेम कि अभिव्यक्ति का आधार व संकेत होता है। प्यार होता है तो दिल जोरों से धड़कता है न कि दिमाग। विज्ञान अपने स्तर से भले ही खरा उतरता हो पर लोगों कि आस्था दिल से बनी हुई है। कई बार दिल जीत जाता है दिमाग से। कृत्रिम श्वास के जरिए दिल कि धड़कन जीवित की जाती है ,उसी के आधार पर दिमाग सक्रिय हो जाता है। वर्तमान दिल और दिमाग की बहस प्यार के दौड़ में लोगों की जारी है।

– **संजय वर्मा**, मनावर, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

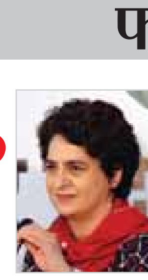

नरेंद्र मोदी जी, आप किसानों से सहानुभूति नहीं रखते। आपकी दिलचस्पी मात्र वोटो में है।

– **प्रियंका गांधी**
कांग्रेस नेता

यदि कोई सोशल मीडिया कम्पनी आपको मास्क के साथ कुछ कहने देती है तो हम उसे सार्वजनिक रूप से सफाई देने को कहेंगे।

– **स्कॉट मॉरीसन**
आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री

गोरखपुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान का उद्घाटन अगले महीने होगा।

– **योगी आदित्यनाथ**
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

स्वास्थ्यकर्मियों का उग्र प्रदर्शन

● मांगो को लेकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी जुटे सीएमओ दफ्तर पर

● सरकार के विरोध में की नारेबाजी, कहा जल्द मांगे माने सरकार

संवाददाता। सीतापुर

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ ने एक बार फिर अपने हक के लिए हुंकार भरी है। बुधवार को प्रांतीय संगठन के आवाहन पर चल रहे आंदोलन के क्रम में स्वास्थ्य विभाग के संविदा कर्मचारियों ने जिला महिला व पुरुष अस्पताल के अलावा जनपद की सभी 19 सीएचसी में के कर्मचारियों ने सीएमओ कार्यालय पहुंचे जहां पर अपनी मांगो को लेकर प्रदर्शन किया। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के पदाधिकारी विनियमितिकरण, वेतन विसंगति, जॉब सुरक्षा, 7वें वेतन आयोग का लाभ, रिक्त पद पर स्थानांतरण, आशाओं को निर्धारित मानदेय आदि मांगों को लेकर पहले भी ज्ञापन दे चुके है, लेकिन कोई सरकार द्वारा सुनवाई नहीं हुई है। बुधवार को सभी कर्मचारियों सीएमओ कार्यालय पर एकत्र होकर अपनी मांगो को लेकर सरकार के विरोध में प्रदर्शन कर रहे है। एनएचएम कर्मचारियों ने कहा कि अगर सरकार मांगे नहीं मानेगी तो अनिश्चित कालीन कार्य बहिष्कार पर चले जाएंगे, इससे टीकाकरण, सैंपलिंग सहित एनएचएम कर्मियों द्वारा किए जाने वाले समस्त कार्य बाधित होगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस मौके पर डा. पीयूष कुमार, अवनीश मिश्रा, अजेन्द्र कुमार नंद, अनुज तिवारी, तरूण त्रिवेदी, नवीन्द्र बाजपेयी, अमित शर्मा, सविता, बबिता, सोना, राखी , अनूप मिश्रा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

विधायक ने किया पंचायत भवन का लोकार्पण

● ग्रामीणों को गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

संवाददाता। सीतापुर

अब ग्राम प्रधानगणो व पंचो का कार्यालय उनका सचिवालय होगा यहाँ सेक्रेटरी, लेखपाल, पंचायत सहायक, आशा, आंगनबाड़ी आदि सरकारी कर्मचारी मौजूद रहकर गांव में ही ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करेगें। यह बात विधायक ज्ञान तिवारी ने रेउसा के सुजातपुर व बरा ग्रामसभा में विकास कार्यों के लोकार्पण के दौरान कही । विधायक ने कहा आवास,शौचालय, खाद्यान्न में भ्रष्टाचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नही किया जाएगा। हमारी मोदी,योगी की सरकार की योजनाओ का रुपया सीधे जनता के बैंक खातो में दे रही है लेकिन फिर भी जिम्मेदार लोग दबाव बनाकर व लालच देकर लाभार्थियों से धन वसूली कर रहे है योजनाओं में भस्टाचार कर पात्र को अपात्र व अपात्र को पात्र करने का खेल चल रहा है। इसको अब बर्दाश्त नही किया जाएगा।

विधायक ने दी खुशखबरी

विधायक सेवता ने बताया उत्तर प्रदेश के राशन कार्ड लाभार्थियों के लिए खुशखबरी है. यूपी की योगी सरकार राज्य में दुगना फ्री राशन के साथ बहुत कुछ देने जा रही है. प्रदेश सरकार, राशन की दुकानों पर अंत्योदय और पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों को मिलने वाले अनाज और अन्य वस्तुओं में अब खाद्य तेल, आयोडाइज्ड नमक,दाल और चना भी जोड़ दिया गया है. योगी सरकार एक दिसंबर से यानी आज से राशन कार्ड होल्डर्स को दुगना अनाज के साथ बहुत कुछ फ्री देने जा रही है।

एक मौका और

लोकतंत्र पर चोट करने को बनें वोटर

● आयोग ने पुनरीक्षण अभियान की बढ़ाई तारीख

● पांच दिसंबर तक बन सकेंगे वोट

संवाददाता। सीतापुर

अगर आप 18 वर्ष आयु के युवा हैं और आपको अभी तक वोटर लिस्ट में नाम नहीं है, तो ऐसे लोगों को वोटर बनने का एक और मौका मिलेगा। चुनाव आयोग के फरमान पर अब यह लोग अपना नाम न सिर्फ मतदाता सूची में सम्मिलित करा सकेंगे, बल्कि अगर उनके नाम में कोई त्रुटि है, तो उसे भी सही करा सकेंगे। यही नहीं मृतक और स्थानांतरित मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाए भी जाएंगे। इसके लिए आयोग ने संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण अभियान की तारीख बढ़ाकर पांच दिसंबर तय कर दी है।

अपर जिलाधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम भरत तिवारी ने बताया कि चुनाव आयोग के फरमान पर एक जनवरी 2022 के आधार पर 18 वर्ष आयु पूरी कर चुके युवाओं को वोटर बनाने को धिानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूचियों को दुरूस्त करने के लिए विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है, इस अभियान में दावे और आपत्तियां स्वीकारने की अंतिम तारीख पहले 30 नवंबर तय थी। लेकिन आयोग ने इसकी तारीख बढ़ाकर 5 दिसंबर कर दी है, ऐसे में वोटर बनने से वंचित रह गए लोग पांच दिसंबर तक मतदाता सूचियों में अपने नाम बढ़वा सकेंगे। जबकि पांच जनवरी को मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन होगा।

जनपद का बढ़ाया मान

सीतापुर की सान्या ने जीते गोल्ड समेत कुल सात पदक

● परिजनों में खुशी की लहर

संवाददाता। सीतापुर

शहर की रहने वाली सान्या गुप्ता ने गोल्डमेडल सहित सात मेडल जीतकर सीतापुर का नाम रोशन किया है। सान्या को यह मेडल लखनऊ विश्वविद्यालय में बेस्ट गर्ल्स स्टूडेंटस को लेकर दिया जाएगा गया है। सान्या शहर के व्यापारी व समाजसेवी भगवती गुप्ता की पुत्री है, इनके भाई पल्लव गुप्ता भी उनके इस सम्मान से बहुत खुश है और भविष्य में उन्हें आगे बढ़न की शुभकामनाएं दी है। सान्या गुप्ता ने 'पायनियर' से कहा कि मेरी इतिहास में रूचि ज्यादा है, जिसे देखते हुए मैने इसी क्षेत्र में कैरियर बनाने का ठान लिया है। सान्या ने कहा कि मेडल पाना हर किसी को अच्छा लगता है, साथ ही मेहनती से जब कोई चीज हांसिल हो तो और ही अच्छा लगता है। सान्या ने कहा कि हर छात्र अपने जीवन में कुछ बनना चाहता है, मैं तो कहती हूं की सब बढ़े आगे बस मेहनत करते रहे वह सभी उन चीजों को पा सकते है जिसे हांसिल करना चाहते है। सान्या के मेडल मिलने पर परिजनों ने उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई दी।

एड्स पर जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता। लखीमपुर-खीरी

एड्स दिवस के अवसर पर जन जागरूकता फैलाने के लिए बुधवार को राजकीय पॉलिटेक्निक लखीमपुर में भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वहीं एड्स के सिंबल लगे गुब्बारों को हवा में छोड़ कर जागरूकता का संदेश दिया गया इस अवसर पर जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि एड्स एक जानलेवा बीमारी है, जो धीरे-धीरे समूचे विश्व को अपनी गिरफ्त में ले रही है, इसकी जानकारी ही बचाव है। उन्होंने बताया कि एचआईवी एड्स का मुख्य कारण असुरक्षित यौन संबंध, एचआईवी संक्रमित व्यक्ति का रक्त चढ़ाना, बिना उबली या इस्तेमाल की गई सुई का प्रयोग व एचआईवी संक्रमित मां से उसके बच्चे को हो सकता है। विश्व एड्स दिवस की शुरुआत 1 दिसंबर 1988 को हुई थी। जिसका मकसद एचआईवी एड्स से ग्रसित लोगों की मदद करना है। एड्स होने और साथ खाने से नहीं फैलता है।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

संडीला(हरदोई)। ट्रेन की चपेट में आकर एक युवक दी दर्दनाक मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बालामऊ निवासी राजेश सुबह घर से काम पर जाने के लिए निकला था। वह बालामऊ कानपुर रेलवे ट्रैक को पार करते समय किसी ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी दुखद मौत हो गयी।

सड़क दुर्घटना में युवक की जान गई

संडीला(हरदोई)। सड़क हादसे में घायल हुए एक यवक की ट्रामासेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गयी। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बेगमगंज निवासी भानू प्रताप चौरसिया पुत्र रामसिंह चौरसिया अपनी बाइक से घर वापस आ रहा था। ग्राम मलेहरा के पास एक कार ने उसे टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पहले सीएचसी और फिर बाद में ट्रामासेंटर ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गयी।

शहर कोतवाली पुलिस नहीं मानती चोरी की घटना!

सीतापुर। शहर कोतवाली से लगभग एक किलो मीटर पर स्थित बैट्रा-इनर्वटर की दुकान में चोरी हो जाती है और पुलिस मानने को भी तैयार नहीं है, बल्कि इतना ही नहीं जब शिकायत कर्ता प्रार्थना पत्र लेकर जाता है तो उससे कोतवाली पुलिस एक चौकीदार लगाने की भी बात कह देते है। यह कहना है बैट्रा-'इनर्वटर दुकान के मालिक अभिषेक गुप्ता का। इनके दुकान में तीन दिन से लगातार चोरी हो रही है, टीनशेड हटाकर चोर अपना काम कर जाते रहे, लेकिन जब बैट्रा ज्यादा चोरी हो गए, तब दुकान मालिक को पता चला तो वह सन्न रह गया। आपको बता दें कि मेन सड़क पर स्थित दुकान के पीछे टीनशेड हटाकर चोर उनके लाखों के सामान पर हाथ साफकर चुके है, और पीड़ित पुलिस से प्रार्थन पत्र देकर न्याय की आस लगा रहा है। आपको बताते चले कि एक तरफकोतवाल और दूसरी तरफबस स्टेंड की पुलिस चौकी के होते हुए भी चोरों के हौंसले बुलंद है, इसका जिम्मेदार कौन है ?

स्वास्थ्य केंद्र संविदा कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

मोहम्मदी-खीरी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ की मोहम्मदी ने अनिश्चित कालीन हड़ताल पर सभी कर्मचारी चले गए हैं। आज संगठन के पदाधिकारियों ने मोहम्मदी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ सुरेंद्र कुमार सिंह को ज्ञापन दिया और कहा जब तक हमारी मांगे नहीं मानी जाएंगी हम लोग हड़ताल पर रहेंगे। गौरतलब है कि मोहम्मदी में कुल 69 संविदा कर्मचारी हैं जिसमें डॉक्टर ,एन एम और सी एच ओ शामिल है। इस हड़ताल से से स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। संगठन के नेता डॉ धर्मेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि मानवता के नाते इमरजेंसी सेवा में हम लोग काम करेंगे इसके अतिरिक्त हम सभी लोग हड़ताल पर रहेंगे। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से डॉ धर्मेंद्र वर्मा डॉ अरुण कुमार सिंह प्रेम कुमार डॉ इंदु भारद्वाज कुमारी सोनम संजय वर्मा मौजूद रहे।

अस्थायी गौवंश आश्रम स्थल का अव्यवस्थाओं के साथ हुआ उद्घाटन

संवाददाता। ओयल-खीरी

नगर क्षेत्र के ग्राम उधन्ना सुंसी मोड़ के समीप स्थित अस्थाई गौवंश आश्रम का उदघाटन सदर विधायक योगेश वर्मा ने फीता काट कर किया। इस गौशाला में नगर क्षेत्र के हाइवे से मरखापुर हाइवे तक के गौवंशो को व ओयल देहात के गौवँशो को रखा जाएगा। गौशाला का उदघाटन तो हो गया किन्तु इस गौशाला में बहुत सी अव्यवस्थाओं को देखा गया जिसे किसी भी सूरत में छिपाया नहीं जा सकता। गौशाला में पशु रखने की क्षमता लगभग 50 है। इसके विपरीत गौशाला में लगभग 150 पशु दिखाई पड़े।गौशाला में अनेक खामियां नजर आई।

पशुओं की संख्या बढ़ते देख मौजूद गौशाला कर्मचारियों द्वारा पशुओं को भगाया गया। गौशाला में बिजली की स्थायी व्यवस्था नही है पानी सप्लाई के लिए केबिल डालकर पशुओं को पीने योग्य पानी सप्लाई शुरू की गई। गौशाला में जो पानी भरा गया वो भी साफसुथरा नही था। गौशाला में पशुओं को दिया जाने वाले चारे में सिर्फसूखा भूंसा था, हरे चारे की कोई व्यवस्था नही की गई थी। गौशाला स्थल के मध्य स्थित एक छोटा सा तालाब भी है जिसका स्वामित्व किसी अशोक गुप्ता के नाम है,तालाब में कीचड़ दलदल है गौवंश इसमें धंस कर मर सकते हैं। सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण बात गौशाला के गेट पर लगा हुआ महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, वर्ष 2021-22 ग्राम पंचायत ओयल देहात विकास खण्ड बेहजम द्वारा बोर्ड पर कार्य की माप ही नही दर्शाई गई है जो भृस्टाचार को साफ-साफ दर्शा रही है। एक तरफ योगी सरकार गौ संरक्षण के लिए एलान कर रही है वही दूसरी तरफ ग्राम पंचायत ओयल देहात भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चुना लगाने में लगे हुए हैं।

गौशाला तो आधी अधूरी व्यवस्था में शुरू कर दी गयी। लेकिन पहले दिन ही पशुओं के लिए सिर्फ सूखा भूंसा दिया गया गन्दे पानी के साथ मे । उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन योगेश वर्मा सदर विधायक व अनिल सिंह मुख्य विकास अधिकारी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस मौके परओयल देहात ग्राम प्रधान बीना सिंह, ग्राम विकास अधिकारी सुमन यादव, सुरेंद्र कुमार वर्मा अवर अभियंता,रामाधार स.वि. अधिकारी, शिखर श्रीवास्तव खण्ड विकास अधिकारी बेहजम शामिल रहे।

सवारी भरे टैम्पो को डीसीएम ने मारी टक्कर

ओयल खीरी। नगर क्षेत्र में स्थित लखीमपुर सीतापुर फोरलेन नेशनल हाईवे के समीप स्थित ग्राम मोहम्दाबाद के पास एक टेम्पो जो कि ओयल से सवारी भर के लखीमपुर सवारियों को पहुचाने जा रहा था। लगभग 11-45 बजे ग्राम मोहम्दाबाद के पास टेम्पो पहुचते ही पीछे से आ रहे भूरे रंग की नई डीसीएम ने जोरदार टक्कर टेम्पो को मार दी जिससे टेम्पो खाही में जा गिराए टेम्पो में मौजूद सवारियों को गंभीर चोटे आई। मौका देखकर डीसीएम को डीसीएम ड्राइवर लेकर फरार हो गया। उक्त घटना की जानकारी होने के बाद भी ओयल पुलिस मौके पर नही पहुंची। इस घटना में मुजीब नामक व्यक्ति निवासी ओयल, सब्बीर टेलर की भतीजी निशा, बड़हरिया गांव की महिला शशि को भी गम्भीर चोटे आई है। 108 एम्बुलेंस द्वारा सभी को जिला चिकित्सालय भेजा गया। इस घटना की जानकारी होते ही ओयल चेयरमैन प्रदीप गुप्ता सोनू घटनास्थल पर पहुंचे। उसके बाद जिला चिकित्सालय पहुंचकर घायलों का हाल जाना। यथा सम्भव मदद करने का आश्वासन के साथ साथ इलाज भी करवाया।

गरीब जनता की भरपूर मदद कर रही भाजपा:अजय मिश्र

संवाददाता। निघासन-खीरी

केन्द्रीय गृहराज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी ने मिशन 2022 को लेकर भाजपा संसदीय कार्यालय प्रीतम पुरवा में पहुंच कर सेक्टर प्रभारी व सेक्टर संयोजक की समीक्षा बैठक में पहुंच कर कार्यकर्ताओं को संबोधित कर कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि इस समय भाजपा के पक्ष में लोगों का मन बन चुका सरकार गरीब जनता के लिए भरपूर मदद कर रही है। दो गुना राशन गरीबों को मार्च तक देने जा रही है। काफी जन कल्याणकारी योजनाओं को देखते हुए विपक्ष में खलबली मची हुई है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद प्रतिनिधि अरविंद सिंह संजय ने कहा कि निघासन विधानसभा को अभी तक बाहरी लोगों ने चारागाह बनाया है। पूरे क्षेत्र में क्षेत्रीय लोगों की मांग है। इस पर कार्यकर्ताओं द्वारा आशीष मिश्रा मोनू भैया जिन्दाबाद जिन्दाबाद के खूब नारे लगाए। बताया कि क्षेत्र में क्षेत्रीय विधायक की जरूरत है। यदि क्षेत्रीय लोगो को पार्टी सम्मान करेगी तो इस क्षेत्र का भला होगा। कार्यक्रम का संचालन प्रज्ञा नन्द श्रीवास्तव ने किया। इस दौरान केपी राना, नागेन्द्र सिंह सेंगर, हरीश पाण्डेय, मोनू दीक्षित, रतीराम लोधी, विनीत अवस्थी, गुड्डू गुप्ता, हरिशंकर शर्म, श्रवण लोधी, राजीव मिश्रा, अनुपम अवस्थी, संतोष, राजकुमार अंकुर, महेश गुप्ता, गंगा राम जयसवाल, केके तिवारी, संजय गिरी, बनवारी लाल यादव सरोज तिवारी, संजय मिश्रा समेत कार्यक्रम में काफी कार्यकर्ताओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा था।

डिजिटल होगी जनगणना

लखीमपुर खीरी। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में जनगणना 2021 एवं राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर की प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित हुई। डीएम ने कहा कि जनगणना, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर का काम शासन की शीर्ष प्राथमिकताओ में है। इस बार की जनगणना डिजिटल होगी, जिसकी निगरानी, अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण सीएमएमएस पोर्टल के जरिए होगी। जनगणना कार्मिकों द्वारा हाउसलिस्टिंग एप व एनपीआर एप के जरिए डाटा कलेक्शन का काम किया जाएगा। जनगणना का कार्य कोविड-19 के मद्देनजर संपादित ना हो सका।

प्रदेश में कांग्रेस पूर्ण बहुमत से सरकार बना रही :अनुज गंगवार

बरेली । जिला कार्यालय पर प्रदेश सोशल मीडिया चेयरमैन अभय पांडे का जोरदार स्वागत हुआ अभय पांडे ने सोशल मीडिया को लेकर जागरूक किया बीजेपी पर खुलक निशाना साधा।प्रोग्राम की अध्यक्षता कांग्रेस सोशल मीडिया के ज़िला अध्यक्ष इशत्याक रज़ा ने कहा के बीजेपी ने महिलाओ बेरोजगारों पे जुर्म किया है और लगातार इन पर जुर्म हो रहा है देश में लगातार बेरोज़गारी बढ़ती जा रही है देश में अत्याचार लगातार हो रहे हैं।प्रोग्राम का संचालन राजन उपाध्याय जी ने किया उन्होंने कहा लगातार देश में भय फैलाया जा रहा है ।दीपक बाल्मीकि ने कहा उत्तर प्रदेश में लगातार दलितों पर अत्याचार हो रहे हैं।प्रदेश कॉर्डिनेटर मनोज सिंह ने सोशल मीडिया से जन जन तक कांग्रेस के प्रचार को पहुचाये।

शीशगढ़ पुलिस ने गोकशी करते दो लोगों को किया गिरफ्तार

बरेली। शीशगढ़ पुलिस ने गोकशी करते हुए 2 लोगों को गिरफ्तार किया है दोनों अभियुक्तों के पास से गाय वध करने का उपकरण और एक रास गाय बरामद की है थाना क्षेत्र में पुलिस को मुखबिर की सूचना पर खबर मिली गई कुछ लोग गाय के हाथ पैर बांधकर उसका वध करने की तैयारी में है थानाध्यक्ष के निर्देशन में पुलिस टीम में दरोगा हरिकिशन मौर्य सिपाही रियाजुद्दीन सिपाही कमलेश कुमार की टीम ने मौके पर छापा मारा और दो अभियुक्तों को बबलू पुत्र शकील कुरेशी निवासी जाफर पुर थाना शीशगढ़ और हसनैन पुत्र शकील कुरेशी निवासी जाफरपुर थाना शिजुका को गाय का वध करते हुए पकड़ लिया उनके पास से 12 बोर का तमंचा एक जिंदा कारतूस और एक रात गाय जिसका वध करने जा रहे थे उसको बरामद किया तथा पशु काटने के उपकरण भी बरामद किए पकड़े गए मुलजी मानने 25 नवंबर को बुची के जंगल में गोवंश के पशुओं का वध किया था इस बात को इन्होंने स्वीकार किया है मुझे मौका विभिन्न धाराओं में चालान कर जेल भेजा गया है।

कोटेदार ने रचा अपहरण का नाटक, चालक की हत्या की

राजनीतिक विरोधियों को फंसाने के लिए अंजाम दी वारदात

संवाददाता। संडीला(हरदोई)

अपने राजनीतिक विरोधियों को फसाने के लिए कोटेदार ने अपने तथा अपने चालक के अपहरण का नाटक किया तथा स्वंय ही नौकर की हत्या करके शव दूसरे जनपद में फेंके दिया। कोतवाली बेनीगंज के अंतर्गत ग्राम शिवथाना निवासी यदुनंदन सिंह ने 27 नवंबर को पुलिस को सूचना दी कि उनके पुत्र सभाजीत सिंह उर्फ गुड्डू जो कि गांव का कोटेदार भी है तथा उनके चालक गयादीन को ग्राम निवासी जीतेन्द्र कुमार शुक्ला, सुधीर कुमार, सुधाकर तिवारी, अजीत तिवारी, साहबलाल अर्चना शुक्ला तथा अन्य कुछ लोग ग्राम निवासी रामचेला के खेत के पास से उठा ले गए और उसकी हत्या करके लाश गायब कर दी। पुलिस ने धारा 147/148/149/307/364/120बी एवं 325एससी एसटी एक्ट के अंतर्गत एफआईआर दर्ज करके मामले की जांच शुरू की। 28 नवबंर को सभाजीत उर्फ गुड्डू थाना बिल्हौर में स्थानीय पीआरवी 0459 को मिल गया। इसी बीच 30 नवंबर को पुलिस चौकी रहीमाबाद जनपद लखनऊ के अंतर्गत हिन्दुस्तान धर्मकांटे के सामने आम के बाग से एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ मिला। बाद में इसकी पहचान गयादीन के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार कोटेदार गुड्डू से जब कड़ाई से पूछताछ की गयी तो उसने बताया कि उसकी जीतेन्द्र आदि से चुनावी रंजिश चल रही है और उनको फसाने के लिए यह घटना अंजाम दी गयी है। उसने बताया कि उसने गयादीन के शव को रहीमाबाद के पास आम के बाग में छुपाया था। पुलिस ने सभाजीत को जेल भेज दिया है।

तहसीलदार ने अवैध अतिक्रमण हटवाया

संडीला(हरदोई)। खलिहान की भूमि पर कब्जा करके उसे खेत में बदलने की शिकायत मिलने पर मामले की जांच करके खेत में बोई गई फसल को जुतवाकर खलिहान को खाली करा दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली बेनीगंज के अंतर्गत ग्राम कुतुबपुर में गाटा सं0 110 पर ग्राम निवासी बब्लू सिंह पुत्र मुनगा सिंह निवासी कुतुबपुर ने अवैध कब्जा करके उसे खेत बना दिया और उसपर सरसों की फसल बो दी। मामले की जांच करने के बाद तहसीलदार अंबिका चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और खेत में बोई फसल को ट्रैक्टर से जुतवाकर उसे कब्जा मुक्त बना दिया। उन्होंनें अवैध कब्जाधारक के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की बात भी कही है।

अवैध कब्जा हटवाते तहसीलदार

बिना परिवार वाले क्या जानें जनता का दर्द : अखिलेश

संवाददाता। बांदा

परिवारवाद के आरोप को लेकर अक्सर भारतीय जनता पार्टी के निशाने पर रहने वाले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को जमकर पलटवार किया। बोले बिना परिवार वाले क्या जानें जनता का दर्द। अखिलेश यादव यहां जनसभा में उन्होंने आरोप लगाया कि बांदा में शराब के नशे में एक गरीब को मार दिया गया, लेकिन राज्य सरकार ने पीड़ित के परिवार की कोई मदद नहीं की। सिर्फ समाजवादी पार्टी के लोगों ने ही उनकी सहायता की। किसानों की आत्महत्या की घटनाओं का जिक्र करते हुए पूर्व सीएम बोले, इन किसानों के परिवार की सिर्फ सपा ने ही मदद की है। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा, हम सब परिवार वाले लोग हैं, इसलिए जानते हैं कि अगर किसी मजदूर या किसान की जान चली गई तो उसके परिवार का क्या हाल होगा? अगर किसी परिवार के सामने संकट आया, तो हम खड़े हुए। परिवार वाले ही परिवार वालों का दुख दर्द समझ सकते हैं। जिनके पास परिवार नहीं है, वे आपकी परवाह नहीं करेंगे।

अखिलेश ने राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि दमदार सरकार चलाने का दावा करने वाले लोग झूठ बहुत दमदार बोलते हैं। भाजपा ने शिक्षामित्रों से नौकरी का वादा किया था, लेकिन अपने साढ़े चार साल के कार्यकाल में इस पार्टी ने नौजवानों के नौकरी के सपने को ही खत्म कर दिया।

उन्होंने कहा, अब सुनने में आया है कि मुख्यमंत्री नौजवानों को स्मार्टफोन और टैबलेट देंगे। जो लैपटॉप नहीं चला सकता, वह आपको लैपटॉप नहीं दे सकता। क्या मुख्यमंत्री योगी लैपटॉप चला सकते हैं? अब तो सुनने में आया है कि वह स्मार्ट फोन भी नहीं चला सकते। अगर चला सकते होते तो हमारे नौजवानों के हाथ में अब तक राज्य सरकार ने स्मार्ट फोन दे दिया होता। आपको योगी योगी सरकार चाहिए, या योग्य सरकार चाहिए? हाल में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) का पर्चा लीक होने की घटना का जिक्र करते हुए सपा अध्यक्ष ने राज्य सरकार पर जानबूझकर पर्चा लीक कराने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, यह सरकार जानबूझकर पेपर लीक कराती है। वह ऐसा इसलिए करती है क्योंकि वह हमारे नौजवानों को रोजगार नहीं देना चाहती। बीटीसी और बीएड पास नौजवान रोजगार के लिए भटक रहे हैं। हम आपको भरोसा दिला रहे हैं कि समाजवादी पार्टी की सरकार लाइए और नौकरी तथा रोजगार पाइए। अखिलेश ने कहा कि बुंदेलखंड के लोगों ने पिछले कई चुनावों में भाजपा को पूरा समर्थन दिया, लेकिन बुंदेलखंड को कुछ नहीं मिला। इस डबल इंजन की सरकार का इंजन बुंदेलखंड आते-आते फेल हो गया है। सरकार यहां के विकास का कोई इंतजाम नहीं कर पाई, आखिर यह किस बात की डबल इंजन की सरकार है। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार ने महामारी के समय जनता को अनाथ छोड़ दिया। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने प्रदेश को पीछे कर दिया। राज्य सरकार का विकास तो सिर्फ तस्वीरों में दिख रहा है और इस विकास की कलई तस्वीरों और विज्ञापनों ने ही खोल दी। भाजपा के लोग विज्ञापन में भी झूठ दिखाते हैं। नीति आयोग के मुताबिक बुंदेलखंड में 32 लाख से ज्यादा लोगों के गरीबी रेखा के नीचे होने का जिक्र करते हुए अखिलेश ने वादा किया कि विधानसभा चुनाव के बाद समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर सरकारी बजट से इन गरीबों की मदद की जाएगी, समाजवादी पेंशन योजना से भी अच्छी योजना चलाई जाएगी और महिलाओं तथा परिवारों को पहले से दी जाने वाली 500 रुपए प्रतिमाह की धनराशि में तीन गुना इजाफा किया जाएगा।

एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम का हुआ आयोजन

राठ (हमीरपुर)। आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव आयोजन समिति द्वारा बीते 10 दिनों से चल रहे कार्यक्रमों की श्रंखला में आज कस्बे के रामलीला मैदान में एक शाम बलिदानों के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें महापुरुषों की चित्रों की प्रदर्शनी एवं स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान हुए शहीदों को याद कर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बीएनबी डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर भौतिकी विभागाध्यक्ष कैलाश विश्वकर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में बुन्देलखण्ड के अमर बलदानियों के त्याग,परिश्रम की कहानी ही अलग है। कहा कि उस समय की कठिन परिस्थितियों के बीच जब भारत माता की जय बोलना एक जघन्य अपराध माना जाता था उस समय बुन्देलखण्ड के अमर बलदानियों ने देश की आजादी का जो जूनून पाला वह उनकी दृढ इच्छा शक्ति का ही परिचायक है। कहा कि कठिन समय में सिमित संसाधनों के साथ स्वतंत्रता का व्रत लेकर भारत माँ के लाल कूद पड़े स्वाधीनता के आंदोलन में और अनेक यातनाओं को झेलते हुए अपने प्राणों की आहुत देने तक से गुरेज न करने वाले आजादी के दीवानों में जब बात बुन्देलखण्ड की आती है तो कई बड़े नाम सामने आते हैं। बात चाहे काला पानी की सजा भोगने वाले पंडित परमानन्द की हो या शिक्षा की अलख जगाने वाले स्वामी ब्रम्हानंद की हो या क्रांतिकारी दीवान शत्रुघन सिंह की सभी का योगदान बुंदेलियों का आज भी सीना चौड़ा करने पर विवश कर देता है। इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ जनपद हमीरपुर के संगठन मंत्री विनोद द्विवेदी, सह संयोजक आयोजन समिति के जिला गायन वादन प्रमुख महेन्द्र शुक्ला, जिला शोशल मिडिया प्रमुख आयोजन समिति राजकिशोर रहे। संचालन सरस्वती विद्यामन्दिर के प्रवक्ता ब्रजकिशोर चौहान जी ने एवं अतिथि परिचय महेन्द्र शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में राकेश मिश्रा,सुरेन्द्र माहेश्वरी,मनीष गौतम,चंद्रशेखर मिश्र,ब्रजेश गुप्ता,सहित जगदीश प्रसाद व्यास,मनोज गुप्ता,भरत गुप्ता, प्रधानाचार्य सरस्वती शिशु मंदिर जयवीर सिंह,कुंज बिहारी माहेश्वरी,भरत चौरसिया, शिवम स्वयंसेवक,बालमंदिर के प्रधानाचार्य शिवपाल विश्वकर्मा,अनीता शुक्ला, शालनी अग्रवाल,अर्चना शुक्ला व गीता सोनी आदि मौजूद रहे।

ग्राम पंचायतों में खेल मैदान बनवाएं: मंडलायुक्त

● प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में अच्छे कार्य पर कमिश्नर देंगे जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी को प्रशस्ति पत्र

हमीरपुर। शासन की प्राथमिकताओं एवं विभिन्न विकास कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल श्री दिनेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में संपन्न हुई।

बैठक में मंडलायुक्त दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि सभी ग्राम पंचायतों में खेल के मैदान बनवाए जाएं जिन स्थानों पर खेल के मैदान/मनरेगा पार्क निर्माणाधीन हैं। उनको शीघ्र पूर्ण कर जनप्रतिनिधियों से लोकार्पण कराये। खेल के मैदान में घास काटने की मशीन एवं पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य रूप से रखी जाए। कहा कि सभी गौशालाओं में नोडल अधिकारी नामित होने चाहिए। नोडल अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से अपने गौशालाओं का भ्रमण कर वहां पर चारा, पानी, भूसा आदि की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। कहा कि गौशालाओं में पशुओं को ठंड से बचाने के व्यवस्था रखी जाए। सभी गो आश्रय स्थलों में टीनशेड की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाए।

मंडलायुक्त ने कहा कि प्रत्येक गौशाला में लेखपाल सचिव प्रधान पशु चिकित्सा अधिकारी, बीडीओ, एसडीएम तथा नोडल अधिकारी के मोबाइल नंबर व नाम वॉल पेंट कराया जाए तथा ग्राम पंचायत की सरकारी जमीन पर हरा चारा पैदा किया जाय। गौशालाओं के प्रबंधन हेतु होने वाले व्यय के लिये समय पर उपभोग प्रमाण पत्र लिया जाए। सौभाग्य योजना के अंतर्गत लोगों को अन्ना पशुओं को गोद लेने हेतु प्रोत्साहित किया जाए। कहा कि सभी गांव में युवक मंगल दलों का गठन कर खेलकूद की गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए। ग्राम पंचायत सचिवालय में सभी लेखपाल, सचिव, रोजगार सेवक, प्रधान बीट सिपाही आदि अनिवार्य रूप से नियमित रूप से बैठे। कहा कि खंडविकास अधिकारियों द्वारा ग्राम सचिवों की गूगल मीट के माध्यम से नियमित रूप से मीटिंग बुलाई जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवासों को तेजी के साथ पूर्ण कराने पर मंडलायुक्त ने जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी की प्रशंसा करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र देने की बात कही है। कहा कि पूर्ण हो चुके आवासों के मनरेगा की 90 दिन की मजदूरी का भुगतान अभियान चलाकर अगले 10 दिनों में दे दिया जाए। कहा कि सभी सामुदायिक शौचालयों को क्रियाशील रखा जाए। उनमें किसी भी दशा में ताला नहीं लगना चाहिए। कहा कि नगर के मुख्य मार्ग ,बाजार एवं मॉर्निंग वॉक के मार्गो की रात में अनिवार्य रूप से सफाई कराई जाए। इस मौके पर जिलाधिकारी डा.चंद्रभूषण, मुख्य विकास अधिकारी कमलेश कुमार वैश्य, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रमेश चंद्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.एके रावत, पीडी साधना दीक्षित, उपायुक्त स्वत: रोजगार कमलेश कुमार, डिप्टी कलेक्टर रविंद्र सिंह, समस्त बीडीओ, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

विषय वस्तु, प्रस्तुतीकरण व समय सीमा के आधार पर आकलन में प्रियंका रही प्रथम

● स्वामीजी के जन्मोत्सव पर जीवन चरित्र से संबंधित चित्र प्रदर्शनी एवं संग्रहालय का उद्घाटन

बीएनवी डिग्री कालेज में स्वामीजी की चित्र प्रदर्शनी देखती जि.पं.अ. व अन्य

राठ (हमीरपुर)। कस्बे के स्वामी ब्रह्मानन्द महाराज के 127वें में जन्मोत्सव के उपलक्ष में स्वामीजी के जीवन चरित्र से संबंधित एक चित्र प्रदर्शनी एवं संग्रहालय का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष जयंती राजपूत ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया है। वही दंगल प्रांगण में आयोजित महाविद्यालय व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया।

इस दौरान मुख्यअतिथि ने कहा कि छात्रों को परिणाम की चिंता न कर लगातार मेहनत करने की सलाह दी। वहीं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डा.एसएल पाल ने सभी छात्रों को स्वामीजी के आदर्शो को अपनाने की बात कही तथा उनके पद चिंहों पर चलने को कहा। इस कार्यक्रम के संयोजक डा.कैलाश विश्वकर्मा ने सभी का अभिवादन कर छात्र छात्राओं को इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से आगामी मौखिक परीक्षा में सफल होने के राज बताये तथा सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की। परिणाम निर्णायक मंडल गांधी इंटर कालेज के प्रधानाचार्य शिवपाल विश्वकर्मा, पूर्व प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह, डा.एसपीएम सोमवंशी, डा.राकेश शर्मा ने विषय वस्तु, प्रस्तुतीकरण एवं समय सीमा के आधार पर आकलन कर परिणाम घोषित किए। जिसमें प्रियंका गुप्ता प्रथम, अमित कुमार द्वितीय और अरुण कुमार तृतीय स्थान पर रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डा.एसएल पाल ने प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष डा.अजय पाल सिंह, पूर्व प्राचार्य डा.सुरेंद्र सिंह, डा.अरुण कुमार ने अध्यक्ष को स्मृति चिंह भेंट कर स्वागत किया।

रेप पोक्सो एक्ट के आरोपी मोहम्मद युनूस को हुई आजीवन कारावास की सजा

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल द्वारा न्यायालय में लम्बित चल रहे मुकदमों में सघन पैरवी का असर दिखने लगा है। बुधवार को रेप पोक्सो एक्ट के अभियुक्त को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपराधियों को सजा दिलाने के लिए पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल द्वारा नियमित रुप से गवाहों को पेश कराने के अधीनस्थ अधिकारियो को कड़े निर्देश जारी किये गए है। एसपी के निर्देशों के अनुपालन में प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिंह एवं पैरोकार मुख्य आरक्षी बाबूलाल द्वारा कड़ी मेहनत कर समय से गवाहों की पेशी करायी गयी। विशेष लोक अभियोजक तेजप्रताप सिंह द्वारा प्रभावी प्रस्तुती एवं प्रभावी बहस की गयी, जिसके परिणामस्वरूप बुधवार को अपर सत्र न्यायधीश (रेप एवं पोक्सो एक्ट)/ एफ्टीसी न्यू विनीत नारायण पाण्डेय द्वारा थाना कोतवाली कर्वी में पंजीकृत पॉक्सो एक्ट के आरोपी मोहम्मद युनूस पुत्र चमन खां निवासी बूढ़ा सेमरवार थाना कोतवाली कर्वी को आजीवन कारावास व 50000/-रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

नानाजी देशमुख की भावनाओं के अनुरूप ही आगे बढ़ेगा ग्रामोदय विश्वविद्यालय: डॉ. मिश्रा

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में नए कुलपति डॉ भरत मिश्रा ने बुधवार को भारत रत्न राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख जी के आवास सियाराम कुटीर उनके कक्ष में पहुंचकर प्रतिमा पर पुष्पांजलि व माल्यार्पण के साथ हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की और कुछ देर नानाजी के कक्ष में ही बैठकर नानाजी के साथ बिताए पलों को याद करते हुए अपनी चिर-स्मृतियां साझा किए। इस दौरान कुलपति डॉ भरत मिश्रा ने कहा कि 1990 में श्रद्धेय नानाजी देशमुख जब चित्रकूट आए तो उन्होंने दीनदयाल शोध संस्थान के माध्यम से राममार्ग अपनाकर राष्ट्र की उन्नति के लिये चित्रकूट को केन्द्र बनाया। सर्वप्रथम श्ग्रामोदय विश्वविद्यालयश् की अभिनव योजना तैयार की, जिसमें शिशु अवस्था से स्नातकोत्तर कक्षाओं तक की शिक्षा से निकले छात्र शहरों की ओर भागने के बजाय ग्राम्य-जीवन अपनाने के लिए प्रवृत्त हों। शिक्षा के विकास के लिये 12 फरवरी 1991 को ग्रामोदय प्रकल्प के अन्तर्गत चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रकल्प का शुभारंभ हुआ। श्रद्धेय नानाजी देशमुख इसके प्रथम कुलाधिपति बने।

उन्होंने कहा कि चित्रकूट मर्यादा प्रभु श्री राम की कर्म भूमि रही है। राजसत्ता छोड़कर प्रभु श्री राम ने पीड़ित एवं उपेक्षित समाज को स्वावलम्बी तथा समर्थ बनाकर दिखाया था। भरत जी के अनुरोध के बावजूद वे पिता की आज्ञा को सर्वोपरि मानकर भरत जी को समझा-बुझाकर अयोध्या वापस भेजने के साथ ही स्वयं पीड़ित वनवासी एवं ग्रामवासियों की सेवा में लग गये।

ईवीएम जागरूकता प्रचार वाहन को एसडीएम ने दिखायी हरी झंडी

कोंच (जालौन)। सूबे में आगामी कुछ माह में होने वाले विधानसभा आम चुनाव में शत प्रतिशत मतदान कराये जाने के प्रयास में जुटे चुनाव आयोग के निर्देशन में जहां जागरुकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किये जा रहे हैं वहीं अब गांव गांव प्रचार वाहन के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जायेगा।

चुनाव आयोग के निर्देशन में व जिला निर्वाचन अधिकारी, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के मार्गदर्शन में बुधवार को दो अलग अलग ईवीएम जागरूकता प्रचार वाहन को एसडीएम रामकुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एक प्रचार वाहन नदीगांव ब्लॉक जबकि दूसरा प्रचार वाहन कोंच ब्लॉक के अलग अलग गांवों में जायेगा। प्रचार वाहन लगातार तीन दिन दोनों ब्लॉकों के गांवों में पहुंचेगा। इसके माध्यम से मास्टर ट्रेनर मतदाताओं को ईवीएम मशीन में किस प्रकार मत डालना है, बारीकी से समझाएंगे।

हिन्दू एकता महाकुंभ से यूपी समेत पांच राज्यों के विस चुनाव में सियासी जमीन और मजबूत करेगी भाजपा

● आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, सीएम योगी आदित्यनाथ समेत कई दिग्गज होंगे कार्यक्रम में शामिल

चित्रकूट। यूपी समेत देश के पाच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले 'मोदी-योगी लहर' के थमने से चिंतित राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को अब हिन्दुओं की एकजुटता की याद सताने लगी है। संघ के इस मास्टर स्ट्रोक एजेंडे को धार देने के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित श्रीतुलसी पीठाधीश्वर जगदगुरू रामभद्राचार्य महाराज ने 15 दिसम्बर को भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट में हिन्दू एकता महाकुंभ का आयोजन करने का बीडा उठाया है। इस विराट कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संघ प्रमुख मोहन भागवत एवं प्रमुख वक्ता के रूप में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेगें। महाकुंभ में देश भर के नामचीन संतों समेत पांच लाख हिन्दुओं को आमंत्रित किया गया है।

देश की सत्ता के केंद्र उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंकते ही भाजपा, कांग्रेस, सपा और बसपा समेत सभी राजनैतिक दलों ने सियासी बिसात बिछाना शुरू कर दिया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रतिज्ञा यात्राओ और शक्ति संवाद कार्यक्रम के जरिये आधी आबादी महिलाओं को लोक लुभावने वादों से अपना बनाने में जुटी है। वहीं सपा मुखिया अखिलेश यादव यूपी की सत्ता पर काबिज योगी सरकार की नाकामी गिना कर मतदाताओं के बीच अपनी पैठ मजबूत करते नजर आ रहे है।

हिन्दू महाकुम्भ से सजेगी बीजेपी की चुनावी फील्ड

भगवान श्रीराम के नाम के सहारे केंद्र और यूपी समेत देश के कई राज्यों की सत्ता हासिल करने वाली भाजपा 2022 में होने जा रहे पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में जन्मभूमि अयोध्या में राम मंदिर के शिलान्यास और जम्मू -कश्मीर से धारा 370,तीन तलाक आदि बड़ी उपलब्धियों को भुनाने की तैयारी में है। हिन्दू एकता महाकुम्भ में आने वाले प्रमुख संतो एवं देश के कोने कोने से आने वाले पांच लाख हिन्दुओ के जरिये इन बड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का केंद्र बना बीजीपी की चुनावी जमीन मजबूत करने की तैयारी की जा रही है।

तपोभूमि से मिलेगी हिंदुत्व के एजेंडे को ऊर्जा

भगवान श्री राम के वनवास काल का साढे 11 वर्षो का समय चित्रकूट में व्यतीत करने की वजह से हिन्दुओ में जन्मभूमि अयोध्या की तरह ही तपोभूमि के प्रति भी अटूट श्रद्धा और आस्था है। प्रतिमाह अमावस्या पर देश भर से चित्रकूट में लाखो की संख्या में श्रद्धालुओं का जमवाड़ा लगता है। मन्दाकिनी में आस्था की डुबकी लगाने के बाद मनोकामनाओ की पूर्ति के लिए श्रद्धालु कामतानाथ के दर्शन -पूजन कर कामदगिरि पर्वत की परिक्रमा लगाते है।ऐसी पावन भूमि में देश भर से आने वाले हिन्दुओ को एकजुटता का संकल्प दिलाया जायेगा।

क्विक न्यूज

दो बाइकों की जोरदार भिड़ंत में पांच घायल, चार रेफर

मौदहा (हमीरपुर)। राष्ट्रीय राजमार्ग 34 में मौदहा के पास गोस्वामी ढाबा के सामने दो बाइक सवारों की आपस में भिड़ंत हो जाने से 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें एंबुलेंस की मदद से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। कस्बा क्षेत्र के ग्राम मकरांव निवासी मलखान (30) पुत्र राम सजीवन, मोहित यादव (20) पुत्र अवधेश व शीलू यादव (24) पुत्र राम सजीवन सुमेरपुर फैक्ट्री से काम निपटा कर बाइक से अपने गांव मकरांव आ रहे थे। तभी ग्राम मकरांव पास गोश्वामी ढाबा के पास सामने से आ रहे बाइक सवार संदीप (18) पुत्र जगराम व धर्मेंद्र (20) पुत्र नरेंद्र सिंह निवासीगण चंद्र पुरवा की आमने सामने जोरदार टक्कर हो जाने से पांचो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गये। जहां चिकित्सकों ने गंभीर अवस्था में संदीप, मलखान, मोहित व धर्मेंद्र को सदर अस्पताल रेफर कर दिया है।

जबरन धर्म परिवर्तन कर शादी करने वाले युवक पर मामला दर्ज

मौदहा (हमीरपुर)। कस्बे की एक हिंदू नाबालिक बालिका को बरगला कर अपने साथ भगा ले जाने व जबरन धर्म परिवर्तन कर शादी करने वाले युवक के खिलाफकोतवाली पुलिस ने पास्को एक्ट समेत अन्य गंभीर मामलों में मामला दर्ज कर घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। कस्बे की एक नाबालिग बालिका ने कोतवाली मौदहा में तहरीर दी है कि फोन में अपना नाम राजेश बता कर दोस्ती करने वाले युवक के बहकावे में आकर वह अपना घर छोड़कर उक्त युवक के साथ चली गई लेकिन बाद में उसे पता चला कि उक्त युवक का असली नाम अब्दुल मोबिन पुत्र हसीब निवासी ग्राम बालापुर जिला बलरामपुर है। अब्दुल मोबिन मुझे अपने साथ बलरामपुर ले गया था जहां उसने जबरन मेरा धर्म परिवर्तन करवा अपने साथ निकाह कर लिया और उसके बाद अपने साथ मुंबई लेकर चला गया, जहां दोनों के संसर्ग से उनके एक पुत्र भी पैदा हुआ। अब्दुल मोबिन उसके साथ अभद्र व्यवहार करने के अलावा मारने पीटने लगा। वहां से मौका मिलने पर किसी तरह मौदहा भाग कर आई पीड़िता ने कोतवाली पुलिस से न्याय की गुहार लगाते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की जिस पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी अब्दुल मोबिन पुत्र हसीब के खिलाफ धारा 420, 376, 461 व पास्को एक्ट तथा धर्म परिवर्तन आदि की दफ़ाओं में मामला दर्ज कर घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

चोरों ने ट्रांसफार्मर का किया तेल चोरी

कुरारा(हमीरपुर)। क्षेत्र के भौली गांव निवासी ग्रामीण ने निजी नलकूप में लगा विद्युत ट्रांसफार्मर का तेल चोरी जाने की तहरीर थाने में दी है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफतेल चोरी का मुकदमा दर्ज किया गया है। क्षेत्र के भौली गांव निवासी रमेश पुत्र शिवपाल ने थाने में तहरीर देकर बताया कि बीती रात मेरे निजी नलकूप से अज्ञात चोर विद्युत ट्रांसफार्मर का तेल चोरी कर ले गए। उसने बताया कि उसका नलकूप बच रौली हार में स्थित है। किसान की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफतेल चोरी का मुकदमा दर्ज किया है।

तमंचे के साथ फोटो वायरल होने पर पुलिस ने दो को भेजा जेल

कुरारा (हमीरपुर)। क्षेत्र के टोडरपुर में शादी समारोह के दौरान अवैध तमंचा के साथ फोटो वायरल होने से पुलिस ने दो लोगों के खिलाफमुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। क्षेत्र के टोडरपुर गांव में करन पुत्रमहेश बाल्मीकि के घर में शादी समारोह का कार्यक्रम दो दिन पूर्व सम्पन्न हुआ था। इसमे इसका रिस्तेदार अंकेश पुत्र श्यामबाबू निवासी झलोखर भी शामिल होने आया था। उसने अपने हाथ में तमंचा लेकर शोशल मीडिया में फोटो वायरल किया था। जिसकी जानकारी थाना पुलिस को होते ही बीती शाम गांव में दविश देकर दोनो को तमंचा व कारतूस सहित गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज किया है। एस आई रामनिवास व हमराह पुलिस आदित्य पांडे के साथ टोडरपुर व झलोखर में दविश देकर गिरफ्तार किया गया। तथा दोनों के पास तलाशी के दौरान एक एक तमंचा 315 बोर व एक एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। दोनो के खिलाफअवैध तमंचा रखने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर दोनों का चालान कर जेल भेज दिया गया है।

श्रीमद भागवत कथा महापुराण का हुआ आयोजन

कुरारा (हमीरपुर)। विकास खंड क्षेत्र के रिठारी गांव में हो रही श्रीमद भागवत कथा महापुराण में आज कथा व्यास ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का मनोरम वर्णन किया। इस मौके पर लोगो की मौजूदगी रही। रिठारी गांव में हो रही श्रीमद भागवत कथा महापुराण में कथा व्यास भागवत प्रसाद दिवेदी ने आज पांचवे दिन भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का मनोरम वर्णन किया। उन्होंने बाल लीला में पूतना बध, अका सुर बकासुर बध की कथा व माखन चोरी आदि की मनोरम कथाओ का श्रवण कराया । वहीं भगवान श्री कृष्ण को मारने के लिए मथुरा नरेश कंस ने पूतना नाम की राक्षसी को नंदबाबा के घर भेज दिया जब वह बालक कृष्ण को दूध पिलाने के लिए गोद में उठाया तो भगवान ने वही उस का वध कर दिया। कंस ने श्री कृष्ण को बाल्यकाल में ही मारने के लिए बहुत प्रयास किये।लेकिन सफलता नही मिली। उन्होंने अपनी बाल लीला करके सभी प्रयास विफल कर दिया। इस अवसर पर गांव निवासी राजू सिंह, भागवत प्रसाद, आदि मौजूद रहे।

खेत में पानी भर देने का किसान ने लगाया आरोप

कुरारा (हमीरपुर)। क्षेत्र करघवा गांव में मटर की फसल में पानी भर देने पर किसान दो लोगों के खिलाफ़थाने में तहरीर देकर कार्यवाही किये जाने की मांग की है। करघवा गांव निवासी अशोक कुमार पुत्र आशाराम ने थाने में तहरीर देकर बताया कि मैने कस्बा कुरारा निवासी रघुवीर पुत्र छुट्टन का खेत ढाई बीघा बटाई में लिया है। जिसमे हरा मटर की फसल बोई थी । जो कि एक माह से ऊपर की हो गयी है। जिसमे कस्बा के भौली रोड वार्ड 5 निवासी गंगा दीन पुत्र रामप्रसाद ने पूरी फसल में पानी भर दिया है।जिससे मटर की फसल पानी भरने से बर्बाद हो गयी है। जब मेरे पिता ने उनको उलाहना दिया तो उसके लडके सोनू व आशाराम ने गाली गलौज किया तथा हाथ पैर तोड़ने की धमकी दी। तथा जान से मारने की धमकी दी है।पीड़ित किसान ने दोनों के खिलाफकार्यवाही किये जाने की मांग की है।

अज्ञात के विरूद्ध मामला दर्ज करने का परिजनों ने लगाया आरोप

राठ (हमीरपुर)। मंगलवार की दोपहर ममना-पुरैनी मार्ग पर तेज रफ्तार बाइक चालक ने वृद्ध को जोरदार टक्कर मार दी थी। मौके पर ही वृद्ध की मौत हो गई थी। मृतक के पुत्र ने नामदर्ज बाइक चालक के विरूद्ध तहरीर दी थी। आरोप लगाया कि लेकिन पुलिस ने अज्ञात के विरूद्ध मामला दर्ज किया है। आज पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। जलालपुर थाने के पुरैनी गांव निवासी मुल्ला ने बताया कि उसके 80 वर्षीय पिता थोवन मंगलवार की दोपहर करीब दो बजे खेत से मंदिर भजन सुनन के लिये जा रहे थे। तभी पुरैनी गांव के पास ममना की ओर से आ रही तेज रफ्तार बाइक चालक अरविं निवासी बिलगांव ने जोरदार पीछे से टक्कर मार दी थी। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। बताया कि उसने जलालपुर थाने में बाइक चालक अरविंद के विरूद्ध तहरीर दी थी। लेकिन पुलिस ने अज्ञात बाइक चालक के विरूद्ध मामला दर्ज किया है।

कोरोना से मृत आश्रितों को मिलेंगे पचास हजार

चित्रकूट। सूबे के अपर मुख्य सचिव के हवाले से एडीएम अरविन्द कुमार सिंह ने बताया कि कोरोना संक्रमण से मृत परिजनों को पचास हजार रुपये प्रति मृतक अहेतुक सहायता देने की योजना है। बुधवार को एडीएम वित्त अरविन्द कुमार सिंह ने बताया कि कोरोना संक्रमण से मृत लोगों के परिजनों को पचास हजार रुपये प्रति मृतक देने की योजना है। कोरोना महामारी के भविष्य के चरणों में होने वाली मृत्यु अगली अधिसूचना तक प्रभावी होगी। शासनादेश में दिये निर्धारित प्रारुप पर आवेदन पत्र दैवीय आपदा पटल कलेक्टेऊट में किसी भी कार्य दिवस में सवेरे दस से अपरान्ह पांच बजे तक दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि आवेदन पत्र व्हाट्सअप नम्बर 8887823364 व 8318586810 के माध्यम से भी भेज सकते हैं। लाभार्थी व्हाट्सअप नम्बर पर आवेदन करके सहायता धनराशि प्राप्त कर सकते हैं।

श्रम विभाग की योजनाओं का श्रमिक उठायें लाभ: सुनील पटेल

चित्रकूट। भाजपा श्रम प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सुनील सिंह पटेल ने ज्यादा से ज्यादा लोगों को श्रम विभाग में पंजीयन कराने का आवाहन किया। बुधवार को भाजपा श्रम प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सुनील सिंह पटेल ने मारकुण्डी थाने के किहुनिया गांव में श्रम चौपाल लगाकर श्रमिकों को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। कहा कि श्रम विभाग में ज्यादा से ज्यादा श्रमिक पंजीयन करायें। श्रम योजनाओं के बारे में श्रमिकों को समझाया। चौपाल के मुख्य वक्ता भाजपा के वरिष्ठ नेता रविप्रकाश त्रिपाठी ने श्रम विभाग की योजनायें बताते हुए सरकार की योजनाओं को गिनाया। संचालन राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री जनता मजदूर संघ देव शुक्ल ने किया। चौपाल समापन के बाद आदिवासियों के साथ कढी-चावल का सहभोज किया। इस मौके पर पूर्व प्रधान विनय द्विवेदी, विष्णु चतुर्वेदी, मनीष पाण्डेय, अमचुरनेरुआ प्रधान प्रतिनिधि मनोज द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

वरिष्ठ पत्रकार को पितृ शोक

चित्रकूट। वरिष्ठ पत्रकार ओंकार सिंह के पिता रामफल सिंह (80) निवासी अमानपुर चकमाली का आकस्मिक निधन हो गया जिनका अन्तिम संस्कार मंदाकिनी तट में किया गया। ओंकार सिंह ने मुखाग्नि दी उधर इस दुःखद समाचार से पत्रकारों ने शोकसभा कर गहरा दुख व्यक्त करते हुये शोकाकुल परिवार को ढंढास बंधाने के लिये परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की। शोकसभा में प्रेस क्लब चित्रकूट के अध्यक्ष अशोक द्विवेदी, संरक्षक केशव शिवहरे,महामंत्री रतन पटेल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शंकर यादव, बांदा से आये वरिष्ठ पत्रकार ज्ञानेन्द्र शर्मा, आनन्द तिवारी, मनोज गोस्वामी, मानिकपुर से जूट मार्टिन, अनीस, विकास, राकेश कुमार, मऊ से मोनू द्विवेदी, वेद प्रकाश तिवारी, मुकेश तिवारी ने गहरा दुख व्यक्ति किया है वहीं प्रदेश सरकार के लोनिवि राज्यमंत्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय, पूर्व विधायक वीर सिंह पटेल, वरिष्ठ भाजपा नेता सांसद पुत्र सुनील सिंह पटेल ने घर जाकर शोककुल परिवार को ढांढस बंधाया।

मंत्री ने सतनामी सिद्ध धाम सगरा के जीर्णोद्धार के लिए किया भूमि पूजन

संवाददाता। जामो,अमेठी

भूमि पूजन करते हुए राज्य मंत्री

उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री सुरेश पासी ने अपने विधानसभा क्षेत्र के प्रसिद्ध धाम के प्रांगण में बने सगरे के जीर्णोद्धार के लिए वेद मंत्रों के साथ भूमि पूजन किया विधानसभा जगदीशपुर के अंतर्गत ग्राम हर गांव में स्थित श्री 1008 समर्थ साहब सिद्धा दास महाराज धाम के प्रांगण में स्थित सगरा जो कि लगभग 300 वर्षों से भी ज्यादा समय का हो गया था दीवारें जर्जर हो गई थी उसके पुनर्निर्माण के लिए क्षेत्र के विधायक और प्रदेश सरकार में मंत्री सुरेश पासी ने भूमि पूजन किया उपरोक्त निर्माण कार्य मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना के अंतर्गत किया जाएगा मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी कि प्रदेश की सभी विधानसभा के अंतर्गत एक एक धर्म स्थल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा इसलिए इस योजना के अंतर्गत सिद्ध धाम हरगांव को क्षेत्रीय विधायक ने महत्व देते हुए सगरे का नव निर्माण करवाने के लिए लगभग 50 लाख रुपए की लागत से एक बार सगरा पुनः सतनामी शिष्यो के लिए व सिद्धा दास बाबा के भक्तों के लिए बनकर बहुत ही जल्द तैयार हो जाएगा बाबा सिद्धा दास का नाम बहुत ही दूर दूर तक सुविख्यात है देश विदेश में आपके शिष्यों की अच्छी खासी तादाद है यही नहीं इसी पवित्र धाम के भविष्य के उत्तराधिकारी सिद्धा शरण पांडे जो आज प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के उप सचिव भी हैं उनका भी प्रयास कहीं न कहीं इस नव निर्माण मैं महत्वपूर्ण रहा है उपरोक्त भूमि पूजन के अवसर पर बाबा कन्हैयालाल पांडे बाबा शंकर दास कोटवा धाम बाराबंकी भविष्य के उत्तराधिकारी सिद्धाशरण पांडेय उप सचिव मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार बाबा बबलू पांडेय सहित क्षेत्र के हजारों लोग मौजूद रहे ।

संविदा कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार कर मुख्यमंत्री को सात सूत्रीय ज्ञापन

बछरावां रायबरेली। कस्बा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां के प्रांगण मे एनएचएम संविदा कर्मचारियों एवं आशा बहुओ ने अपनी समस्याओं के निराकरण एवं मांगो को लेकर 7 सूत्रीय मुख्यमंत्री संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कर्मचारियों द्वारा मांगो को लेकर यह अवगत कराया गया कि 01. विनियमितीकरण समायोजन व असृजित पदों का विभाग में सृजन 02. वेतन पॉलिसी एवं वेतन विसंगति 03. सातवें वेतन आयोग का लाभ व जॉब सिक्योरिटी 04. रिक्त पदों पर गैर जनपद स्थानांतरण 05. आउटसोर्स नीति 06.बीमा पालिसी 07.आशा बहुओं का नियत मानदेय आदि मांगों को कर्मचारियों द्वारा रखा गया। इस मौके पर बीपीएम धर्मेंद्र सिंह नर्सिंग ऑफिसर विकास कुमार स्टाफ नर्स स्मृति सिंह डी ई ओ रवि कुमार एनसीडी काउंसलर संजय कुमार ऐनं शशि बाला ऐनं रोशनी ऐनं अंजली स्टाफ नर्स अंजू रावत स्टाफ नर्स मौजूद रही।

जमीनी विवाद में दो पक्षों में मारपीट

- क्षेत्र पंचायत सदस्य पर पर लगाया हत्या का आरोप
- कहा-छह माह की बच्ची को जान से मार दिया गया

संवाददाता। तिलोई,अमेठी

घटनास्थल पर पीड़ित परिवार

थानाक्षेत्र शिवरतनगंज अन्तर्गत पूरे बर माल मजरे हथरोहना गांव में जमीनी विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट हुई है।दोनों पक्षों को मारपीट के दौरान है एक छह मह की बच्ची की मौत की सूचना है।एक पक्ष ने हत्या का आरोप लगाया है।सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष ने मामले की जांच करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम की कार्यवाही के लिए पंचनामा भरवाया है।

मिली जानकारी के अनुसार राज बहादुर पुत्र अयोध्या उर्फ जोधई तथा दूसरे पक्ष हरगोविंद पुत्र सूरज पाल बी डी सी सदस्य के बीच ग्राम समाज की जमीन को लेकर दो चार दिनों से विवाद चल रहा था और उसी गरमा गर्मी में बुधवार चार बजे के करीब दोनों पक्षों में मारपीट हो गई।बताते हैं कि राजबहादुर अपनी पत्नी के साथ लड़की की दवा कराने गए थे लौट रहे थे कि रास्ते में हरगोविंद के बीच मारपीट हो गई।राजबहादुर का कहना है कि मेरी बेटी राधिका (छह माह) को मां की गोद से छीनकर रोड पर फेंक दिया और उसकी मौत हो गई।मामले पर थानाध्यक्ष विवेक सिंह ने बताया कि लड़की की मौत कैसे हुई यह पोस्ट मार्टम के बाद पता चलेगा।दोनों पक्षों के बीच जमीनी विवाद में झगडा हुआ है।मारपीट में घायलों को मेडिकल के लिए भेजा गया है।उधर प्रत्यक्ष दर्शियों की माने तो जब जगड़ा हुआ उसके पहले ही लड़की की मृत्यु हो चुकी थी।और लड़की की मां व मृत लड़की वहां नहीं थी।

जगदीशपुर में धड़ल्ले से चल रहा मांस का कारोबार

जगदीशपुर,अमेठी । पुलिस की मिलीभगत से क्षेत्र के अंतर्गत गौ मांस का धंधा जोरो पर जारी है रात्रि होते ही अंधेरे में धंधे से जुड़े लोग इस काम मे लग जाते है वही भोर सुबह होते ही माल को बड़ी गड़ियो से लाद कर कस्बा चौराहों से होते हुए अपने नियत स्थान को जाते रहते है यदा कदा कभी गौमांस मिलता है तो पुलिस रात्रि के अंधेरे में नदी में डिस्पोजल कराकर मोटी रकम वसूलती है जब कि यह सब जानते हुए भी जिम्मेदार अनजान बने हुए हैं । जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न गांवों में पुलिस की मिलीभगत के चलते रात्रि में गौमांस का धंधा शुरू होकर भोर होने तक चलता रहता है इस अवैध धंधे में लिप्त लोग मांस को एकत्र कर गा?ियों पर लाद कर विभिन्न गांवों में भेजते रहते हैं शिकायत के बाद पुलिस कभी कभार दबिश देकर गौमांस बरामद करती है तो उसके बाद पैसों की लालच में मांस को रात्रि के अंधेरे में गोमती नदी में डिस्पोजल करा दिया जाता है उसके एवज में मोटी रकम मिल जाती है और सिपाहियों को दारू पीने के लिए अलग से पैसा पहुंच जाता है अगर कोई व्यक्ति पैसा नहीं दे पाता तो उसे एनडीपीएस में जेल भेज दिया जाता है हिन्दू युववाहिनी के संरक्षक योगी आदित्यनाथ जैसे ही सूबे के मुख्यमंत्री बने वैसे ही गौकसी को लेकर सख्त फरमान जारी किया था लेकिन जगदीशपुर पुलिस इनके आदेशों की धज्जियां उड़ाने पर तुली हुई है अब देखना होगा कि सूबे के मुख्यमंत्री कोतवाल सहित अन्य पुलिस कर्मियों पर के खिलाफ कार्यवाही करते हैं याकि सत्ता पक्ष नेताओं के दबाव में मौन धारण कर बैठ जाएंगें ।इस सम्बंध में क्षेत्राधिकारी मनोज यादव ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है अगर कोई शख्स गौमांस में पकड़ कर आता है तो उसे किसी अन्य मामले में जेल नहीं भेजा जाएगा ।

आरआरपीजी कालेज में नई शिक्षा नीति पर संगोष्ठी

संवाददाता। अमेठी

बुधवार को आर आर पी जी कालेज में डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय,अयोध्या (उत्तर-प्रदेश) के तत्वधान से अवध विश्वविद्यालय से सम्बद्ध अमेठी जनपद में संचालित महाविद्यालयों के लिए नई शिक्षा नीति 2020 पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रोफेसर एस. एन. शुक्ला ने नई शिक्षा नीति 2020 पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि

आज भारत को ग्लोबल स्तर पर पहचान बनानी है तो अपनी शिक्षा नीति में बदलाव करना आवश्यक था इस नीति का प्रमुख उद्देश्य हर छात्र को किसी न किसी क्षेत्र में कुशल बनाना है आपने बताया कि इस वर्ष हमारे विश्वविद्यालय ने नई शिक्षा नीति 2020 को केवल बी. ए., बी. एस. सी.,बी.कॉम के प्रथम वर्ष में लागू किया गया।छात्र-छात्राएँ केवल पास-फेल,प्रथम,द्वितीय स्थान के लिए ही अध्ययन कार्य न करें बल्कि व्यवहारिक ज्ञान उनका प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए यही वर्तमान तथा भविष्य की अनिवार्यता है।प्रोफेसर जसवंत सिंह ने वोकेशनल कोर्स से सम्बंधित समस्त तकनीकी पहलुओं एवं मूल्यांकन से सम्बंधित बातों पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.ओम प्रकाश त्रिपाठी ने नई शिक्षा नीति 2020 के व्यवहारिक पहलुओं पर विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में आभार ज्ञापन आर. आर. एस. जी आई. के समन्वयक डॉ ओम शिव पाण्डेय ने किया।तथा संचालन डॉ केशरी कुमार शुक्ला ने किया।संगोष्ठी में डॉ त्रिवेणी सिंह,के. सी.वर्मा,डॉ सुनीता सिंह,डॉ एम पी त्रिपाठी, डॉ लाजो पांडेय,डॉ पवन कुमार पांडेय, डॉ अरविंद कुमार सिंह,डॉ शिप्रा सिंह,डॉ ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह,डॉ मानवेंद्र प्रताप सिंह,डॉ उमेश सिंह सहित जनपद विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

18 करोड़ की लागत से बनेगा सिंहपुर-तिलोई मार्ग

संवाददाता। तिलोई,अमेठी

- 12.80 किमी लंबे मार्ग के लिए शासन से 17करोड़ चौसठ लाख अठासी हजार रु की वित्तीय प्रसाशनिक अनुमति प्राप्त हुई है

सिंहपुर ब्लाक मुख्यालय को सीधे तिलोई से जोड़ने वाले मार्ग के चौड़ीकरण और नवनिर्माण के लिए शाशन से वित्तीय प्रशासनिक अनुमति प्राप्त हो गई ।बहुत शीघ्र ही सार्वजनिक निर्माण विभाग बाकी औपचारिकताएं पूर्ण कराते हुए निर्माण कार्य शुरू करेगा।यह जानकारी तिलोई विधायक मयंकेश्वर शरण सिंह ने दी। तिलोई विधायक राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने बताया कि सिंहपुर क्षेत्र के हैदरगढ़ सेमरौता मार्ग और सिंहपुर तिलोई मार्ग के चौड़ी करण व सुदृढ़ करण की बहुत आवश्यकता थी और इस कार्य में हमारी सांसद दीदी स्मृति ईरानी ने भी काफी मदद की। तिलोई विधायक ने शासन के पत्र का हवाला देते हुए बताया कि 12.80 किमी लंबे मार्ग के लिए शासन से 17करोड़ चौसठ लाख अठासी हजार रु की वित्तीय प्रसाशनिक अनुमति प्राप्त हुई है।इस धनराशि से मार्ग की चौड़ाई बढ़ाए जाने के साथ ही मजबूत मार्ग का निर्माण किया जाएगा।सिंहपुर तिलोई मार्ग के चौड़ीकरण के लिए वित्तीय प्रशासनिक अनुमति मिलने पर तिलोई ब्लाक प्रमुख कृष्णकुमार सिंह मुन्ना सिंह,सिंहपुर ब्लाक प्रमुख अंकित पासी, श्रीचन्द्र चौरसिया,सिंहपुर प्रधान संघ अध्यक्ष नवीन श्रीवास्तव, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि कौशलेंद्र सिंह,सत्यप्रकाश साहू,आशीष मिश्र,अर्जुनसिंह भदौरिया ने खुशी ब्यक्त की है।

क्विक न्यूज

गांव के घूर गड्ढे पर भी दबंगों का कब्जा

श्रावस्ती। थाना कोतवाली भिनगा अंतर्गत ग्राम पतिझिया में दबंगों ने सार्बजनिक घूर गड्ढे पर कब्जा जमा लिया है। मजबूरन ग्रामीण सड़क के किनारे पटरियो पर घूर लगाने को मजबूर हैं। गांव में कई जगह घूर गड्ढे के लिए सरकारी जमीन आवंटित है जिसपर दबंगों द्वारा सरकारी जमीनों को इस प्रकार हड़प कर अपने जमीनों में शामिल कर लिया गया है की पूरे गांव में घूर गड्ढे का नामोनिशान मिट चुका है। जिसके चलते मजबूरन ग्रामीण सड़क की पटरियों पर घूर लगा रखा है जिससे स?क दुर्घटना की स्थिती बनती जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि पूरे गांव में घूर गड्ढे के नजदीकी भूमिधरो ने घूर गड्ढों को अपनी जमीनों में मिला लिया जिससे अब पूरे गांव में लगभग घूर गड्ढे की जमीन समाप्त हो चुकी। तो हम लोग मजबूरी बस सड़क की परियों पर घूर लगाने लगे।पटरियों पर घूर लग जाने के कारण सड़क की पटरिया लगभग खत्म हो चुकी है जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाएं भी हो रही है परंतु प्रशासन के तरफ से कोई ठोस कदम ना उठाए जाने के कारण दबंगों के हौसले ब?ते जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार वाहन को डीएम ने दिखायी हरी झण्डी

श्रावस्ती। जिलाधिकारी नेहा प्रकाश ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार-प्रसार हेतु "प्रचार-वाहन" को हरी झण्डी दिखाकर कलेक्ट्रेट परिसर से रवाना किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार-प्रसार हेतु कलेक्ट्रेट परिसर से रवाना किये गये। 1 प्रचार वाहन 20 दिनों तक जनपद की 178 ग्रामों का भ्रमण कर सभी ऋणी व गैर ऋणी कृषकों को बीमा योजना के प्रति जागरूक करेगा, ताकि जनपद के अधिक से अधिक किसान अपनी फसलों का बीमा कराकर फसलों को होने वाली क्षति से सुरक्षित हो सके। इस अवसर पर उप निदेशक कृषि कमल कटियार, जिला कृषि अधिकारी अवधेश कुमार यादव सहित कृषि विभाग के अन्य सम्बन्धित लोग मौजूद रहे।

आज निरीक्षण भवन भिनगा पहुंचेंगे मंत्री जल शक्ति विभाग

श्रावस्ती। भिनगा - प्रदेश के मंत्री जल शक्ति विभाग डा0 महेन्द्र सिंह जनपद में 2 दिसम्बर को अपरान्ह साढ़े चार बजे निरीक्षण भवन भिनगा पहुंचकर। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, जनप्रतिनिधियों एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में मा0 प्रधानमंत्री जी के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारी को लेकर बैठक करेंगे। अपरान्ह 5.45 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस प्रतिनिधियों के साथ प्रेसवार्ता करेंगे। तत्पश्चात् सायंकाल 6 बजे जिलाध्यक्ष भाजपा, जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों के साथ जिला भाजपा कार्यालय, भिनगा में प्रधानमंत्री जी के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारी बैठक करेंगे।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

बछरावां रायबरेली -- शासन के दिशा निर्देशों पर बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बछरावां के मिनी इंडोर स्टेडियम में ब्लॉक स्तरीय खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम बछरावां नगर पंचायत अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह उर्फराम जी द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण करके सरस्वती वंदना के पश्चात हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। वहीं इस मौके पर उनके साथ खंड शिक्षा अधिकारी पद्म शेखर मौर्य भी मौजूद रहे। इस खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता के आयोजन में विकासखंड के खेल अनुदेशकों का विशेष योगदान रहा। उनके द्वारा स्कूल के बच्चों को लाकर खेल प्रतियोगिता में प्रतिभाग कराया गया। इस मौके पर परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को एथलीट की दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, खो खो व कबड्डी सहित अन्य खेलों में बच्चों को प्रतिभाग कराया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह उर्फराम जी ने बताया कि खेल प्रतियोगिता से बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता हैं। जिससे खेल प्रतिभाओं में निखार होता है। और यही बच्चे आगे चलकर देश का नाम रोशन करते हैं। वही खंड शिक्षा अधिकारी पद्म शेखर मौर्य ने बताया कि खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। इस मौके पर सतीश सभासद, चंद्रप्रकाश, हिमांशु वर्मा जिला अध्यक्ष अनुदेशक संघ, पवन शुक्ला ब्लॉक अध्यक्ष शिक्षामित्र संघ, बुद्धि प्रकाश अवस्थी सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सिर्फ एक एई के भरोसे

- बड़े कार्यक्षेत्र की वजह से सड़कों की क्वालिटी की निगरानी नहीं हो पा रही

संवाददाता। रायबरेली

पायनियर
लखनऊ, शुक्रवार, 26 नवंबर 2021
लाखों की आबादी के लिए बन रही सड़क में उड़ रहीं मानकों की धज्जियां

पायनियर
लखनऊ, मंगलवार, 23 नवंबर 2021
रायबरेली में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का बुरा हाल

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का हर हाल में लक्ष्य है कि सड़कों का जाल बिछाया जाए जो बेहद मजबूत और टिकाऊ हो!! गाहे-बगाहे योजना का लक्ष्य तो यही है लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा है क्योंकि रायबरेली में सिर्फ एक सहायक अभियंता मौजूद है। जनपद में लगभग 23 पैकेज का निर्माण कार्य हो रहा है वह भी अधर में लटका हुआ है। क्वालिटी का निरीक्षण करने के लिए सिर्फ एक सहायक अभियंता नाकाफी साबित हो रहे हैं। लेकिन विभाग को इसकी फिक्र नहीं है सड़के बन रही हैं और वह बर्बाद हो रही है क्योंकि ठेकेदारों और विभाग की संलिप्तता से क्वालिटी से समझौता किया जा रहा है। यदि बीते 5 सालों की सड़कों की जांच हो जाए तो विभाग की पोल खुल खुल जाएगी। लेकिन कलाई बिना जांच के खुल नहीं सकती और जांच संलिप्तता की वजह से हो नहीं पा रही है!! पायनियर ने अपनी अलग-अलग रिपोर्ट में अलग-अलग पैकेज की खामियों का जिक्र किया है अधिकारियों के संज्ञान में मामले हैं लेकिन उनको दबाकर रखा गया है। क्योंकि विभाग को यह डर है कि अगर कलाई खुल गई तो कई इसकी लपट में आ जाएंगे। मिलीभगत से हो रहे घटिया क्वालिटी के निर्माण कार्य की जांच बेहद जरूरी हो गई है जिसके बाद ही प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के सपने साकार होंगे!! सरकार पूरी तरह से संकल्पित है कि जनता के विकास कार्यों का पैसा अच्छी तरह से विकास कार्यों में लगाया जाए लेकिन अधिकारियों और ठेकेदारों की मनमानी की वजह से सपना साकार होता नहीं दिख रहा है और बनाई गई सड़कों जनता से पूरी तरह से खफा है। ऐसे में जिम्मेदारी जिला प्रशासन की है और जिम्मेदार विभाग की भी है कि वह विकास कार्यों पर पैनी नजर रखें।

प्रशांति परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की एमसीएफमजदूर संघ ने की मांग

लालगंज, रायबरेली। एमसीएफ मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष आदर्श सिंह बघेल ने कर्मचारी हितों को ध्यान में रखते हुए आवासीय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने हेतु आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के महाप्रबंधक विनय मोहन श्रीवास्तव एवं आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के महा निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल एसके सैनी से कई मांगे तत्काल रुप से लागू कराने के लिए अनुरोध किया है। जिसमें मुख्य रूप से आवासीय परिसर में तत्काल सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने, आरेडिका में कार्यरत सभी कर्मचारियों के निजी वाहन पर आरएफआईडी युक्त स्टीकर लगाने का प्रबंध कराने, आवासीय परिसर में चेक पोस्ट, टावरों में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती तुरंत कराए जाने, आवासीय परिसर में रह रहे प्राइवेट कंपनी के मजदूरों को अंदर से हटाकर बाहर शिफ्ट किए जाने, एमसीएफफैक्ट्री में जो भी संविदा कर्मी कार्यरत हैं उनका तत्काल पुलिस सत्यापन कराये जाने, एमसीएफ आवासीय परिसर के चारों तरफ की दीवार जहां टूटी हो एवं दीवार में लगे कंटीले तार जहां मौजूद ना हो उसे तुरंत निरीक्षण करा कर लगवाये जाने, एल-2 हॉस्पिटल को प्रशांति परिसर से पूर्णतः पृथक किये जाने, प्रवेशद्वार संख्या 3 के सामने से टीटीसी के रास्ते जो लोग एंट्री करते है, ये दोनों अंडर-पास से प्रशांति परिसर में प्रवेश करते है, और जो लोग मुख्यालय भवन जाने के लिऐ फैक्ट्री के मुख्य प्रवेश द्वार से अंदर आते हैं ये बिना किसी रुकावट के दोनों ओर बने अंडर-पास से कॉलोनी में आते जाते रहते हैं एवं आवासीय परिसर में केंद्रीय विद्यालय, ज्ञानदा विद्यालय, एवं गोल चक्कर के पास स्पीड ब्रेकर बनाए जाने का एमसीएफ बीएमएस ने अनुरोध किया है। वास्तव में बीएमएस सदैव कर्मचारी हित के मुद्दे समय समय उठाता रहता है। एमसीएफ मजदूर संघ की मांगों का एमसीएफ के समस्त कर्मचारियों ने स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापित किया है।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान के छह दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

संवाददाता। गौरीगंज,अमेठी

उद्यमिता विकास संस्थान द्वारा विश्वकर्मा श्रम सम्मान का विभिन्न ट्रेडो पर चल रहा छः दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन सम्पन्न हुआ। जिसमें ट्रेड के सभी प्रशिक्षणार्थियों को कार्य करने के तरीके तथा विभाग से मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी गयी। विदित हो कि जिला मुख्यालय पर जिला उद्योग प्रोत्साहन व उद्यमिता विकास केन्द्र द्वारा विश्वकर्मा श्रम सम्मान के तहत दर्जी, लोहार, हलवाई, नाई, बढ़ई, राजमिस्त्री के ट्रेड प्रशिक्षणार्थियों को छः दिवसीय प्रशिक्षण कुशल प्रशिक्षकों द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में उन्हें कार्य करने की बारीकियां, दक्षता व निपुणता सहित तमाम जानकारी दी गयी। और व्यवसाय करने के लिये आर्थिक असुविधा न हो, विभाग द्वारा मिलने वाला ऋण की जानकारी दी गयी। प्रशिक्षण के उपरान्त 50 प्रशिक्षणार्थियों को व्यवसाय करने हेतु मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत ऋण स्वीकृत ?इल बैंक को भेजी गयी। प्रशिक्षणार्थियों को उद्योग उपायुक्त राजीव पाठक द्वारा प्रमाण पत्र सौंपा गया। इस मौके पर चन्द्रपाल, चेतन सिंह, नासिर खान आदि मौजूद रहे।

एनएचआरएम कर्मचारियों व चिकित्सकों ने सीएचसी में जमकर बवाल काटा

संवाददाता। ऊंचाहार (रायबरेली)

सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों में अग्रणी भूमिका निभाने वाले एनएचआरएम कर्मचारियों व चिकित्सकों ने बुधवार को सीएचसी में जमकर बवाल काटा और अपनी ताकत का एहसास कराया । अपनी सात सूत्रीय मांगों के समर्थन में एनआरएचएम संघ सीएचसी में प्रदर्शन कर रहा था । प्रदेश संगठन के आवाहन पर एनआरएचएम के सभी चिकित्सक न कर्मचारी बुधवार को सारा कामकाज छोड़कर एकत्र हुए और जमकर नारेबाजी की । संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि कोरोना से लेकर हर अभियान में हम लोग सबसे आगे रहकर काम करते है । ग्रामीण स्वास्थ्य की जिम्मेदारी का बेहतर ढंग से निर्वहन करते है किन्तु सरकार हमारी समस्याओं पत ध्यान नहीं दे रही है । ज्ञात हो कि एनआरएचएम संघ काफी अरसे से नियमितीकरण , समान कार्य समान वेतन , रिक्त पदों पर स्थानांतरण , सातवें वेतन आयोग का लाभ समेत सात सूत्रीय मांग कर रहा है । इस मौके पर संघ के पदाधिकारियों ने एक ज्ञापन भी सौंपा है । इस मौके पर प्रमुख रूप से डॉ हिमांशु त्रिपाठी , डॉ शिव त्रिपाठी , डॉ प्रवीण मौर्य , डॉ हेमलता पांडेय , प्रियांशु मौर्य , योगेश मिश्र सहित सभी एनआरएचएम कर्मचारी व चिकित्सक मौजूद थे ।

एनटीपीसी ऊंचाहार में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

ऊंचाहार । विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के ऊर्जा संरक्षण राष्ट्रीय अभियान 2021 के अंतर्गत बच्चों में ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एनटीपीसी ऊंचाहार में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश में इस प्रतियोगिता के आयोजन के लिए एनटीपीसी लिमिटेड को नोडल एजेंसी के रूप में कार्य सौंपा गया है। प्रतियोगिता में एनटीपीसी आवासीय परिसर के सरस्वती विद्या मंदिर, डीएवी पब्लिक स्कूल व चिन्मय विद्यालय के साथ-साथ रोहनिया हाई स्कूल के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

एनटीपीसी ऊंचाहार परियोजना की ओर से आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में लगभग 250 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। साथ ही उन्होंने ऊर्जा संरक्षण के महत्व को भी जाना और समझा। एनटीपीसी लिमिटेड केवल विद्युत उत्पादन ही नहीं करती है बल्कि ऊर्जा संरक्षण की संस्कृति को भी बढ़ावा देती है।

सीमा समन्वय समिति की बैठक में भारत नेपाल के बीच अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

- एसएसबी जवानों को मुस्तैद रखने और सीमा पर होने वाली हर वैध व अवैध गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखने पर बनी सहमति

संवाददाता। श्रावस्ती

भिनगा - सीमा समन्वय समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल खरगौरा, भिनगा में आयोजित हुई। इस बैठक में भारत व नेपाल राष्ट्र की अन्तर्राष्ट्रीय सीमा को लेकर अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही सीमा की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने की योजना तैयार की गयी।

दोनों देशों की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर होने वाली अवैध गतिविधियों को लेकर मंगलवार को एसएसबी कैम्प कार्यालय भिनगा में उप-महानिरिक्षक क्षेत्रक मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल लखीमपुर खीरी जेडी वशिष्ट के नेतृत्व में कोआर्डिनेशन बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सशस्त्र सीमा बल 62वीं वाहिनी के कामन अधिकारी, 70वीं वाहिनी के उप कमांडेन्ट, 42वीं वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी, इंटेलिजेंस विभाग समेत विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे। जिनके बीच सीमा पर होने वाली अवैध गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। सीमा पर बॉर्डर पिलर निर्माण, बॉर्डर पर तस्करी की रोकथाम, ह्यूमन ट्रैफेकिंग रोकने के लिये संयुक्त प्रयास किये जाने पर विचार विमर्श किया गया। इसके अलावा भारत-नेपाल सीमा पर जंगल के रास्ते पर होने वाले आवागमन पर कड़ी नजर रखने समेत नोमैंस लैंड पर जमीन की निगरानी करते रहने समेत अहमद मुद्दों पर बात की गई। इसके अलावा बैठक में मादक पदार्थों की तस्करी को लेकर भी चर्चा की गई। उप महानिरीक्षक जेडी वशिष्ट ने कहा कि सीमा सुरक्षा की पूर्ण जिम्मेदारी एसएसबी की है। एसएसबी जवानों को मुश्तैद रखा जाय और सीमा पर होने वाली हर वैध व अवैध गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखी जाय। कोई भी संदिग्ध गतिविधि पाई जाने पर तत्काल उच्चाधिकारियों को सूचित करते हुए कार्रवाई की जाय। बैठक में एसडीएम अजित परेश, डिप्टी कलेक्टर रोहित यादव, सीओ नानपारा जेबी यादव, इंटेलिजेंस आफिसर एनसेबी लखनऊ वीर सिंह, एटीएस भिनगा के वासुदेव राना, सुप्रीटेन्डेंट कस्टम आशीष श्रीवास्तव, 62वीं वाहिनी कमान अधिकारी रबीन्द्र कुमार राजेश्वरी, 42वीं वाहिनी द्वितीय कमान अधिकारी प्रवीण कुमार, उप कमांडेन्ट तृतीय वाहिनी प्रवीन कुमार, उप-कमान्डेट 70वीं वाहिनी मोबी एल, 59वीं वाहिनी उप कमांडेन्ट शैलेश कुमार आदि मौजूद रहे।

समूहों को न मानदेय मिल रहा और न वितरण का अधिकार

संवाददाता। बस्ती

● बार-बार शासनादेश बदलने से समूह और आंगनबाड़ी में हो रही तकरार

वैसे देखा जाए तो यह पूरे की महिला समूहों की समस्या हैं, मगर इसकी आवाज कुदरहा की समूहों की ओर से अधिक इाया जा रहा है। एनएलआरएम से जुड़ी समूहों को यह शिकायत है, कि उन्हें न तो सूखा अनाज वितरण का मानदेय दिया जा रहा है, और न उनसे वितरण का कार्य ही लिया जा रहा है। कहती है, बार-बार वितरण का शासनादेश बदलने से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और समूह की सखी के बीच नोकझोंक होता रहता है। दोनों एक दूसरे पर वितरण में अनियमितता का आरोप लगाती आ रही है। इसी अनियमितता के चलते सरकार ने आंगनबाड़ी से छीनकर महिला समूह को वितरण करने का आदेश जारी हुआ। अब अचानक एक नया आदेश हुआ, जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को वितरण करना है, और महिला समूह की महिलाओं को कोटेदार से अनाज लेकर आंगनबाड़ी को उपलब्ध कराना है। समूह की रीता प्रजापति, चंद्रकला, गुडडी, इंद्रमति, कंचन, विमला और इंद्रावती का कहना है, कि बीएमएम की ओर से अभी तक उन्हें यह लिखकर नहीं मिला कि अब वितरण कार्य समूह की महिलाएं नहीं बल्कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री करेंगी। बताया कि उन लोगों को अभी तक नवंबर एवं दिसंबर 20 और जनवरी एवं फरवरी 21 का वितरण मानदेय नहीं मिला। जबकि एक-एक समूह का प्रति माह चार से पांच हजार होता है। बताया कि वह मुख्यमंत्री, सांसद और स्थानीय विधायक को भी इस संबधं में लिखा जा चुका है।सीडीओ को लिखे पत्र में एनएलआरएम से जुड़ी एसएचजी ने लिखा कि पोसाहार के वितरण का कार्य समूह की महिलाओं की ओर से किया जा रहा है। कहा कि शासनादेश में बार-बार संशोधित होने से समूह की महिलाएं काफी भ्रमित हैं। विगत तीन माह से बीएमएम और आंगनबाड़ी सुपरवाइजर की ओर से कहा जा रहा है, कि शासनादेश बदल गया है। अब समूहों के द्वारा राशन का वितरण नहीं करना है। समूह राशन रिसीव करेंगी और उसे आंगनबाड़ी केंद्र पर उपलब्ध करा देंगी। कहा कि शासनादेश बदलने की जानकारी तो जबानी दी जा रही है, मगर बदला हुआ शासनादेश नहीं दिखाया जा रहा है। ऐसे में राशन लाभार्थी को मिल ही नहीं रहा है। कहा कि जब से वितरण कार्य आंगनबाड़ी की ओर से किया जाने लगा तब से आधे अधूरे राशन के वितरण की शिकायतें आनी शुरु हो गई। साथ ही यह भी लिखा कि समूह की कार्रवाई बैठक में सदस्यों के द्वारा सफाईकर्मी/केयर टेकर व मेट में जिन महिलाओं का नाम विगत 2020 में चयन किया गया, उनकी जगह पर ब्लॉक बीएमएम, प्रधान और सेक्रेटरी मनमाने तरीके और सुविधा शुल्क लेकर चयन कर ले रहे है।

साफ-सफाई का ईओ ने किया गहन निरीक्षण

जायजा लेते ईओ

संतकबीरनगर। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद खलीलाबाद सुरेश मौर्या बुधवार को सफाई पटल सहायक पंकज कुमार के साथ खलीलाबाद शहरी क्षेत्र में चल रहे साफ-सफाई अभियान का निरीक्षण किये। उन्होंने सफाई कर्मियो को निर्देश दिया कि साफ-सफाई अभियान में लापरवाही न करें। नालियों से कचड़ा, कूड़ा सही ढंग से निकाला जाय। रात्रि के समय साफ-सफाई करने वाले कर्मचारी सफाई कार्य में लापरवाही न बरते। ई0ओ0 खलीलाबाद सुरेश कुमार मौर्या ने बताया कि नगर पालिका खलीलाबाद के समस्त वार्डो में विशेष सफाई अभियान का कार्य जारी है। किसी को भी कोई शिकायत हो तो कार्यालय में कार्य दिवस में शिकायत दर्ज करा सकते है।

विधिक सेवा प्राधिकरण ने जेल में लगाया एड्स जागरूकता शिविर

संवाददाता। संतकबीरनगर

मंचासीन न्यायिक अधिकारी एवं स्वास्थ्य अधिकारी

उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं प्रभारी जनपद न्यायाधीश अनिल कुमार वशिष्ठ के पूर्वानुमति से जिला कारागार में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता एवं साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कारागार में उपस्थित बन्दियों को एड्स बीमारी के सम्बन्धित कारण और उससे बचाव के सम्बन्ध में जानकारी जिला अस्पताल के डाक्टर वरूणेश दूबे द्वारा प्रदान की गयी। सचिव हरिकेश कुमार ने बताया कि वर्ल्ड एड्स डे मनाने का उद्देश्य एचआईवी संक्रमण की वजह से होने वाली महामारी एड्स के बारे में हर उम्र के लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना है। एड्स आज के आधुनिक समय की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। यूनिसेफ की रिपोर्ट की मानें तो अब तक 37 मिलियन से ज्यादा लोग एचआईवी के शिकार हो चुके हैं जबकि भारत सरकार द्वारा जारी किए गए आकड़ों के अनुसार भारत में एचआईवी के रोगियों की संख्या लगभग 3 मिलियन के आसपास है। कार्यक्रम के समय जेल जी0आर0 वर्मा एवं उपकारापाल नयनकमल सिंह तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। जागरूकता कार्यक्रम के साथ ही कारागार का निरीक्षण भी किया गया। जिसके अधिकांश बन्दियों ने अपनी समस्यायें बतायी। बंदी हरीशचन्द्र पुत्र बैजनाथ जिसे आजीवन कारावास की सजा हुयी है ने जेल अपील किये जाने हेतु अधिवक्ता उपलब्ध कराये जाने तथा एक बन्दी ने जमानत हो जाने के उपरान्त भी रिहाई न हो पाने का कथन किया। इस अवसर पर जेल कर्मचारियों के अतिरिक्त न्यायालय से आर.भवन चौधरी, राहुल, जयशंकर, नीरज आदि उपस्थित रहे।

भाजपा लक्ष्य प्राप्ति में जुटी: सुनीता अग्रहरि

जिलाध्यक्ष का स्वागत करती भाजपा नेत्री

संवाददाता। संतकबीरनगर

भाजपा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता अग्रहरि बुधवार को खलीलाबाद के मसहूर कपड़ा बाजार बरदहिया में भाजपा सदस्यता अभियान का आयोजन कर उन्होंने भारी संख्या में लोगों को भाजपा के नीतियों एवं विचारों को बताते हुए सदस्यता दिलाई। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वह निरन्तर सक्रिय है और अपने लक्ष्य के कार्य सफलता प्राप्त करेगी। उन्होंने इस दौरान केन्द्र व प्रदेश सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं के विषय में जानकारी दी। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष जगदम्बा लाल श्रीवास्तव, महामंत्री कौशलेश सिंह, गणेश पाण्डेय, ज्ञानेन्द्र मिश्र, अमित श्रीवास्तव, पूर्व सभासद श्याम बिहारी मोदनवाल, महामंत्री मुरलीधर जायसवाल सहित भाजपा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वोट नहीं दिया तो डायन बता सुना दिया गांव छोड़ने का फरमान

संवाददाता। बस्ती

● कुदरहा ब्लॉक की कड़सरी मिश्र की दलित रसोइया को झेलना पड़ रहा चुनाव का दंश

● सोशल मीडिया पर भददी-भददी गाली देकर महिला को बताया जादू-टोना करने वाली

अभी तक चुनावी रंजिश का खामियाजा उन दलितों और अन्य को भुगतना पड़ रहा है, जिन्होंने एक विशेष पक्ष को वोट और प्रचार प्रसार नहीं किया। ऐसे लोगों से अब बदला लिया जा रहा हैं, और उन्हें अनेक प्रकार से बदनाम करने की साजिश की जा रही है। रामपति नामक महिला को जादू-टोना करने वाली बताकर गांव से निकलने का फरमान सोशल मीडिया के जरिए सुना दिया।

मामला कुदरहा ब्लॉक के चर्चित ग्राम पंचायत कड़सरी मिश्र के राजस्व ग्राम तिघरा का सामने आया। प्राथमिक विधालय तिघरा में पिछले 15 साल से रसोईया का काम करने वाली दलित रामपति पत्नी दयाराम पर विपक्ष के लोग जादूटोना करने वाली महिला बताकर सोशल मीडिया के जरिए अपमानित और बेइज्जत कर रहे है। सोशल मीडिया के जरिए भददी-भददी गाली देकर महिला को बदनाम करने का कार्य समाज के ठेकेदार करने में लगे हुए है। इन्हें इस बात का भी ख्याल नहीं रहता कि जिस नारी को यह लोग बदनाम कर रहे हैं, वह नारी उनके घर में मां-बहन और पत्नी के रुप में भी रहती होगी। समाज के कुछ ठेकेदारों का सच बताने महिला बुधवार को एसपी से मिलने पहुंची। रोते हुए महिला ने बताया कि यही वह लोग हैं, जिन्होंने इससे पहले दो बार परिवार के लोगों को मार चुके हैं, एक साल पहले दिपावली के दिन मारने पीटने के

दलित रसोईया रामपति

आरोप में इन लोगों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज है। अब यही लोग उसे जादू-टोना करने और गांव वालों का जान लेने वाली महिला बताकर उसका तिरस्कार कर रहे है। कहा कि 25 नवंबर 21 को दो बजे रात में नाम से कुछ लोग उसके घर पर धावा बोला, और बाहर निकलने को कहा। महिला ने बताया कि चूंकि इससे पहले वह और उसका परिवार दो बार मार खा चुका है, इस लिए दरवाजा नहीं खोला, जब डायल 100 की पुलिस आई तो यह लोग भाग गए। बताया कि इससे पहले उसके नाती को यह लोग रास्ते में मारने की नीयत से घेर लिया था।बताया कि आठ दिन पहले पुलिस वालों ने उसे थाने बुलाया, और कहा कि अगर तुम यह हाड़ी अपने हाथ से फोड़ दो तो तुम्हें यह लोग परेशान नहीं करेंगे, बताया कि उसने पुलिस और मौजूद गांव के कुछ लोगों के कहने पर हाड़ी फोड़ दिया, तब उन लोगों ने हाड़ी फोड़ते समय उसका वीडियो और फोटो खींच लिया, और वही फोटो सोशल मीडिया में अपलोड कर उसे जादू-टोना करने वाली और डायन बताया जा रहा। बताया कि उसे नहीं मालूम था, कि हाड़ी फोड़ने की साजिश हो रही।

कहा कि यही गांव वाले हैं, जिन्होंने 15 साल में एक बार भी इस तरह का आरोप नहीं लगाया, और इन आठ दिनों में ऐसा क्या हो गया, कि यही लोग जादूटोना करने वाली महिला बताकर एक नारी को अपमान और बदनाम कर रहें हैं। महिला ने कृष्ण कुमार और रतनेश कुमार एमके नामक दो व्यक्ति के द्वारा फेसबुक पर पोस्ट किए गए कापी को भी एसपी को दिया। इस पूरे मामले में लालगंज की पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए जा रहे हैं, जिनके सामने थाने में महिला से हाड़ी फोड़वाया गया था, और बाद में उसी फोटो को सोशल मीडिया पर अपलोड कर महिला को जादू-टोना करने वाली बताकर उसे गांव से बाहर करने की साजिश की जा रही है।

महिला ने इस मामले में उस मनरेगा मजदूर का नाम भी लिखकर दिया, जो फारचूनर से चलने के कारण काफी शोहरत हासिल कर चुके है। जिले में चुनाव में बदला लेने का इस तरह का पहला मामला सामने आया है। जहां पर एक नारी को सरेआम अपमानित करने का घिनौना कार्य किया जा रहा हैं। इस तरह के लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग उठ रही है।

प्राइवेट स्कूल परिसर में गुम सा हो गया पंचायत भवन!

संवाददाता। बस्ती

● डीपीआरओ, एडीओ पंचायत, सेक्रेटरी और प्रधान तक को नहीं मालूम गया कहां भवन

देखा जाए तो जिले में सामुदायिक शौचालय और पंचायत भवन के नाम पर सरकारी धन की लूट मची हुई। इन दोनों प्रोजेक्टस पर सरकार का सबसे अधिक ध्यान और धन दोनों खर्च हो रहा है। शासन और प्रशासन स्तर पर जितनी समीक्षा इन दोनों परियोजनाओं पर अब तो हो चुकी है, उतनी शायद किसी अन्य परियोजना पर नहीं हुई होगी, धन भी सबसे अधिक इन्हीं दोनों पर अब तक खर्च हो चुका है। इन सबके बावजूद दोनों परियोजनाओं की जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। हालत यह है, कि पूरा धन निकल गया, मगर काम आधे से भी कम हुआ, काम पूरा कब होगा यह विभाग के लोगों को भी नहीं मालूम। हद तो तब हो गई, जब लाखों रुपये की लागत से बना पंचायत भवन कहां गया, किसी को नहीं मालूम, काफी तलाशने के बाद यह पंचायत भवन के एक प्राइवेट स्कूल के परिसर में मिला, जिसका उपयोग गांव वाले नहीं स्कूल वाले के करने की बात कही जा रही है। खोजने का यह कारनामा स्वचछ भारत मिशन एवं अपने कार्य के प्रति ईमानदार माने जाने वाले जिला सलाहकार आरएस सिंह ने किया। स्कूल परिसर में पंचायत भवन मिलने से लोग चकित रह गए, और चैन की सांस ली कि कम से कम पंचायत भवन मिल तो गया, भले ही इसकी तलाश एडीओ पंचायत, सेक्रेटरी और प्रधान नहीं कर पाएं। यह सच उस गौर विकास खंड का है, जहां पर विकास के अतिरिक्त अन्य सारे कार्य होते हैं, और वह भी कागजों में।ग्राम पंचायत असनहरा, इमिलिया, पेडरिया, सिद्धौर, पिरैला और सुअरबासा के निरीक्षण में काफी चौकाने वाले सच सामने आए। असनहरा में एक साल पहले अन्त्येष्टि

स्थल के नाम पूरा धन उपलब्ध कराया गया, मगर अभी तक एक ईंट भी नहीं रखी गई। जबकि वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर है। सामुदायिक शौचालय बने हुए कई माह हो गए, मगर अभी तक इसका दरवाजा ही नहीं खुला, और न किसी महिला समूह को हस्तान्तरित ही किया गया। अब जरा पंचायत भवन का हाल जान लीजिए। यहां का पंचायत भवन प्राइवेट विधालय सीताराम चौधरी राजमुन्नी देवी चौधरी इंटर कालेज के परिसर में मिला। बताया कि पंचायत भवन पहले बना था, और जब विधालय बना तो स्कूल वालों ने भवन को अपने परिसर के भीतर कर दिया। गांव वालों ने बताया कि विधालय परिसर के भीतर होने से इसका उपयोग नहीं हो रहा है, एक तरह 28 लाख पानी में चला गया। एडीओ पंचायत, सेक्रेटरी और प्रधान ने देखने क भी आवश्यकता महसूस नहीं की, उनका पंचायत भवन नीजि स्कूल के परिसर के भीतर कैसे चला गया। यहां के सेक्रेटरी रमेशचंद्र यादव है। यही हाल इमिलिया के पंचायत भवन का रहा। अभी तक खिड़की और दरवाजे तक नहीं लगे। इमिलिया के प्राथमिक विधालय में किसी भी कमरे में कायाकल्प योजना के तहत टायलिगं का कार्य नहीं हुआ। शौचालय का मरम्मत तक नहीं हुआ। पेड़रिया में सामुदायिक शौचालय अभी तक अपूर्ण है। शौचालय के गडढ़ों पर ढक्कन, रंगाई पोताई एवं पानी की टंकी तक की व्यवस्था नहीं हुई। जिसके चलते समूह को अभी तक नहीं दिया गया। यहां के सचिव रमेशचंद्र यादव है। पंचायत भवन की सबसे खराब स्थित ग्राम पंचायत सिद्धौर में मिला। इस भवन पर 28 लाख खर्च हो चुका है, और मात्र तीन लाख बचा है, जबकि काम कई लाख का होना बाकी है। जाहिर सी बात है, कि सरकारी धन का जमकर बंदरबांट हुआ। काम भी बंद मिला।सामुदायिक शौचालय तक नहीं बना। जबकि ग्राम निधि से 1.21 लाख और मनरेगा से 49 हजार खर्च हो चुका है। रिपोर्ट में इस बात का संदेह किया गया कि धन का दुरुपयोग हुआ, और यह कार्य पूर्व सेक्रेटरी प्रशांत पांडेय के कार्यकाल में हुआ, यहां के भी सेक्रेटरी रमेशचंद्र यादव है।

पिरैला में भी पंचायत भवन का कार्य अधूरा मिला। सामुदायिक शौचालय तो खुला ही नहीं मिला। प्रधान, सेक्रेटरी और समूह को नोटिस जारी करने की सिफारिश की गई। ग्राम पंचायत सुअरबासा में सामुदायिक शौचालय का निर्माण कार्य ही बंद मिला। रिपोर्ट में सबसे अधिक चौकाने वाली बात सामने आई। कहा गया कि किसी भी ग्राम पंचायत में खाद गडढ़ा, सोख्ता और प्लास्टिक कलेक्शन सेंटर नहीं मिला।

मतदाता बनने का एक और अवसर, उठाएं लाभ

संवाददाता। संतकबीरनगर

जिला निर्वाचन अधिकारी /जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व मनोज कुमार सिंह के साथ कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम हाऊस में चल रहे माकपोल का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दी। इस दौरान उन्होंने विभिन्न राजनैतिक दलो के जनप्रतिनिधियों से वार्ता किया तथा उनके समस्याओं को सुनी। ईवीएम माकपोल पूर्णतया पारदर्शी रहा। कही कोई समस्या नही दिखी।

जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल ने बताया कि जनपद में चल रहें विशेष संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण अभियान 01 नवम्बर से 30 नवम्बर 2021 तक के तिथि को भारत निर्वाचन आयोग ने निर्वाचक पंजीकरण 1960 के नियम 12 के अधीन प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए उ0प्र0 राज्य के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में दिनांक 01 जनवरी 2022 की अर्हता तिथि के आधार पर चल रहें निर्वाचक नामाविलियों के

माकपोल का निरीक्षण करती जिला निर्वाचन अधिकारी

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण में दावें और आपत्तियां दाखिल करने की पूर्व निर्धारित अवधि 30 नवम्बर 2021 से बढ़ा कर आगामी 05 दिसम्बर 2021 कर दी है। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी ने अर्हता तिथि 01 जनवरी 2022 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहें युवक/युवतियों से विशेष कैम्प के दौरान बूथ पर पहुँच कर मतदाता सूची में अपना नाम सम्मिलित किये जाने की प्रक्रिया पूर्ण करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग बूथ पर जाकर फार्म-6 भरकर जमा कर सकते हैं, बीएलओ बूथ पर सुबह 10 बजे से 04 बजे तक मौजूद रहेंगे। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी एसडीएम, तहसीलदार व संबंधित अधिकारियों को शत-प्रतिशत पात्रों को मतदाता सूची में शामिल करने के निर्देश दी है।

आग ने छीन लिया दलित 'राम सुरेश' का आशियाना

संवाददाता। बस्ती

साऊघाट ब्लॉक के ग्राम परसा हज्जाम गांव में शॉर्ट सर्किट से लगी में दलित राम सुरेश पुत्र बिक्री प्रसाद का झोपड़ी का आशियाना जलकर राख हो गया। कहते हैं कि आज अगर उसे भी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास मिला होता तो कम से उसका आशियाना तो नहीं उजड़ता। राम कुमार जैसे इस गांव के अनेक ऐसे दलित परिवार है, जो झोपड़ी में रहकर इज्जत बचाए हुए है। यह परिवार उन ब्लॉक प्रमुख, बीडीओ, सेक्रेटरी और प्रधान के लिए एक सवाल हैं, जिसमें यह पूछा जा रहा है, कि आखिर क्यों दलितों को ही आवास की योजना से वंचित कर दिया जाता है? और क्यों उन अपात्रों को आवास दे दिया जाता है, जिनके पास एक नहीं दो-दो पक्का मकान है। दलित परिवार का घर ही नहीं चला साथ ही उसके सपने भी जलकर राख हो गए। आग से दलित परिवार का जीविकोपार्जन का एक मात्र साधन पत्तल दोना बनाने वाली मशीन भी जलकर स्वाहा हो गया। साइकिल

और घर का सारा भी जल गया। अब इस परिवार के पास सर छिपाने के लिए छप्पर तक नहीं है। दलित परिवार के सामने परिवार के भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया। वैसे मौके पर पहुंचे प्रधान के सहयोगी हल्का लेखपाल को घटना की जानकारी मोबाइल से दे दी है।

डाकघरों को स्वच्छ रखने के साथ-साथ लोगों को भी करें जागरूक : पोस्टमास्टर जनरल

संवाददाता। रायबरेली

भारत सरकार के श्स्वच्छ भारत मिशन के तहत डाक विभाग द्वारा 15 से 30 नवंबर तक श्स्वच्छता पखवाड़ाश् मनाया गया। इसके तहत लोगों को स्वच्छता व पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कई कदम उठाए गए। वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने रायबरेली मंडल में रायबरेली और लालगंज प्रधान डाकघरों की साफ-सफाई का निरीक्षण किया। रायबरेली मंडल के अधीक्षक डाकघर अशोक बहादुर सिंह के साथ प्रधान डाकघर स्थित सभी शाखाओं में जाकर वहाँ की साफ सफाई का जायजा लिया एवं स्वच्छता हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। श्री यादव ने कहा कि स्वच्छता हमारे संस्कारों में शामिल है, ऐसे में हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि अपने परिसर को स्वच्छ रखने के साथ-साथ लोगों को भी इस हेतु जागरूक करें। पोस्टमैन डाक बाँटने के साथ-साथ श्स्वच्छता दूतश् के रूप में लोगों को स्वच्छता के प्रति भी जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने सफाईकर्मियों की भूमिका की भी सराहना की।

अनियन्त्रित कार पलटी, चालक घायल

नसीराबाद/डीह, रायबरेली। सलोन-जायस राजमार्ग पर सरॉंयदूला प्राथमिक विद्यालय की ओर जाने वाले खड़न्जा मार्ग के नजदीक देर रात एक कार अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खन्ती में पलट गई जिससे ड्राइवर घायल हो गया।गनीमत रही कि गाड़ी दो बार पलट कर सीधी हो गई और उसमें चालक के अलावा कोई भी सवार नहीं था। नसीराबाद थाना क्षेत्र के चन्दाबाहीं पुर गाँव का रहने वाला लवकुश पुत्र भोला पासी आयु 28 वर्ष अपनी ससुराल ग्राम गोपालीपुर कार्यक्रम में शामिल होने निजी कार से जा रहा था। अचानक सामने से नीलगाय आ गई। चोटिल होने के बावजूद उसने फोन से परिजनों को सूचना दी। परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नसीराबाद लाये जहाँ से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल भेज दिया गया। जिला अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।चिकित्सकों ने बताया कि चोट गम्भीर है किन्तु घायल की हालत खतरे से बाहर है।

नगर चौकी इंचार्ज पर खाताधारक ने लगाया पिटाई का आरोप

लालगंज रायबरेली। यूनियन बैंक में पैसा निकालने गये युवक को लालगंज नगर चौकी इंचार्ज ने जमकर पीट दिया। इस घटना की तहरीर पीडित कुलदीप निवासी निहस्था ने लालगंज कोतवाली प्रभारी को दी है।

पीडित कुलदीप वर्मा ने कोतवाती प्रभारी को दिये गये षिकायती पत्र में बताया कि वह अपने भाई के साथ कस्बे के बेहटा चौराहा स्थित यूनियन बैंक पैसा निकालने गये था। तभी वहां चेकिंग के नाम पर पहुंचे चौकी प्रभारी ने पूछतांछ के दौरान ही पीट दिया। कुलदीप ने मामले की जांच कर आरोपी दारोगा के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरो में उसकी पिटाई की घटना कैद है। जिसकी फुटेज की जांच करा ली जाये तो प्रभारी की करतूत सामने आ जायेगी। कोतवाली प्रभारी राजेष सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

सलोन , जगतपुर व ऊंचाहार से कानपुर तक नई बस सेवा शुरू

संवाददाता। ऊंचाहार,रायबरेली

विधान सभा ऊंचाहार को शासन ने बड़ी सौगात दी है । रोडवेज बस द्वारा सलोन से जगतपुर व ऊंचाहार से सीधे कानपुर को जोड़ा गया है । इसकी शुरुआत बुधवार से हो गई है ।भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रांतीय मंत्री अभिलाष कौशल ने अपने प्रयास से ऊंचाहार विधान सभा को बड़ी सहूलियत दिलवाई है । विशेषकर जगतपुर के लोगो के लिए सीधे कानपुर को बस सेवा का आरंभ कराया है । भाजपा नेता व क्षेत्रीय मंत्री अभिलाष चंद्र कौशल ने परिवहन मंत्री से बात करके ऊंचाहारविधानसभा नई बस सेवा प्रदान की है । अभी तक लोगों को आने जाने में असुविधा होती है। मंत्री ने तुरंत एक बस चलाया और दो बसों की मांग ऊंचाहार सलोन होते हुए जायस वह ऊंचाहार सलोन होते हुए प्रतापगढ़ के लिए सर्वे चल रहा है । जो जल्दी बस चालू कराई जाएगी । बुधवार को नई बस ऊंचाहार पहुंची तो गाजे बाजे के साथ बस का स्वागत किया गया । इस मौके पर भाजपा नेता अभिलाष कौशल ने कहा कि मोदी योगी के नेतृत्व में देश आज विकास के पथ पर है। विकास की गंगा जन-जन तक पहुंच रही है। आने वाले टाइम में ऊंचाहार विधानसभा को लोगों को जो भी सेवा करने का मौका मिलेगा उसमें हमेशा तत्पर रहूंगा। इस मौके पर अध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा राधेश्याम सोनी गुड्डन यादव राजू यादव सोनू सोनी विनीत कौशल राजू सोनी मेराज नकवी अरविंद यादव करण पटेल आलोक कौशल प्रमोद चौरसिया ओम प्रकाश साहू शुभम साहू इंद्रपाल सरोज अजय यादव लवकुश सरोज सोहन लाल वर्मा फिरोज राहुल सरोज शुभम यादव आदि लोग रहे।

बेल्जियम को हराकर भारत अंतिम चार में

जूनियर हॉकी विश्व कप

●सेमीफाइनल में जर्मनी से होगी भिड़ंत

भाषा। भुवनेश्वर

मौजूदा चैंपियन भारत ने यूरोप की शीर्ष टीम बेल्जियम का 1-0 से हराकर बुधवार को यहां एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश करके खिताब बचाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। लखनऊ में 2016 में पिछले टूर्नामेंट में बेल्जियम को 2-1 से हराकर खिताब जीतने वाले भारत ने जूनियर हॉकी में यूरोपीय टीम पर अपना दबदबा बरकरार रखा।

श्रद्वानंद तिवारी ने 21वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला जो भारत के लिए अंतिम चार में पहुंचने के लिए पर्याप्त था। यह मैच दोनों टीमों के रक्षात्मक कौशल का शानदार उदाहरण रहा और भारत एक गोल दागने से आगे बढ़ने में सफल रहा। भारत शुक्रवार को सेमीफाइनल में पिछली बार के कांस्य पदक विजेता जर्मनी से भिड़ेगा। छह बार के चैंपियन जर्मनी ने शूटआउट में स्पेन को 3-1 से हराया। दोनों टीमें नियमित समय तक 2-2 से बराबरी पर थी। बेल्जियम ने आक्रामक शुरुआत करके भारत पर दबाव बनाया लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने किसी तरह की हड़बड़ी नहीं दिखाई और सहजता से हमलों को नाकाम किया।

बेल्जियम को गोल करने का पहला मौका 13वें मिनट में मिला लेकिन भारतीय गोलकीपर प्रसांत चौहान ने थीबियु स्टॉकब्रोक्स का करीब से जमाया गया शॉट रोक दिया भारत को गोल करने का पहला मौका पहले क्वार्टर के अंतिम क्षणों में मिला लेकिन उत्तम सिंह का प्रयास बेल्जियम के गोलकीपर बोरिस फेल्डीम ने विफल कर दिया।

भारत ने दूसरे क्वार्टर में आत्मविश्वास भरा खेल दिखाया और 21वें मिनट में अपना पहला पेनल्टी कार्नर हासिल किया जिसे तिवारी ने कुशलता से गोल में बदला।

बेल्जियम को 26वें मिनट में पेनल्टी कार्नर मिला लेकिन जेफ डि विंटर का फ्लिक बाहर चला गया। भारत मध्यांतर तक 1-0 से आगे था।

बेल्जियम पर जीत के बाद भारतीय टीम

बेल्जियम ने तीसरे क्वार्टर में आक्रामक रवैया अपनाया लेकिन वे भारत की रक्षापंक्ति में सेंध नहीं लगा पाए। इस बीच किसी भी टीम को कोई स्पष्ट मौका नहीं मिला।

बेल्जियम ने चौथे क्वार्टर में अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। खेल के 50वें मिनट में भारत के दूसरे गोलकीपर पवन ने डाइव लगाकर शानदार बचाव करके रोमन डुवेकोट के प्रयास को नाकाम किया। बेल्जियम को 52वें मिनट में पेनल्टी कार्नर मिला लेकिन भारतीय रक्षकों ने उसे इसका फायदा नहीं उठाने दिया।

बेल्जियम ने खेल समाप्त होने से तीन मिनट पहले अपने गोलकीपर को हटाकर अतिरिक्त खिलाड़ी उतारा लेकिन इससे भी उसे कोई फायदा नहीं मिला। उसे खेल समाप्त होने से दो मिनट पहले पेनल्टी कार्नर मिला लेकिन भारतीयों ने उसे भी नाकाम कर दिया।

जर्मनी, अर्जेंटीना और फ्रांस भी सेमीफाइनल में पहुंचे

भाषा। भुवनेश्वर

छह बार के चैंपियन जर्मनी के अलावा अर्जेंटीना और फ्रांस ने बुधवार को यहां अपने अपने मैच जीतकर एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दिन के पहले क्वार्टर फाइनल में जर्मनी ने स्पेन को शूटआउट में 3-1 से हराया। दोनों टीम निर्धारित समय तक 2-2 से बराबरी पर थी। इसके बाद अर्जेंटीना ने नीदरलैंड को 2-1 से पराजित किया। फ्रांस ने अपना चमत्कारिक प्रदर्शन जारी रखा और तीसरे क्वार्टर फाइनल में मलेशिया को 4-0 से हराया।

जर्मनी ने पांचवें मिनट में क्रिस्टोफर कुटेर के पेनल्टी स्ट्रोक पर किए गए गोल की मदद से बढत बना ली। इसके छह मिनट बाद ही हालांकि स्पेन के इग्नासियो अबाजो ने पेनल्टी कॉर्नर पर बराबरी का गोल किया। अगले दो क्वार्टर में कोई गोल नहीं हो सका। स्पेन ने 59वें मिनट में एडुअर्ड डे इग्नासियो सिमो के गोल की मदद से बढत बना ली। आखिरी सीटी बजने पर जर्मनी को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर मासी फांट ने गोल करके मैच को शूटआउट में खींच

सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद खुशी मनाती जर्मन टीम

दिया। शूटआउट में जर्मनी के लिए पॉल स्मिथ, माइकल स्ट्रथोफ और हानेस म्यूलेर ने गोल दागे जबकि मातेओ पोजारिच चूक गए। वहीं स्पेन के अगाजो, गुइलेरमो फोर्चूनो और सिमो गोल चूक गए जबकि गेरार्ड क्लापेस ने गोल किया।

नीदरलैंड के मिलेस बकेन्स ने अगले मिनट में ही पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर मध्यांतर तक स्कोर 1-1 से बराबरी पर रखा। नीदरलैंड ने दूसरे हाफ में अच्छी शुरुआत की और लगातार चार पेनल्टी कार्नर हासिल किए लेकिन अर्जेंटीना का रक्षण बेहद मजबूत था और उसने खतरे आसानी से टाल दिए। लेकिन नीदरलैंड के तमाम प्रयास तब बेकार साबित हुए जब 59वें मिनट में आत्मघाती गोल करने के कारण उसे हार का सामना करना पड़ा। शेल्डन स्कोटेन ने तब फ्लोरिस मेडनडोर्प का क्रास रोकने के बजाय गोल में भेज दिया था। फ्रांस और मलेशिया के बीच मैच एकतरफा साबित हुआ। यूरोपीय टीम ने अपने सभी गोल पेनल्टी कार्नर पर किए। इनमें से कप्तान टिमोथी क्लेमेंट (14वें, 24वें और 60वें मिनट) ने तीन गोल करके हैट्रिक बनाई जबकि मैथियास क्लेमेंट (31वें मिनट) ने अन्य गोल किया।

ईशांत को दोबारा लय हासिल करने में अभी कुछ समय लगेगा : म्हाम्ब्रे

●सपाट पिच पर उमेश के प्रदर्शन से खुश हैं गेंदबाजी कोच

भाषा। मुंबई

भारत के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने बुधवार को कहा कि ईशांत शर्मा की लय पर ज्यादा क्रिकेट नहीं खेल पाने से असर पड़ा है और कुछ टेस्ट मैच खेलकर वह फिर चिर परिचित फॉर्म में नजर आएंगे। मौजूदा भारतीय टीम में सौ टेस्ट खेल चुके एकमात्र खिलाड़ी ईशांत इंग्लैंड दौरे पर नाकाम रहे और न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर में पहले टेस्ट में भी एक भी विकेट नहीं ले सके।

म्हाम्ब्रे ने कहा कि ईशांत ने लंबे समय से ज्यादा टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है। वह आईपीएल नहीं खेलते और ना ही टी-20 विश्व कप खेला। इतने लंबे ब्रेक का असर पड़ा है। ईशांत ने पिछले चार टेस्ट में 109.2

ओवर डालकर सिर्फ आठ विकेट लिए हैं। आईपीएल के दूसरे चरण में उन्हें दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने का मौका नहीं मिला। उन्हें टी-20 विश्व कप के लिए भी नहीं चुना गया था। म्हाम्ब्रे ने कहा कि हम उसकी लय पर काम कर रहे हैं और हमें इसकी जानकारी है। मुझे यकीन है कि कुछ मैचों के बाद वह लय हासिल कर लेगा। 300 से अधिक टेस्ट विकेट ले चुके ईशांत का काम विरोधी टीम के विकेट लेना ही नहीं बल्कि मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे युवा तेज गेंदबाजों का मार्गदर्शन करना भी है। म्हाम्ब्रे ने कहा कि उसके पास अपार अनुभव है और ड्रेसिंग रूम में उसके होने से काफी फर्क पड़ता है। युवा तेज गेंदबाज उससे तेज गेंदबाजी की बारीकियां सीख सकते हैं। इससे काफी मदद मिलेगी।

उन्होंने इस बात का कोई जवाब नहीं दिया कि मुंबई में वानखेड़े स्टेडियम की पिच से मिलने वाले उछाल और बारिश के मौसम की नमी से मिलने वाली स्विंग के कारण क्या मोहम्मद सिराज को मौका दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कानपुर की सपाट पिच पर उमेश यादव के प्रदर्शन से वह खुश हैं। उन्होंने कहा कि दूसरी पारी में उमेश के प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। उसने एक स्पैल में केन विलियमसन को काफी परेशान किया। उस पर यह खास प्रदर्शन था और उसने अपनी ओर से पूरी कोशिश की। भारतीय गेंदबाजों के पास न्यूजीलैंड की आखिरी जोड़ी रचिन रविंद्र और ऐजाज पटेल को तोड़ने के लिए 52 गेंद थी लेकिन वे कामयाब नहीं हुए।

हनुमा और सरफ्राज ने भारत ए को संभाला

ब्लोमफोंटेन। भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हनुमा विहारी और युवा सरफराज खान के बीच अटूट साझेदारी से भारत ए ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में बुधवार को यहां पांच विकेट पर 198 रन बनाए।

भारत ए ने 154 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे जिसके बाद हनुमा (नाबाद 45) और सरफराज (नाबाद 30) ने छठे विकेट के लिए 44 रन की अटूट साझेदारी करके पारी को संभाला। हनुमा ने 146 गेंद का सामना करते हुए छह चौके जड़े हैं जबकि सरफराज की 51 गेंद की पारी में तीन चौके शामिल हैं। इसके अलावा इशान किशन (49) और सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव (42) ने भी उपयोगी पारियां खेली।

भारत ए अब भी दक्षिण अफ्रीका ए से 99 रन से पीछे है जिसने पहली पारी में 297 रन बनाए। मार्को जेनसन 70 रन बनाकर नाबाद रहे।

मुंबई में सटीक गेंदबाजी करने की जरूरतः पटेल

भाषा। मुंबई

भारत में जन्में न्यूजीलैंड के स्पिनर एजाज पटेल ने बुधवार को कहा कि वह और उनके साथी स्पिनर पहले टेस्ट में सटीक लाइन और लेंथ से गेंदबाजी नहीं कर पाने के दोषी हैं और शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में उन्हें सटीक गेंदबाजी करने की जरूरत है।

पटेल ने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि मुझे लगता है कि स्पिन गेंदबाजी इकाई के रूप में संभवत: हम दोषी थे कि हमने लंबे समय तक स्टंप पर गेंदबाजी नहीं की। साथ ही भारतीय बल्लेबाज स्पिन के अच्छे खिलाड़ी हैं।

उन्होंने हमें अधिक मौके नहीं दिए। पटेल ने कानपुर टेस्ट में तीन विकेट चटकाए जबकि रचिन रविंद्र और विलियम समरविले के खाते में एक भी विकेट नहीं गया। इसके विपरीत अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की स्पिन तिकड़ी ने पहले टेस्ट में मिलकर 17 विकेट हासिल किए। पटेल ने कहा कि हमें सुनिश्चित करना होगा कि हम सटीक लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी करें। मुझे यकीन है कि खिलाड़ी सबक लेंगे और अगले मैच में सामंजस्य बैठाएंगे लेकिन उसके लिए विकेट अलग होगा।

उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी के नजरिए से, हमारे बल्लेबाजों ने उनके जैसे क्षमतावान स्पिनरों के खिलाफ उस विकेट पर शानदार प्रदर्शन किया, यह सामंजस्य बैठाने और सीखने तथा हमारे सामने जो परिस्थितियां हैं उनके अनुसार खेलने से संबंधित है। पटेल ने कहा कि उनकी टीम उलटफेर करने में सक्षम हैं और दूसरे टेस्ट में जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी।

रमेश मेंडिस ने छह विकेट चटकाए वेस्टइंडीज को मिली मामूली बढ़त

●श्रीलंका के 204 रन के जवाब में वेस्टइंडीज 253 पर सिमटी

भाषा। गॉल (श्रीलंका)

ऑफ स्पिनर रमेश मेंडिस ने छह विकेट लेकर वेस्टइंडीज को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन बुधवार को यहां मामूली बढ़त हासिल करने दी। वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के 204 रन के जवाब में 253 रन बनाकर 49 रन की बढ़त हासिल की। श्रीलंका की दूसरी पारी की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 46 रन बनाए और वह अभी वेस्टइंडीज से तीन रन से

पीछे है। वेस्टइंडीज ने सुबह एक विकेट पर 69 रन से आगे खेलना शुरू किया। उसकी पहली पारी का आकर्षण कप्तान क्रेग ब्रेथवेट (72) का अर्धशतक रहा। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज जरमाइन ब्लैकवुड ने 44, नक्रुमाह बोनर ने 35 और काइल मायर्स ने नाबाद 36 रन का योगदान दिया।

रमेश मेंडिस ने 70 रन देकर छह विकेट लिए और वह दूसरी पारी में वेस्टइंडीज की टीम के लिए अधिक चुनौती पेश कर सकते हैं। उनके अलावा लेसिथ एम्बुलडेनिया और प्रवीण जयविक्रमा ने दो दो विकेट हासिल किए।

श्रीलंका ने दूसरी पारी में कप्तान दिमुथ करुणारत्ने (छह) और ओशादा फर्नांडो (14) के विकेट गंवाए। दोनों बल्लेबाज रन आउट हुए। स्टंप उखड़ने के समय सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका 21 और चरित असलंका चार रन पर खेल रहे थे।

इंग्लैंड ने महिला फुटबॉल में लाटविया को रिकार्ड 20-0 गोलों से हराया

एपी। डोनकास्टर

इंग्लैंड महिला फुटबॉल टीम ने अपने इतिहास की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए विश्व कप क्वालीफायर में लाटविया को 20-0 से हराया। इंग्लैंड के लिए दस अलग अलग खिलाड़ियों ने गोल किए और चार ने हैट्रिक जमाई।

एलेन व्हाइट ने भी तीन गोल किए जिनके अब 48 अंतरराष्ट्रीय गोल हो गए हैं और वह इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक गोल करने वाली महिला फुटबॉलर बन गई।

इससे पहले इंग्लैंड की सबसे बड़ी जीत 2005 में हंगरी के खिलाफ 13-0 से थी। अन्य मुकाबलों में आयरलैंड ने जॉर्जिया को 11-0 से और स्पेन ने स्कॉटलैंड को तथा आस्ट्रिया ने लक्जेमबर्ग को 8-0 गोलों से हराया।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में रोहित, कोहली व अश्विन अपने स्थान पर बरकरार

भाषा। दुबई

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजों की बुधवार को जारी ताजा रैंकिंग में रोहित शर्मा और विराट कोहली बल्लेबाजी में जबकि आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन गेंदबाजी में अपने अपने स्थान पर बने हुए हैं।

रोहित पांचवें, कोहली छठे और अश्विन दूसरे स्थान पर है जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एक पायदान गिरकर दसवें स्थान पर हैं।अश्विन को छोड़कर भारत के बाकी तीनों खिलाड़ी कानपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ ड्रॉ रहे पहले टेस्ट का हिस्सा नहीं थे।

पहला टेस्ट खेलकर मैन आफ द मैच रहे श्रेयस अय्यर 105 और 65 रन की पारियां खेलकर बल्लेबाजी रैंकिंग में 75वें स्थान पर हैं। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल छह पायदान

चढकर 66वें और रिधिमान साहा नौ पायदान चढकर 99वें स्थान पर हैं। रविंद्र जडेजा गेंदबाजों की सूची में दो पायदान चढकर 19वें स्थान पर हैं। वह हरफनमौलाओं की सूची में भी दूसरे स्थान पर हैं। अश्विन हरफनमौलाओं में तीसरे और बल्लेबाजों में 79वें स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड के लिए टॉम लैथम 14वें से नौवे स्थान पर पहुंच गए जिन्होंने 95 और 52 रन की पारियां खेली। गेंदबाजों में काइल जैमीसन नौवें स्थान पर हैं। टिम साउदी तीसरे स्थान पर हैं और अश्विन से एक अंक ही पीछे हैं। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच गॉल में खत्म हुए पहले टेस्ट के बाद पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी पहली बार शीर्ष पांच में पहुंच गए हैं। पाकिस्तान ने पहला टेस्ट आठ विकेट जीता। अफरीदी ने इस मैच में सात विकेट लिए और वह तीन पायदान चढकर पांचवें स्थान पर आ गए। तेज गेंदबाज हसन अली भी पांच पायदान चढकर 11वें स्थान पर हैं। बल्लेबाजों में आबिद अली 133 और 91 रन बनाकर 20वीं रैंकिंग पर हैं। उन्हें 20 पायदान का फायदा हुआ। बांग्लादेश के लिए मुशफिकुर रहीम चार पायदान चढकर 19वें और लिटन दास 26 पायदान चढकर 31वें स्थान पर हैं।

एंडी फ्लॉवर ने पंजाब किंग्स का कोच पद छोड़ा

भाषा। नई दिल्ली

जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान एंडी फ्लॉवर ने पंजाब किंग्स के सहायक कोच के पद से त्यागपत्र दे दिया है और उनके इंडियन प्रीमियर लीग 2022 में किसी नई टीम से जुड़ने की संभावना है।

एक दशक से भी अधिक समय तक इंग्लैंड में कोच का काम करने वाले फ्लॉवर 2020 सत्र से पूर्व पंजाब किंग्स से जुड़े थे। यह पहला अवसर था जबकि वह किसी आईपीएल टीम से जुड़े थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा, उन्होंने हाल में टीम को अपना त्यागपत्र भेजा। इसे स्वीकार कर लिया गया है। इसकी पूरी संभावना है कि वह किसी नई टीम (लखनऊया अहमदाबाद) से जुड़ेंगे।

इसकी पूरी संभावना है कि अगले आईपीएल में इस 53 वर्षीय पूर्व बल्लेबाज को अधिक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

सिंधू व श्रीकांत जीते, युगल में भारतीय जोड़ी हारी

विश्व टूर फाइनल्स

भाषा। बाली

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और किदाम्बी श्रीकांत ने अपने अपने मैच सीधे गेम में जीतकर बुधवार को यहां सत्र के आखिरी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में शानदार शुरुआत की।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसेन को 21-14, 21-16 से हराया। इससे पहले श्रीकांत ने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को ग्रुप बी के मुकाबले में 42 मिनट के भीतर 21-14, 21-16 से पराजित किया।

यह टूर्नामेंट जीतने वाली एकमात्र भारतीय सिंधू का सामना अब जर्मनी की वोन्ने लि से होगा। सिंधू ने 2018 में यह खिताब जीता था। महिला युगल में अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी को हालांकि जापान की दूसरी वरीयता प्राप्त नामी मत्सुयामा और चिहारू शिडा की जोड़ी ने 21-14, 21-18 से मात दी। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को भी हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय जोड़ी को ग्रुप ए के अपने पहले मुकाबले में डेनमार्क के किम एस्ट्रूप और एंडर्स रासमुसेन ने आसानी से 21-16, 21-5 से शिकस्त दी। पुरुष एकल में दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने शानदार खेल दिखाते हुए दुनिया के 33वें नंबर के खिलाड़ी को हराया। पहला गेम शुरूआत में करीबी रहा लेकिन ब्रेक तक श्रीकांत ने 11-9 की बढत बना ली। इसके बाद लगातार पांच अंक लेकर स्कोर 16-10 किया और जल्दी यह यह गेम जीत लिया। दूसरे गेम में वह 1-4 से पिछड़ रहे थे लेकिन जल्दी वापसी करते हुए ब्रेक तक दो अंक की बढत बना ली। यह बढत जल्दी ही 14-9 की हो गई लेकिन फिर अंतर 19-14 का रह गया। टोमा के लांग शॉट से श्रीकांत को चार मैच अंक मिले और बेहतरीन नेट प्ले से उन्होंने मुकाबला जीत लिया। अब उनका सामना थाईलैंड के कुंलावुत वितिदसर्न से होगा।

चोटिल साइना नहीं खेलेंगी, सिंधू को पहले दौर में बाई मिली

नई दिल्ली। दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी साइना नेहवाल अपने अंतरराष्ट्रीय कैरियर में पहली बार चोटों के कारण विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप में भाग नहीं लेंगी। वहीं गत चैंपियन पीवी सिंधू को पहले दौर में बाई मिली है लेकिन उन्हें क्वार्टर फाइनल में टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता ताइ जू यिंग और सेमीफाइनल में दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी कारोलिना मारिन से भिड़ना पड़ सकता है।

लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना ने विश्व चैम्पियनशिप में एक रजत और एक कांस्य पदक जीता है जबकि आठ बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची। वह ग्रोइन में खिंचाव और घुटने की चोट से जूझ रही है। विश्व चैम्पियनशिप स्पेन के हुएलवा में 12 से 19 दिसंबर तक खेली जाएगी। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू को 12 से 19 दिसंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए छठी वरीयता दी गई है। सिंधू को दूसरे दौर में स्लोवेनिया की मार्टिना रेपिस्का और इंडोनेशिया की रूसेली हर्तावन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ना होगा।

साइना के पति और साथी खिलाड़ी पारूपल्ली कश्यप ने बताया कि साइना को विश्व चैम्पियनशिप से नाम वापिस लेना पड़ा क्योंकि वह ग्रोइन और घुटने की चोट से जूझ रही है। वह समय पर फिट नहीं हो सकेगी। अक्टूबर में डेनमार्क में थॉमस और उबेर कप में साइना को चोट के कारण बीच से ही बाहर होना पड़ा। फ्रेंच ओपन में भी वह पहले दौर के दूसरे गेम के बाद नहीं खेल सकी। कश्यप ने कहा कि उसे उबेर कप में ग्रोइन की चोट लगी थी।

एशियाई टीम स्क्वॉश में भारत ने पाक को हराया

भाषा। कुआलालंपुर

शीर्ष वरीय भारतीय पुरुष टीम ने बुधवार को यहां पाकिस्तान को 2-1 से हराकर चार मैचों के बाद एशियाई स्क्वॉश टीम चैंपियनशिप में अपना अजेय अभियान जारी रखा। शीर्ष भारतीय खिलाड़ी सौरव घोषाल ने अहम जीत दर्ज की जब उन्होंने पहले दो गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए तैयब अस्लम को 56 मिनट में हराया। घोषाल जब अस्लम के खिलाफ उतरे तो पूल ए का यह मुकाबला 1-1 से बराबर था। घोषाल ने पहले दो गेम 9-11, 7-11 से गंवाए लेकिन फिर वापसी करते हुए अगले तीन गेम 11-।, 11-7, 11-8 से जीतकर भारत को जीत दिला दी।

रमित टंडन ने मुहम्मद आसिम खान को हराकर भारत को बढ़त दिलाई लेकिन नासिर इकबाल ने महेश मनगांवकर को हराकर स्कोर 1-1 कर दिया। इससे पहले भारत ने जापान को 3-0 से हराया।

जर्मनी डेविस कप टेनिस के अंतिम में चार में पहुंचा

●क्वार्टरफाइनल में ब्रिटेन को हराया

एपी। इंसब्रक

जर्मनी ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ब्रिटेन को डेविस कप क्वार्टर फाइनल में हराकर चौदह वर्ष बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। जर्मनी के केविन क्रावीज और टिम पुट्ज ने निर्णायक युगल मुकाबले में ब्रिटेन के जो सालिस्बरी और नील स्कुपस्की को 7-6, 7-6 से हराया।

इससे पहले डेनियल इवांस ने पीटर जी को 6-2, 6-1 से हराकर ब्रिटेन को बढत दिला दी थी। इसके बाद हालांकि जान लेनार्ड स्ट्रफ ने कैमरन नॉरी को 7-6, 3-6, 6-2 से हराकर जर्मनी को बराबरी दिलाई। जर्मनी ने तीन बार डेविस कप जीता है लेकिन

जीत का जश्न मनाती जर्मन टीम

आखिरी बार 1993 में खिताब अपने नाम किया था।

पिछले 14 साल में पहला सेमीफाइनल खेल रही जर्मनी टीम की टक्कर स्वीडन या रूस से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में क्रोएशिया का सामना सर्बिया या कजाखस्तान से होगा। आस्ट्रिया में लॉकडाउन के कारण डेविस कप टेनिस दर्शकों के बिना खेला जा रहा है।

विनम्रता से परिपूर्ण

बंटी और बबली-2 के प्रचार के लिए अभिनेता पंकज त्रिपाठी का साक्षात्कार एक स्वतंत्र बातचीत में बदल गया, जहां वह क्रिस्टी वर्गीस को बता रहे हैं कि वह आज अपने जीवन में जो कुछ भी हैं, उसके लिए वह दर्शकों के आभारी हैं.....

साल 2005 में बंटी और बबली ने खूब धमाल मचाया था। फिल्म ने पहली बार बच्चन पिता और पुत्र की जोड़ी को सिल्वर स्क्रीन पर एक साथ प्रदर्शित किया था। फिल्म रनवे पर सफल रही और उस वर्ष दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी।

19 नवंबर, 2021 को फास्ट-फॉरवर्ड - बंटी और बबली 2 (बैब-2) आज सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। नाम से जाने पर, यह सोचने की इच्छा हो सकती है कि बैब-2 एक सीक्वल है। हालाँकि, हम बॉलीवुड के दिग्गज पंकज त्रिपाठी तक पहुंच प्राप्त करने में सक्षम थे, जो सीधे रिकॉर्ड स्थापित करने के लिए पर्याप्त थे।

''ठीक है, आपको यह समझने के लिए फिल्म देखनी होगी कि यह फिल्म 2005 में रिलीज हुई बंटी और बबली से कैसे अलग है। बीएबी 2 2005 में जो हुआ, उसके 15 साल बाद सेट किया गया है, काफ़ी लम्बा गैप है। नाम के अलावा, रानी मुखर्जी और चोरों के इर्द-गिर्द केंद्रित एक प्लॉट, बैब-2 बंटी और बबली से बहुत कम मिलता जुलता है। यदि आप अधिक जानकारी की तलाश कर रहे हैं, तो मैं कोई ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो किसी फिल्म के रिलीज होने से पहले उसके बारे में जानकारी देगा'', त्रिपाठी हंसते हुए कहते हैं।

ऐसा लगता है कि मिर्जापुर स्टार एक सहज व्यक्तित्व के साथ-साथ एक अलौकिक आकर्षण भी रखते हैं, या शायद वह सिर्फ हम ही थे, एक ऐसी छवि पर भरोसा करते हुए जो एक अभिनेता अपने करियर के दौरान विकसित करता है, जिसमें वे भूमिकाएं निभाते हैं। वह निश्चित रूप से हमें विश्वास दिलाएगा कि वह सिर्फ एक और व्यक्ति है, अपने स्वयं के विचित्रताओं के साथ। लेकिन जो नज़र आता है उससे कहीं अधिक लोगों के लिए हमेशा होता है; जो लोग अनजान हो सकते हैं, उनके लिए त्रिपाठी एक बेहद मृदुभाषी स्टार हैं, सही मायने में, जो अपने स्टारडम को सम्मान के बिल्ले की तरह नहीं पहनते हैं।

मामले पर वापस आते हुए, बीएबी 2 की मार्केटिंग टीम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इस बार चार चोर हैं, मुखर्जी, सैफ अली खान, सिद्धांत चतुर्वेदी और नवोदित शरवरी वाघ द्वारा निबंधित, जो त्रिपाठी के खिलाफ खड़े हैं, जो पुलिस इंस्पेक्टर जटायु की भूमिका निभाते हैं। सिंह. हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था कि फिल्म रिलीज होने से पहले वह किसी भी जानकारी का खुलासा नहीं करेंगे, हमें अधिक से अधिक जानकारी के लिए अपनी नौकरी और मछली पर टिके रहना होगा। इसलिए, हम मदद नहीं कर सकते लेकिन पूछ सकते हैं कि क्या पुलिस वाले को चोरों के खिलाफ जीत हासिल होती है।

और थपथपाकर जवाब आता है, चोरों और एक पुलिसकर्मी के बीच बिल्ली और चूहे के इस खेल में, जो जीतता है, फिल्म का आधार ही है। मैं आपको जो बता सकता हूं वह यह है कि समय जीतता है। हम इंसान कभी भी समय के ज्वार के खिलाफ नहीं जीत सकते। यह महान तुल्यकारक है, यह हमारे बीच सबसे बड़े के साथ-साथ नीच लोगों के लिए भी आता है। हम कभी-कभी खुद को यह सोचकर मूर्ख बना सकते हैं कि हमने कुछ जीत लिया है, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि दिन के अंत में, समय बीतने से हम सभी को मात मिलती है।

जबकि उनका एक असंबंधित विषय पर विस्तार करना एक अच्छा संकेत था, क्योंकि आकर्षक बातचीत को शाखाबद्ध करने के लिए जाना जाता है और किसी एक विशेष चीज़ से चिपके रहने के लिए नहीं जाना जाता है, हम मदद नहीं कर सकते लेकिन यह व्यक्त कर सकते हैं कि यह त्रिपाठी गुरुजी की तरह लग रहा था, सेक्रेड गेम्स से, कुछ भारी हिट के साथ फिल्मों के प्रचार से संबंधित कुछ सामान्य प्रश्न के लिए दर्शनशास्त्र। हमें उससे पूछना था कि वह कितना विचारशील है।

त्रिपाठी का मानना है कि हमारे दिमाग में, हमारे विचारों में डूबे रहना, बहुत स्वाभाविक है। ''चाहे हम पल में हों या कहीं और, अंकित मूल्य पर, हर कोई अपने विचारों में व्यस्त है। मुझे लगता है कि विचारहीन होना चुनौती है। यदि कोई विचारहीनता की उस स्थिति को प्राप्त करना चाहता है, तो बहुत सारा अनुशासन, प्रयास और ध्यान की आवश्यकता है'', त्रिपाठी ने सोच-समझकर साझा किया।

जबकि हमें यह बातचीत का रास्ता पसंद आया, हमें याद आया कि हम काम पर थे और हमने जो प्रश्नावली तैयार की थी, उस पर अगले पॉइंटर पर चले गए, जिसने उनसे चतुर्वेदी और शारवरी के साथ काम करने के उनके अनुभव के बारे में पूछताछ की। ''यह एक बेहद आनंददायक अनुभव था! शरवरी और चतुर्वेदी दोनों ईमानदार होते हैं और तैयार हो जाते हैं। मैं उन्हें किनारे से देखता था और वे हमेशा अपने पैर की उंगलियों पर दिखाई देते थे, जो सच्चे पेशेवरों की निशानी है'', खुलासा करता है अनुभवी अभिनेता।

हमने यह भी पूछताछ की कि क्या वह शूटिंग के बाद ब्रेक लेने में सक्षम थे, और ब्रेक के बारे में उनका क्या विचार है, क्योंकि उन्होंने कुछ समय पहले यह बताया था कि उनका शेड्यूल ओवरलोड है और वह अगले ब्रेक की प्रतीक्षा कर रहे हैं। ''ठीक है, मेरे पास एक विस्तारित ब्रेक लेने की विलासिता नहीं थी। आदर्श रूप से, मैं एक महीने की छुट्टी लेना चाहता हूं और बस किसी ऐसी जगह की यात्रा करना चाहता हूं जहां मैं बस बैठकर प्रकृति की सुंदरता को देख सकूं। और, ओह हाँ, सेल रिसेप्शन गरीब होना चाहिए, वहां। जब भी मुझे पता चलता है कि मैं कुछ समय निकाल सकता हूं, मैं अपने गांव की यात्रा करता हूं और जैसे ही मैं देखता हूं कि मेरे फोन में नेटवर्क नहीं है, तो राहत की भावना होती है'' त्रिपाठी साझा करते हैं।

हमने उनके सपनों के बारे में भी एक सवाल किया - अब जब वह हिंदी फिल्म उद्योग में एक अनुभवी दिग्गज हैं, तो अब उनका क्या सपना है?''मैं एक युवा लड़के के रूप में बॉम्बे आया था, जो एक अभिनेता बनने की इच्छा रखता था। और 17 वर्षों के बाद, बहुत उतार-चढ़ाव के बाद, मैंने आखिरकार इस उद्योग में अपने लिए एक जगह बना ली है,'' वह याद करते हैं। ''जो भी सपने या मेरे पास जो योजनाएं थीं, मुझे बहुत कुछ मिला है। अभी तो सरप्लस में चल रहा है सब। मैं दर्शकों का बहुत आभारी हूं, उनके बिना, मैं वह नहीं होता जहां मैं आज हूं। अभी तक, मैं एक ऐसे स्थान पर हूं जहां मैं इस तथ्य की सराहना करता हूं कि जो मेरे पास नहीं है उसके पीछे भागने की जरूरत नहीं है। कुछ हद तक संबंधित नोट पर, मुझे लगता है कि आज के समय में हमारे पास जो कुछ है उसकी हम सराहना नहीं करते हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारे पास शायद एक अंतहीन सूची नहीं है। जब हम भूत या भविष्य के बारे में सोचते हैं, तो हम अक्सर वर्तमान की उपेक्षा करते हैं। वर्तमान की देखभाल करके ही हम अपने भविष्य को प्रभावित कर सकते हैं। यहां और अभी की बात करें तो मैं यहां हूं, आपसे बात कर रहा हूं और स्पष्ट रूप से यह एक है अच्छी बातचीत''

जब हमने विनम्र चापलूसी के लिए दिग्गज को धन्यवाद दिया, तो उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया से हमें वापस ले लिया, ''वह चापलूसी नहीं थी, मेरा मतलब है कि मैं क्या कहता हूं। जीवन में झूठ बोलना मेरा रास्ता नहीं है। सिनेमा में, जिस रास्ते पर हम अभिनेता चलते हैं, वह पंक्तिबद्ध है झूठ, मुझे यकीन है कि आपको मेरा मतलब समझ में आ गया है, एक स्क्रिप्ट वास्तव में सच नहीं है। यह सावधानीपूर्वक तैयार किए गए झूठ का एक अच्छी तरह से पैक किया गया बंडल है जिसे हम कलाकारों को यथासंभव सच्चाई से प्रदर्शित करने की आवश्यकता है। जब मैं कैमरे के सामने नहीं होता हूं , मैं झूठ से निपटना या लिप्त नहीं होना चाहता'', त्रिपाठी जोर से कहते हैं।

आज सिनेमाघरों में रिलीज हो रही बंटी और बबली 2 पर लौटते हुए त्रिपाठी का कहना है कि यह फिल्म हल्के-फुल्के पारिवारिक मामला है। ''मुश्किल समय में हंसना एक तरह की दवा है। बैब-2 आपका मनोरंजन करने और आपको हंसाने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं आपको आमंत्रित करता हूं कि आप आएं और सिनेमाघरों में अपने दिलों को हंसकर रिलीज करें'', वह वादा करते हैं।

पितृसत्ता से मुक्ति

बदलते समय की पृष्ठभूमि के खिलाफ, स्नेहिल खानोर सभी से सदियों पुरानी धारणाओं को तोड़ने और इस पुरुष दिवस पर दूसरों की देखभाल और पोषण करने के लिए अपनी अंतर्निहित प्रकृति को अपनाने का आग्रह करते हैं।

पुरुष पुरुष होंगे, लड़के रोते नहीं, मर्द को दर्द नहीं होता, पुरुषों को निडर होना चाहिए, एक असली आदमी अपनी पत्नी को नियंत्रण में रखना जानता है; और पुरुष निश्चित रूप से 'एफ' शब्द - भावनाओं के बारे में बात नहीं करते हैं!

भले ही हम 21वीं सदी में जी रहे हैं, लेकिन ये कुछ ही बयान हैं जो दशकों और पीढ़ियों से चले आ रहे हैं। लिंग संबंधी रूढ़िवादिता जो इन बयानों को बल देती है, यथास्थिति बनाए रखने में योगदान करती है, पितृसत्ता को अपनी जमीन पर रखने की अनुमति देती है।

जबकि पितृसत्ता महिलाओं को कैसे प्रभावित और नीचा करती है, इस बारे में बहुत कुछ कहा गया है, बड़ा सवाल यह है कि क्या पितृसत्ता केवल निष्पक्ष सेक्स को प्रभावित करती है? और क्या इसका पुरुषों, उनके जीवन या भावनाओं पर भी कोई प्रभाव पड़ सकता है?

सदियों पुरानी संरचना का दूसरा पहलू: यह सच है कि पितृसत्ता पुरुषों के लिए भी बहुत अधिक दोषमुक्त नहीं है। जहां महिलाओं को आदर्श बेटियां, पत्नियां, बहुएं और मां बनने की आवश्यकता होती है, पुरुषों से अपेक्षा की जाती है और कभी-कभी उन्हें मुखौटा पहनना भी सिखाया जाता है ताकि वे मर्दानगी के छोटे, आदर्श सांचे में फिट हो सकें और पदों के लिए तैयार हो सकें वर्चस्व और पसंदीदा लिंग के शीर्षक के साथ उठाए जाने से उन्हें जहरीले मर्दानगी मिथक से बचाने के लिए बहुत कम है। बचपन से किशोरावस्था तक, जब लड़कियों को भावनात्मक रूप से उपस्थित, पोषण और उनकी इच्छाओं पर निर्भर होने के लिए कहा जाता है, लड़कों को स्वतंत्र, मजबूत और भावनात्मक होना सिखाया जाता है। उन्हें अवचेतन रूप से गुलाबी नहीं पहनने, फूलों के इत्र, या यहां तक कि त्वचा देखभाल उत्पादों का उपयोग करने के लिए वातानुकूलित किया जाता है। काम या करियर के अलावा अन्य विषयों पर खुद को व्यक्त करने के लिए पुरुषों की इस तरह की अनिच्छा, यहां तक कि करीबी दोस्तों के समूह के बीच भी, पुरुषों के लिए अवसाद और चिंता जैसे मुद्दों पर बाहर आने से रोकने का एक महत्वपूर्ण कारक है। हालांकि इस घृणा को अक्सर अपने महिला समकक्षों के बजाय पुरुष साथियों द्वारा कम मर्दाना के रूप में देखे जाने के डर से उपजा हुआ देखा जाता है; हो सकता है कि हम इसे जॉन वेन पर उनके कठोर व्यक्तिवाद और उपयुक्त मर्दानगी के लिए दोषी ठहरा सकते हैं, जो वास्तविक कहानी नहीं बताता कि पुरुष वास्तव में कैसे बढ़ सकते हैं।

लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि पितृसत्ता केवल पुरुषों में ही नहीं होती। महिलाएं भी पितृसत्ता के ज्वार में तैर रही हैं और कभी-कभी पुरुषों की तरह ही पितृसत्तात्मक होती हैं। वे एक ही प्रकार के पूर्वाग्रह रखते हैं और अक्सर चाहते हैं कि उनके साथी मर्दानगी के छोटे से बॉक्स में फिट हों।

पितृसत्ता रिश्तों में बदल रही है: मर्दानगी की दृष्टि से यह तो बस शुरुआत है। लैंगिक भूमिकाओं का यह कठोर द्विभाजन पुरुषों और महिलाओं को दूर-दूर के मानकों के गुलाम बना रहा है कि उन्हें कैसे व्यवहार और आचरण करना चाहिए। साथ ही, यह उनके रिश्तों में भी रिस रहा है, उन्हें उनकी पिछली पीढ़ियों के क्लोन बना रहा है और मुसीबतें पैदा कर रहा है, विशेष रूप से अगली पीढ़ी के सहस्राब्दी और जेन जेड अपनी इच्छाओं और खुशी के मूल्य के बारे में अधिक जागरूक हैं। लेकिन यह उभरता हुआ परिदृश्य पुरुषों और महिलाओं को पितृसत्ता से बाहर निकलने का भी आह्वान कर रहा है क्योंकि पुराने नियम अंतरंगता और खुशी के लिए नहीं बनाए गए थे।

पुनर्विचार भूमिकाएं: जैसा कि हम सामाजिक चेतना के एक नए युग की शुरुआत कर रहे हैं, ऐसे कई भारतीय पुरुष हैं, जो पारंपरिक भूमिकाओं से बाहर निकल रहे हैं और खुले तौर पर एक घर में समान जिम्मेदारियों को साझा करने के विचार को स्वीकार कर रहे हैं। देखभाल और पालन-पोषण की प्रवृत्ति से पीछे नहीं हटते, बहुत से सहस्राब्दी पिता और पति आगे आ रहे हैं, कभी-कभी घर पर रहने वाले पिता भी अपने बच्चों के साथ अधिक शामिल होने और जिम्मेदारियों को साझा करने के लिए आगे आ रहे हैं।

यहां तक... कि कोविड -19 के दौरान, जब कार्यालय बंद हो गए, तो बहुत से पुरुषों ने घर पर और अधिक काम करना शुरू कर दिया, और यहां तक... कि घर के कामों जैसे कि बर्तन बनाना और दिन में तीन बार खाना बनाना भी शुरू कर दिया। प्रसिद्ध सेलिब्रिटी और क्रिकेटर विराट कोहली सहित कुछ अधिक जागरूक पुरुष एक कदम आगे बढ़ गए हैं क्योंकि वे उन महिलाओं से शादी करना चुनकर बाधाओं को तोड़ते हैं जो लंबी हैं और उनसे ऊपर हैं।

ऐसे जोड़ों और व्यक्तियों द्वारा इस भूमिका को उलटने को रेखांकित करना, यह तथ्य है कि उन्होंने सामान्य रूप से अन्य सेक्स और रिश्तों के प्रति एक स्वस्थ दृष्टिकोण सीखने और फिर सीखने की हिम्मत की।

जमीनी स्तर: हम उस युग को पार कर चुके हैं जब पुरुष मंगल से थे और महिलाएं शुक्र से। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि दोनों ग्रह पृथ्वी से हैं और दोनों को आधे के रूप में काम करने के बजाय पूर्णता की अवधारणा में गोता लगाने की जरूरत है, जहां एक कमाने वाला है और दूसरा गृहिणी है। जहां महिलाओं को लचीला, बोल्ड और स्त्रैण और आत्मविश्वासी होने की जरूरत है, वहीं पुरुषों को भी मजबूत, कमजोर, आत्मविश्वासी और संवेदनशील होने की जरूरत है। और जैसे-जैसे ज्वार बदल रहा है, हम देख सकते हैं कि पुरुष यह भी समझ सकते हैं कि पितृसत्ता को कुचलने से उन्हें जो कुछ हासिल होगा, वह उनके खोने की तुलना में कहीं अधिक है। क्योंकि दिन के अंत में, हर मर्द को दर्द होता है।

(लेखक एक ऑनलाइन डेटिंग ऐप, ट्रूलीमैडली के सह संस्थापक और सीईओ हैं।)

भारतीय फुटवियर

खुशबू कीर्ति कहती हैं कि ज्यादातर समय लोग घर के अंदर ही रहते हैं। आरामदायक फुटवियर की प्राथमिकता अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर है।

जबकि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय फुटवियर में जबरदस्त बदलाव देखा गया है, हाल के दिनों में उद्योग में महामारी जैसे रुझानों को चिह्नित नहीं किया गया है। लोगों के ज्यादातर समय घर के अंदर रहने के साथ, आरामदायक फुटवियर की प्राथमिकता अब तक के उच्चतम स्तर पर है। इस पोस्ट-कोविड युग में खरीदारी के लिए ऑनलाइन वेबसाइटों पर चप्पल और सैंडल शीर्ष खोज हैं। अब जूते और जूते और ऊँची एड़ी के जूते पर वापस जाना मुश्किल है, अब जब हमने अपने पैरों को एक सपाट चप्पल में फिसलने के जादुई क्षण का स्वाद चखा है, और यही है, आप जाने के लिए अच्छे हैं। हम दो साल ऐसे ही रहे हैं और जब मैंने वोग पर सैंडल के साथ मोजे पहनने का चलन देखा, तो मुझे पता था कि यह सर्दियों के दौरान भी रहने वाला है।

जबकि बैलेरिना, किटन हील्स, ब्लॉक हील्स या वेजेज, ग्रीक सैंडल और लोफर्स का भी भारतीयकरण किया गया है, कुछ फुटवियर हमेशा की तरह भारतीय बने हुए हैं, जो इसकी विशाल और विविध संस्कृतियों और परंपराओं से संबंधित हैं। शैली पर आराम के कारकों को ध्यान में रखते हुए, लेकिन निश्चित रूप से, इसका मतलब यह नहीं है कि हमें कुछ सुस्त रखना है, और अत्यधिक आराम से रहना है। यह एक ही समय में ठाठ और आरामदायक हो सकता है। यहां भारतीय फुटवियर में चार रुझान हैं जिन्हें हमारी पीढ़ियों द्वारा सबसे अधिक अपनाया जा रहा है-

पादुका/खड़ाऊं: हमारे पूर्वजों के समय से, जूते का एक रूप है जिसे हम जानते हैं कि उस समय का आदर्श था - पादुका। हम इसके बारे में जानते हैं क्योंकि एक समय था जब रामायण ने हमें सिखाया था कि कैसे भगवान राम ने अपने पिता के वचन का अपमान करने से इनकार कर दिया और उनके भाई, भरत, जो राम को अपने जीवन से अधिक प्यार और सम्मान करते थे, ने राम की चप्पल मांगी। यह ज्ञात है कि भरत ने इन पादुकाओं के साथ अयोध्या के सिंहासन को अलंकृत किया, इस प्रकार, दुनिया को यह ज्ञात और स्पष्ट किया कि राम राज्य के वास्तविक शासक थे, जबकि वे केवल शासन और उनके स्थान पर मुद्दों को दबाने का ध्यान रखते थे। यहां सैंडल थे जो वास्तव में एक राजा के रूप में शासन करते थे! खड़ाऊं फुटवियर का एक रूप है जिसे फिर से तैयार किया गया है और आधुनिक समय के अनुकूल है, मूल बातें समान हैं। ज्यादातर मामलों में लकड़ी के बजाय चमड़े का उपयोग किया जाता है।

अक्रेटी क्रिएशंस के इन खड्डों में सीड लेदर बेस और लेदर स्ट्रैप लगे हैं। चमड़ा शुद्ध है और यहाँ घर पर पहनने के लिए पर्याप्त आरामदायक है, जबकि बाहर दिखने के लिए पर्याप्त स्टाइलिश है। इसे स्थानीय कारीगरों ने हाथ से तैयार किया है। छोटे व्यवसायों का समर्थन करके, हम स्थानीय व्यवसायों के लिए एक बाजार बनाते हैं और वास्तव में पीएम मोदी के %वोकल फॉर लोकल% को बढ़ावा देते हैं। इससे न केवल पर्यावरण को लाभ होता है, बल्कि यह स्थायी फैशन के अंतर्गत आता है, बल्कि देश में बेरोजगारी की समस्या को हल करने में भी मदद करता है।

जूती: और मैं कैसे भारतीय जूतों की बात करता रहूं, लेकिन सबसे प्रिय जूतियां को भूल जाऊं। वे कुछ ऐसे हैं जो कभी भी शैली से बाहर नहीं जाते हैं और अब जब हम स्थानीय के लिए मुखर हो रहे हैं, स्थानीय व्यवसायों के लिए एक समर्थन प्रणाली बनाने के प्रयास में, जूटियां को अद्वितीय तरीकों से नया और स्टाइल किया गया है और वर्तमान समय के अनुकूल है।

त्योहारों के मौसम को अपनी सुंदरता से सजाते हुए, इन शाही नीले रंग के खुसों ने दीवाली पर मेरी स्याही वाली नीली कफ्तान और सफेद पैंट को सजाया। सफेद दृश्यों में जटिल काम केवल इसके सौंदर्यशास्त्र को जोड़ता है।

कोल्हापुरी: कोल्हापुरी चप्पलों का इतिहास भी पुराने समय में वापस जाता है, 12 वीं शताब्दी के आसपास, जब पश्चिमी चाल्युका साम्राज्य के राजा बिज्जला और उनके मंत्री बसवन्ना ने मोची समुदाय के उत्थान के लिए कोल्हापुरी चप्पलों के स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहित किया।

हालांकि, ऐतिहासिक रूप से, ये चमड़े से बने थे, और हम जूते को गैर-चमड़े और चमड़े की श्रेणियों में विभाजित कर सकते हैं, एक और लोकप्रिय प्रवृत्ति अब शाकाहारी जूते और जानवरों पर आधारित उत्पादों का उपयोग कर रही है। जबकि, निश्चित रूप से, हस्तनिर्मित लोगों के साथ चिपके रहना।

वेलवेट फुटवियर को सक्रूरता मुक्त होने पर गर्व होता है। इन नीले कोल्हापुरी स्टाइल के झुर्रीदार स्ट्रैप फ्लैटों में एक बहुत अच्छी तरह से कुशन और लचीला एकमात्र होता है, जिसमें एंटी-स्लाइड अनाज और एक स्क्रूची जैसा गर्म और आरामदायक पट्टा होता है।

स्ट्रैप्ड फ्लैट सैंडल: ट्रेंडीएस्ट और चौबीसों घंटे चलने वाले फुटवियर मोनोक्रोम फ्लैट सैंडल होंगे, जिसमें मामूली गोल स्ट्रैप और चंकी और जीवंत रंग होंगे। प्राकृतिक रंगों, आकर्षक पेस्टल से लेकर बोल्ड रंगों तक, पैनटोन स्ट्रैप्ड फ्लैट सैंडल हमेशा आसपास रहे हैं। देसी ब्रांड के ये पेस्टल सैंडल जितने खूबसूरत हैं उतने ही खूबसूरत भी। वे साल भर हर अवसर पर सूट करते हैं, चाहे वह एथनिक वियर हो या डेनिम्स या फ्लावर फ्रॉक, या स्प्रिंग स्कर्ट, ये अचूक फुटवियर बस सब कुछ के साथ चलते हैं - आराम से मिलने की शैली का एक क्लासिक प्रदर्शन।